IIM KASHIPUR

वार्षिक रिपोर्ट
FY 2023-24

विषयसूची

हमारे बारे में 1
ध्येय एवं लक्ष्य 2
शासी मण्डल 3
अध्यक्ष की ओर से 5
निदेशक की ओर से 6
व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम 19
व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर (एनालिटिक्स) कार्यक्रम 25
कार्यकारी एमबीए कार्यक्रम 33
कार्यकारी एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम 39
डॉक्टरेट कार्यक्रम 48
छात्रवृत्तियाँ 52
फाइनल प्लेसमेंट रिपोर्ट 2022-24 54
ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट रिपोर्ट 2023-25 71
कार्यकारी/प्रबंधन विकास कार्यक्रम 79
कस्टमाइज़ेड प्रबंधन विकास कार्यक्रम 79
ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम 80
अंतर्राष्ट्रीय संबंध 84
उत्कृष्टता केंद्र 87
सार्वजनिक नीति और सरकार में उत्कृष्टता केंद्र 87
नवाचार और उद्यमिता विकास फाउंडेशन 89
डिज़ाइन इनोवेशन सेंटर 94
लर्निंग रिसोर्स सेंटर 96
आईसीटी इन्फ्रास्ट्रक्चर 104
संकाय एवं शिक्षाविद 106
अनुसंधान प्रकाशन 111
छात्र गतिविधियाँ 116
आयोजन 119
आंतरिक शिकायत समिति की रिपोर्ट (आईसीसी)........ 161
कार्य 162
भर्ती/नियुक्तियाँ 163
अतिरिक्त विवरण........ 164
ऑडिट रिपोर्ट और बैलेंस शीट........ 182

हमारे बारे में

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर एक विशिष्ट सार्वजनिक बिजनेस स्कूल है, जो ग्यारह वर्षों से भारत में कॉर्पोरेट क्षेत्र और प्रबंधन शिक्षा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इन वर्षों में हमने सफल व्यवसायी नेतृत्वकर्ता, प्रबंधन विचारक और नौकरी सृजक तैयार किए हैं।

संस्थान की स्थापना विद्यार्थियों की सामाजिक और सांस्कृतिक जागरूकता को परिष्कृत करते हुए गुणवत्तापूर्ण प्रशासन प्रदान करने के लक्ष्य के साथ की गई है। इसकी स्थापना जुलाई 2011 में शीर्ष प्रबंधन शिक्षा प्रदान करने और सफल व्यावसायिक नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने के मन्तव्य से की गई थी। यह अभिनव और विशिष्ट शिक्षण विधियों का उपयोग करते हुए, स्थायी नेतृत्व का अभ्यास करके एवं समाज में सार्थक योगदान प्रदान कर,उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करने की आकांक्षा रखता है।

संस्थान प्रकृति की अद्‌भुत सुंदरता से भरपूर है, जो शैक्षणिक दृढ़ता को एक संपूर्ण अनुभव प्रदान करता है। उत्तराखंड में जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क से सिर्फ 25 किमी दूर स्थित इसका 200 एकड़ का विशाल परिसर, हिमालय की गोद में बसे शांत शहर काशीपुर में उत्साह और उल्लास फैलाता है।

संस्थान में अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा है, जिसमें हरा-भरा वातावरण, पूरी तरह से जुड़ी हुई विश्वस्तरीय कक्षाएँ, विद्यार्थी संचालित भोजनालय, कैफेटेरिया, एक कैंटीन, एक बैंक, एटीएम, एक किराने की दुकान, एक व्यायामशाला, एम्फीथिएटर, एक बहुमंजिला पुस्तकालय, वाई-फाई सक्षम शैक्षणिक ब्लॉक, विद्यार्थियों के लिए वातानुकूलित छात्रावास, खेल के मैदान और स्वतंत्र क्षेत्रतथा शांत और स्थिर वातावरण वाली एक सुंदर झील सम्मिलित हैं।

संस्थान भारत के सबसे सघन औद्योगिक जिलों में से एक के निकट स्थित है, जहाँ शहर में और इसके आसपास लगभग 200 उद्यमों के संयंत्र हैं; यह महत्वपूर्ण भौगोलिक स्थिति संस्थान के लिए एक लाभप्रद स्थल प्रदान करती है, जब यह नियमित उद्योग संपर्कों और लाइव परियोजनाओं के साथ अपने आदर्श वाक्य 'क्रियामूलक अधिगम/करके सीखना' को चरितार्थ करती है।

संस्थान का आदर्श वाक्य

संस्थान का आदर्श वाक्य है 'क्रियामूलक अधिगम/करके सीखना'

परिकल्पना

एक प्रतिष्ठित संस्थान बनना जो प्रबंधन अनुसंधान एवं शिक्षा को बढ़ावा देता है और बदलती दुनिया में सकारात्मक सामाजिक प्रभाव पैदा करने वाले नेतृत्वकर्ताओं को विकसित करता है।

उद्देश्य

संस्थान प्रबंधन के उभरते क्षेत्रों में व्यावहारिक और अंतःविषय अनुसंधान एवं प्रथाओं के माध्यम से ज्ञान सृजिततथा प्रसारित करने का प्रयास करता है। संस्थान सामाजिक रूप से जागरूक, सक्षम और नैतिक व्यावसायिक नेतृत्वकर्ताओं एवं शोधकर्ताओं को विकसित करता है, जो समावेशी होने के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास और अंतर्राष्ट्रीयकरण दोनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए महत्वपूर्ण सोच, नवाचार और उद्यमिता की क्षमता रखते हैं।

आधार मूल्य

- सहशासन
- सभी हितधारकों के साथ सक्रिय जुड़ाव
- हरित चेतना
- पारदर्शिता

शासी मण्डल

31 मार्च 2024 को शासी मण्डल के रूप में

श्री संदीप सिंह
अंतरिम अध्यक्ष
लेखक एवं स्वतंत्र निदेशक

श्री पी.के. बनर्जी
संयुक्तसचिव (एमजीटी और एमसी और छात्रवृत्ति)

श्रीमती राधा रतूरी
मुख्य सचिव, उत्तराखंड सरकार
उत्तराखंड सरकार के प्रतिनिधि

श्री अरविन्द महाजन
IIMPACT के संस्थापक सदस्य,
और प्रसिद्ध प्रबंधन सलाहकार

सुश्री विभा मल्होत्रा
निदेशक, भारतीय उद्योग परिसंघ

श्री एन. के. मिश्रा
आईपीएस,SK-88, सेवानिवृत्त

प्रो कीर्ति शारदा
संगठनात्मक व्यवहार क्षेत्र में संकाय,
आईआईएम अहमदाबाद

प्रो कुलभूषण बलूनी
निदेशक, आईआईएम काशीपुर

प्रो सोमनाथ चक्रबर्ती
डीन (अकादमिक),
आईआईएम काशीपुर

प्रो कुणाल के गांगुली
डीन (विकास),
आईआईएम काशीपुर

श्री अतुल कुमार श्रीवास्तव(I)
सचिव बीओजी,
आईआईएम काशीपुर

अध्यक्ष की कलम से

प्रिय हितधारकों,

मैं वर्ष 2023-24 में आईआईएम काशीपुर की उल्लेखनीय उपलब्धियों को साझा करते हुए बहुत गर्व और गहन कृतज्ञता महसूस कर रहा हूँ। एनआईआरएफ 2022 में 23वें स्थान से 2023 में 19वें स्थान तक की हमारी यात्रा, संपूर्ण आईआईएम काशीपुर समुदाय द्वारा उत्कृष्टता की अनवरत खोज का साक्ष्य है। यह उन्नति केवल एक संख्यात्मक उपलब्धि नहीं है, बल्कि अकादमिक और परिचालन प्रवीणता के प्रति वचनबद्धता, निरंतर समर्पण एवं लचीलेपन का प्रतिबिंब है।

लगातार विकसित हो रहे शैक्षिक परिदृश्य के समक्ष, आईआईएम काशीपुर ने तत्परतापूर्ण और बड़ी प्रबलता से स्वयं को अनुकूलित किया है। हमने निरंतर सीखने, अत्याधुनिक शोध और समग्र विकास के वातावरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। अनुभवात्मक शिक्षा, उद्योग कार्यशालाओं और अनूठे पाठ्यक्रम संरचनाओं पर बल, उद्योग-तत्पर पेशेवरों को तैयार करने के हमारे समर्पण को दर्शाता है। कार्यकारी शिक्षा, ऑनलाइन कार्यक्रमों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में हमारा विस्तार, शिक्षा की बदलती गतिशीलता के लिए हमारी अनुकूलनशीलता को और भी उजागर करता है।

मुझे शोध में किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विशेष रूप से हर्ष हो रहा है, जैसा कि प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में कई प्रकाशनों और उद्धरणों में हो रही संतोषजनक वृद्धि से ज्ञात होता है। यह हमारे संकाय सदस्यों की ज्ञान के सृजन एवं प्रसार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है, जो वैश्विक शैक्षणिक मंच पर संस्थान की बढ़ती प्रतिष्ठा में योगदान देता है।

विविधता और समावेशन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमारे मिशन के मूल में बनी हुई है। हमारे कार्यक्रमों में बढ़ती लैंगिक विविधता, विशेष रूप से एमबीए (एनालिटिक्स) बैच में, जहाँ ६९% छात्राएँ हैं, एक सशक्त एवं संतुलित शैक्षिक वातावरण बनाने के हमारे प्रयासों को उजागर करती है। इसके अलावा, छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता के माध्यम से आर्थिक एवं सामाजिक चुनौतियों से जूझते विद्यार्थियों के लिए हमारा सहयोग, यह सुनिश्चित करता है कि उत्कृष्टता के रास्ते में कोई बाधा न आए।

कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं में हमारे विद्यार्थियों की सफलता एवं उनके शानदार प्लेसमेंट, आईआईएम काशीपुर में उन्हें प्रदत्त सुदृढ़ शिक्षा का प्रमाण है। संस्थान का नवाचार और उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करना फलदायी रहा है, जिसमें फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (FIED) एवं डिज़ाइन इनोवेशन सेंटर जैसी पहलों ने उद्यमशीलता की प्रतिभा को पोषित करने में अग्रणी भूमिका निभाई है। हमारे विद्यार्थियों द्वारा स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए एक न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद का विकास, हमारे नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के समाज पर पड़ने वाले प्रभाव का एक शानदार उदाहरण है।

जब हम भविष्य की ओर देखते हैं, मुझे विश्वास है कि शिक्षा मंत्रालय, उत्तराखंड सरकार, हमारे बोर्ड ऑफ गवर्नर्स और व्यापक समुदाय के निरंतर सहयोग से, आईआईएम काशीपुर और भी अधिक ऊँचाइयाँ छुएगा। समावेशिता, शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमें आगे बढ़ाएगी क्योंकि हम भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं को आकार देना जारी रखेंगे।

अंत में, मैं संकाय, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, भूतपूर्व विद्यार्थियों एवं हमारे सभी हितधारकों के प्रति उनके अथक समर्पण के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। साथ मिलकर, हम उत्कृष्टता की एक विरासत का निर्माण कर रहे हैं, जो समय की कसौटी पर खरी उतरेगी।

सादर,

संदीप सिंह

अंतरिम अध्यक्ष, आईआईएम काशीपुर

आईआईएम काशीपुर वार्षिक रिपोर्ट 2023-24 पर निदेशक का संबोधन

आईआईएम काशीपुर ने 2011 में दूसरी पीढ़ी के आईआईएम के रूप में अपनी यात्रा का शुभारंभ किया था, जिसका उद्देश्य उभरते उद्योग रुझानों के साथ सामंजस्य बिठाते हुए अकादमिक दृढ़ता को बढ़ावा देना था। हमारा मिशन शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य से आगे विस्तारित होते हुए, सामाजिक परिवर्तन लाने, उद्यमशीलता एवं समावेशी विकास को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है।आज, हम संस्थान एवं हमारे हितधारकों दोनों के लिए समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक ऊर्ध्वगामी प्रक्षेपपथ पर अग्रसर हैं। यह प्रतिबद्धता न केवल हमारी शैक्षणिक पेशकशों का संवर्धन करती है बल्कि समुदाय और व्यापक अर्थव्यवस्था में हमारी भूमिका को भी सशक्त बनाती है।

मुझे गर्व है कि मैं वर्ष 2023-24 के दौरान हमारी उल्लेखनीय उपलब्धियों पर एक टिप्पणी प्रस्तुत कररहा हूँ।

शोध:

आज, हम अपने संस्थान के ध्येय एवं परिकल्पना को अनुकरणीय शोध के माध्यम से मूर्त रूप देने का उत्सव मनारहे हैं, जो न केवल अकादमिक दृढ़ता की संवीक्षा पर खरा उतरा है बल्कि हमारे आधार मूल्यों को यथार्थ परिणामों में साकार भी करता है। हम यहाँ क्रिया-उन्मुख शोध के क्षेत्र में मार्गनिर्देशन करते हैं, एक ऐसी यात्रा जो ज्ञान की हमारी अथक खोज, नेतृत्व के विकास और समाज के भीतर परिवर्तनकारी सुधारों को मूर्त रूप देने को परिलक्षित करती है।

प्रबंधन प्रणालियों के अंतर्गत पर्यावरण और स्थिरता के बारे में हमारा अन्वेषण, आर्थिक सफलता को पारिस्थितिकी प्रबंधन के साथ संतुलित करने की अनिवार्यता पर प्रकाश डालता है। समुदाय और समाज पर केंद्रित अध्ययन हमें याद दिलाते हैं कि व्यवसाय शून्यता में संचालित नहीं होते; बल्कि वे जिस सामाजिक ताने-बाने को सेवा प्रदत्त करते हैं, उसके अभिन्न अंग होते हैं एवं उससे प्रभावित होते हैं।

तकनीकी नवाचार हमारे शोध का आधार है, जो यह निर्धारित करता है कि हम व्यवसाय के भविष्य को कैसे समझते हैं और कैसे शिक्षित करते हैं। उद्यमशील उपक्रम एवं क्षेत्रीय विकास हमारे लोकाचार का केंद्र बने हुए हैं, जो उन आर्थिक साधनों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिन्हें हम सशक्त बनाना चाहते हैं।

शोध परियोजनाएँ:

उत्तराखंड के हरे-भरे परिदृश्यों में, जहाँ बाजरा एक स्थायी फसल के रूप में उभरा है, ICSSR द्वारा वित्तपोषित "उत्तराखंड में बाजरा उत्पादन: इसके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव और विपणन चुनौतियों का एक अनुभवजन्य विश्लेषण" शीर्षक वाली आईसीएसएसआर (ICSSR)शोध परियोजना, हमारे संस्थान के मिशन के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। यह महत्वपूर्ण परियोजना बाजरा की कृषि की जटिलताओं पर प्रकाश डालती हैतथा उन चुनौतियों और अवसरों को उजागर करती है जो पर्यावरण संरक्षण के सुप्रबंधन के साथ संलग्न हैं।एक स्थायी और लाभदायक फसल के रूप में बाजरा के बारे में किसानों की धारणा को समझने एवं इसके सामाजिक-आर्थिक लाभों का विश्लेषण करने के लिए,इस परियोजना का प्रयास संपोषणीय क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के हमारे उद्देश्य को दर्शाता है। यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि बाजरा उत्पादन को अपनाने से पर्यावरणीय स्वास्थ्य और आर्थिक लचीलापन कैसे परिवर्धित हो सकता है, जो संधारणीय एवं समावेशी विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शैक्षणिक सर्वेक्षण के माध्यम से समालोचनात्मक सामाजिक मुद्दों को संबोधित करना हमारे संस्थान की ध्येय-संरचना में निहित है, आईसीएसएसआर (I C S S R)की अल्पकालिक प्रयोगसिद्ध परियोजना जिसका शीर्षक है "उत्तर भारत में सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से लैंगिक भेदभाव को संबोधित करना: दिल्ली एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड का एक अध्ययन" लैंगिक समानता एवं क्षेत्रीय विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पहल के हिस्से के रूप में प्रारंभ की गई, सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) का उद्देश्य शिक्षा और वित्तीय स्वतंत्रता के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाना है। यह शोध परियोजना दिल्ली-एनसीआर, उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा के आर्थिक और सामाजिक रूप से विविध क्षेत्रों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में,सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) के प्रभाव और क्षमता का बहुआयामी विश्लेषण प्रदान करके हमारे संस्थान के उद्देश्यों के साथ पूरी तरह से संरेखित है। यह अध्ययन बालिकाओं को शैक्षिक अवसर और आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रदान करने में इस योजना की भूमिका का आकलन करता है एवं लक्षित क्षेत्रों में इसके व्यापक सामाजिक-आर्थिक प्रभावों की संवीक्षा करता है।

शैक्षणिक शोध के माध्यम से सामाजिक विकास की जटिलताओं को सुलझाने की हमारी निरंतर यात्रा में, एक महत्वपूर्ण परियोजना: "व्यावसायिक उच्च शिक्षा में दिव्यांग महिलाएँ: जीवंत अनुभव और अधिकार-आधारित नीति दृष्टिकोण" पर प्रकाश डालते हुए मुझे गर्व है।यह अध्ययन, समावेशिता और सशक्तिकरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो व्यावसायिक क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली दिव्यांगमहिलाओं के जीवंत अनुभवों का गहन शोध

करता है। यह इन महिलाओं के समक्ष आने वाली बहुआयामी बाधाओं को समझने और उन्हें दूर करने के हमारे समर्पण को दर्शाता हैएवं जो अधिक समावेशी शैक्षणिक और सामाजिक ढाँचे के लिए हमारी सामूहिक आकांक्षा को रेखांकित करता है।

इस परियोजना में किया गया शोध केवल एक शैक्षणिक प्रयोग नहीं है, बल्कि नीति सुधार और सामाजिक परिवर्तन के लिए एक स्पष्ट आह्वान है। यह दिव्यांग महिलाओं की सूक्ष्मतर चुनौतियों और सफलता पर प्रकाश डालता हैएवं उनके लचीलेपन और संसाधनशीलता के बारे में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। ये निष्कर्ष शिक्षा के लिए अधिकार-आधारित दृष्टिकोण का पक्ष-समर्थन करने में सहायक हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि उच्च शिक्षा सभी के लिए अवसरों का गढ़ बन जाए, चाहे उनकी शारीरिक क्षमताएँ कुछ भी हों। हमारे संकाय और पीएचडी अध्येताओं ने २०२३-२०२४ में सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में ७० शोध लेख प्रकाशित किए।

डॉक्टरल कार्यक्रम:

इस वर्ष, सात (07) पीएचडी अध्येताओं ने पीएचडी कार्यक्रम की सभी अहर्ताओं को पूर्ण किया है और डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी से पुरस्कृत होने के पात्र बन गए हैं। इसके अलावा, आठ (08) ईएफपीएम अध्येताओं ने ईएफपीएम कार्यक्रम की सभी अहर्ताओं को पूरा किया है और भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर के फेलो पुरस्कार के लिए पात्र बन गए हैं।

कई पीएचडी अध्येताओं ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित सम्मेलनों में भाग लिया है, जैसे आईआईएम इंदौर में आयोजित सोसाइटी ऑफ ऑपरेशंस मैनेजमेंट, आईआईएम बैंगलोर में डॉक्टरेट कंसोर्टियम ऑन टीचिंग, पैन आईआईएम वर्ल्ड मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस, आईआईएम संबलपुर, मैनेजमेंट डॉक्टरल कोलोक्यिम-2024 वीजीएसओएम आईआईटी खड़गपुर, एनएमआईएमएस मुंबई में सम्मेलन, आदि और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जैसे एसआईबीआर थम्मासैट 2023 बैंकॉक, सिंगापुर में अर्थशास्त्र और वित्त पर एशिया-प्रशांत सम्मेलन, डब्ल्यूआईईएम 2023 आयोजन समिति वारसॉ पोलैंड, कैग्लियारी विश्वविद्यालय इटली, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय लंदन, प्रबंधन अकादमी, बोस्टन, मैसाचुसेट्स, यूएसए, उत्पादन और संचालन प्रबंधन पेरिस,2023 अर्थशास्त्र और वित्त में स्थिरता, पर्यावरण और सामाजिक परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, साउथेम्प्टन यूके, संयुक्त अरब अमीरात विश्वविद्यालय, दुबई, मस्कट विश्वविद्यालय, ओमान आदि।

ईएफपीएम अध्येताओं में से एक (श्री अरुणी घोष) ने प्रसिद्ध जर्नल 'यूरोपियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग' में "विज्ञापनों में सार्वभौमिक भावनात्मक वृत्त संरचना एवं उनकी अनुकूलता" शीर्षक पर एक पेपर प्रकाशित किया, जिसे एबीडीसी जर्नल्स की सूची में ए* श्रेणी में सूचीबद्ध किया गया है। वह विपणन क्षेत्र से हैं और ईएफपीएम प्रोग्राम 2017-21 बैच से हैं। संचालन प्रबंधन और निर्णय विज्ञान क्षेत्र से पीएचडी अध्येताओं में से एक, सुश्री शिप्रा शुक्ला (पीएचडी 2020-24 बैच), ने फ्रांस के रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस द्वारा आयोजित पीओएमएस इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 2023 में "अनभिज्ञ उपभोक्ताओं के लिए विघटनकारी तकनीक का उपयोग करके नकली उत्पादों का मुकाबला करने" के लिए उभरती अर्थव्यवस्थाओं के डॉक्टरेट छात्र पुरस्कार 2024 के लिए प्रतिष्ठित माननीय उल्लेख जीता।

प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान संगोष्ठी (एमईआरसी) आईआईएम काशीपुर द्वारा आयोजित एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक कार्यक्रम है और यह डॉक्टरेट अध्येताओं के लिए अपने शोध प्रयासों को साथियों, विशेषज्ञों एवं अन्य हितधारकों के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। इस वर्ष, संकाय सदस्यों की एक चुनिंदा समिति के मार्गदर्शन में डॉक्टरेट अध्येताओं द्वारा आयोजित एमईआरसी2023कार्यक्रम, 19 मई से 21 मई, 2023 तक चला। ओबी एंड एचआर, आईटी, अर्थशास्त्र, वित्त, विपणन, संचालन और रणनीतिक प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में आईआईएम, आईआईटी, एनआईटी, एक्सएलआरआई आदि सहित भारत भर के प्रतिष्ठित संस्थानों के शोधकर्ताओं से प्राप्त लगभग 200 शोध पत्रों के साथ, एमईआरसीने शोधकर्ताओं एवं शिक्षाविदों के लिए एक राष्ट्रीय स्तर के सहयोगी मंच के रूप में स्वयं को स्थापित करने पर गर्व महसूस करता है। शोध-पत्र प्रस्तुतियों के अलावा, एमईआरसी2023 में प्रतिभागियों की कार्यप्रणाली को उन्नत करने के उद्देश्य से शोध पद्धतियों पर कार्यशालाएँ भी आयोजित की गईं, साथ ही समकालीन व्यवसाय और पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर पैनल चर्चाएँ भी हुईं। इन पहलों ने महत्वाकांक्षी शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों के बीच विचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया। इसके अलावा, 31 मई से 2 जून 2024 तक एमईआरसी 2024 का आयोजन करने का निर्णय भी लिया गया है।

एमबीए और एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम:

विद्यार्थी आईआईएम काशीपुर समुदाय के प्रमुख प्रतिभागी हैं। वे विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से रचनात्मक विचार एवं कलाकृतियों के निर्माण में सक्रिय रूप से योगदान करते हैं और कुल मिलाकर, परिसर में जीवन की गुणवत्ता को निखारने में सक्रिय रूप से योगदान करते हैं।

विद्यार्थी परिषद विभिन्न समितियों और क्लबों की गतिविधियों का समन्वय करती है। ४३ विद्यार्थी निकाय मिलकर कई कार्यक्रम आयोजित करते हैं जैसे: अग्नि-त्रय, जो प्रबंधन, खेल और संस्कृति पर केंद्रित है; टेडएक्स, जो नए विचारों को प्रोत्साहन देता है; उत्तिष्ठ, जो उद्यमिता पर केंद्रित है, आदिकुछ नाम हैं जो पूरे वर्ष परिसर को जीवंत बनाए रखते

हैं।

अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए ६९ विद्यार्थियों ने टाटा स्टील, फ्लिपकार्ट, जीएसके, सैमसंग, एयर इंडिया, मोंडेलेज, रिलायंस इंडस्ट्री, श्याओमी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, आदित्य बिड़ला कैपिटल और एवलॉन कंसल्टिंग जैसे संगठनों की कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं के विभिन्न चरणों में अपनी छाप छोड़ीहै।

कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं में कुल मिलाकर, तीन टीमों को राष्ट्रीय विजेता घोषित किया गया, और दो राष्ट्रीय उपविजेता, तीन राष्ट्रीय फाइनलिस्ट और 26 राष्ट्रीय सेमी-फाइनलिस्ट थे।

तुनीर साहू, मधुलिका कुमारी, अर्नब मंडल और अशोक कुमार, श्याओमी द्वारा आयोजित एड-श्याओमी के राष्ट्रीय विजेता थे।

रिया गोयल, यामिनी और चिराग दाश, टाटा स्टील द्वारा आयोजित टाटा स्टील-ए-थॉन 2023 के राष्ट्रीय विजेता थे।

बिजनेस स्कूल प्रतियोगिताओं के संबंध में, 7 राष्ट्रीय विजेता, 11 राष्ट्रीय उपविजेता और 26 राष्ट्रीय फाइनलिस्ट थे। ये लगातार प्राप्त होती उपलब्धियाँ हमारे विद्यार्थियों की बुद्धिमत्ता और अंतर्ज्ञान को प्रकट करती हैं।

ईएमबीए (देहरादून):

हमारा कार्यकारी एमबीए कार्यक्रम, जिसे हम अपने देहरादून सेट-अप से संचालित करते हैंएवं कार्यकारी एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम, संकाय सदस्यों को उन प्रतिभागियों के कार्य अनुभव से लाभान्वित होने में सहायता करते हैं, जिनके पास पहले से ही नए और उभरते आर्थिक क्षेत्रों में काम करने का अनुभव है।

इन दोनों कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभागी संस्थान के सबसे उत्तम राजदूत हैं। वे अपने संगठनों और उद्योग में ब्रांड आईआईएम काशीपुर को बढ़ावा दे रहे हैं। ईएमबीए2021-23 के समूह में 22 प्रतिभागी शामिल हैं, जिनमें 17 पुरुष और 5 महिलाएँ हैं। ईएमबीए (एनालिटिक्स) के पहले बैच के दीक्षांत में 83 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। 83 प्रतिभागियों में से 80% पुरुष और 20% महिला प्रतिभागी हैं।

महिला विविधता और छात्रवृत्तियाँ:

हमें अपने विविध विद्यार्थी समूह पर भी गर्व है, जैसा कि 'क्षेत्रीय विविधता, महिला विविधता' एवं 'आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों से जूझ रहे विद्यार्थियों' के लिए हमारे प्रभावशाली स्कोर में देखा जा सकता है। ये मात्रिक गणनाएँ हमारी समावेशिता और समान अवसर के लोकाचार को दर्शाते हैं। क्षेत्रीय विविधता के माध्यम से हमारी राष्ट्रीय पहुँच एवं हमारे कार्यक्रमों में महिलाओं का बढ़ता प्रतिशत, एक संतुलित और सशक्त शैक्षिक वातावरण निर्मित करने के हमारे समर्पण को रेखांकित करता है।

एमबीए (एनालिटिक्स) के 2023-25 बैच में 69 प्रतिशत छात्राएँ हैं, जो इस बात पर प्रकाश डालती है, कि शिक्षा क्षेत्र किस तरह तेज़ी से बदल रहा है और कैसे भारतीय महिलाएँ चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं की ओर अग्रसर हो रही हैं। आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों से जूझ रहे विद्यार्थियों के लिए हमारा सहयोग,शिक्षा में सबकी पहुँच एवं समानता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है। सभी विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करके, हम सुनिश्चित करते हैं कि वित्तीय या सामाजिक बाधाएँ उत्कृष्टता की खोज में बाधा न बनें।

2023-2024 में, संस्थान ने एमबीए और एमबीए (एनालिटिक्स) विद्यार्थियों को 66 मेरिट-, आवश्यकता- और आवश्यकता-सह-मेरिट-आधारित छात्रवृत्तियाँ प्रदान कीं। इसके अलावा, 96 विद्यार्थियों को केंद्र और राज्य द्वारा शुरू की गई छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।

अनुभवात्मक शिक्षा:

अधिकांश प्रबंधन स्कूलों की तुलना में आईआईएम काशीपुर की पाठ्यक्रम संरचना और अवयव अन्य से भिन्न है। यहाँ, मैं अनुभवात्मक शिक्षा पर जोर दे रहा हूँ, जो इस तरह से अद्वितीय है कि यह समानता, सामाजिक समावेश एवं बृहद सामाजिक प्रासंगिकता के सिद्धांतों को महत्व देता है, प्रोत्साहित करता है और अंगीकार करता है, जिसका उद्देश्य है 'एक ऐसा प्रतिष्ठित संस्थान बनना जो प्रबंधन अनुसंधान और शिक्षा को बढ़ावा दे तथा परिवर्तनशील विश्व में सकारात्मक सामाजिक प्रभाव पैदा करने के लिए नेतृत्वकर्ताओं का विकास करे।'

2022-24 के स्नातक एमबीए बैच ने 64 रुचिकर परियोजनाओं पर 58 संगठनों के साथ समन्वय किया। सभी संगठनों को तीन समूहों में विभाजित किया गयाथा: 'पर्यावरण और सामाजिक व्यवसायिक प्रणालियाँ' (ईएसबीपी), 'ग्रामीण क्षमता का वितालकन करना (यूआरपी)एवं 'एमएसएमई विकास (एमएसएमई)', जो कि कार्यक्रम संरचना के अनुसार है।

ग्राहक अवस्थिति उत्तराखंड राज्य भर में विस्तारित थी, जिनमें सबसे समीप काशीपुर/रुद्रपुर और सबसे दूर मुंशियारी, रुद्रप्रयाग एवं पीपलकोटी थे। ग्राहक स्थानों पर किए गए क्षेत्रीय दौरे ने विद्यार्थियों को सामाजिक रूप से अंतर्निहित व्यावसायिक समस्याओं पर प्रयोगसिद्ध अवलोकन करने का अवसर प्रदान किया, जिससे उन्हें मूल्यवान व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। उन्होंने संचालन, विपणन, सामान्य प्रबंधन और वित्त पर परियोजनाएँ प्रस्तुत की हैं। ग्राहकों की ओर से भी प्रतिक्रिया उत्साहजनक रही है।

यह ध्यान देने योग्य रोचक तथ्य है, कि कई परियोजनाओं ने पीढ़ियों से संरक्षित भारतीय ज्ञान प्रणाली के

प्रचार-प्रसार पर ध्यान केंद्रित किया है। उदाहरण के लिए, एएजीएएस फेडरेशन ने पहाड़ी बाँस शिल्प को मुख्यधारा में लाने के साथ-साथ, छाल के पेड़ के मसालों के मुद्दे को भी उठाया। इसी तरह, हल्दीवीटा ने हल्दी पर आधारित कई मसाले और पेय पदार्थ विकसित किए हैं। पिथौरागढ़ के तिरम्भपुर अश्कोट राज इकोसिस्टम ने पहाड़ी बाजरा और च्यूरा मक्खन के महत्व पर बल दिया। च्यूरा को भारतीय मक्खन वृक्ष (डिप्लोक्नेमा ब्यूटिरेसिया) के रूप में जाना जाता है। हिमालय के स्थानीय निवासी लंबे समय से इस पेड़ को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ जोड़कर देखते रहे हैं।

ईएसबीपी वर्टिकल के तहत सर्वश्रेष्ठ परियोजना का पुरस्कार माउंट वैली डेवलपमेंट एसोसिएशन को प्रदान किया गया, जहाँ विद्यार्थियों का ध्यान रेडी-टू-मेक खिचड़ी मिक्स, फ्लेवर्ड पहाड़ी नमक, ऑर्गेनिक घी, दाल, ऑर्गेनिक बाल्टियाँ, लैंप शेड, पेन स्टैंड, सजावटी कलाकृतियाँ जैसे उत्पादों के लिए बाजार अनुसंधान विकसित करने पर था। विद्यार्थियों ने इन उत्पादों को छोटी खुदरा दुकानों में भी सफलतापूर्वक बेचा और कर्मचारियों के लिए बिक्री प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए।

ख्वाहिश एनजीओ के साथ यूआरपी वर्टिकल के तहत सर्वोत्तम परियोजना, सतत व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से महिलाओं एवं बच्चों को सशक्त बनाने पर केंद्रित थी। इस परियोजना में विद्यार्थियों ने लाभार्थियों के लिए आय उत्पन्न करने के लिए अपने व्यावसायिक केंद्रों में कढ़ाई वाले उत्पाद, टोट बैग, जूट बैग, वॉल हैंगिंग, मैक्रैम आर्ट और राल कला जैसी नई उत्पाद पंक्तियाँ विकसित करने में सहायता की।

इसी प्रकार, एमएसएमई क्षेत्र के अंतर्गत हिमशक्ति के साथ सर्वोत्तम परियोजना में विभिन्न बिक्री माध्यमों के लिए बाजरा, दालें, नमक, पेय पदार्थ और नाश्ते जैसे उत्पादों को पेश करने में विद्यार्थियोंकाअन्तःक्षेप देखा गया।

माउंट वैली डेवलपमेंट एसोसिएशन, ख्वाहिश एनजीओ, हिमशक्ति, एप्रोप्रिएट टेक्नोलॉजी इंडिया, द बिग भांग थ्योरी, द ऑर्गेनिक ट्री स्टोर, देवनिर्मित एग्रो सॉल्यूशन और इंडियन हाइड्रोपोनिक्स (एग्री जॉय) जैसे अधिकांश ग्राहकों ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया है और आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए पुनः सम्मिलित होने में अपनी रुचि दर्शाई है।

अपने तीन वर्षों के अनुभवात्मक शिक्षण से सीखते हुए, आईआईएम काशीपुर का मन्तव्य अनुभवात्मक शिक्षण पर उत्कृष्टता केंद्र शुरू करने का है, जिसका उद्देश्य व्यवसायों सहित जमीनी स्तर पर हितधारकों के साथ हमारे संबंधों और पहुँच को मजबूत करना एवं एमबीए कार्यक्रम के इस अभिनव शिक्षण घटक में अन्य बिजनेस स्कूलों के संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित करना है।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति:

I) अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

1. कार्यक्रम:

सिरैक्यूज़ विश्वविद्यालय, यूएसए के सहयोग से विपणन नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

अंतर्राष्ट्रीय संबंध और परामर्श विभाग ने आईआईएम काशीपुर के विपणन विभाग को, 16 से 18 दिसंबर के बीच सिरैक्यूज़ विश्वविद्यालय, यूएसए के सहयोग से "मार्केटिंग इनोवेशन/विपणन नवाचार" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन करने में सहयोग किया। प्रोफेसर कुलभूषण बलूनी, निदेशक, आईआईएम काशीपुरएवं प्रोफेसर एस.पी. राज, प्रोफेसर - मार्केटिंग एण्ड हेड, स्नाइडर इनोवेशन मैनेजमेंट सेंटर, सिरैक्यूज़ विश्वविद्यालय, यूएसए इस कार्यक्रम के सह-संरक्षक थेऔर प्रोफेसर सोमनाथ चक्रवर्ती, प्रोफेसर - मार्केटिंग, आईआईएम काशीपुर इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सम्मेलन अध्यक्ष थे।

हमें लगभग 85 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं, जिनमें से 40 शोधपत्र चुने गए। सम्मेलन के लिए 48 लोगों ने पंजीकरण कराया, जो अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थानों से थे, जिनमें ड्रेक्सेल यूनिवर्सिटी, यूएसए; मैरीमाउंट यूनिवर्सिटी, यूएसए; रबात बिजनेस स्कूल, मोरक्को; आईआईएम अहमदाबाद, आईआईएम इंदौर; आईआईएम अमृतसर, आईआईएम रायपुर, आईआईएम राँची; आईआईटी दिल्ली, आईआईटी मद्रास, आईआईटी कानपुर; आईआईटी खड़गपुर; आईआईएफटी दिल्ली; एनआईटी त्रिची; दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू); एनएसयूटी दिल्ली; बिट्स स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, एमएएनआईटी भोपाल इत्यादि सम्मिलित थे। हमारे पास ऑफ़लाइन या ऑनलाइन मोड के माध्यम से हमारे वक्ताओं के रूप में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और वृत्तिकों की एक विस्तृत श्रृंखला थी। जिसका विवरण नीचे दिया गया है।

मॉडल यूनाइटेड नेशन

आईआरसी विद्यार्थी निकाय ने ऑनलाइन मॉडल यूनाइटेड नेशन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में आईआईएम इंदौर, आईआईएम राँची, आईआईटी मद्रास जैसे भारत भर के विभिन्न संस्थानों से लगभग 36 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

2. छात्र विनिमय:

दीर्घकालिक विनिमय कार्यक्रम

दीर्घकालिक विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत, ७ विद्यार्थियों ने यूरोप में हमारे अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों - ईएसडीईएस, फ्रांस, एएलबीए ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल, ग्रीस और टुरिबा विश्वविद्यालय, लातविया में अपना पाँचवाँ सेमेस्टर सफलतापूर्वक पूरा किया।

एएलबीए (A L B A) के साथ अल्पकालिक विनिमय कार्यक्रम

एएलबीए (A L B A) ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल के साथ अल्पकालिक विनिमय कार्यक्रम 1 अप्रैल से 13 अप्रैल 2024 के बीच आयोजित किया जाएगा। लगभग 35से अधिक विद्यार्थी (कार्यक्रम के लिए आवेदन करने वाले कुल 58 विद्यार्थियों में से) विनिमय कार्यक्रम में भाग लेंगे।

3. अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियाँ:

- ग्रीस के ALBA ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस और यूके के सैलफोर्ड यूनिवर्सिटी के साथ 3 और वर्षों के लिए समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण।

- जर्मनी में नंबर 1 और क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2023 में दुनिया में नंबर 37 पर रहने वाली म्यूनिख की टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी (TUM) के साथ अल्पकालिक आदान-प्रदान के लिए समझौता ज्ञापन प्रस्तावित किया गया था। टीयूएम (TUM)द्वारा समझौता ज्ञापन साझा किया गया था, लेकिन आईआरसी (IRC)इस पर हस्ताक्षर नहीं कर सका

क्योंकि विद्यार्थियों की संख्या कार्यक्रम की लागत को संतुलित करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। इस समझौता ज्ञापन को आगामी वर्ष 2024-25 तक बढ़ाने के लिए वार्ता चल रही है।

- समझौता ज्ञापन के लिए रबात बिजनेस स्कूल मोरक्को के साथ संवाद जारी है।
- यूरोप में साझेदारी की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

कार्यकारी शिक्षा / एम.डी.पी.:

क्षमताओं का निर्माण और कौशल का उन्नतिकरण एक आजीवन प्रक्रिया है। कॉर्पोरेट प्रबंधन की अनवरत परिवर्तनशील गतिशीलता के साथ, नवीनतम कौशल समुच्चय के प्रति सचेत बने रहना समय की आवश्यकता बन गई है। कॉर्पोरेट जगत में प्रासंगिक बने रहने एवं प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने के लिए, प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एम.डी.पी.) सीखने और स्वयं को उन्नत करने का अवसर प्रदान करते हैं। इन कार्यक्रमों की विषयवस्तु भविष्य के बाजार के रुझानों की एक सशक्त विश्लेषणात्मक समझ के आधार पर तैयार की गई है। ये कार्यक्रम गतिशील प्रबंधन कौशल समुच्चय प्रदान करते हैं, जो प्रतिभागी को नेतृत्व करने और अपने कार्यस्थल पर एक परिसंपत्ति साबित होने के लिए एक शुरुआत देते हैं।

आईआईएम काशीपुर की शक्ति इसके विविध संकाय गुणों एवं सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के एक दशक से अधिक के अनुभव में निहित है। इनकार्यक्रमों को समकालीन और व्यावहारिक बनाने के लिए आवश्यकतानुसार कॉर्पोरेट क्षेत्रों के विशेषज्ञों को भी संकाय समूह में सम्मिलित किया जाता है। ये कार्यक्रम या तो किसी संगठन की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप डिज़ाइन किए गए इन-हाउस/इन-कंपनी कार्यक्रम होते हैं या सार्वलौकिक कार्यक्रम होते हैं, जहाँ विभिन्न संगठनों के प्रतिभागी भाग लेते हैं। आईआईएम काशीपुर द्वारा पेश किए जाने वाले एमडीपी कार्यक्रम केस स्टडी, रोल-प्ले और सिमुलेशन पर आधारित संवादमूलक पद्धति का उपयोग करते हैं। स्वतंत्र चर्चा, परस्पर प्रशिक्षण और अनुभवात्मक शिक्षा के संपर्क में आने से प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

वित्त वर्ष २०२३-२४ में, आईआईएम काशीपुर ने १७ लघु अवधि के ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम (५ से ९ महीने) प्रस्तावित किए और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं में ०९ नए कार्यक्रम शुरू किए, जैसे उत्पाद प्रबंधन और डिजिटल ब्रांड एनालिटिक्स, रणनीतिक विपणन प्रबंधन, मानव संसाधन वैश्लेषिकी और प्रबंधन, अनुप्रयुक्त वित्त एवं निवेश, उन्नत परियोजना प्रबंधन, रणनीतिक मानव संसाधन वैश्लेषिकी, फिनटेक और अनुप्रयुक्त वित्तीय विश्लेषण, व्यवसायवैश्लेषिकी और बिग डेटा, अनुप्रयुक्त वित्तीय जोखिम वैश्लेषिकी आदि। लघु अवधि के ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम के साथ, आईआईएम काशीपुर ने रणनीति और नेतृत्व, संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, व्यवसाय प्रबंधन और वरिष्ठ प्रबंधन में ०८ एक वर्षीय कार्यकारी / स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम भी प्रस्तावित किए तथा व्यवसाय रणनीति के लिए अस्पताल प्रबंधन, रेल प्रबंधन और डिजाइन थिंकिंग लेड इनोवेशन में ०३ नए कार्यक्रम शुरू किए। आईआईएम काशीपुर ने नेतृत्व और रणनीति, रसद एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधनऔर व्यवसाय प्रबंधन में ०३ डिप्लोमा कार्यक्रम (१४ महीने की अवधि) भी शुरू किए हैं।

वित्त वर्ष २०२३-२४ में, आईआईएम काशीपुर ने उद्योग ४.० के माध्यम से उद्योग ५.० के लिए पथ, व्यापार रणनीति और वित्तीय प्रदर्शन, बेहतर निर्णय लेने के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता, मध्यमा-मध्य-करियर कार्यक्रम और आईओसीएल अधिकारियों के लिए महिला नेतृत्व, एलआईसी अधिकारियों के लिए नेतृत्व विकास, राष्ट्रीय संचार वित्त संस्थान, दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नामित आईपी एंड टीएएफएस, आईटीएस और आईआरआरएस अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए व्यवहार प्रशिक्षण कार्यक्रम, मैक्स हेल्थकेयर के लिए अस्पताल प्रबंधन और वी-गार्ड इंडस्ट्रीज के अधिकारियों के लिए प्रेरणा-ए नेतृत्व विकास कार्यक्रम पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं। आईआईएम काशीपुर का उद्देश्य राज्य के विकास के लिए स्थिरता, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन, शासन, सार्वजनिक नीति आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करना है।

एफआईईडी और डीआईसी एवं सीओईपीपीजी:

आईआईएम काशीपुर उत्तराखंड में नवाचार और उद्यमिता का एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और पूरे देश में इसका विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (एफआईईडी) और डिजाइन एंड इनोवेशन सेंटर (डीआईसी) विद्यार्थियों के उद्यमिता प्रकोष्ठों के सक्रिय सहयोग के साथ पूरे वर्ष नवाचार एवं उद्यमिता पर आधारित गतिविधियों का आयोजन करते हैं।

एफआईईडी:

एनआईआरएफ (N I R F) 2023 इनोवेशन रैंकिंग- आईआईएम काशीपुर को नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क इनोवेशन (NIRF) में 11-50 की रैंकिंग बैंड प्राप्त हुई

है, जिससे यह 04 प्रतिभागी आईआईएम (कोझिकोड, विशाखापत्तनम, बोधगया) में से एकमात्र आईआईएमबन गया है, जिसने 50 के अंदर रैंक हासिल की है। इनोवेशन पर आईआईएमकाशीपुर की रैंक,82 राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों और भाग लेने वाले केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शीर्ष 15 में है, जो पूरे देश के सभी आईआईटी और एनआईटी के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है। एनआईआरएफ (NIRF)भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय (MoE) की एक पहल है, जिसका उद्देश्य "नवाचार और उद्यमिता विकास" से संबंधित संकेतकों पर भारत के सभी प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों को व्यवस्थित रूप से रैंक करना है।

आईआईसी (IIC)में फोर स्टाररेटिंग प्राप्त करना-आईआईएम काशीपुर ने संस्थान नवाचार परिषद की वार्षिक रेटिंग में 4 स्टार प्राप्त किए हैं, जिससे यह छह सहभागी आईआईएम (रायपुर, अमृतसर, बोधगया, विशाखापत्तनम, काशीपुर और कोझीकोड) में शीर्ष स्थान पर है। आईआईएमकाशीपुर को प्राप्त रेटिंग छह सहभागी आईआईएमऔर 22 आईआईटी में सबसे अधिक है। संस्थान नवाचार परिषद (IIC) शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा एक प्रमुख पहल है, जहाँ सभी उच्च शिक्षा संस्थान (HEI) नवाचार और उद्यमिता पर केंद्रित वार्षिक गतिविधियों के आयोजन में भाग लेते हैं और उनके प्रदर्शन के अनुसार रेटिंग दी जाती है।

आईआईएम काशीपुर में उच्च शिक्षा संस्थानों का कृषि उद्यमिता संघ- आईआईएम काशीपुर एफआईईडी ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से 25 और 26 सितंबर 2023 को आईआईएम काशीपुर में उच्च शिक्षा संस्थानों का कृषि उद्यमिता संघ आयोजित किया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और उद्योग के पेशेवरों को कृषि उद्योग में प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, वित्त पोषण के अवसरों तथा आवश्यकताओं में नवीनतम रुझानों और प्रगति पर बातचीत एवं विचार-विमर्श करने के लिए एक साझा मंच प्रदान करना था। भारत में कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से सम्मिलित दस उच्च शिक्षा संस्थानों ने संघ के सदस्यों के बीच स्टार्टअप डेटाबेस साझा करने, स्टार्टअप सहायता कार्यक्रमों और नेटवर्किंग का प्रसार करने एवं मंच पर सर्वोत्तम पद्धतियों को साझा करने पर सहमति व्यक्त की।

रबी (RABI)कार्यक्रम के तहत समर्थित कृषि स्टार्टअप- आईआईएम काशीपुर एफआईईडी (FIED)ने 2 महीने के व्यावसायिक प्रशिक्षण और परामर्श अभ्यास के माध्यम से देश के विभिन्न कोनों से 40 से अधिक अभिनव कृषि स्टार्टअप का सहयोग किया है। 40 से अधिक कृषि स्टार्टअप में से, 13 स्टार्टअप को भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा एक करोड़ पैंतीस लाख रुपए (1.35 करोड़ रुपए) की अनुदान सहायता के लिए अनुशंसित किया गया है। ये स्टार्टअप बाजरा प्रसंस्करण, ट्राउट मछली के लिए आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण, माँस आधारित प्रोटीन बनाना और वेस्ट टू वैल्थजैसे क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

उत्तराखंड में किसान उत्पादक संगठनों को सशक्त बनाना- जबकि एफपीओ में छोटे किसानों की संकटपूर्ण बाधाओं को अपने मौजूदा स्वरूप में दूर करने की क्षमता है, लेकिनउनकी क्षमताएँ अपर्याप्त हैं। आईआईएम काशीपुर एफआईईडी ने एफपीओ को क्षमता निर्माण सहायता प्रदान करने के लिए एक कदम आगे बढ़ाया है, ताकि वे ऐसे प्रभावशाली संगठन बन सकें जो टिक सकें और आगे बढ़ सकें। कृषि विकास केंद्र, काशीपुर से जुड़े किसान-उत्पादक संगठनों को एफपीओ के कृषि व्यवसाय पारिस्थितिकी तंत्र को समझने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। उन्हें संभावित बाजारों की खोज के लिए सही दृष्टिकोण अपनाने के लिए एफआईईडी द्वारा निर्देशित भी किया गया है।

वार्षिक उद्यमिता कार्यक्रम-उत्तिष्ठ 24-आईआईएम काशीपुर एफआईईडी और ई-सेल आईआईएम काशीपुर द्वारा आयोजित उत्तिष्ठ 2024, उत्तराखंड में सबसे बड़ा स्टार्टअप कार्यक्रम साबित हुआ है, जिसमें 10,000 से अधिक लोग शामिल हुए। इस कार्यक्रम में उड़ान 7.0, हल्ट प्राइज 2024 और स्केलअप पिचथॉन शामिल थे, जिसमें उल्लेखनीय भागीदारी और अभिनव स्टार्टअप गतिविधियाँ शामिल थीं। इस कार्यक्रम में उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों के 100 स्टार्टअप और महिला उद्यमों के साथ एक वाइब्रन्ट स्टार्टअप एक्सपो भी प्रदर्शित किया गया, जिसमें लोगों के समक्ष उनके उत्पाद प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का समापन एक सेलिब्रिटी कॉन्सर्ट में हुआ, जिसने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उत्तिष्ठ 2024 ने उद्यमिता की भावना और क्षमता को प्रदर्शित किया, संबंधों को बढ़ावा दिया एवं भविष्य के उद्यमों को प्रेरित किया।

उत्तराखंड में उद्यमिता के हब और स्पोक मॉडल की स्थापना- उत्तराखंड में बेंचमार्क स्टार्टअप और इनक्यूबेशन सहायता प्रणाली विकसित करने के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप करने हेतु हब और स्पोक मॉडल को सम्मिलित किया गया है। हब और स्पोक मॉडल में हब के रूप में काम कर रहा आईआईएम काशीपुर एफआईईडी, उत्तराखंड राज्य भर में स्पोक के रूप में काम करने वाले केंद्रों और विद्यार्थियों, स्टार्टअप्स और इनक्यूबेट्स को अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा एवं विश्व स्तरीय इनक्यूबेशन सुविधाएँ प्रदान करेगा। हब जिला स्तर पर स्थापित किए जाने वाले सैटेलाइट इनक्यूबेटरों की क्षमता निर्माण में सहायता करेगा। आईआईएम काशीपुर एफआईईडी ने उत्तराखंड के पाँच सरकारी इंजीनियरिंग

कॉलेजों के साथ एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनके नाम हैं डॉ. एपीजे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी-टनकपुर, सीमांत इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट-पिथौरागढ़, बीटीकेआईटी-अल्मोड़ा, इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी-चमोली और टिहरी हाइड्रो इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी-नई टिहरी।

उत्तराखंड में स्टार्टअप बूटकैंप- उत्तराखंड के विभिन्न जिलों में विद्यार्थी-आधारित स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए, आईआईएम काशीपुर एफआईईडी ने संबंधित जिलों की जिला नवाचार समिति के साथ समन्वय से ऊधम सिंह नगर, बागेश्वर, नैनीताल और पिथौरागढ़ जिलों में 4 स्टार्टअप बूटकैंप आयोजित किए। ये बूटकैंप आवश्यक उद्यमशीलता कौशल जैसे विचार-सृजन, व्यवसाय मॉडल विकास, बाजार अनुसंधान, पिचिंग और अनुदान संचयन पर केंद्रित गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करते हैं। उत्तराखंड में इच्छुक उद्यमियों के लिए अपने विचारों को सफल उद्यमों में बदलने के लिए ये कौशल महत्वपूर्ण हैं।

आरईएपी में बिजनेस प्लान ट्रेनिंग- आईआईएम काशीपुर एफआईईडी ने उत्तराखंड ग्राम्य विकास समिति के सहयोग से 50 ग्रामीण महिला उद्यमियों को व्यवसाय योजना विकास पर प्रशिक्षण दिया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम ने इन ग्रामीण उद्यमियों को व्यवसाय में लाभ कमाने हेतु न्यूनतम बिक्री राशि का अनुमान लगाने के लिए व्यवसाय में संतुलन स्तर बिंदु की प्रमुख अवधारणाओं की पहचान करने में सहायता की है।

वहीं, भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा वित्त पोषित स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना के तहत, एफआईईडी को 2023-24 में 1,700 स्टार्टअप से आवेदन प्राप्त हुए। कठोर चयन प्रक्रिया के बाद, 23 स्टार्टअप को पाँच करोड़ रुपये प्राधिकृत किए गए।

डीआईसी:

संस्थान के डिजाइन इनोवेशन सेंटर ने डिजाइन-आधारित नवाचार का उपयोग करके भारत की स्थानीय समस्याओं के समाधान को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया है और माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच रचनात्मक समस्या-समाधान की संस्कृति विकसित करने के लिए गंभीर प्रयास किए हैं।

आईआईएम काशीपुर को मिला सम्मान || रिलायंस

आईआईएम काशीपुर के डीआईसी ने स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद (एमवीपी) प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए 100% वित्तीय सहायता प्रदान की है। चार विद्यार्थियों (सभी आईआईएम काशीपुर से, जिनके नाम हैं देबोलिना बसु, कनिष्क कुमार, अर्नब मोंडल और तुनिर साहू) एमबीए पाठ्यक्रम, की एक टीम नेआईआईएम काशीपुर के डीआईसी में 3 डी प्रिंटर का उपयोग करके प्रोटोटाइप विकसित किया है, जिसमें 98% सटीकता के साथ नॉन-इनवेसिव 3 डी स्तन कैंसर इमेजिंग के लिए पीजोइलेक्ट्रिक सेंसर के साथ ए.आई.-सक्षम रोलर का 3 डी मुद्रित प्रोटोटाइप विकसित किया है। यह 2 मिमी तक की असामान्यताओं को पहचानता है, पारंपरिक तरीकों से बेहतर है, मासिक स्कैन रूटीन में सहजता से फिट हो जाता है, वास्तविक समय की सूचनाओं और रिपोर्टों के लिए उपयोगकर्ता के अनुकूल ऐप द्वारा समर्थित है। यह पता लगाई गई गाँठों को वर्गीकरण कर, सक्रिय स्वास्थ्य प्रबंधन को सशक्त बनाता है। यह ऐसी पहली उपलब्धियों में से एक है, जहाँ एक केंद्र ने इन-हाउस प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान कियाहै।यह टीम प्रतिष्ठित रिलायंस टीयूपी 9.0 राष्ट्रीय प्रतियोगिता की राष्ट्रीय विजेता है और इसने पुरस्कार राशि के रूप में 6.5 लाख रुपये जीते हैं।

प्रभाव || स्कूल और कॉलेज

2023-24 में, इस केंद्र ने ऊधम सिंह नगर में स्थित स्कूलों के विद्यार्थियों को विशेष रूप से उत्तराखंड और सामान्य रूप से भारत की स्थानीय समस्याओं के लिए अभिनव समाधान विकसित करने के लिए डिज़ाइन थिंकिंग की बुनियादी शिक्षा दी। इन कार्यशालाओं में 120 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस केंद्र ने आईआईएम काशीपुर से 25 किलोमीटर दूरस्थ स्थानों पर स्थित कॉलेज के स्नातकों के लिए कार्यशालाएँ आयोजित कीं। इस कार्यशाला ने आने वाले व्यवसाय स्नातकों को वास्तविक जीवन के परिदृश्यों में डिज़ाइन थिंकिंग-आधारित नवाचार को लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया। ये सत्र डबल-लूप लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किए गए थे। कार्यशाला में 25 से अधिक स्नातकों ने भाग लिया।

ये सभी कार्यशालाएँ डीआईसी (DIC)की हेल्प (HELP)पहल के तहत आयोजित की गईथीं।

सीओईपीपीजी (COEPPG):

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नमेंट (COEPPG) ने इस वर्ष के दौरान अपनी सुशासन संबंधी गतिविधियों को जारी रखा। इसने भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रम - सुकन्या समृद्धि योजना का विशेष मूल्यांकन किया। इस अध्ययन को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR), शिक्षा मंत्रालय द्वारा "लिंग केंद्रित विकास कार्यावली में बालिकाओं का समृद्धिकरण: भारत के चार राज्यों में सुकन्या समृद्धि योजना का बहुआयामी अध्ययन" पर

एक विशेष कॉल अनुसंधान परियोजना के रूप में वित्त पोषित किया गया था।

सीओईपीपीजी ने सितंबर २०२३ में दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय (एसएयू), नई दिल्ली के सहयोग से "जलवायु न्याय की प्राप्ति में लैंगिक मुख्यधाराकरण पर भारत की जी-२० अध्यक्षता के प्रभाव की समीक्षा" पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की।

वैश्विक मोर्चे पर, सीओईईपी ने नवंबर २०२३ में मनीला, फिलीपींस में आयोजित आईसीटी क्षमता निर्माण के लिए उप-क्षेत्रीय रुझानों और प्राथमिकताओं पर संवाद सत्र में भाग लेने के लिए एशिया एवं प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग के साथ भागीदारी की।

एनआईआरएफ:

२०२३ एनआईआरएफ प्रबंधन रैंकिंग में १९वें स्थान पर हमारा पहुँचना उत्कृष्टता की निरंतर खोज का प्रमाण है, जो हमें आईआईएम काशीपुर में परिभाषित करता है। यह उपलब्धि केवल एक संख्या नहीं है; यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अत्याधुनिक शोध और प्रभावशाली सामाजिक जुड़ाव के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एनआईआरएफ रैंकिंग एक बेंचमार्क के रूप में कार्य करती है, जो हमारे विकास पथ और हमारे सामूहिक प्रयासों के ठोस परिणामों को दर्शाती है। यह उपलब्धि आज विशेष रूप से प्रतिध्वनित होती है क्योंकि हम अतीत और भविष्य के दोराहे पर खड़े हैं। हमारे स्नातकों के लिए, यह मजबूत और गतिशील शिक्षण वातावरण का प्रतीक है, जिसने उनके बौद्धिक एवं व्यक्तिगत विकास को ऊर्जा दी है। हमारे संकाय एवं कर्मचारियों के लिएयह गर्व का क्षण है और हमारे कार्य के प्रभाव का स्मरणक। व्यापक समुदाय के लिए, यह ज्ञान और नवाचार के एक प्रकाशस्तंभ के रूप में हमारी स्थिति की पुष्टि करता है।

२०२३ एनआईआरएफ प्रबंधन रैंकिंग में, हमारे संस्थान ने २०२२ में २३वें और २०२१ में ३३वें स्थान से १९वें स्थान पर पहुँचने की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। दो वर्षों में १४ स्थानों का यह उल्लेखनीय उछाल उत्कृष्टता के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो हमारे पूरे समुदाय की कड़ी मेहनत और समर्पण को प्रतिबिंबित करता है। यह केवल संख्यात्मक सुधार से कहीं अधिक है; यह प्रबंधन शिक्षा में उत्कृष्टता के प्रति हमारी निरंतर प्रगति और समर्पण को दर्शाता है।

रैंकिंग में हमारी बढ़त सबसे ज़्यादा अनुसंधान एवं व्यावसायिक कार्यप्रणाली श्रेणी में देखने को मिली है, जो प्रबंधन अनुसंधान एवं शिक्षा के क्षेत्र में हमारे संस्थान के बढ़ते प्रभुत्व और प्रभाव का एक स्पष्ट संकेतक है। व्यावहारिक और प्रभावोत्पादक ज्ञान सृजित करने के लिए हमारे संकाय और अध्येताओं की प्रतिबद्धता, प्रकाशनों के लिए संयुक्त मात्रिक और प्रकाशनों की गुणवत्ता के लिए संयुक्त मात्रिक हेतु हमारे स्कोर में लगातार वृद्धि के रूप में परिलक्षित हुई है। प्रकाशनों की गुणवत्ता के लिए संयुक्त मात्रिक हेतु 2021 में 4.13 के स्कोर से 2022 में 4.73 और 2023 में 6.41 तक पहुँचते हुए, हमने अपने विद्वत्तापूर्ण प्रयासों में गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है।

हम अपने विविध विद्यार्थी निकाय पर भी गर्व करते हैं, जैसा कि क्षेत्र विविधता (आरडी), महिला विविधता (डब्ल्यूडी)एवं एनआईआरएफ में आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों से जूझते विद्यार्थियों (ईएससीएस) के लिए हमारे प्रभावशाली स्कोर में देखा गया है। ये मात्रिक गणनाएँ संख्याओं से अधिक हैं; ये समावेशिता और समान अवसर के हमारे लोकाचार का प्रतिनिधित्व करती हैं। क्षेत्र विविधता (आरडी) के माध्यम से हमारी राष्ट्रीय पहुँच और हमारे कार्यक्रमों में महिलाओं (डब्ल्यूडी) का बढ़ता प्रतिशत एक संतुलित एवं सशक्त शैक्षिक वातावरण बनाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इसी तरह, आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों से जूझते विद्यार्थियों (ईएससीएस) के लिए हमारा सहयोग,शिक्षा में पहुँच और समानता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सभी विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करके, हम सुनिश्चित करते हैं कि वित्तीय या सामाजिक बाधाएँ उत्कृष्टता की खोज में बाधा न बनें। यह हमारी राष्ट्रीय पहुँच और अंतर-सांस्कृतिक आदान-प्रदान को रेखांकित करता है, जो हमारे संस्थान में सभी के लिए सीखने के अनुभव को समृद्ध करता है। यह विविधता न केवल शैक्षिक यात्रा को आगे बढ़ाती है बल्कि हमारे विद्यार्थियों को वैश्विक रूप से परस्पर जुड़ी दुनिया में सफल होने के लिए भी तैयार करती है।हम एक साथ मिलकर न केवल रैंकिंग में बल्कि प्रबंधन की दुनिया में और उससे परे अपने योगदान में भी नई ऊँचाइयों तक पहुँचने की आकांक्षा रख सकते हैं।

प्लेसमेंट:

आईआईएम काशीपुर विद्यार्थियों के लिए मजबूत कॉर्पोरेट संबंध और प्लेसमेंट के अवसर विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस वर्ष, हमने २०० से अधिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी देखी, जिससे एमबीए और एमबीए (एनालिटिक्स) बैच को कुल २६० से अधिक प्रस्ताव मिले।

भर्ती अभियान में कई नए संगठन प्रतिष्ठित नियोक्ताओं की सूची में सम्मिलित हुए, जैसे बार्कलेज, एक्सेंचर स्ट्रैटेजी, स्विगी, कैरलॉन, जिंदल स्टेनलेस, टाटा मोटर्स, एनएसई एवं अन्य

प्रतिष्ठित भर्तीकर्ता। आईटी और बीएफएसआई क्षेत्र प्रमुख नियोक्ता थे। इसके अलावा, उपभोक्ता वस्तुओं और एफएमसीजी कंपनियों की भागीदारी अत्यधिक उत्साहपूर्ण थी।

2022-24 के एमबीए और एमबीए (एनालिटिक्स) बैच के लिए फाइनल प्लेसमेंट सीजन सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। बाजार की चुनौतियों के बावजूद, 30 एलपीए रुपये का उच्चतम पैकेज हासिल किया गया। बैच 2022-24 का औसत सीटीसी 15.11 एलपीए है। औसत सीटीसी 15 एलपीए है। बैच के शीर्ष 10% ने 20 एलपीए का औसत सीटीसी हासिल किया।

बैच २०२३-२५ के लिए ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट सीजन ३१ मार्च, २०२४ को सम्पन्न हो गया। उन्होंने गेल, सेंचुरी प्लाई, जिंदल स्टेनलेस, आदित्य बिड़ला कैपिटल, प्रीग्रेड, आईआरसीटीसी, टीवीएस मोटर आदि जैसे नए नियोक्ताओं को सम्मिलित होते देखा है। इस सीजन में आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कैपिटल, प्यूमा, भारतीय रिजर्व बैंक जैसे कई अन्य दीर्घकालिक नियोक्ता भागीदारों ने समर ड्राइव को सफलतापूर्वक पूरा करने में हमारी सहायता की।

प्लेसमेंट समिति और उद्योग संपर्क समिति ने इस वर्ष के दौरान ५ सम्मेलन आयोजित किए और प्रतिष्ठित संगठनों के वरिष्ठ उद्योग पेशेवरों को प्रबंधकीय रूप से प्रासंगिक विषयों पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया। हीरो मोटोकॉर्प, जियो प्लेटफॉर्म्स, ज़ोहो, जेनपैक्ट, केंड्रील, मेरेसेडेज़ बेंज फाइनेंशियल, माइक्रोसॉफ्ट, लोरियल, कोलगेट पामोलिव, गूगल, मिंत्रा जैसी कंपनियों के ३५ से अधिक प्रतिष्ठित उद्योग पेशेवरों ने पैनल चर्चाओं में भाग लिया।

तेजस लीडरशिप टॉक सीरीज़ और डोमेन-विशिष्ट वेबिनार की शुरूआत के साथ विद्यार्थियों को उद्योग और वर्तमान रुझानों के बारे में बेहतर जानकारी प्रदान की गई है। कई कंपनियों के एमडी, सीईओ, सीएफओ और बिजनेस हेड ने व्याख्यान दिए। इनमें से कुछ संगठन हैं अल्ट्रिया, नारायण हेल्थ, ग्रांट थॉर्नटन, फारे, वी-गार्ड, मैकिन्से, सीआरईडी, ईएक्सएल, एयर इंडिया, वीबा, सोशल इनोवेशन सर्कल, जीएसके, आईटीसी, रेटगेन, सर्विस नाउ, टाटा स्टील, कैरलॉन, ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स। इसके अलावा, एसएंडपी ग्लोबल इंटेलिजेंस, एसएपी, टैसेट्स और इंफोसिस जैसी कई प्रतिष्ठित कंपनियों के पेशेवरों ने दूसरे वर्ष के एमबीए और एमबीए एनालिटिक्स विद्यार्थियों के लिए उद्योग कार्यशालाएँ आयोजित कीं।

आईआईएम काशीपुर का विद्यार्थी समुदाय श्याओमी, टाटा स्टील और रिलायंस जैसे प्रतिष्ठित संगठनों द्वारा आयोजित तीन कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय विजेता के रूप में उभरा। इसके अलावा, वी-गार्ड, मोंडेलेज, हीरो मोटोकॉर्प और आईडीएफसी द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में छह टीमें राष्ट्रीय फाइनलिस्ट के रूप में उभरीं।

प्रवेश:

आईआईएम काशीपुर दस दूसरी और तीसरी पीढ़ी के आईआईएम के एमबीए कार्यक्रम में प्रवेश के लिए सामान्य प्रवेश प्रक्रिया २०२४ के आयोजन का संयोजक था। सीएपी २०२४ की व्यक्तिगत साक्षात्कार प्रक्रिया में १६,००० से अधिक उम्मीदवार उपस्थित हुए। इससे पता चलता है कि देश में प्रबंधन शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए सिस्टर-आईआईएम सामूहिक रूप से कैसे काम करते हैं।

२०२३ चक्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया जुलाई २०२३ में पूरी हुई।

आईआईएम काशीपुर के दोनों प्रमुख कार्यक्रमों यानी एमबीए और एमबीए (एनालिटिक्स) में सीटों की संख्या में वृद्धि हुई है, जैसा कि नीचे बताया गया है:

कार्यक्रम का नाम	2022 में स्वीकृत प्रवेश	2023 में स्वीकृत प्रवेश
एमबीए	264	320
एमबीए(एनालिटिक्स)	86	160

एमबीए २०२३ प्रवेश हाइलाइट्स

1. कुल 321 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया (सामान्य-165, एनसी-ओबीसी-83, एससी-29, एसटी-05, डीएपी-11, ईडब्ल्यूएस-28)
2. वर्तमान बैच के लिए कुल 259 **पुरुष** और 62 **महिला** उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया।
3. पिछले वर्ष 132 की तुलना में एक वर्ष से अधिक कार्य अनुभव वाले कुल 242 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया। कुल मिलाकर, **बैच के 75.39% विद्यार्थियों के पास एक वर्ष से अधिक का अनुभव है।** पिछले कुछ वर्षों में कार्य अनुभव को अधिक महत्व देने पर प्रवेश नीति में निरंतर ध्यान केंद्रित करना भी एक कारण है, जिसके परिणामस्वरूप अधिक अनुभवी बैच हमारे सामने है।
4. **अध्ययन विषय विविधता**-यह बैच इंजीनियरिंग और गैर-इंजीनियरिंग विद्यार्थियों का एक संतुलित संयोजन है। **गैर-इंजीनियर बैच का 47.04% भाग हैं।**
5. पिछले प्रवेश चक्र में 24 की तुलना में भारत भर के **26 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों** के विद्यार्थियों का प्रतिनिधित्व।

एमबीए (एनालिटिक्स) 2023 प्रवेश हाइलाइट्स

1. **आवेदनों की संख्या में वृद्धि:** हमें 2023 में एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम के लिए 5526 आवेदन प्राप्त हुए, जबकि 2022 में 4343 आवेदन प्राप्त हुए थे (पिछले वर्ष की तुलना में 27% अधिक)।
2. कुल 170विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया (सामान्य-56, एनसी-ओबीसी-32, एससी-25, एसटी-26, डीएपी-13, ईडब्ल्यूएस-18)
3. पिछले वर्ष की तुलना में महिला विद्यार्थियों की संख्या 74 से बढ़कर 118 हो गई है। एमबीए (एनालिटिक्स) बैच 2023-25 के लिए प्रवेश पाने वाली **छात्राएँ** पिछले बैच की तुलना में लगभग **60%अधिक** थीं।
4. पिछले वर्ष 66 की तुलना में एक वर्ष से अधिक कार्य अनुभव वाले कुल 87विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया। कुल मिलाकर, बैच के **50.6%**विद्यार्थियों के पास एक वर्ष से अधिक का अनुभव है।
5. पिछले बैच की तुलना में अध्ययन विषय विविधता समान थी। **बैच में गैर-इंजीनियरों की संख्या 47.64% है**, जिसमें 170 में से 81 विद्यार्थी गैर-इंजीनियरिंग से हैं। एमबीए (एनालिटिक्स) प्रोग्राम के तकनीकी फोकस को देखते हुए यह काफी महत्वपूर्ण है।
6. भारत भर के **24 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों** से विद्यार्थियों का प्रतिनिधित्व।
7. 2023-25 के एमबीए (एनालिटिक्स) बैच की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि इस विशेष कार्यक्रम में **118 छात्राओं का रिकॉर्ड प्रवेश** था। यह आईआईएम काशीपुर के एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम में छात्राओं की सबसे अधिक संख्या है।

पीएचडी 2023 प्रवेश हाइलाइट्स

कुल प्रवेशित - पिछले वर्ष के 13अध्येताओं की तुलना में **09अध्येता।**

1. **लड़कियाँ 11.11% प्रवेशित अध्येताओं काप्रतिनिधित्व करती हैं** - 9 में से 1अध्येता।
2. **18 महीने से अधिक कार्य अनुभव वाले तीन अध्येताओं** को प्रवेश दिया गया।
3. अध्येताओं को निम्नलिखित शैक्षणिक क्षेत्रों में प्रवेश दिया गया:
   - i. अर्थशास्त्र
   - ii. वित्त और लेखा
   - iii. सूचना प्रौद्योगिकी और प्रणालियाँ
   - iv. विपणन
   - v. संचालन प्रबंधन और निर्णय विज्ञान
   - vi. संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन प्रबंधन, और
   - vii. रणनीति

1. भारत भर के **06 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों** के अध्येताओं का प्रतिनिधित्व।
2. प्रवेशित अध्येताओं ने **कैट, गेट और जेआरएफ (नेट)** प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की थी।

कॉमन एडमिशन प्रोसेस (CAP)- २०२४ का आयोजन किया गया

आईआईएम काशीपुर ने कॉमन एडमिशन प्रोसेस/सामान्य प्रवेश प्रक्रिया (CAP) - २०२४ का

सफलतापूर्वक आयोजन और संचालन किया। इस वर्ष, आईआईएम नागपुर सामान्य प्रवेश प्रक्रियामें भाग लेने वाले आईआईएम के समूह में सम्मिलित होने वाला नया सदस्य था। इस प्रक्रिया में कुल १० आईआईएम ने भाग लिया, जो नीचे दिए गए हैं:

1. आईआईएम बोधगया
2. आईआईएम जम्मू
3. आईआईएम काशीपुर
4. आईआईएम नागपुर
5. आईआईएम रायपुर
6. आईआईएम राँची
7. आईआईएम संबलपुर
8. आईआईएम सिरमौर
9. आईआईएम तिरुचिरापल्ली
10. आईआईएम उदयपुर

सीएपी 2024 समन्वयक के रूप में, आईआईएम काशीपुर ने समय पर प्रक्रिया पूरी करने के लिए निदेशकों, प्रवेश अध्यक्षों और प्रवेश अधिकारियों के साथ कई बैठकें आयोजित कीं। लगभग 3.3 लाख उम्मीदवारों ने CAT 2023 के लिए आवेदन कियाऔर 2.88 लाख उम्मीदवार CAT 2023 में सम्मिलित हुए। 2.88 लाख उम्मीदवारों में से, कुल 23376 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गयाऔर 18152 उम्मीदवार व्यक्तिगत साक्षात्कार प्रक्रिया के लिए पंजीकृत हुए। व्यक्तिगत साक्षात्कार प्रक्रिया के लिए उपस्थित होने वाले 16371 उम्मीदवारों के लिए साक्षात्कार सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

सीएपी 2024 समन्वयक के रूप में, आईआईएम काशीपुर ने पंजीकरण और व्यक्तिगत साक्षात्कार प्रक्रियाओं में कई सुधार लागू किए और सीएपी व्यय को तर्कसंगत बनाया। यह प्रक्रिया अब और अधिक पारदर्शी हो गई है, क्योंकि उम्मीदवार मेरिट सूची बनने के बाद अपने सामान्यीकृत व्यक्तिगत साक्षात्कार स्कोर देख पाएँगे।

भूतपूर्व विद्यार्थी संबंध:

यह उल्लेखनीय है कि इस वर्ष संस्थान ने १० बैचों के पूर्व विद्यार्थियों का भव्य पुनर्मिलन समारोह आयोजित किया, जो संस्थान की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

वित्त:

भारत सरकार ने 2019-2020 से संस्थान को कोई भी पूँजी या राजस्व अनुदान देना बंद कर दिया है। इसलिए, संस्थान अपने राजस्व और पूँजीगत व्यय की वार्षिक लागत को पूरा करने के लिए अपने स्वयं-अर्जित राजस्व का उपयोग करने के लिए बाध्य है।

उपरोक्त बाधाओं के बावजूद, यह ध्यान देने योग्य है कि वित्तीय मोर्चे पर, हमने एक बार पुनः विगत वर्ष78.06 करोड़ रुपये के आँकड़े की तुलना में 96.47 करोड़ रुपये की समेकित सकल आय के साथ एक मजबूत वित्तीय वर्ष दर्ज किया है। इस आय में से, अपनी गतिविधियों के माध्यम से, संस्थान राजस्व सृजन (आईआरजी)2023-24 में 89 करोड़ रुपये था, जबकि 2022-23 में यह 68.71 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में 29.52% अधिक था।अपनी गतिविधियों के माध्यम से,संस्थान राजस्व सृजन (मूल्यह्रास पर विचार किए बिना)इस वर्ष 33.73 (20.36+13.37) करोड़ रुपये था, जो विगत वर्ष की तुलना में 26.50 (5.35+21.15) करोड़ रुपये की वृद्धि है।

2023-24 के लिए संस्थान का सकल राजस्व व्यय 76.11 करोड़ रुपये है (जिसमें 13.37 करोड़ रुपये का मूल्यह्रास व्यय शामिल है)। इस राजस्व व्यय के अलावा, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, संस्थान ने पूँजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण पर 59.56 करोड़ रुपये भी व्यय किए हैं, जिसमें चल रहे परिसर निर्माण एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं में सुधार शामिल है। यह निर्माण कार्य सीपीडब्ल्यूडी को सौंपा गया है और अब तक इसके लिए लगभग 20.43 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

कुल कोष 107.75 करोड़ रुपये है और एफडीआर में निवेश 102.34 करोड़ रुपये है।

व्यय से अधिक आय को विद्यार्थी संख्या में वृद्धि के कारण शैक्षणिक प्राप्तियों में वृद्धि के लिए उत्तरदायी ठहराया जा सकता है।

संस्थान अभी भी ऋण मुक्त बना हुआ है और अपनी कार्यशील पूँजी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समुचित नकदी प्रवाह उत्पन्न कर रहा है। यह सभी हितधारकों के सामूहिक और विस्तारित प्रयासों के कारण संभव हुआ है।

कार्य:

वर्ष २०२१-२०२२ में, संस्थान ने अपने कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के रहने और काम करने की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए कई आधारभूत परियोजनाओं पर काम शुरू किया है। छह टाइप ए और छह टाइप बी आवासों सहित २४०

निवासियों और कर्मचारियों के आवासों की क्षमता वाले नए छात्रावासों का निर्माण पूरा हो गया है। इन परियोजनाओं की अनुमानित लागत क्रमशः ३८,९६,००,०००/- रुपये और ७,८४,००,०००/- रुपये है।

वर्ष २०२२-२३ में, संस्थान ने २४ नए संकाय आवासों का निर्माण भी शुरू किया है, जिसके बारे में हमें विश्वास है कि यह सीपीडब्ल्यूडी की विशेषज्ञ देखरेख में अप्रैल २०२५ तक पूरा हो जाएगा। इन परियोजनाओं की अनुमानित लागत २३,७६,८२,०००/- रुपये है। यह परियोजना हमारे संस्थान के संकाय सदस्यों के लिए एक सहज और अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने में एक लंबा रास्ता तय करेगी।

वार्षिक रिपोर्ट में आईआईएम काशीपुर के समग्र विकास की दिशा में सकारात्मक प्रगति को दर्शाया गया है। हम शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और उत्तराखंड सरकार से मिले सहयोग के लिए हृदय से आभारी हैं।

मैं बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष, अन्य बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्यों, डीन, प्रोग्राम चेयर, गतिविधि प्रमुखों, शिक्षकों, कर्मचारियों और सभी प्रशासनिक सहयोगियों को उनके समर्पण के लिए हृदय से साधुवाद देता हूँ।

मैं स्थानीय प्रशासन, काशीपुर नगर निगम और स्थानीय व्यापारिक समुदाय से प्राप्त सशक्त सहयोग के महत्व पर जोर देना चाहता हूँ। हमारी पहलों में उनकी सक्रिय भागीदारी हमारे प्रभाव में उत्तरोत्तर वृद्धि करती है।

अंत में, आईआईएम काशीपुर समाज को प्रतिदान करने और मानवता की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम एक सशक्त संस्थान के निर्माण में अपने विविध हितधारकों के योगदान को महत्व देते हैंएवं उनकी सराहना करते हैं।

आप सभी को आपके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद।

सोमनाथ चक्रवर्ती

प्रोफेसर और निदेशक (प्रभारी)

	डिज़ाइन थिंकिंग और इनोवेशन	0.5	12.5
	व्यावसायिक नैतिकता	0.5	12.5
	अनुभवात्मक अधिगम। (पर्यावरण और सतत व्यावसायिक पद्धतियाँ +हिमालयन इनबाउंड/नमामि गंगे)/(एमएसएमई विकास+सामाजिक उद्यमिता)/(ग्रामीण क्षमता का वितालकन करना+उन्नत भारत संलयन)	0.5	12.5
सत्र III कुल क्रेडिट		**6.5**	**162.5**

वैकल्पिक पेशकश: दूसरे तीन सत्रों (IV, V, and VI), के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रदत्त किए जाते हैं, जैसा कि नीचे दिखाया गया है

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में एमबीए में ऐच्छिक पेशकश:

सत्र	क्षेत्र	पाठ्यक्रम का नाम	क्रेडिट
सत्र IV	संचार	अंतर-सांस्कृतिक संचार एवं प्रबंधन (CCM)	1
सत्र V		मीडिया और मनोरंजन व्यवसाय प्रबंधन (MEBM)	1
सत्र V		कॉर्पोरेट संचार और संकट/जोखिम प्रबंधन(CCCM)	1
सत्र VI		प्रबंधन के लिए फिल्में	1
सत्र VI		सोशल मीडिया अभियानों के लिए अंतर्वस्तु विकास रणनीति (CDS)	0.5
सत्र IV	अर्थशास्त्र	प्रबंधकों हेतु अनुप्रयुक्त अर्थमिति	1
सत्र IV		अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का अर्थशास्त्र	1
सत्र IV		रणनीति का अर्थशास्त्र	1
सत्र V		निर्णयों हेतु व्यवहारिक अर्थशास्त्र	1
सत्र V		विकास, प्रगति और भारतीय अर्थव्यवस्था	1
सत्र V		अनुप्रयुक्त समय श्रृंखला अर्थमिति	1
सत्र V		संधारणीयता का अर्थशास्त्र: कॉर्पोरेट्स के लिए अवसर	0.5
सत्र V		लोक नीति एवं वित्त	1
सत्र V		धन का प्रबंधन	1
सत्र V		तथ्य सहित परामर्श	1
सत्र VI		खाद्य एवं कृषि-तकनीक उद्यमिता	1
सत्र V		व्यवसाय सिद्धांत, प्रयोग और व्यवहार	1
सत्र IV	संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन प्रबंधन	रोजगार संबंध का परिचय	1
सत्र IV		कर्मचारी प्रशिक्षण एवं विकास	1
सत्र V		डिजिटल नेतृत्व	1
सत्र V		भावनात्मक बुद्धिमत्ता एवं संगठनात्मक उत्कृष्टता	1
सत्र IV		रणनीतिक रुझान परिवर्तन प्रबंधन	1
सत्र V		अंतर सांस्कृतिक नेतृत्व	1
सत्र VI		गतिशील नेतृत्व के लिए विविधता एवं समावेशन का लाभ उठाना	1
सत्र IV		संगठनात्मक उत्कृष्टता हेतु प्रतिभा प्रबंधन	1
सत्र V		उच्च प्रदर्शन करने वाली टीमों का नेतृत्व करना	1
सत्र V		मानव संसाधन विश्लेषण	1
सत्र VI		मतभिन्नता प्रबंधन एवं समझौता वार्ता	1
सत्र VI		उद्यम का भविष्य	1
सत्र IV		व्यवसाय मूल्यांकन	1

सत्र IV	वित्त और लेखा	वित्तीय डेरिवेटिव	1
सत्र IV		निवेश प्रबंधन	1
सत्र IV		वाणिज्यिक बैंक प्रबंधन	1
सत्र V		निश्चित आय बाज़ार	1
सत्र V		वित्तीय जोखिम मापन और प्रबंधन	1
सत्र V		विलय और अधिग्रहण	1
सत्र V		निजी इक्विटी और निवेश बैंकिंग	1
सत्र VI		व्यवहारिक वित्त	1
सत्र VI		वित्तीय विवरण विश्लेषण और फोरेंसिक लेखांकन	1
सत्र VI		डिजिटल वित्त	1
सत्र IV	सूचना प्रौद्योगिकी और प्रणाली	परिचालन बुद्धिमत्ता एवं अवलोकनशीलता	1
सत्र IV		तथ्य विज्ञान एवं मशीन लर्निंग	1
सत्र IV		ईकॉमर्स	1
सत्र V		उद्यम संसाधन योजना	1
सत्र V		डिजिटल रूपांतरण	1
सत्र VI		बिग डेटा प्रबंधन	1
सत्र VI		आईटी परामर्श	1
सत्र IV		सोशल मीडिया और वेब एनालिटिक्स	1
सत्र V		कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं गहन शिक्षण	1
सत्र IV	संचालन प्रबंधन और निर्णय विज्ञान	उद्योग 4.0: व्यवसाय संचालन में रूपांतरण	1
सत्र IV		आर का उपयोग करने वाले प्रबंधकों हेतु सांख्यिकीय शिक्षण मॉडल	1
सत्र IV		गुणवत्ता प्रबंधन और सिक्स सिग्मा	1
सत्र IV		रसद प्रबंधन	1
सत्र V		उन्नत प्रबंधकीय निर्णय विश्लेषण	1
सत्र V		आपूर्ति शृंखला का लचीलापन एवं डिजिटल ट्विनस	1
सत्र V		उत्पादन और दक्षता का अर्थशास्त्र	0.5
सत्र V	संचालन प्रबंधन और निर्णय विज्ञान	परियोजना प्रबंधन	1
सत्र V		रणनीतिक सोर्सिंग प्रबंधन	1
सत्र V		रसद एवं आपूर्ति श्रृंखलाओं का उत्पादकता विश्लेषण	1
सत्र VI		आपूर्ति श्रृंखलाओं का विश्लेषण	1
सत्र VI		वस्तु-सूची प्रबंधन	1
सत्र VI		आर का उपयोग कर निर्णय लेना: एक केस स्टडी दृष्टिकोण	1
सत्र VI		खेल प्रबंधन हेतु मात्रात्मक तकनीकें	0.5
सत्र VI		संचालन उत्कृष्टता के लिए नवोन्मेष प्रौद्योगिकी प्रबंधन	1
सत्र VI		संचालन रणनीति	1
सत्र IV	रणनीति क्षेत्र	कॉर्पोरेट संधारणीयता रणनीति	1
सत्र VI		अंतरराष्ट्रीय व्यापार	1
सत्र IV		उभरते बाज़ार के लिए रणनीतियाँ	1
सत्र V		प्रबंधन परामर्श	1
सत्र IV	विपणन	उपभोक्ता व्यवहार	1
सत्र IV		सेवा प्रबंधन	1
सत्र IV		उपभोक्ता संबंध प्रबंधन	1
सत्र IV		विपणन दूरदर्शिता विकसित करना: आंतरिक एवं बाह्य ग्राहक	1
सत्र IV		विपणन निर्णयों के लिए उपभोक्ता अंतर्दृष्टि	1

सत्र IV		बिक्री एवं वितरण प्रबंधन	1
सत्र V		उन्नत मीडिया मार्केटिंग	1
सत्र V		डिजिटल मार्केटिंग	1
सत्र V		उत्पाद और ब्रांड प्रबंधन	1
सत्र V		विपणन वैश्लेषिकी	1
सत्र V		नैतिक विपणन	1
सत्र V		अंतरव्यापरिक विपणन	1
सत्र V		डिजाइन थिंकिंग के अनुप्रयोग	1
सत्र V		उद्यमी विपणन	1
सत्र VI		खुदरा प्रबंधन	1
सत्र VI		विपणन रणनीति	1
सत्र VI		मूल्य निर्धारण प्रबंधन	1
सत्र VI		सामाजिक विपणन	1
सत्र VI		अंतर्राष्ट्रीय विपणन	1
सत्र VI		प्रभावक विपणन	1
सत्र VI		समृद्ध विपणन	1

उद्योग कार्यशालाएँ: वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के अलावा, प्रतिभागियों को कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में उद्योग कार्यशालाओं का अनुभव भी प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में आयोजित की जाने वालीं इन उद्योग कार्यशालाओं का लक्ष्य, प्रतिभागियों को उद्योग व्यवसायियों के साथ निर्देशित बातचीत के माध्यम से उन नवीनतम डेटा-संचालित व्यावसायिक पद्धतियों की एक झलक प्रदान करना है, जो उद्योग और अर्थव्यवस्था में परिनियोजित होती हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में प्रस्तावित उद्योग कार्यशालाएँ

सत्र	क्षेत्र	पाठ्यक्रम का नाम
सत्र 4	वित्त	समकालीन बैंकिंग पद्धतियाँ एवं रुझान
	आईटी एण्ड एनालिटिक्स	व्यवसाय में प्रभाव के लिए गेमीफिकेशन का लाभ उठाना
	विपणन	ग्राहक मूल्य का पता कैसे लगाएँ
	आईटी एण्ड एनालिटिक्स	ब्लॉकचेन के साथ व्यापार
	मानव संसाधन	हाइब्रिड कार्यशील और विकसित डिजिटल दुनिया में डिजिटल लचीलापन
सत्र 5	वित्त	निवेश बैंकिंग और पूँजी बाजार
	संचालन	आपूर्ति शृंखला नियोजन और समन्वयन: SAP IBP और उन्नत विश्लेषण का उपयोग करना
	आईटी एण्ड एनालिटिक्स	उन्नत विश्लेषकी रणनीति और परामर्श: डिजिटल परिवर्तन को सक्षम बनाना
	मानव संसाधन	री-न्यू वर्क स्किल्स टू को –विन दी नेक्स्ट नॉर्मल
	आईटी एण्ड एनालिटिक्स	सफलता का विश्लेषण: वास्तविक दुनिया के विश्लेषण उपयोग मामले पर एक कार्यशाला
	विपणन	उच्च प्रौद्योगिकी उत्पादों एवं सेवाओं का विपणन
	आईटी एण्ड एनालिटिक्स	सूचना प्रौद्योगिकीमें परामर्श
सत्र 6	वित्त	फिनटेक: व्यवसाय में अनुप्रयोग
	संचार	प्रभावी एवं सहानुभूतिपूर्ण संचार
	विपणन	बूटस्ट्रैप विपणन
	आईटी एण्ड एनालिटिक्स	बड़े पैमाने पर डाटा प्लेटफॉर्म का प्रबंधन: एक प्रैक्टिशनर का परिप्रेक्ष्य

प्रवेश: आईआईएम काशीपुर में प्रवेश विभिन्न मापदंडों के तहत उम्मीदवार के समग्र प्रदर्शन पर आधारित होता है। इन मापदंडों में कैट स्कोर एवं उम्मीदवार का व्यक्तिगत साक्षात्कार (पीआई) शामिल होता है जो कि उम्मीदवार की प्रोफ़ाइल/विवरणिका के आधार पर तय होता है। पीआई प्रक्रिया एक सामान्य प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से नौ आईआईएम, जो हैं आईआईएम बोधगया, आईआईएम जम्मू, आईआईएम काशीपुर, आईआईएम रायपुर, आईआईएम राँची, आईआईएम संबलपुर, आईआईएम सिरमौर, आईआईएम त्रिची और आईआईएम उदयपुर के साथ आयोजित की जाती है।

भारत भर के 26 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से एमबीए 2023-25 बैच के लिए 321 उम्मीदवारों को आईआईएम काशीपुर में प्रवेश दिया गया था। वर्तमान बैच के लिए कुल 259 पुरुष और 62 महिला उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया है। एमबीए 2023-25 का बैच विभिन्न संस्कृतियों और जातियों से संबंधित उत्साही और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का मिश्रित समूह है। यह बैच देश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों से निकले नए स्नातकों एवं अग्रणी राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों का हिस्सा रहे अनुभवी पेशेवरों का एक स्वस्थ मिश्रण है।

एमबीए 2023-25 बैच में बैच विविधता:

लैंगिक विविधता

लैंगिक विविधता			
	2021	2022	2023
पुरुष	211	182	259
महिला	61	75	62

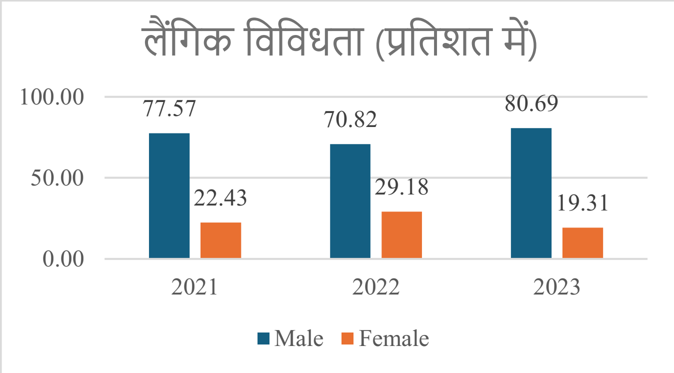

अध्ययन विषय विविधता

अध्ययन विषय विविधता			
	2021	2022	2023
इंजी.	139	99	170
गैर-इंजी.	133	158	151

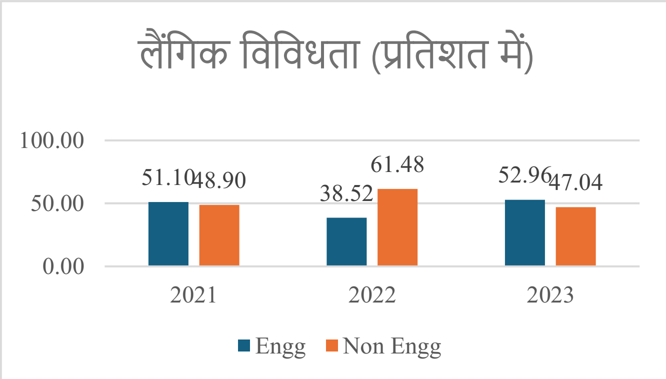

पंजीकृत उम्मीदवारों का श्रेणी-वार ब्रेक-अप

पंजीकृत उम्मीदवारों का श्रेणी-वार ब्रेक-अप							
	सामान्य	एनसी-ओबीसी	एससी	एसटी	डीएपी	ईडब्ल्यूएस	कुल
पंजीकृत 2023 (321)	165	83	29	5	11	28	**321**

(i) **कार्य अनुभव:** एक वर्ष से अधिक कार्य अनुभव के साथ कुल 242 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया था, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 132 थे। कुल मिलाकर, **बैच के 75.39% विद्यार्थियों के पास एक वर्ष से अधिक का अनुभव है।** पिछले कुछ वर्षों के दौरान प्रवेश नीति में कार्य अनुभव को अधिक महत्व देने पर निरंतर ध्यान केंद्रित करना एक प्रमुख कारण है, कि एक अधिक अनुभवी बैच परिणामस्वरूप है।

कार्य अनुभव ब्रेक-अप

कार्य अनुभव			
	2021	**2022**	**2023**
फ्रेशर्स	110	109	60
6 से 12 माह	12	16	19
12-24 माह	66	41	126
24 माह से अधिक	84	91	116

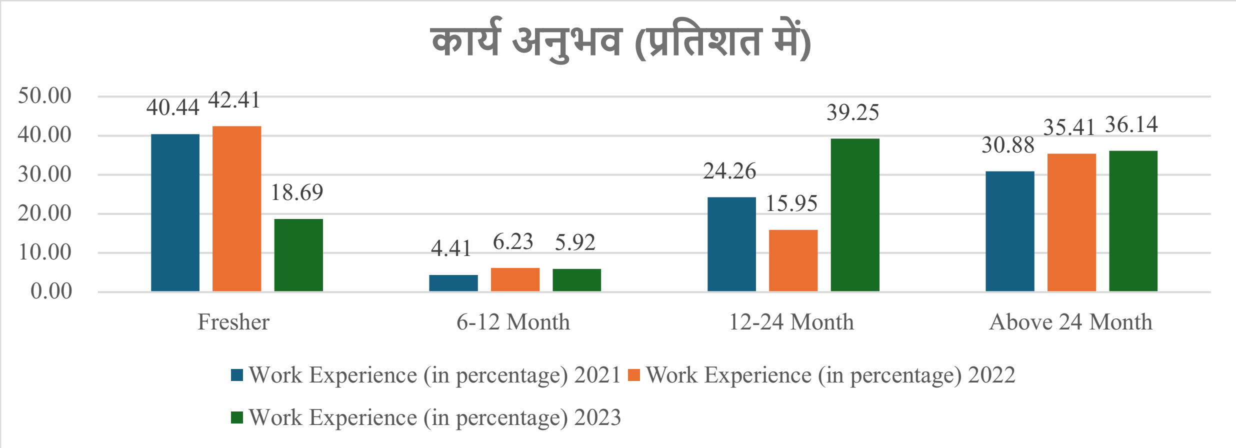

शुल्क संरचना:

एमबीए 2023-25 बैच के लिए शुल्क संरचना							
एमबीए I (2023-24)				एमबीए -II (2024-25)			
विशिष्ट	सत्र -I	सत्र –II	सत्र -III	सत्र -IV	सत्र –V	सत्र -VI	कुल
प्रवेश-शुल्क	₹ 25,000.00	-	-	-	-	-	₹ 25,000.00
पाठ्यक्रम-शुल्क	₹ 2,84,000.00	₹ 2,82,000.00	₹ 2,82,000.00	₹ 2,84,000.00	₹ 2,82,000.00	₹ 2,82,000.00	₹ 16,96,000.00
रिफंडेबल ज़मानती राशि	₹ 9,000.00	-	-	-	-	-	₹ 9,000.00
कुल-शुल्क	₹ 3,18,000.00	₹ 2,82,000.00	₹ 2,82,000.00	₹ 2,84,000.00	₹ 2,82,000.00	₹ 2,82,000.00	₹ 17,30,000.00

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एनालिटिक्स) प्रोग्राम

आईआईएम काशीपुर में 'मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इन एनालिटिक्स' एक द्विवर्षीय गहन और पूरी तरह से आवासीय कार्यक्रम है, जो विशेष रूप से उन प्रतिभागियों के लिए गठित किया गया है जो बड़ी डेटा क्रांति में शामिल होना चाहते हैं तथा डेटा एनालिटिक्स के क्षेत्र में भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं के रूप में उभरना चाहते हैं।

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को वर्तमान व्यावसायिक परिदृश्य में बेहतर निर्णय लेने के लिए जटिल डेटा विश्लेषण करने में सक्षम बनाने के लिए एक व्यापक शिक्षण वातावरण प्रदान करता है। प्रबंधकीय और विश्लेषणात्मक विषयों का विवेकपूर्ण समन्वय, जटिल व्यावसायिक समस्याओं से निपटने के लिए विद्यार्थियों के आवश्यक कौशल को विकसित करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यावसायिक और सामाजिक चुनौतियों को परिभाषित करने, पैटर्न की पहचान करने, अंतर्दृष्टि प्राप्त करने, व्यावसायिक रणनीतियों को विकसित करने एवं बेहतर प्रबंधन निर्णय लेने के लिए, विश्लेषणात्मक उपकरणों तथा तकनीकों का उपयोग करते हुए त्रुटिहीन संचार कौशल के साथ-साथ अच्छे प्रबंधकीय और विश्लेषणात्मक कौशल को अर्जित करके भविष्योन्मुख व्यावसायिक नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करना है।

द्विवर्षीय एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम को छह सत्रों में विभाजित किया गया है। पहले वर्ष में, प्रबंधन और विश्लेषणात्मक कोर पाठ्यक्रमों का एक आदर्श समन्वय पढ़ाया जाता है जो विद्यार्थियों को प्रबंधन और विश्लेषणात्मक अवधारणाओं की नींव बनाने में मदद करता है। दूसरे वर्ष में, विद्यार्थियों को रचनात्मक विश्लेषण-संचालित व्यावसायिक समाधानों को समझने और बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के विश्लेषण-उन्मुख वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से 'एनालिटिक्स' का अधिक उन्नत ज्ञान मिलता है। इस कार्यक्रम में एक शोध प्रबंध घटक भी शामिल है जो कार्यक्रम के दूसरे वर्ष के तीन सत्रों में विस्तारित है। यह घटक एक विद्यार्थी को उसकी रुचि के क्षेत्र को गहराई से पहचानने और तलाशने, अनुसंधान प्रश्नों को परिभाषित करने और फिर अनुसंधान करने की उसकी क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए उपयुक्त अनुसंधान उपकरणों का उपयोग करने में मदद करता है, जिससे इस प्रक्रिया के दौरान ही उसे मूल्यवान कौशल प्राप्त हो जाता है।

अभ्यासकर्ता कक्षा में पाठ्यक्रमों और कार्यशालाओं के माध्यम से उद्योग संबंधी अपने दृष्टिकोण को सामने लाते हैं। इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के पास उद्योग संबंधी अनुभव, व्यावसायिक समस्याओं से निपटने में व्यावहारिक अनुभव और चुनने के लिए वैकल्पिक विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला का उचित समन्वय होगा।

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में एमबीए (एनालिटिक्स) में मुख्य पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष एमबीए (एनालिटिक्स) पाठ्यक्रम		
सत्र I		
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**
संगठनात्मक व्यवहार	0.5	12.5
व्यावसायिक सांख्यिकी	1	25
वित्तीय लेखांकन	0.5	12.5
वित्तीय बाजार	0.5	12.5
सूक्ष्मअर्थशास्त्र	1	25
विपणन प्रबंधन I	1	25
गणितीय आधार	1	25
कार्यशाला- लिखित और मौखिक संचार	0.5	12.5
सत्र का कुल योग	**6**	**150**
सत्र II		
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**
निर्णय मॉडलिंग	1	25
प्रबंधन सूचना प्रणाली	1	25
कॉर्पोरेट वित्त	1	25
विपणन प्रबंधन II	0.5	12.5
संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	1	25
व्यवसाय के कानूनी पहलू	0.5	12.5
व्यवसाय कंप्यूटिंग - I	1	25
व्यवसाय विश्लेषिकी का परिचय	1	25
सत्र का कुल योग	**7**	**175**
सत्र III		
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**
संगठनों में लोक प्रबंधन	1	25

रणनीतिक प्रबंधन	1	25
बिजनेस कंप्यूटिंग II	1	25
शोध विधियों पर संगोष्ठी	1	25
डेटा विज़ुअलाइज़ेशन	1	25
डेटा प्रबंधन और बिग डेटा	1	25
सत्र का कुल योग	**6**	**150**

द्वितीय वर्ष एमबीए (एनालिटिक्स) पाठ्यक्रम

सत्र IV		
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**
प्रबंधकों के लिए अनुप्रयुक्त अर्थमिति	1	25
डेटा विज्ञान और मशीन लर्निंग	1	25
सोशल मीडिया और वेब एनालिटिक्स	1	25
ऐच्छिक 1/2 (नीचे ऐच्छिक प्रस्ताव तालिका देखें)	0.5	12.5
ऐच्छिक 3/4 (नीचे ऐच्छिक प्रस्ताव तालिका देखें)	0.5	12.5
शोध प्रबंध- भाग ए	1	25
सत्र का कुल योग	**6**	**150**
सत्र V		
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**
प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण	1	25
एआई और डीप लर्निंग	1	25
उन्नत डेटा विश्लेषण	1	25
ऐच्छिक 5/6 (नीचे ऐच्छिक प्रस्ताव तालिका देखें)	0.5	12.5
ऐच्छिक 7/8 (नीचे ऐच्छिक प्रस्ताव तालिका देखें)	0.5	12.5
शोध प्रबंध- भाग बी	1	25
सत्र का कुल योग	**6**	**150**
सत्र VI		
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**
ऐच्छिक 9/10 (नीचे ऐच्छिक प्रस्ताव तालिका देखें)	0.5	12.5
ऐच्छिक 11/12/13/14(नीचे ऐच्छिक प्रस्ताव तालिका देखें)	0.5	12.5
शोध प्रबंध – फाइनल	2	50
सत्र का कुल योग	**5**	**125**
द्वितीय वर्ष की कुल क्रेडिट आवश्यकता = 17		
दो वर्ष की कुल क्रेडिट आवश्यकता = 36		

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में प्रस्तावित ऐच्छिक विषय

सत्र	क्षेत्र	पाठ्यक्रम का नाम	क्रेडिट	ऐच्छिक प्रकार
सत्र IV	लेखांकन और वित्त	व्यवसाय मूल्यांकन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र IV	लेखांकन और वित्त	वाणिज्यिक बैंक प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र IV	लेखांकन और वित्त	निवेश प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र IV	लेखांकन और वित्त	वित्तीय व्युत्पन्न	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र IV	एचआर	संगठनात्मक उत्कृष्टता के लिए प्रतिभा प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र IV	एचआर	रोजगार संबंध का परिचय	1	प्रबंधन ऐच्छिक

सत्र IV	एचआर	कर्मचारी प्रशिक्षण और विकास	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र IV	एचआर	विघटनकारी दुनिया में परिवर्तन का प्रबंधन: सिमुलेशन के माध्यम से सीखना	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र IV	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	ई-कॉमर्स	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र IV	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	इन्फोग्राफिक्स और उन्नत विज़ुअलाइज़ेशन तकनीकों का उपयोग करके एनालिटिक्स	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र IV	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	स्वचालित डेटा संग्रह	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र IV	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	फ़ीचर इंजीनियरिंग	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र IV	विपणन	उपभोक्ता व्यवहार	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र IV	विपणन	सोशल मार्केटिंग	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र IV	विपणन	बिक्री और वितरण प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र IV	विपणन/संचालन	सेवा प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र IV	ओएमडीएस	लॉजिस्टिक्स प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र IV	ओएमडीएस	बहुभिन्नरूपी डेटा विश्लेषण	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र IV	ओएमडीएस	उद्योग 4.0 - व्यवसाय संचालन में बदलाव	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र IV	रणनीति	उभरते बाज़ारों के लिए रणनीतियाँ	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र V	लेखांकन और वित्त	फिक्स्ड इनकम मार्केट्स	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र V	लेखांकन और वित्त	वित्तीय विश्लेषण (1.0 क्रेडिट)	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र V	लेखांकन और वित्त	वित्तीय जोखिम मापन और प्रबंधन (1.0 क्रेडिट)	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र V	लेखांकन और वित्त	कॉर्पोरेट संचार और संकट प्रबंधन	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र V	संचार	मीडिया और मनोरंजन व्यवसाय प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र V	संचार	स्थिरता का अर्थशास्त्र, व्यवसाय और नवाचार में ईएसजी	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र V	अर्थशास्त्र	खेल सिद्धांत, प्रयोग और व्यवहार	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र V	अर्थशास्त्र	स्थिरता विश्लेषण	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र V	अर्थशास्त्र	डिजिटल परिवर्तन के लिए टीमों पर पुनर्विचार	1	प्रबंधन ऐच्छिक

सत्र V	एचआर	डिजिटल परिवर्तन के लिए टीमों पर पुनर्विचार	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र V	एचआर	डिजिटल नेतृत्व	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र V	एचआर	भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संगठनात्मक उत्कृष्टता	0.5	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र V	एचआर / एनालिटिक्स	मानव संसाधन विश्लेषण	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र V	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	डिजिटल परिवर्तन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र V	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	सूचना प्रौद्योगिकी परियोजना प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र V	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	छवि विश्लेषण	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र V	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	सूचना और नेटवर्क सुरक्षा	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र V	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	रोबोटिक्स प्रक्रिया स्वचालन	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र V	विपणन	नैतिक विपणन	0.5	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र V	विपणन	उन्नत मीडिया मार्केटिंग	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र V	विपणन	डिजिटल मार्केटिंग	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र V	विपणन	उत्पाद और ब्रांड प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र V	विपणन	डिजाइन थिंकिंग के अनुप्रयोग	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र V	विपणन / एनालिटिक्स	विपणन विश्लेषिकी	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र V	ओएमडीएस	उन्नत प्रबंधकीय निर्णय विश्लेषण	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र V	ओएमडीएस	उन्नत संचालन अनुसंधान	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र V	ओएमडीएस	परियोजना प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र V	ओएमडीएस	R का उपयोग करके व्यवसाय विश्लेषण के लिए डेटा माइनिंग	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र V	रणनीति	प्रबंधन परामर्श	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र VI	लेखांकन और वित्त	व्यवहार वित्त	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र VI	लेखांकन और वित्त	डिजिटल वित्त	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र VI	लेखांकन और वित्त	वित्तीय विवरण विश्लेषण और फोरेंसिक लेखांकन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र VI	संचार	सोशल मीडिया अभियानों के लिए सामग्री विकास रणनीति	0.5	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र VI	संचार	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विश्लेषण	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र VI	अर्थशास्त्र	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विश्लेषण	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र VI	अर्थशास्त्र	सार्वजनिक नीति का विश्लेषण	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र VI	एचआर	कार्यस्थलों पर विविधता और समावेशन	1	प्रबंधन ऐच्छिक

सत्र VI	एचआर	संघर्ष प्रबंधन और बातचीत	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र VI	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	आईटी परामर्श	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र VI	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	आईटी उत्पाद प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र VI	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	सुदृढीकरण शिक्षण का उपयोग करते हुए उन्नत एआई	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र VI	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	क्लाउड में कृत्रिम बुद्धिमत्ता	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र VI	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	व्याख्यात्मक एआई	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र VI	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	स्वास्थ्य सेवा विश्लेषण और रणनीति	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र VI	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	खेल विश्लेषण	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र VI	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	पर्यटन विश्लेषण और इसके अनुप्रयोग	0.5	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र VI	विपणन	व्यवसाय से व्यवसाय विपणन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र VI	विपणन	मूल्य निर्धारण प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र VI	विपणन	खुदरा प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र VI	विपणन	विपणन रणनीति	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र VI	विपणन	अंतर्राष्ट्रीय विपणन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र VI	ओएमडीएस	इन्वेंटरी प्रबंधन	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र VI	ओएमडीएस	संचालन रणनीति	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र VI	ओएमडीएस	आपूर्ति श्रृंखला विश्लेषण	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र VI	ओएमडीएस	आर का उपयोग करके निर्णय लेना: एक केस स्टडी दृष्टिकोण	1	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सत्र VI	ओएमडीएस	व्यावसायिक संचालन में प्रौद्योगिकी प्रबंधन	1	प्रबंधन ऐच्छिक
सत्र VI	रणनीति	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	1	प्रबंधन ऐच्छिक

प्रवेश: आईआईएम काशीपुर ने दिसंबर 2023 में एमबीए (एनालिटिक्स) के चौथे बैच की प्रवेश प्रक्रिया शुरू की। एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम के लिए प्रवेश नीति के अनुसार, कैट और जीमैट वैध स्कोरकार्ड धारकों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे। एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम में प्रवेश विभिन्न मापदंडों पर उम्मीदवार के समग्र प्रदर्शन पर आधारित होता है। इन मापदंडों में सम्मिलित हैं, कैट/जीमैट स्कोर, व्यक्तिगत साक्षात्कार (पीआई) एवं उम्मीदवारों का प्रोफाइल।

- वर्ष 2023में एमबीए (एनालिटिक्स) के लिए कुल 5526आवेदन प्राप्त हुए, जबकि पिछले वर्ष प्राप्त आवेदनों की संख्या 4343 थी।
- इस कार्यक्रम में भारत के 24 राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते कुल 168 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया।
- पिछले वर्ष की तुलना में महिला विद्यार्थियों की संख्या 73 से बढ़कर 116 हो गई है। एमबीए (एनालिटिक्स) बैच 2023-25 के लिए दाखिला लेने वाली महिला विद्यार्थियों की संख्या बैच की लगभग 69% थीं।

एमबीए(एनालिटिक्स) 2023-25 में बैच विविधता:

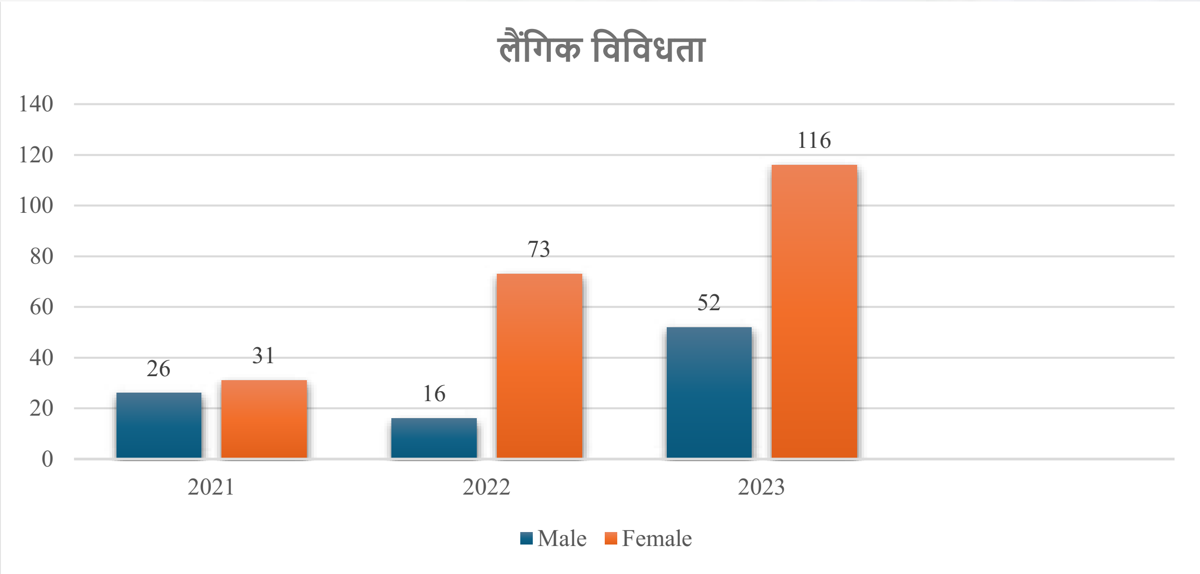

श्रेणी-वार ब्यौरा एमबीए एनालिटिक्स

एमबीए एनालिटिक्स	लिंग		श्रेणी						कुल
बैच	पुरुष	महिला	सामान्य	एनसी-ओबीसी	ईडब्ल्यूएस	एससी	एसटी	डीएपी	
एमबीएए 2023-25	52	116	56	31	18	24	26	13	168
एमबीएए 2022-24	16	73	37	21	8	13	6	4	89
एमबीएए 2021-23	26	31	26	18	5	7	1	0	57
एमबीएए 2020-22	30	28	25	15	5	6	6	1	58

एमबीए (एनालिटिक्स) 202-25 बैच में अध्ययन-विषय विविधता: बैच के 168 में से 80 विद्यार्थी गैर-इंजीनियर्स हैं, जो कि बैच संख्या का 47% हैं। एमबीए (एनालिटिक्स) प्रोग्राम में इस विचार पर तकनीकी फोकस पर किया जा रहा है।

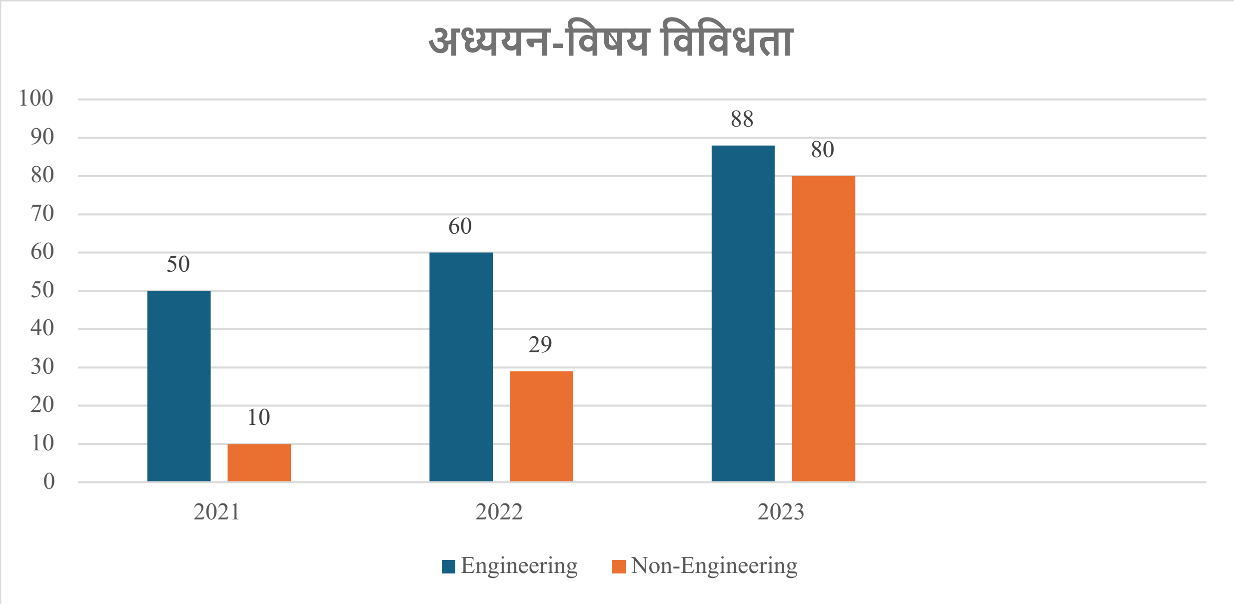

अध्ययन-विषय विविधता एमबीए एनालिटिक्स

अध्ययन-विषय	2023-25	2022-24	2021-23
इंजीनियरिंग	88	60	50
गैर-इंजीनियरिंग	80	29	07

एमबीए (एनालिटिक्स) 2023-25 बैच में कार्य अनुभव: पिछले वर्ष 32 विद्यार्थियों की तुलना में एक वर्ष से अधिक कार्य अनुभव वाले 85 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया। बैच के 50.59% विद्यार्थियों के पास एक वर्ष से अधिक का अनुभव है।

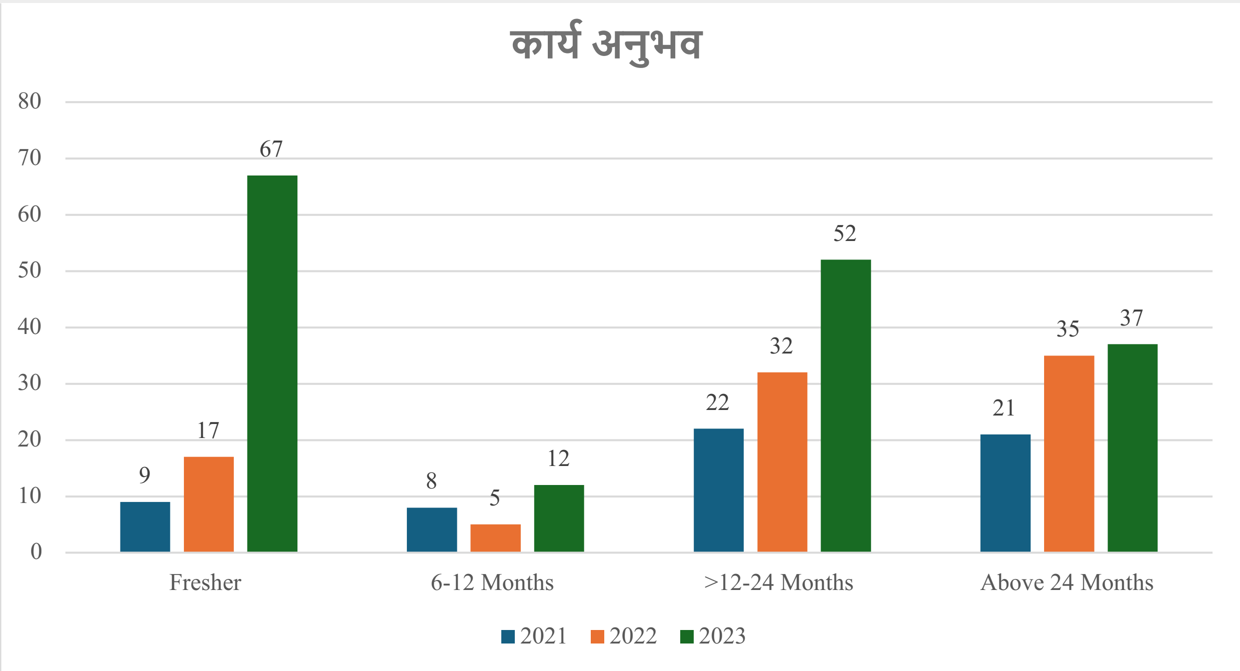

कार्य अनुभव एमबीए एनालिटिक्स

कार्य अनुभव (महीनों में)	2023-25	2022-24	2021-23
नवागत	67	17	8
12 माह से कम	12	5	7
12-24 माह	52	32	21
24 माह से अधिक	37	35	21

एमबीए (एनालिटिक्स) 2023-25 बैच के लिए शुल्क संरचना (रुपये में)

मद	सत्र 1	सत्र 2	सत्र 3	सत्र 4	सत्र 5	सत्र 6	कुल योग
प्रवेश	25,000.00	-	-	-	-	-	25,000.00
पाठ्यक्रम शुल्क	2,91,000.00	2,91,000.00	2,91,000.00	2,91,000.00	2,91,000.00	2,91,000.00	17,46,000.00
ज़मानती राशि	20,000.00	-	-	9,000.00	-	-	29,000.00
कुल	**3,36,000.00**	**2,91,000.00**	**2,91,000.00**	**3,00,000.00**	**2,91,000.00**	**2,91,000.00**	**18,00,000.00**

कार्यकारी एमबीए प्रोग्राम

कार्यकारी एमबीए (ईएमबीए), प्रबंधन में दो वर्षीय एक गहन स्नातकोत्तर कार्यक्रम है जो विशेष रूप से मध्यम और वरिष्ठ स्तर के पेशेवरों के लिए बनाया गया है। यह एक विशेष कार्यक्रम है जो आज के तेजी से बदलते और प्रतिस्पर्धी वैश्विक व्यवसायी वातावरण में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए, अभ्यासरत अधिकारियों को ज्ञान और कौशल प्रदान करता है। यह एक परिशुद्ध, पूर्णतः कक्षा-आधारित कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम सप्ताहांत के दौरान आयोजित किया जाता है क्योंकि इसका उद्देश्य अधिकारियों को उनकी पेशेवर गतिविधि में बिना हस्तक्षेप किए, अपने प्रबंधकीय कौशल को शीघ्रता से उन्नत करने का अवसर प्रदान करना है। प्रतिभागी अपने विविध अनुभवों को कक्षा में साझा करते हैं एवं वास्तविक दुनिया और लाइव परियोजनाओं पर काम करते हैं। यह कार्यक्रम सक्रिय रूप से, प्रतिभागियों को कक्षा में सीखी गई अवधारणाओं को अपने कार्यस्थल पर लागू करने में, सक्षम बनाने के तरीकों का अन्वेषण करता है। संक्षेप में, यह कार्यक्रम अधिकारियों को निर्बाध रूप से बड़ी और अधिक सफल नेतृत्व भूमिकाओं के लिए तैयार करता है।

उद्देश्य

कार्यक्रम के कुछ विशिष्ट उद्देश्य निम्नलिखित हैं

- विद्यमान एवं उभरती हुई प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए डिजिटल निपुणता की आदत विकसित करना।
- स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए उद्यमशीलता की भावना पैदा करना।
- विशेष रूप से व्यवसाय में व्यावसायिक संचार बढ़ाने के लिए अनुप्रयोग।
- उनके संगठनात्मक विकास में आत्मविश्वास और योग्यता के द्वारा अधिक से अधिक योगदान देना।

हाइलाइट

- डिजिटल निपुणता
- भविष्य के कौशल
- कैपस्टोन सिमुलेशन
- वर्धित मूल्य कोर्स पैक
- अधिकारियों के लिए पाठ्यक्रम में लचीलापन
- कैंपस इमर्सन
- उद्योग अध्ययन

प्रवेश प्रक्रिया

ईएमबीए कार्यक्रम के लिए प्रवेश नीति के अनुसार, कैट और जीमैट वैध स्कोरकार्ड धारकों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे। ईएमबीए में प्रवेश के लिए, उम्मीदवार के पास निम्नलिखित अनिवार्य होना चाहिए:

- यूजीसी/एआईयू द्वारा विधिवत मान्यता प्राप्त स्नातक की डिग्री, जहाँ न्यूनतम अंक हैं- सामान्य के लिए 50%, एनसी-ओबीसी के लिए 47% और एससी/एसटी/डीएपी के लिए 45%
- स्नातक के बाद न्यूनतम तीन वर्ष का प्रबंधकीय/उद्यमी/व्यावसायिक अनुभव।

ईएमबीए कार्यक्रम में प्रवेश विभिन्न मापदंडों पर उम्मीदवार के समग्र प्रदर्शन पर आधारित होता है। इन मापदंडों में सम्मिलित हैं, कैट/जीमैट स्कोर, या भा.प्र.सं. काशीपुर द्वारा आयोजित एग्जीक्यूटिव मैनेजमेंट एप्टीट्यूड टेस्ट (EMAT) में प्राप्त अंक और व्यक्तिगत साक्षात्कार में उम्मीदवारों का प्रदर्शन।

ईएमबीए बैच 2023-25 के बारे में

ईएमबीए 2023-25 बैच में 33 उम्मीदवारों को प्रवेश दिया गया। यह बैच अनुभवी पेशेवरों का एक स्वस्थ समन्वय है, जो देश भर के उन प्रतिष्ठित संस्थानों से निकल कर आए हैं और जो राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय अग्रणी कंपनियों का हिस्सा रहे हैं।

कार्यकारी एमबीए कार्यक्रम की पाठ्यक्रम संरचना

सत्र 1	सत्र 2
व्यावसायिक आँकड़े कार्यकारी संचार वित्तीय रिपोर्टिंग और विश्लेषण विपणन प्रबंधन-I संगठनात्मक व्यवहार	व्यावसायिक आँकड़े कार्यकारी संचार वित्तीय रिपोर्टिंग और विश्लेषण विपणन प्रबंधन-I संगठनात्मक व्यवहार
सत्र 3	**सत्र 4**
आलोचनात्मक सोच और पारस्परिक कौशल निर्णय मॉडलिंग डिजिटल विपणन मैक्रो-इकोनॉमिक विश्लेषण और लोक नीति प्रबंधन सूचना प्रणाली	कॉर्पोरेट वित्त कॉर्पोरेट नियम डिज़ाइन थिंकिंग और इनोवेशन संगठनों में लोगों का प्रबंधन करना संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंध
सत्र 5	
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग कैपस्टोन सिमुलेशन उद्यमशील संगठन और समाज परियोजनाओं का निर्माण और रिपोर्टिंग नेतृत्व बातचीत, मध्यस्थता और सुलह कूटनीतिक प्रबंधन	

ईएमबीए में क्षेत्रवार सांकेतिक वैकल्पिक पाठ्यक्रम	
सामान्य प्रबंधन	**वित्त एवं लेखांकन**
प्रतिस्पर्धी परिदृश्य कॉर्पोरेट एथिक्स गवर्नेंस वैश्विक व्यापार के लिए अंतर-सांस्कृतिक कौशल उद्यमशीलता सामाजिक उद्यमिता	अग्रिम वित्तीय विवरण विश्लेषण व्यवसाय मूल्यांकन वाणिज्यिक बैंक प्रबंधन उद्यमशील वित्तीय प्रबंधन वित्तीय व्यवहार वित्तीय डेरिवेटिव और जोखिम प्रबंधन निवेश प्रबंधन वित्तीय बाज़ारों में व्यापारिक रणनीतियाँ उद्यम पूँजी और निवेश बैंकिंग व्यक्तिगत वित्त निजी इक्विटी और निवेश बैंकिंग वित्तीय विवरण विश्लेषण और फोरेंसिक लेखांकन
संचालन प्रबंधन और निर्णय विज्ञान	**संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंध**
व्यवसाय प्रक्रिया प्रबंधन क्राफ्टिंग रिसर्च आउटपुट उद्योग ४.०- व्यवसाय संचालन रूपांतरण प्रौद्योगिकी का प्रबंधन संचालन रणनीति परियोजना प्रबंधन गुणवत्ता प्रबंधन और सिक्स सिग्मा सेवा संचालन प्रबंधन अन्वेषणात्मक डेटा विश्लेषण अनुप्रयुक्त सर्वेक्षण डेटा विश्लेषण आपूर्ति श्रृंखला विश्लेषिकी उद्योग ४.०: व्यवसाय संचालन रूपांतरण व्यवसाय संचालन में प्रौद्योगिकी प्रबंधन	व्यवसाय नैतिकता क्षतिपूर्ति और लाभ रोजगार संबंध एचआर एनालिटिक्स श्रम कानून और औद्योगिक संबंध बातचीत और संघर्ष प्रबंधन संगठनात्मक परिवर्तन और विकास निष्पादन प्रबंधन सत्ता और राजनीति प्रतिभा अधिग्रहण प्रबंधन डिजिटल परिवर्तन के लिए पुनर्विचार समूह

<table>
<tr><th>रणनीति</th><th>सूचना प्रौद्योगिकी</th></tr>
<tr><td>व्यापार प्रतिदर्श
अंतर्राष्ट्रीय रणनीतिक प्रबंधन के लिए आधार
नवाचार और कॉर्पोरेट उद्यमिता
उभरते बाज़ारों के लिए रणनीतियाँ</td><td>एडवांस मशीन लर्निंग
व्यवसाय बुद्धिमत्ता और व्यवसाय विश्लेषिकी
डेटा साइंस और मशीन लर्निंग
डेटा विज़ुअलाइज़ेशन
डिजिटल बिजनेस और फ्रंटियर टेक्नोलॉजी
व्यवसाय विश्लेषिकी का आधार
आईटी परियोजना प्रबंधन
वेब और सोशल मीडिया एनालिटिक्स
पाठ विश्लेषण</td></tr>
<tr><th>विपणन</th><th>संचार</th></tr>
<tr><td>बी2बी मार्केटिंग
डिज़ाइन थिंकिंग का अनुप्रयोग
डिजिटल विपणन
मूल्य प्रबंधन
उत्पाद और ब्रांड प्रबंधन
ग्रामीण विपणन बिक्री और वितरण
रणनीतिक ब्रांड प्रबंधन</td><td>मीडिया मनोरंजन व्यवसाय और प्रबंधन
प्रबंधन के लिए फिल्में
अंतरराष्ट्रीय व्यापार</td></tr>
<tr><th colspan="2">अर्थशास्त्र</th></tr>
<tr><td colspan="2">कृषि व्यवसाय
विकास और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अर्थशास्त्र
उद्यमिता का अर्थशास्त्र
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का अर्थशास्त्र
स्थिरता का प्रबंधन
रणनीतिक लागत प्रबंधन</td></tr>
</table>

ईएमबीए 2023-25 बैच में बैच विविधता

लैंगिक विविधता

लिंग	संख्या
पुरुष	26
महिला	7

अध्ययन विषय विविधता

अध्ययन विषय	कुल प्रवेशित
इंजीनियरिंग	18
गैर- इंजीनियरिंग	15

उद्योग अनुभव

उद्योग	संख्या
आईटी	15
ऑटोमोबाईल	1
बैंकिंग	5
बिक्री और प्रस्ताव	1
प्रबंधन	1
विनिर्माण	4
नवीकरणीय ऊर्जा	1
बहु-विषयक	1
फार्मास्युटिकल	1
विपणन	1
अन्य	2

कार्यकारी एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम

आईआईएम काशीपुर के द्विवर्षीय कार्यकारी एमबीए (एनालिटिक्स) (ईएमबीएए) कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को व्यावसायिक नेतृत्वकर्ता बनने के लिए तैयार करना है, जो संगठनात्मक प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए एनालिटिक्स की शक्ति का उपयोग कर सकते हैं। यह कार्यक्रम बहु-विषयक शैक्षणिक एवं व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से शिक्षार्थियों को एनालिटिक्स, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के उभरते और अंतःविषय क्षेत्रों में प्रशिक्षित करता है।

यह कार्यक्रम संरचना उन कार्यकारी अधिकारियों और उद्यमियों के लिए गठित की गई है जो प्रबंधन शिक्षा में आगे बढ़ने का अवसर चाहते हैं, लेकिन जिनके लिए प्रबंधन में पूर्णकालिक कार्यक्रम में प्रवेश लेना कठिन दिखाई पड़ता है। ईएमबीएए कार्यकारी अधिकारियों को अपने संबंधित व्यवसायों में संलिप्त रहने के साथ ही साथ, अपने ज्ञान के आधार को उन्नत करने हेतु लचीलापन प्रदान करने के लिए गठित किया गया है। ईएमबीएए में एक दृढ़ पाठ्यक्रम शामिल है, जो प्रतिभागियों को विभिन्न विश्लेषणात्मक उपकरणों से परिचित कराता है एवं उनके साथियों, प्राध्यापकों और उनके संगठनों के साथ रचनात्मक सहयोग के लिए अवसर प्रदान करता है। ईएमबीएए कार्यक्रम विषयवस्तु और दृढ़ता में नियमित एमबीएए के समकक्ष है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को अपने ज्ञान के आधार को उन्नत करने एवं अपने कौशल तथा दक्षताओं को निखारने के लिए एक मंच प्रदान करना है, ताकि वे अपने कैरियर में आगे बढ़ें और अंततः अपने संगठनों में नेतृत्वकर्ता की भूमिका का निर्वहन कर सकें। ईएमबीएए का अभिनव दृष्टिकोण, आवश्यकता-आधारित पाठ्यक्रम, डेटा-संचालित दृष्टिकोण और अनुभवी प्राध्यापक एक एकीकृत शिक्षण अनुभव प्रदान करते हैं जो उच्च शैक्षणिक मानकों को बनाए रखते हुए, प्रतिभागियों के प्रबंधकीय कैरियर पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए पर्याप्त रूप से सक्षम है।

छह सत्रों में विभाजित इस 24 महीनों के कार्यक्रम में 900 घंटे का संपर्क-समय मिलता है। अकादमिक इनपुट दो प्रकार के पाठ्यक्रमों के माध्यम से दिया जाता है: मुख्य पाठ्यक्रम और वैकल्पिक पाठ्यक्रम। कक्षाएँ सप्ताहांत में ऑनलाइन आयोजित की जाती हैं और प्रत्येक सत्र से पहले एक कैंपस इमर्शन और शिक्षण मॉड्यूल होता है। पहले तीन सत्रों में मुख्य पाठ्यक्रम शामिल हैं, जबकि चौथे, पाँचवें और छठे सत्र में मुख्य और वैकल्पिक पाठ्यक्रम शामिल हैं। यह पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को विश्लेषण और प्रबंधन अवधारणाओं से परिचित कराते हैं एवं उन्हें समर्थ बनाते हैं। इस मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य उम्मीदवारों को तकनीकी कौशल, व्यवसाय के बुनियादी सिद्धांतों, प्रबंधन पद्धतियों, नेतृत्व एवं रणनीति और बिजनेस एनालिटिक्स के लिए विशिष्ट समकालीन कौशल में प्रशिक्षित करना है। इसके अलावा, यह प्रतिभागियों को उद्योग 4.0 में सफल होने के लिए आवश्यक अंतःविषयी कौशल से सँवारता करता है।

ऐसे कई अधिकारी हैं जो नौकरी छोड़े बिना प्रबंधन योग्यता प्राप्त करके अपनी शिक्षा प्रोफ़ाइल को उन्नत करना चाहते हैं। ईएमबीएए इस आवश्यकता को पूरा करने में मदद करता है। इस प्रकार इस कार्यक्रम के अध्ययन-लक्ष्य, प्रबंधन शिक्षा के उभरते क्षेत्रों में मौजूद रहने एवं महत्वपूर्ण सोच और नवाचार में सक्षम व्यावसायिक नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने के अभियान के साथ जुड़ा हुआ है। इस कार्यक्रम के अध्ययन-लक्ष्य अभिव्यक्ति के विभिन्न तत्वों के साथ संरेखित हैं। लक्ष्य अभिव्यक्ति के तत्वों के साथ लक्ष्यों का मानचित्रण नीचे प्रस्तुत किया गया है।

लक्ष्य कथन के तत्वों के साथ लक्ष्यों का मानचित्रण

सीखने के लक्ष्य	लक्ष्य कथन के साथ संरेखण
लक्ष्य 1: आधुनिक व्यावसायिक पद्धतियाँ और संदर्भ के बारे में ज्ञान का प्रदर्शन।	अनुप्रयुक्त एवं अंतःविषयी अनुसंधान और प्रबंधन के उभरते क्षेत्रों में अभ्यास
लक्ष्य 2: व्यावसायिक प्रक्रियाओं का विश्लेषण करना और आलोचनात्मक दृष्टिकोण से उनका मूल्यांकन करना।	आलोचनात्मक सोच, नवाचार, और उद्यमशीलता
लक्ष्य 3: पाठ्यक्रम की सीखों को प्रयोग में लाना, समझना और विश्लेषण-संचालित व्यावसायिक समाधान बनाना।	आलोचनात्मक सोच, नवाचार, और उद्यमशीलता
लक्ष्य 4: प्रबंधन और विश्लेषणात्मक अवधारणाओं के ज्ञान को प्रदर्शित करना।	अनुप्रयुक्त एवं अंतःविषयी अनुसंधान और प्रबंधन के उभरते क्षेत्रों में अभ्यास
लक्ष्य 5: वास्तविक दुनिया की समस्या-समाधान के लिए आलोचनात्मक सोच प्रदर्शित करना।	आलोचनात्मक सोच, नवाचार, और उद्यमशीलता

कार्यक्रम संरचना: कार्यक्रम को छह सत्रों में विभाजित किया गया है, प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष प्रत्येक में तीन-तीन सत्र।

ईएमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम की पाठ्यक्रम संरचना - प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम

सत्र I			
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**	**रिमार्क्स**
संगठनात्मक व्यवहार	1	25	प्रबंधन कोर
वित्तीय लेखांकन	0.5	12.5	प्रबंधन कोर
वित्तीय बाजार	0.5	12.5	प्रबंधन कोर
सूक्ष्मअर्थशास्त्र	1	25	प्रबंधन कोर
सांख्यिकी I	0.5	12.5	एनालिटिक्स कोर
गणितीय आधार	1	25	एनालिटिक्स कोर
एक्सेल और एसक्यूएल का परिचय	1	25	एनालिटिक्स कोर
प्रोग्रामिंग इन आर	1	25	एनालिटिक्स कोर
सत्र का कुल योग	**6.5**	**162.5**	**MC = 3, AC = 3.5**
सत्र II			
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**	**रिमार्क्स**
विपणन प्रबंधन	1	25	प्रबंधन कोर
संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	1	25	प्रबंधन कोर
उद्यमिता	0.5	12.5	प्रबंधन कोर
डिजाइन सोच और नवाचार	0.5	12.5	प्रबंधन कोर
निर्णय मॉडलिंग	1	25	एनालिटिक्स कोर
सांख्यिकी II	1	25	एनालिटिक्स कोर
प्रबंधन सूचना प्रणाली	0.5	12.5	एनालिटिक्स कोर
पाइथन के साथ बिजनेस एनालिटिक्स का परिचय	1	25	एनालिटिक्स कोर
सत्र का कुल योग	**6.5**	**162.5**	**MC = 3, AC = 3.5**
सत्र III			
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**	**रिमार्क्स**
संगठनों में लोक प्रबंधन	1	25	प्रबंधन कोर
रणनीतिक प्रबंधन	1	25	प्रबंधन कोर
कॉर्पोरेट वित्त	1	25	प्रबंधन कोर
मार्केटिंग अनुसंधान	0.5	12.5	एनालिटिक्स कोर
डेटा विज़ुअलाइज़ेशन	1	25	एनालिटिक्स कोर
डेटा विज्ञान और मशीन लर्निंग	1	25	एनालिटिक्स कोर
अर्थमिति	1	25	एनालिटिक्स कोर
सत्र का कुल योग	**6.5**	**162.5**	**MC = 3, AC = 3.5**
प्रथम वर्ष का कुल योग	**19.5**	**487.5**	**MC = 9, AC = 10.5**
कोर = 19.5, ऐच्छिक = 0			

ईएमबीए (एनालिटिक्स) - द्वितीय वर्ष ऐच्छिक

क्षेत्र	ऐच्छिक पाठ्यक्रम का नाम	Course type
परिचालन प्रबंधन	सिक्स सिग्मा	प्रबंधन ऐच्छिक
	आर का उपयोग करके निर्णय लेना: एक केस स्टडी दृष्टिकोण	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	उन्नत परिचालन अनुसंधान	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	बहुभिन्नरूपी डेटा विश्लेषण	एनालिटिक्स कोर
	परियोजना प्रबंधन	प्रबंधन ऐच्छिक
	आपूर्ति श्रृंखला विश्लेषण	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	डेटा माइनिंग फॉर बिजनेस एनालिटिक्स यूजिंग आर	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	उन्नत प्रबंधकीय निर्णय विश्लेषण	एनालिटिक्स ऐच्छिक
सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली	प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	सोशल मीडिया और वेब एनालिटिक्स	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीप लर्निंग	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	डेटा प्रबंधन और बिग डेटा	एनालिटिक्स कोर
	व्यवसाय हेतु सूचना प्रौद्योगिकी	एनालिटिक्स कोर
	एंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग सिस्टम	प्रबंधन ऐच्छिक
	सोशल नेटवर्क एनालिटिक्स	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	व्यवसाय बुद्धिमत्ता एवं व्यवसाय विश्लेषण	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	ब्लॉकचेन के माध्यम से बिजनेस इनोवेशन	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	रोबोटिक्स प्रोसेस ऑटोमेशन	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	एडवांस्ड एआई यूजिंग रीइनफोर्समेंट लर्निंग	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन क्लाउड	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	स्पार्क के साथ एमएल अनुप्रयोग	एनालिटिक्स ऐच्छिक
ओबी एवं एचआरएम	भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संगठनात्मक उत्कृष्टता	प्रबंधन ऐच्छिक
	मेकिंग टीम्स वर्क	प्रबंधन ऐच्छिक
	डिजिटल नेतृत्व	प्रबंधन ऐच्छिक
	विघटनकारी विश्व में बदलाव का प्रबंधन: सिमुलेशन के माध्यम से सीखना	प्रबंधन ऐच्छिक
अर्थशास्त्र	स्थिरता विश्लेषण,	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विश्लेषण,	एनालिटिक्स ऐच्छिक
वित्त एवं लेखांकन	वित्तीय डेरिवेटिव	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	व्यवसाय मूल्यांकन	प्रबंधन ऐच्छिक
	वाणिज्यिक बैंक प्रबंधन	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	वित्तीय जोखिम मापन और प्रबंधन	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	निजी इक्विटी और निवेश बैंकिंग	एनालिटिक्स ऐच्छिक
रणनीति	उभरते बाजारों के लिए रणनीतियाँ (एसईएम)	प्रबंधन ऐच्छिक
विपणन	डिजिटल मार्केटिंग	प्रबंधन ऐच्छिक
	सामाजिक विपणन	प्रबंधन ऐच्छिक
	व्यवसाय-से-व्यवसाय विपणन	प्रबंधन ऐच्छिक
	उपभोक्ता व्यवहार विश्लेषण	एनालिटिक्स ऐच्छिक / प्रबंधन ऐच्छिक
	विपणन विश्लेषण	एनालिटिक्स ऐच्छिक

तालिका 2 ईएमबीएए – द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम

सत्र IV			
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**	**रिमार्क्स**
बहुविषयी डेटा विश्लेषण	1	25	एनालिटिक्स कोर
डेटा प्रबंधन और बिग डेटा	1	25	एनालिटिक्स कोर
व्यवसाय हेतु सूचना प्रौद्योगिकी	0.5	12.5	एनालिटिक्स कोर
ऐच्छिक (0.5/1.0 क्रेडिट्स)	2	50	एनालिटिक्स
ऐच्छिक (0.5/1.0 क्रेडिट्स)	0.5	12.5	एनालिटिक्स/प्रबंधन
उद्योग कार्यशाला (एक)	NA	12.5	एनालिटिक्स/प्रबंधन
सत्र का कुल योग	**5**	**137.5**	**AC = 4.5-5, MC= 0-0.5**
सत्र V			
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**	**रिमार्क्स**
ऐच्छिक (0.5/1.0 क्रेडिट्स)	2	50	एनालिटिक्स
ऐच्छिक (0.5/1.0 क्रेडिट्स)	2	50	एनालिटिक्स/प्रबंधन
ऐच्छिक /CIS (0.5/1.0 क्रेडिट्स)	1	25	एनालिटिक्स/प्रबंधन
उद्योग कार्यशाला (एक)	NA	12.5	एनालिटिक्स/प्रबंधन
सत्र का कुल योग	**5**	**137.5**	**AC = 2-5, MC= 0-3**
सत्र VI			
पाठ्यक्रम	**क्रेडिट**	**घंटे**	**रिमार्क्स**
ऐच्छिक (0.5/1.0 क्रेडिट्स)	1	25	एनालिटिक्स
ऐच्छिक (0.5/1.0 क्रेडिट्स)	1	25	एनालिटिक्स/प्रबंधन
सिमुलेशन एण्ड गेम (0.5/1.0 क्रेडिट्स)	2	50	प्रबंधन
उद्योग कार्यशाला (एक)	NA	12.5	एनालिटिक्स/प्रबंधन
सत्र का कुल योग	**5**	**137.5**	**AC = 1-3, MC= 2-4**
द्वितीय वर्ष का कुल योग [कोर: 6.5, ऐच्छिक: 8.5]	**15**	**412.5**	**AC = 7.5-13, MC= 2-7.5**
कुल योग [कोर = 26.0, ऐच्छिक = 8.5]	**34.5**	**900**	**AC = 18 – 23.5** **MC= 11-16.5** **तीन उद्योग कार्यशालाएँ**

प्रवेश: ईएमबीएए (2023-25), के पहले बैच के लिए कुल 264 आवेदन प्राप्त हुए थे और जिसमें से 82 प्रतिभागियों ने प्रवेश लिया। 82 प्रतिभागियों में से, 66 प्रतिभागी पुरुष थे और 16 महिलाएँ प्रतिभागी थीं।

बैच विविधता:

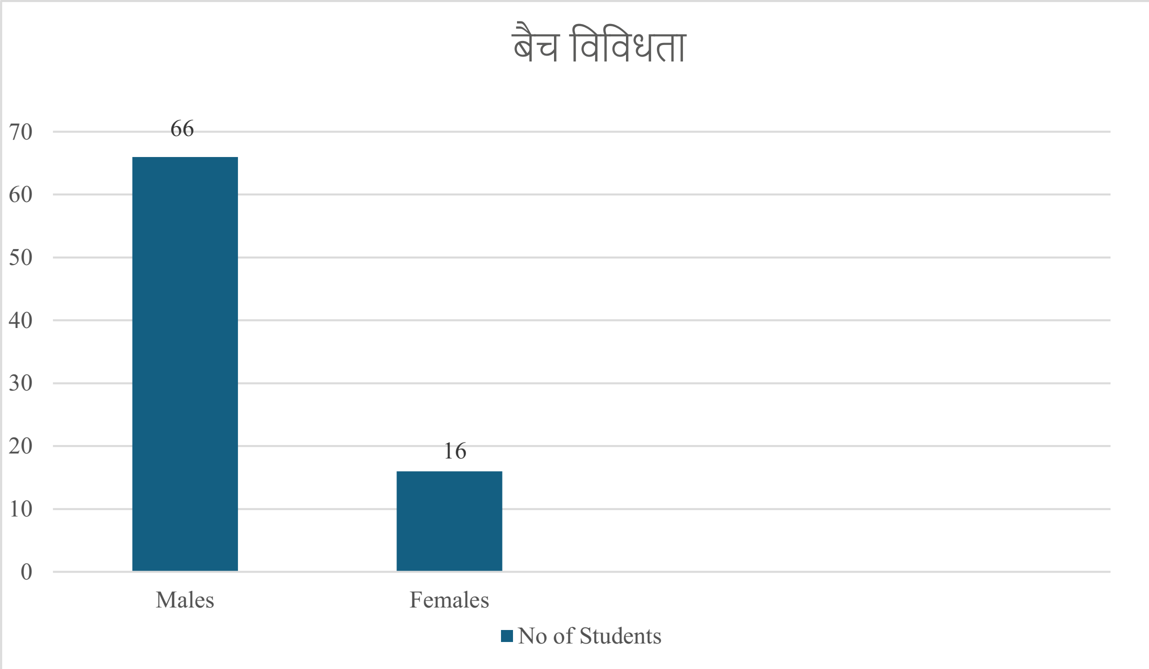

स्नातक स्तर की पढ़ाई के अनुसार शैक्षिक योग्यता ब्रेकअप: अधिकांश प्रतिभागी (50%) कंप्युटर साइंस, सूचना प्रौद्योगिकी एवं इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से हैं। शेष २७% प्रतिभागी अलग-अलग शैक्षणिक पृष्ठभूमि से हैं, जैसा कि चार्ट में दर्शाया गया है:

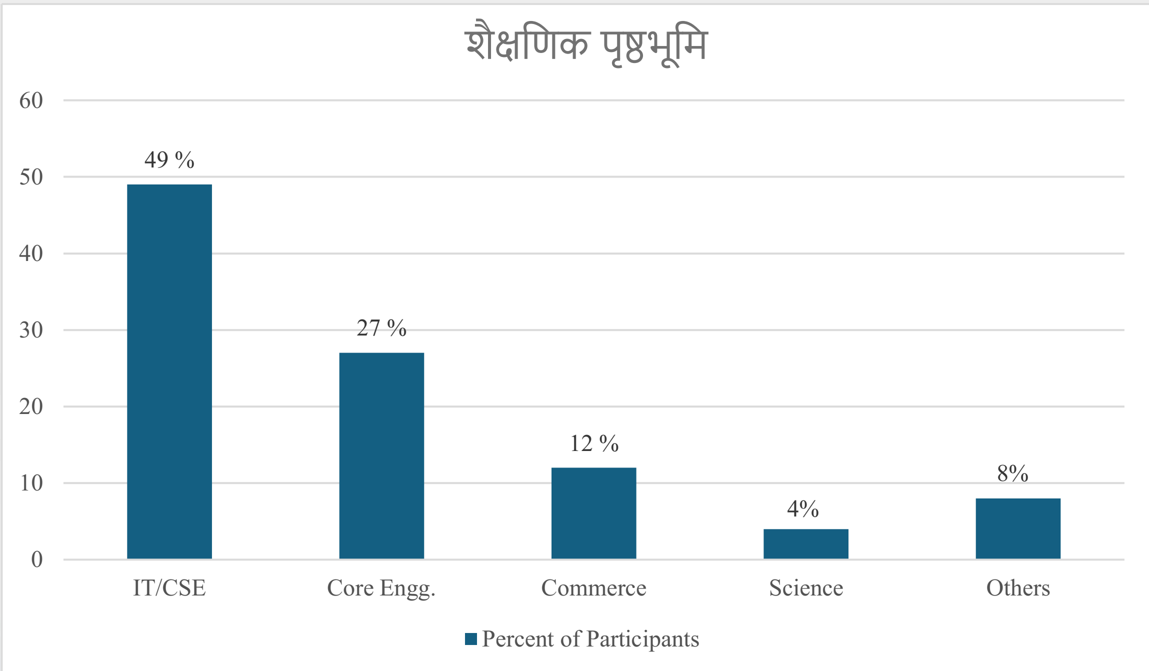

* अन्य में शामिल हैं - कृषि, कला, अर्थशास्त्र, आतिथ्य, प्रबंधन, विपणन, मीडिया और लोक प्रशासन

कार्य अनुभव: तीन वर्ष का अनुभव इस कार्यक्रम में आवेदन करने के लिए मूल मानदंड है। आधे से अधिक प्रतिभागियों के पास पाँच से दस वर्ष के बीच का कार्य अनुभव है एवं औसत कार्य अनुभव नौ वर्ष है। नीचे दी गई तालिका उसी को दर्शाती है।

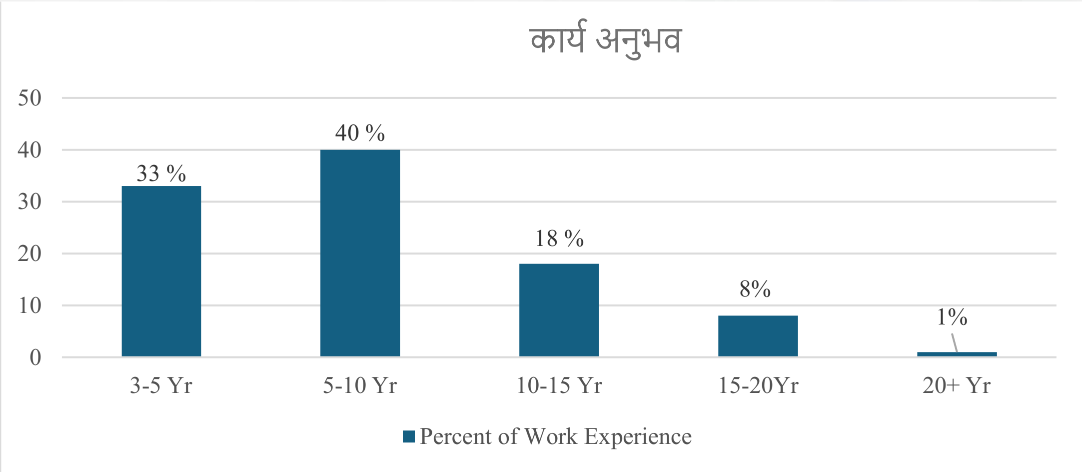

अध्ययन विषय: अधिकांश प्रतिभागी आईटी/आईटीईएस से हैं। हमारे पास आईटी/आईटीईएस के अलावा परामर्श, बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएँ, स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण, परिवहन, शासन और अन्य ज्ञानक्षेत्रों के प्रतिभागी भी हैं।

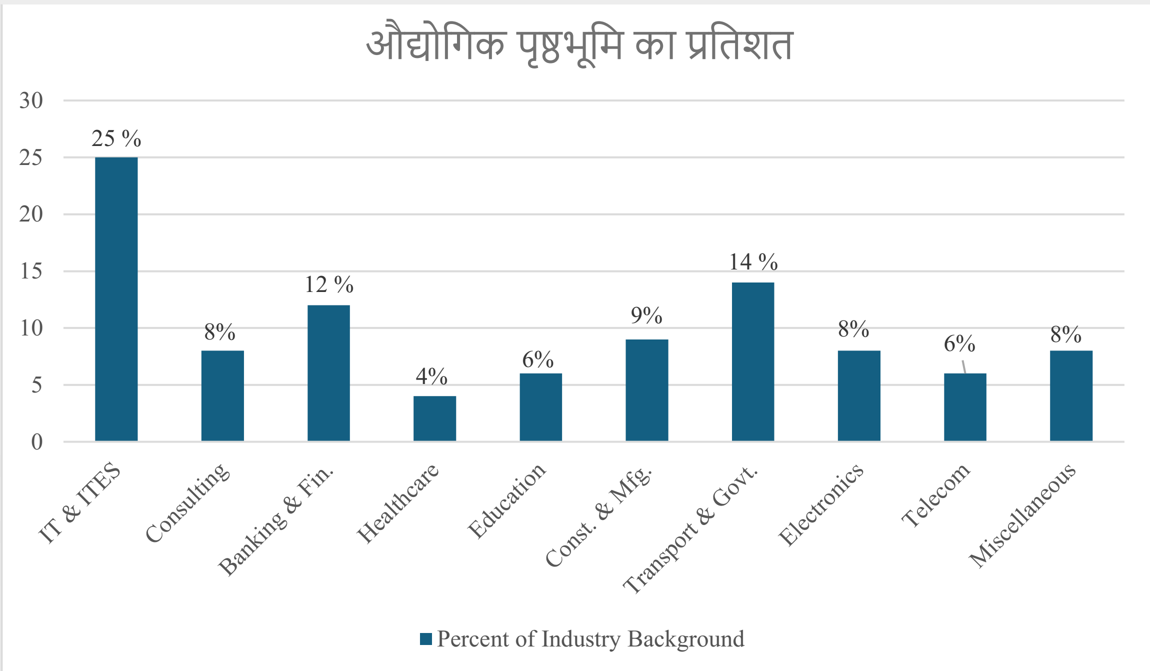

14 राज्यों से प्रतिनिधित्व: EMBAA 2023-25 बैच के प्रतिभागी भारत के 14 राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि 60% प्रतिभागी दिल्ली, कर्नाटक, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से हैं।

क्र. सं.	राज्य	नामांकित प्रतिभागियों की संख्या
1	कर्नाटक	19
2	महाराष्ट्र	14
3	उतार प्रदेश	10
4	दिल्ली	8
5	पश्चिम बंगाल	7
6	तमिलनाडु	5
7	हरयाणा	5
8	गुजरात	4
9	उत्तराखंड	3
10	बिहार	2
11	तेलंगाना	2
12	मध्य प्रदेश	1
13	ओडिशा	1
14	पंजाब	1

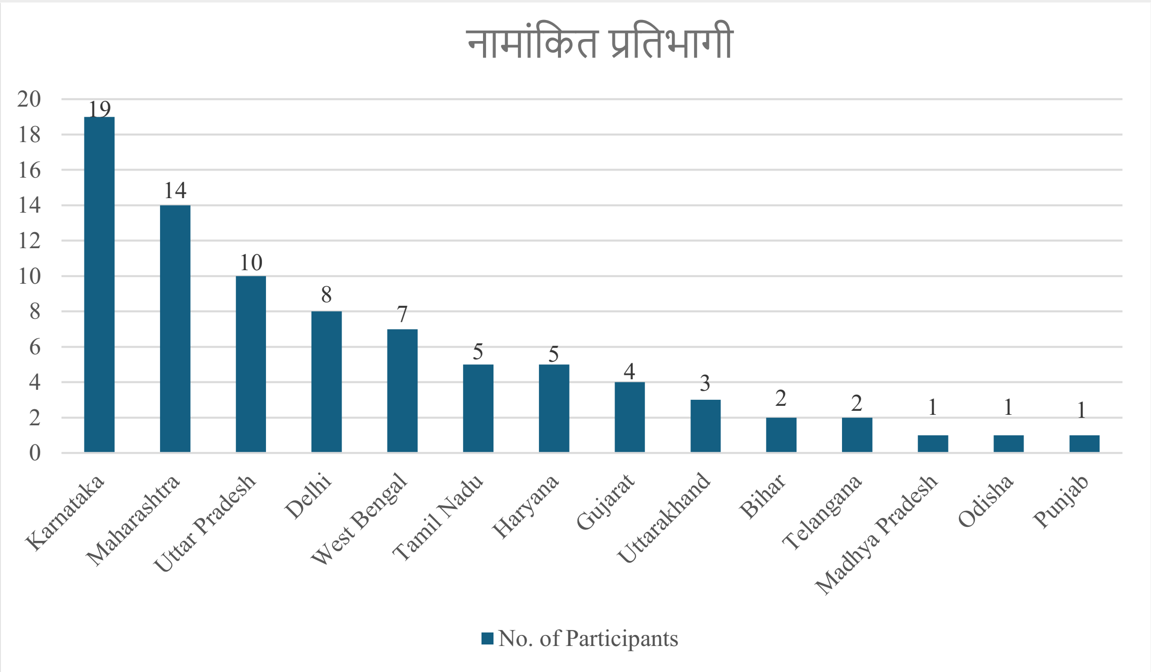

कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के बाद त्वरित बहिर्गमन एवं पुनः प्रवेश लेने का विकल्प

ईएमबीएए कार्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम (500 घंटे) पूरा करने के बाद बाहर निकलने का विकल्प दिया जा सकता है। ऐसे प्रतिभागियों को **"बिजनेस एनालिटिक्स में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र"** प्रदान किया जाएगा। इस प्रमाणन में निम्नलिखित संरचना शामिल होगी:

घटक	क्रेडिट	संपर्क घंटे
विश्लेषिकी पाठ्यक्रम	10.5	262.5
प्रबंधन पाठ्यक्रम	9	225
कैपस्टोन/सीआईएस	0.5	12.5
कुल	19.5	500

जिन प्रतिभागियों ने बाहर निकलने का विकल्प चुना है, वे कार्यक्रम में फिर से शामिल हो सकते हैं। हालाँकि, उन्हें एमबीए की डिग्री प्राप्त करने के लिए मूल पंजीकरण की तारीख से चार साल के भीतर ईएमबीएए कार्यक्रम की सभी अहर्ताओं को पूर्ण करना होगा।

अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम:

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी विनिमय कार्यक्रम के तहत, ईएमबीएए 2022-24 के निम्नलिखित प्रतिभागी, अप्रैल 2024 से शुरू करेंगे:

क्र. सं.	अनुक्रमांक संख्या	नाम	कॉलेज
1	ईएमबीएए 22046	उदंडकर निखिल प्रमोद	अल्बा ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल - अमेरिकन कॉलेज ऑफ ग्रीस, एथेंस
2	ईएमबीएए 22050	प्रांशु शुभम	
3	ईएमबीएए 22087	उत्कर्ष त्रिपाठी	
4	ईएमबीएए 22067	संजय वैद	
5	ईएमबीएए 22025	गौतम एन	
6	ईएमबीएए 22045	नवीनकृष्णन जी	
7	ईएमबीएए 22037	कारपाकम पी	
8	ईएमबीएए 22072	शशांक सत्यावली	
9	ईएमबीएए 22012	अर्शदीप सिंह गिल	
10	ईएमबीएए 22032	ईशान मजूमदार	
11	ईएमबीएए 22034	जीवितेश कुमार	
12	ईएमबीएए 22089	विनित सिंह	
13	ईएमबीएए 22074	एसके जानिशार अख्तर	
14	ईएमबीएए 22039	कुमुद	
15	ईएमबीएए 22068	सप्तर्षि बनर्जी	
16	ईएमबीएए 22062	साबिर अंजुमन	

उद्योग कार्यशाला पाठ्यक्रम:

उद्योग कार्यशालाओं का उद्देश्य स्नातक करने वाले समूह की उद्योग-तत्परता को उन्नत करने का एक अनूठा तरीका होना है। यह देखते हुए कि सभी समूहों में कार्य-अनुभव वाला अनुभाग सम्मिलित है, इसे एक महत्वपूर्ण निविष्टि/इनपुट के रूप में देखा जाता है जो ईएमबीएए कार्यक्रम इन प्रतिभागियों को प्रदान करता है। इसीलिए इसे आईआईएम काशीपुर ईएमबीएए कार्यक्रम के विभेदकों में से एक के रूप में देखा जाता है।

ऐच्छिक विषयों में 15 क्रेडिट लेने के अलावा, प्रतिभागियों को कार्यक्रम के द्वितीय वर्ष में कम से कम 3 उद्योग कार्यशालाएँ लेनी चाहिए। ये कार्यशालाएँ 12.5 घंटे की होती हैं और इनमें कोई क्रेडिट नहीं होता है।

क्र. सं.	उद्योग कार्यशाला	वक्ता	सत्र
1	ब्लॉकचेन के साथ व्यापार	बिपुल कुमार	IV
2	उन्नत विश्लेषिकी रणनीति और परामर्श: डिजिटल परिवर्तन को सक्षम करना	शिव कुमार	V
3	व्यावसायिक समस्याओं को हल करने में सांख्यिकी और मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग	जयन्त पाल	VI

ईएमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम के पहले बैच (2022-23) की प्रमुख उपलब्धियाँ:

- 95 प्रतिभागियों के साथ ईएमबीएए (एनालिटिक्स) 2022-24 के पहले बैच का उद्घाटन 25 अप्रैल 2022 को किया गया।
- कार्यक्रम के दो वर्ष सफलतापूर्वक पूरे किए। 27 अप्रैल 2024 को आयोजित 11वें दीक्षांत समारोह में 83 प्रतिभागी उत्तीर्ण हुए।
- दूसरे वर्ष में 166.0 लाख रुपये का राजस्व सृजन हुआ। (ईएमबीएए 2022-24, टर्म V और VI)
- सत्र IV, V, और VI के लिए ईएमबीएए) बैच 2022-24 के लिए 38 ऐच्छिक/वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किए।
- ईएमबीएए के दूसरे बैच (2023-25) का उद्घाटन 08 मई, 2023 को किया गया, जिसमें 82 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम का प्रथम वर्ष सफलतापूर्वक पूरा किया।
- प्रथम वर्ष में 240.6 लाख रुपये का राजस्व सृजन हुआ। (ईएमबीएए 2023-25, सत्र I, II और III)

डॉक्टरेट कार्यक्रम (पीएचडी):

डॉक्टरेट कार्यक्रम एक पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है, जिसे पेशेवरों की शैक्षणिक और अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गठित किया गया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रबंधन के क्षेत्र में जटिल मुद्दों की पहचान और शोध करने के लिए विद्वानों को आवश्यक कौशल प्रदान करना है। डॉक्टरेट कार्यक्रम उत्कृष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि, बौद्धिक जिज्ञासा और विद्वतापूर्ण योगदान देने के लिए आवश्यक अनुशासित उम्मीदवारों की माँग करता है।

यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय मानक के गुणवत्तापूर्ण कार्य प्रकाशन के माध्यम से, व्यक्तियों को उनके अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के उद्देश्य हैं:

- अध्येताओं को प्रबंधन के क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए प्रोत्साहित करना, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन हो और वास्तविक दुनिया की प्रबंधन समस्याओं का समाधान खोजा जा सके।
- प्रबंधन के क्षेत्र में जटिल मुद्दों की पहचान करने और उन पर शोध करने के लिए अध्येताओं को आवश्यक समझ और कौशल से सँवारना।
- प्रबंधन अनुसंधान और शिक्षण में करियर के लिए संभावित अध्येताओं के बीच विशेषज्ञता विकसित करना और इस तरह देश में उच्च गुणवत्ता वाले प्रबंधन प्राध्यापकों की कमी को दूर करना।

पाठ्यक्रम कार्य में डॉक्टरेट अध्येताओं को 28 क्रेडिट, यानि न्यूनतम 700 घंटे पूरे करने की आवश्यकता होती है। इस व्यापक परीक्षा की पात्रता के लिए पहले वर्ष के अंत में (यानि, सत्र 3 के अंत में) और दूसरे वर्ष के अंत में (यानि, सत्र 6 के अंत में) क्वालीफाइंग सीजीपीए 10-पॉइंट स्केल पर कम से कम 6.5 होना चाहिए। इस कार्यक्रम में प्रतिवर्ष जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाता है।

पीएचडी प्रवेश (वित्त वर्ष 2023-2024)

आईआईएम काशीपुर का डॉक्टरेट कार्यक्रम व्यवसाय प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों में एक परिशुद्ध अनुसंधान कार्यक्रम है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अध्येताओं को प्रबंधन के क्षेत्र में स्वतंत्र अनुसंधान करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना है।

डॉक्टरेट कार्यक्रम उत्कृष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि, बौद्धिक जिज्ञासा और विद्वतापूर्ण योगदान देने के लिए आवश्यक अनुशासन वाले उम्मीदवारों की माँग करता है। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय मानक के गुणवत्ता प्रकाशन के माध्यम से व्यक्तियों को उनके अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस वर्ष डॉक्टरेट कार्यक्रम के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या 155 थी। आवेदनों की बड़ी संख्या को देखते हुए (गुणवत्ता जांच सुनिश्चित करते हुए), हमने अंततः शैक्षणिक क्षेत्रों में 09 अध्येताओं को शामिल किया। विवरण नीचे दिया गया है।

1. पीएचडी 2023 प्रवेश हाइलाइट्स

(i) पिछले वर्ष के 13 अध्येताओं की तुलना में कुल 09 अध्येताओं को प्रवेश दिया गया।

(ii) प्रवेशित अध्येताओं में 11.11% महिला अभ्यर्थी हैं। प्रवेशित 9 अध्येताओं में से 1 महिला उम्मीदवार है।

(iii) 18 महीने से अधिक कार्य अनुभव वाले 3 अध्येताओं को प्रवेश दिया गया।

2. पीएचडी 2023 प्रवेश संक्षिप्त विवरण

क्षेत्र-वार प्रवेश संक्षिप्त विवरणिका नीचे तालिका में दर्शाई गई है:

क्र.सं.	क्षेत्र	प्राप्त आवेदन	शॉर्टलिस्टेड उम्मीदवारों की संख्या	साक्षात्कार	अनुशंसित सीटें	प्रवेशित
1	अर्थशास्त्र	18	8	2	2	2
2	वित्त एवं लेखा	28	20	12	5	2
3	सूचना प्रौद्योगिकी और प्रणाली	10	4	2	2	0
4	विपणन	42	24	12	11	4
5	संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंधन	24	11	6	3	0
6	संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	16	8	3	2	1
7	रणनीति	17	9	3	1	0
कुल		**155**	**84**	**40**	**26**	**09**

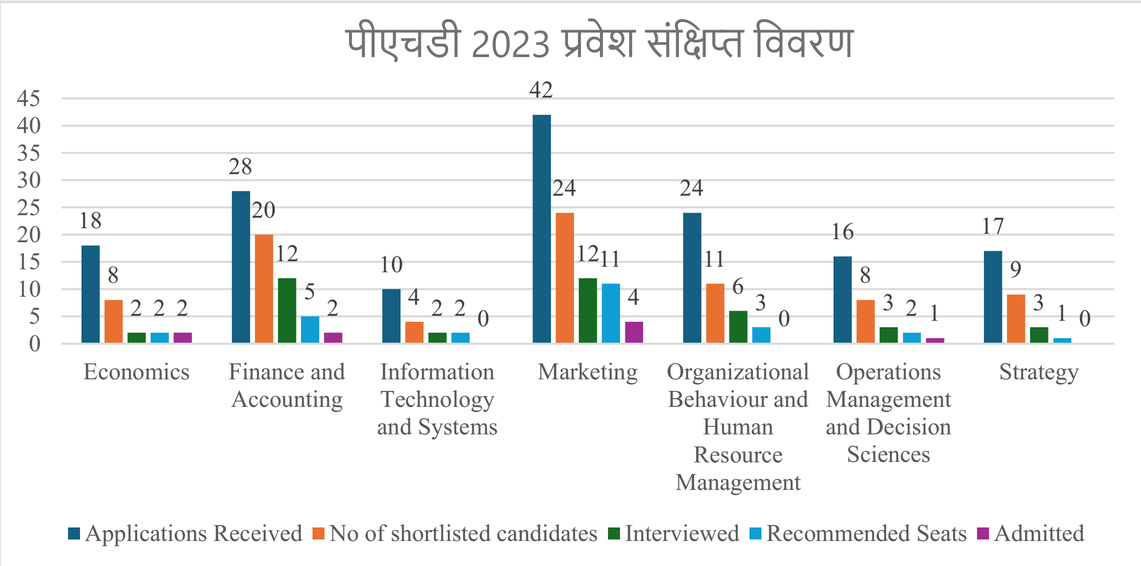

लैंगिक विविधता

प्रवेशित 9 अध्येताओं में से 1 महिला उम्मीदवार है जिसने पीएचडी अध्येता के रूप में प्रवेश लिया है।

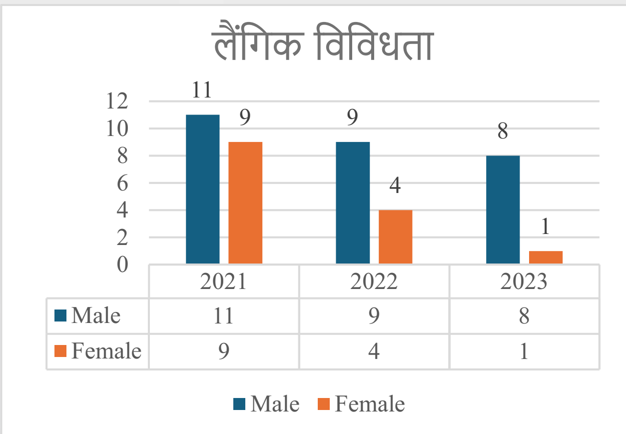

4. उत्तीर्ण परीक्षाएँ

उत्तीर्ण परीक्षा	संख्या
कैट	3
गेट	1
जीआरई	0
आईआइएमबी	0
जेआरएफ(नेट)	5

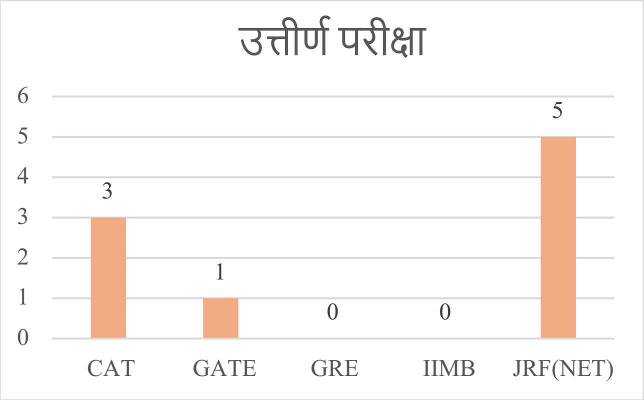

5. कार्य अनुभव

09 अध्येताओं में से 03 अध्येताओं के पास 18 महीने से अधिक का कार्य अनुभव है।

6. भौगोलिक विविधता

राज्य	विद्यार्थी
उत्तराखंड	2
उत्तर प्रदेश	3
मध्य प्रदेश	1
झारखंड	1
हरियाणा	1
गुजरात	1

31 मार्च 2024 को पीएचडी बैच की संख्या :

डॉकटोरल कार्यक्रम के लिए क्षेत्र वार वितरण	
श्रेणी	**उपस्थित उम्मीदवार**
संचालन एवं निर्णय विज्ञान	10
संगठनात्मक व्यवहार और एचआरएम	10
विपणन	09
वित्त एवं लेखांकन	10
सूचना प्रौद्योगिकी और प्रणाली	05
रणनीति	03
अर्थशास्त्र	08
संचार	02
लोक नीति और प्रशासन	02

लैंगिक विविधता

लिंग	संख्या
पुरुष	40
महिला	20

31 मार्च 2024 को श्रेणी-वार वर्गीकरण

श्रेणी-वार वर्गीकरण	
श्रेणी	**उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या**
सामान्य	37
एनसी-ओबीसी	11
एससी	04
एसटी	00
डीएपी	00
ईडब्ल्यूएस	08
कुल योग	**60**

प्रबंधन में कार्यकारी फेलो कार्यक्रम:

आईआईएम काशीपुर का प्रबंधन में कार्यकारी फेलो कार्यक्रम (ईएफपीएम) एक कार्यकारी डॉक्टरेट कार्यक्रम है, जिसे समृद्ध व्यावहारिक अनुभव वाले पेशेवरों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो कुछ प्रबंधकीय मुद्दों पर गहन शोध करना चाहते हैं। कार्यक्रम के उद्देश्य हैं:

- अध्येताओं को प्रबंधन के क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए प्रोत्साहित करना, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन हो और वास्तविक दुनिया की प्रबंधन समस्याओं का समाधान खोजा जा सके।
- प्रबंधन के क्षेत्र में जटिल मुद्दों की पहचान करने और उन पर शोध करने के लिए अध्येताओं को आवश्यक समझ और कौशल से सँवारना।
- प्रबंधन अनुसंधान और शिक्षण में करियर के लिए संभावित अध्येताओं के बीच विशेषज्ञता विकसित करना और इस तरह देश में उच्च गुणवत्ता वाले प्रबंधन प्राध्यापकों की कमी को दूर करना।
- 2019 से, EFPM कार्यक्रम में प्रवेश बंद हो गए हैं।

31 मार्च 2024 को ईएफपीएम बैच की संख्या :

ईएफपीएम में पंजीकृत अभ्यर्थियों का क्षेत्रवार वितरण	
श्रेणी	**उपस्थित उम्मीदवार**
संचालन एवं निर्णय विज्ञान	05
संगठनात्मक व्यवहार और एचआरएम	03
विपणन	06
वित्त एवं लेखांकन	03
सूचना प्रौद्योगिकी और प्रणाली	06
रणनीति	01
अर्थशास्त्र	02
व्यावसायिक संचार	02

लैंगिक विविधता

लिंग	संख्या
पुरुष	25
महिला	03

छात्रवृत्तियाँ

अपने प्रयासों में कि कोई भी अभ्यर्थी वित्तीय संसाधनों की कमी के कारण संस्थान में एमबीए और एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के अवसर से वंचित न रहे, आईआईएम काशीपुर प्रतिवर्ष योग्य प्रतिभागियों को उदार वित्तीय सहायता प्रदान करता है। निर्धारण वर्ष 2011-20 में, आईआईएम काशीपुर ने प्रतिभागियों की पारिवारिक आय और शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर 10% तक वित्तीय सहायता की स्थापना की। हालाँकि, निर्धारण वर्ष 2020-21 से, संस्थान ने एमबीए और एमबीएए कार्यक्रमों के पात्र प्रतिभागियों को ट्यूशन फीस की पूर्ण छूट प्रदान करने का निर्णय लिया। निम्नलिखित तीन प्रकार की संस्थागत छात्रवृत्तियाँ एमबीए और एमबीएए प्रतिभागियों के लिए उपलब्ध होती हैं:

- आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्ति
- आवश्यकता-सह-योग्यता आधारित छात्रवृत्ति
- योग्यता-आधारित छात्रवृत्ति

2023-24 में कुल 79 विद्यार्थियों (56 एमबीए और 23 एमबीएए) को संस्थान प्रायोजित छात्रवृत्तियाँ प्राप्त हुईं। विवरण के लिए नीचे दी गई तालिका देखें.

छात्रवृत्ति	एमबीए 2023-25 बैच	एमबीए 2022-24 बैच	एमबीएए 2023-25 बैच	एमबीएए 2022-24 बैच	कुल
आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्ति	14	11	7	4	
आवश्यकता-सह-योग्यता आधारित छात्रवृत्ति	131	11	6	3	
योग्यता आधारित छात्रवृत्ति	4	3	2	1	

भारत सरकार की छात्रवृत्ति

भारत सरकार की निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ छात्रों के लिए उपलब्ध हैं:

- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए सर्वोच्च श्रेणी की शिक्षा की केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना प्रदान की गई।
- एसटी विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति, मंत्रालय जनजातीय मामलों द्वारा प्रदान की जाती है।
- ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी विद्यार्थियों के लिए कॉलेज में शीर्ष श्रेणी की शिक्षा के लिए पीएम यशस्वी केंद्रीय क्षेत्र योजना 2023-24।

भारत सरकार के अधीन विभिन्न मंत्रालय/विभाग द्वारा प्रस्तावित केंद्रीय छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत कुल ७९ विद्यार्थियों को 24 में अनुदान प्राप्त हुआ। विस्तृत जानकारी नीचे दिखाई गई है।

छात्रवृत्ति योजनाएँ	**नवागत**	**नवीनीकृत**
अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए सर्वोच्च श्रेणी की शिक्षा की केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना	11	8
एसटी विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति	10	11
ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी विद्यार्थियों हेतु कॉलेज में उच्च श्रेणी के लिए शिक्षा की पीएम यशस्वी केंद्रीय क्षेत्र योजना 2023-24	13	10
कुल	34	29

अन्य सरकारी छात्रवृत्ति योजनाएँ

अन्य सरकारी छात्रवृत्ति योजनाएँ	**नवागत**	**नवीनीकृत**
स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	5	
पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग (तमिलनाडु सरकार)	3	4
इंदिरा गांधी एकल बालिका छात्रवृत्ति(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग)		1
दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए उच्च श्रेणी की शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति	2	
राजाश्री शाहू महाराज मेरिट छात्रवृत्ति एससी छात्र- देशांतंगथ - महाराष्ट्र	1	
कुल	**11**	**5**

अन्य छात्रवृत्ति योजनाएँ

संस्थान द्वारा प्रायोजित और भारत सरकार की छात्रवृत्ति के अलावा, निम्नलिखित संगठन भी 15 योग्य विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे हैं।

अन्य छात्रवृत्ति योजनाएँ	**नवागत**	**नवीनीकृत**
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक स्कॉलरशिप	5	10
कुल	**5**	**10**

IIM KASHIPUR

AUDITED

2022-24

FINAL PLACEMENT REPORT

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT KASHIPUR

LETTER FROM AUDITOR

Infomerics
Analytics & Research

REF: IAR/PLA/2024-2025/0012

THE CHAIRPERSON
PLACEMENTS

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT KASHIPUR,
KUNDESHWARI, KASHIPUR
UDHAM SINGH NAGAR, UTTARAKHAND-244713

Dear Sir,

Re: **Audit of Placement Report for the batch 2022-2024 of Master in Business Administration and Master in Business Administration (Analytics) Programs.**

We have audited the data related to remuneration, function, sector and location as presented in the Placement Report prepared by you for the final placement (based on the offers received and accepted on campus) for the batch of Master's in Business Administration and Master's in Business Administration Analytics Program of Indian Institute of Management Kashipur (IIM Kashipur) for 2022-2024.

Infomerics Analytics and Research (IAR) responsibility is to validate the information related to remuneration, function, sector and location provided in the report with the relevant documentation and comment on the Placement Report's conformance with the Indian Placement Reporting Standards (IPRS) Revision 2.2.

In this context, we confirm the following:

1. For the purpose of the audit, we have obtained all the information and explanations which, to the best of our knowledge and belief, were necessary. In our opinion, the Placement Report complies with the Indian Placement Reporting Standards Revision 2.2.
2. The validation of information presented in the report is based on communication received by "IIM Kashipur" from recruiting companies. Infomerics Analytics and Research Private Limited has not independently sourced any information or documentation.

LETTER FROM AUDITOR

Infomerics
Analytics & Research

3. We have verified the information with respect to job location, function and remuneration presented in the report with communication received from recruiters by recruiters of IIM Kashipur.

   a) The information has been categorized as best as possible under different salary heads as given in the IPRS Revision 2.2; where a break-up was not available, the salary has been considered only as 'Maximum Earning Potential.'

   b) The data points mentioned under different salary heads are representative of aggregate salary components offered to the candidates.

   c) Long term benefits like retention bonus, and other long-term benefits to be paid after the first year. Hence, the corresponding amount has been considered for the calculation of 'Maximum Earing Potential.'

   d) Where information on the job location of some students was missing, the institute has confirmed the details on their location. An official confirmation regarding the job location details has been obtained from the Placement Chair.

4. The acceptance of offers and number of students opting out of the placement process has been established through the written communication by IIM Kashipur.

Best Regards,

T G UDAY KUMAR
Digitally signed by T G UDAY KUMAR
Date: 2024.10.18 16:29:52 +05'30'

TG Uday Kumar
Associate Director
Infomerics Analytics & Research Pvt Ltd

CHAIRPERSON'S NOTE

We are delighted to release the Final Placement report for the 2022-2024 batch of our flagship Master of Business Administration (MBA) and Master of Business Administration (Analytics) programs.

This year, 190+ organizations participated actively, extending a total of 290+ offers across various domains including Consulting, Finance, HR, Operations, Sales & Marketing, and Strategy. Key sectors represented were BFSI, Consulting, FMCG, IT and Analytics, E-commerce, Manufacturing, Engineering /Technology, and Logistics, among others.

Our students have consistently stood out for their problem-solving and creative thinking abilities, achieving remarkable success in corporate and non-corporate competitions. Notably, 40+ of our students emerged as national-level achievers in prestigious Corporate Competitions, including 3 National Winners, 7 National Finalists, and 31 National Semi-Finalists.

These accomplishments would not have been possible without the unwavering support of our recruiters, who have placed immense trust in the institute. The recruitment drive also welcomed several new organizations to our esteemed list of hiring partners. We extend our sincere gratitude to all the corporate organizations and recruiting partners for their invaluable contributions to this success. We look fo rward to continued fruitful collaborations in the future.

Warm regards

Dr. Utkarsh
Chairperson, Placement & Corporate Relations

PLACEMENT HIGHLIGHTS

PROMINENT FIRST TIME RECRUITERS

ABinBev, Aditya Birla Fashion & Retail, Carelon, Cummins, Fourth Energy Partner, GIC Housing Finance, Hero Housing Finance, Hexaware, Jindal Stainless, LeadSquared, LTTS, Nippon India, NSE, Petronet, PwC, SLMG Beverages, TVS Supply Chain, TVS Motors

PROMINENT LEGACY RECRUITERS

Accenture, Axis Bank, Bank Of America, Cognizant, Capgemini, Deloitte, Digit Insurance, Infosys, ICICI, Leap India, OfBusiness, RBL Bank, Reliance Retail, Tata Steel, Tata Capital, TVS Credit

DOMESTIC SALARY DETAILS BASED ON MAXIMUM EARNING POTENTIAL (INR)

Highest Maximum Earning Potential : 29.86 lakhs per annum

Average Maximum Earning Potential : 15.04 lakhs per annum

Median Maximum Earning Potential : 15.03 lakhs per annum

CONTENTS

1 Placement Details as per IPRS 7

1.1 Classification of the Entire Placement Pool 7

1.2 Classification Based on Sectors 7

1.3 Classification Based on Function 8

1.4 Classification Based on Location 8

2 Salary Data 9

2.1 Salary Statistics at purchasing power parity (PPP) 9

2.2 Salary head 9

3 Classification of Salary Based on Sector 10

3.1 Base Salary 10

3.2 One Time Cash Component 10

3.3 Total Guaranteed Cash Component 11

3.4 Maximum Earning Potential 11

4 Classification of Salary Based on Function 12

4.1 Base Salary 12

4.2 One Time Cash Component 12

4.3 Total Guaranteed Cash Component 12

4.4 Maximum Earning Potential 13

5 Classification of Salary Based on Location 14

5.1 Base Salary 14

5.2 One Time Cash Component 14

5.3 Total Guaranteed Cash Component 15

5.4 Maximum Earning Potential 15

6 Compliance statement 16

1. PLACEMENT DETAILS AS PER IPRS

1.1 CLASSIFICATION OF THE ENTIRE POOL

Categories	Number of Students
Sought Placement Through Institute	282
Did not seek placement through the institute	27
a. Company - sponsored or already emplyed	0
b. Continuing education	0
c. Postponing job search	0
d. Entrepreneurship	0
e. Returning to / joining family business	1
f. Sought placement outside the process	21
g. Did not seek placement for other reassons	5
Unplaced, if any	10
Total graduates	319

1.2 CLASSIFICATION BASED ON SECTOR

Sector	Offers Accepted
BFSI	104
Manufacturing	43
Consulting	43
Information Technology (IT)	38
Engineering / Technology	18
Consumer goods (FMCG)	8
Others (Pharmaceutical / Healthcare)	7
Others (Retail)	4
Others (Energy)	4
Others (FinTech)	3
Others (Real Estate)	3
Others (Media / Entertainment)	3
Others (Ebusiness)	2
Others (Market Research)	2
Grand Total	**282**

1.3 CLASSIFICATION BASED ON FUNCTION

Function	Number of Offers Accepted
Marketing / Sales	81
General Management	44
Product Management	37
Consulting	36
Finance	25
IT & Business Analytics	48
Operations / Supply Chain	6
Human Resources	5
Grand Total	**282**

1.4 CLASSIFICATION BASED ON LOCATION

Location	Data
Ahmedabad	6
Bangalore	33
Chennai	22
Gurgaon	31
Hyderabad	16
Kochi	2
Kolkata	3
Lucknow	6
Mumbai	64
Navi Mumbai	6
New Delhi	12
Noida	15
Pune	10
Rest of India	16
TBD**	40
Grand Total	**282**

2. SALARY DATA

2.1 SALARY STATISTICS AT PURCHASING POWER PARITY (PPP)

Categories	Min	Max	Mean	Median	Data
INR Salary (Total Guaranteed cash component)	29028	109654	63868	62893	282
Non INR Salary (Total Guaranteed cash component)	-	-	-	-	-
Overall Salary (Total Guaranteed cash component)	29028	109654	63868	62893	282
INR Salary (MEP)	36284	144487	72793	72718	282
Non INR Salary (MEP)	-	-	-	-	-
Overall Salaries (MEP)	36284	144487	72793	72718	282

AS PER THE PPP CONVERSION RATE FOR 2022 FROM WORLD DEVELOPMENT INDICATORS (WDI) DATABASE OF WORLD BANK. (LINKS: HTTP://WDI. WORLDBANK.ORG/TABLE/4.16)

2.2 SALARY HEAD (INR)

Salary Head	Min	Max	Mean	Median	Data
Basic Salary	600000	1996540	1243593	1214955	282
One time Cash Payment	50000	500000	79668	50004	143
Guaranteed Cash Component	600000	2266540	1320154	1300000	282
Maximum Earning Potential	750000	2986540	1504626	1503083.5	282

3. CLASSIFICATION OF SALARY BASED ON SECTOR

3.1 Base Salary (Domestic INR)

Sector of the employer	Min	Max	Mean	Median	Data
BFSI	900000	1814292	1223558	1214955	104
Consulting	900000	1998540	1285238	1200000	43
Consumer goods (FMCG)	800000	1200000	1098359	1185435	8
EBusiness	1280000	1280000	1280000	1280000	2
Energy	932100	1657827	1155507	1016050	4
Engineering / Technology	800004	1850000	1353222	1316000	18
FinTech	1000008	1500000	1333336	1500000	3
Health	1500000	1500000	1500000	1500000	6
Information Technology (IT)	756684	1600000	1254672	1279998	38
Manufacturing	750000	1700484	1243408	1163400	43
Market Research	1000000	1000000	1000000	1000000	2
Media / Entertainment	600000	800004	733336	800004	3
Pharmaceutical / Healthcare	1553484	1553484	1553484	1553484	1
Real Estate	900000	1000000	933333	900000	3
Retail	869565	1600000	1292391	1350000	4

3.2 One Time Cash Componenet (Domestic INR)

Sector of the employer	Min	Max	Mean	Median	Data
BFSI	50004	300000	117918	100000	48
Consulting	150000	400000	210000	150000	34
EBusiness	50000	50000	50000	50000	2
Engineering / Technology	56000	200000	80000	56000	6
FinTech	100000	100000	100000	100000	1
Health	200000	200000	200000	200000	6
Information Technology (IT)	100000	200004	148400	120000	25
Manufacturing	100000	300000	137500	100000	16
Market Research	100000	100000	100000	100000	2
Pharmaceutical / Healthcare	500000	500000	500000	500000	1
Retail	150000	150000	150000	150000	2

3.3 Total Guaranteed Cash Component (Domestic INR)

Sector of the employer	Min	Max	Mean	Median	Data
BFSI	900000	1814292	1277982	1214955	104
Consulting	900000	2266540	1451285	1450008	43
Consumer goods (FMCG)	800000	1200000	1096359	1185435	8
EBusiness	1330000	1330000	1330000	1330000	2
Energy	932100	1657827	1155507	1016050	4
Engineering / Technology	800004	1906000	1379889	1316000	18
FinTech	1000008	1600000	1366669	1500000	3
Health	1700000	1700000	1700000	1700000	6
Information Technology (IT)	756684	1700000	1352304	1404546	38
Manufacturing	750000	1700484	1294571	1296375	43
Market Research	1100000	1100000	1100000	1100000	2
Media / Entertainment	600000	800004	733336	800004	3
Pharmaceutical / Healthcare	2053484	2053484	2053484	2053484	1
Real Estate	900000	1000000	933333	900000	3
Retail	869565	1600000	1367391	1500000	4

3.4 Maximum Earning Potential (Domestic INR)

Sector of the employer	Min	Max	Mean	Median	Data
BFSI	1000000	1994536	1511345	1450393	104
Consulting	1000000	2986540	1630924	1600000	43
Consumer goods (FMCG)	800000	1500000	1137500	1200000	8
EBusiness	1810000	1810000	1810000	1810000	2
Energy	1200000	1905506	1439237	1325720	4
Engineering / Technology	800004	2202000	1535321	1400000	18
FinTech	1111008	1616013	1442340	1600000	3
Health	1700000	1700000	1700000	1700000	6
Information Technology (IT)	1000008	1850000	1535602	1575000	38
Manufacturing	750000	1837284	1419536	1550000	43
Market Research	1100000	1100000	1100000	1100000	2
Media / Entertainment	800004	1000008	933340	1000008	3
Pharmaceutical / Healthcare	2302042	2302042	2302042	2302042	1
Real Estate	960262	1500000	1153421	1000000	3
Retail	1000000	1800000	1550000	1700000	4

4. CLASSIFICATION OF SALARY BASED ON FUNCTION

4.1 Base Salary (Domestic INR)

Function	Min	Max	Mean	Median	Data
Consulting	1000000	1888340	1349850	1300008	36
Finance	800004	1814292	1207014	1260000	25
General Management	860544	1996540	1218806	1197950	44
Human Resources	800004	1454543	1268218	1316000	5
IT & Business Analytics	932100	1750000	1362999	1374996	48
Marketing / Sales	600000	1700484	1132709	1053360	81
Operations / Supply Chain	1146600	1850000	1722100	1834000	6
Product Management	900000	1700484	1201321	1214955	37

4.2 One Time Cash Componenet (Domestic INR)

Function	Min	Max	Mean	Median	Data
Consulting	150000	400000	222800	170000	25
Finance	60000	300000	165000	150000	14
General Management	100000	270000	144815	120000	27
Human Resources	100000	100000	100000	100000	2
IT & Business Analytics	100000	200000	160000	150000	32
Marketing / Sales	50000	500000	111431	50004	35
Operations / Supply Chain	56000	56000	56000	56000	5
Product Management	100000	100000	100000	100000	3

4.3 Total Guaranteed Cash Component (Domestic INR)

Function	Min	Max	Mean	Median	Data
Consulting	1000008	2058340	1504572	1500000	36
Finance	800004	1814292	1299414	1316000	25
General Management	860544	2266540	1307670	1329516	44
Human Resources	800004	1554543	1308218	1316000	5
IT & Business Analytics	932100	1750000	1469666	1499996	48
Marketing / Sales	600000	2053484	1180858	1170870	81
Operations / Supply Chain	1146600	1906000	1768767	1890000	6
Product Management	950000	1700484	1209429	1214955	37

4.4 Maximum Earning Potential (Domestic INR)

Function	Min	Max	Mean	Median	Data
Consulting	1100000	2778340	1679920	1605400	36
Finance	1000000	1814292	1421421	1400000	25
General Management	1000000	2986540	1468167	1500000	44
Human Resources	800004	1699997	1400000	1400000	5
IT & Business Analytics	1100000	1850000	1569769	1619505	48
Marketing / Sales	750000	2302042	1431719	1500000	81
Operations / Supply Chain	1800000	2202000	2122627	2183440	6
Product Management	1000000	1837284	1422669	1450393	37

5. CLASSIFICATION OF SALARY BASED ON LOCATION

5.1 Base Salary (Domestic INR)

Location	Min	Max	Mean	Median	Data
Ahmedabad	1200000	1200000	1200000	1200000	6
Bangalore	900000	1996540	1254019	1260000	33
Chennai	800004	1550000	1166927	1153566	22
Gurgaon	900000	1750000	1354465	1454543	31
Hyderabad	1014996	1850000	1469375	1400000	16
Kochi	1177812	1296375	1237094	1237094	2
Kolkata	800004	1142963	985988	1014996	3
Lucknow	1000008	1280000	1180001	1200000	6
Mumbai	800004	1750000	1232650	1214955	64
Navi Mumbai	800000	1316000	1122000	1150000	6
New Delhi	1000000	1888340	1414471	1500000	12
Noida	600000	1814292	1297482	1472500	15
Pune	800000	1459980	1173499	1200000	10
Rest of India	900000	1700484	1215893	1185435	16
TBD**	750000	1700484	1129525	1100000	40

5.2 One Time Cash Componenet (Domestic INR)

Location	Min	Max	Mean	Median	Data
Ahmedabad	400000	400000	400000	400000	6
Bangalore	50004	270000	166000	150000	20
Chennai	50004	200004	103335	100000	15
Gurgaon	100000	200000	150000	150000	18
Hyderabad	50004	200000	107273	56000	11
Kolkata	50004	50004	50004	50004	1
Lucknow	50000	50000	50000	50000	1
Mumbai	50004	500000	141740	150000	23
Navi Mumbai	300000	300000	300000	300000	1
New Delhi	50004	200000	127501	100000	8
Noida	50004	100000	75002	75002	2
Pune	50004	150000	135715	150000	7
Rest of India	50000	100000	87500	100000	4
TBD**	50004	300000	165769	200000	26

5.3 Total Guaranteed Cash Component (Domestic INR)

Location	Min	Max	Mean	Median	Data
Ahmedabad	1600000	1600000	1600000	1600000	6
Bangalore	900000	2266540	1354625	1337184	33
Chennai	800004	1700000	1237383	1178568	22
Gurgaon	900000	1750000	1441562	1500000	31
Hyderabad	1065000	1906000	1543126	1525004	16
Kochi	1177812	1296375	1237094	1237094	2
Kolkata	800004	1142963	1002656	1065000	3
Lucknow	1000008	1330000	1188335	1200000	6
Mumbai	800004	2053484	1283588	1214955	64
Navi Mumbai	800000	1600000	1172000	1158000	6
New Delhi	1000000	2058340	1499471	1600000	12
Noida	600000	1814292	1307482	1472500	15
Pune	800000	1459980	1268500	1325000	10
Rest of India	900000	1700484	1237768	1235435	16
TBD**	750000	1700484	1237275	1215268	40

5.4 Maximum Earning Potential (Domestic INR)

Location	Min	Max	Mean	Median	Data
Ahmedabad	1600000	1600000	1600000	1600000	6
Bangalore	960262	2986540	1544040	1550000	33
Chennai	1000004	1958536	1508057	1575000	22
Gurgaon	1119394	2090400	1585240	1699997	31
Hyderabad	1200000	2202000	1745254	1658088	16
Kochi	1307208	1307808	1307508	1307508	2
Kolkata	1000004	1615000	1331135	1378401	3
Lucknow	1000008	1810000	1268335	1200000	6
Mumbai	800004	2302042	1500544	1450393	64
Navi Mumbai	800000	1600000	1200000	1200000	6
New Delhi	1000000	2778340	1708731	1700000	12
Noida	800004	1814292	1468135	1600000	15
Pune	800000	1800000	1466633	1506167	10
Rest of India	1000000	1837284	1388210	1389201	16
TBD**	750000	1958536	1416247	1460510	40

6. COMPLIANCE STATEMENT

This placement report has been prepared as per the Indian Placement Reporting Standards, revision 2.2

The instances where the report deviates from standards and the reasons for them are mentioned below

Deviation from the standards	Reasons
-	-

PLACEMENT TEAM

Dr Utkarsh
Chairperson – Placement and Corporate Relations
chair_placements@iimkashipur.ac.in

Prof Deepak Verma
Chairperson – Placement and Corporate Relations
chair_placements@iimkashipur.ac.in

Mr Atul Kumar
Senior Administrative Officer G-II (Placement)
+91 9795978086/
+91 7900444090

Mr Gaurav Saxena
Placement Manager
+91 8999412733 /
+91 7900444090

Mr Abhishek Pant
Administrative Associate
+91-9897296274/
+91-7900444090

STUDENT COORDINATORS

E-mail: placecomm@iimkashipur.ac.in

Adarsh Sharma +91 9426900745	**Ashwin M** +91 9080378506	**Kavya V Kanan** +91 9841925998	**Satyajeet Bhoite** +91 7028585111
Anish Shukla +91 7011382324	**Harsh Patel** +91 9909559557	**Keshav Agrawal** +91 7021044862	**Seerat Saini** +91 9988608175
Anvita Ranka +91 7014860812	**Jatin Rawat** +91 9558645562	**Sameera Jaiswal** +91 6392359708	**Shrey Sitapara** +91 9998976163
Arshjot Singh +91 8054868950			**Vaibhav Mishra** +91 7985922843

IIM KASHIPUR

Indian Institute of Management Kashipur
Kundeshwari, Kashipur, District- Udham Singh Nagar,
Uttarakhand-244713, INDIA
Tel: +91-7088 270882, 7900 444090, 91, 92, 93

IIM KASHIPUR

AUDITED

2023-25

SUMMER PLACEMENT REPORT

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT KASHIPUR

CHAIRPERSON'S NOTE

We are delighted to release the Summer Placement report for the 2023-2025 batch of our flagship Master of Business Administration (MBA) and Master of Business Administration (Analytics) programs.

This year, 170+ organizations participated actively, extending a total of 370+ offers across various domains including Consulting, Finance, Product Management, Operations, Sales & Marketing, and Strategy. Key sectors represented were BFSI, IT and Analytics, Ed-Tech, Manufacturing, Engineering /Technology, Consulting, FMCG, and E-commerce, among others.

These accomplishments would not have been possible without the unwavering support of our recruiters, who have placed immense trust in the institute. The recruitment drive also welcomed several new organizations to our esteemed list of hiring partners. We extend our sincere gratitude to all the corporate organizations and recruiting partners for their invaluable contributions to this success. We look forward to continued fruitful collaborations in the future.

Warm regards,

Dr. Utkarsh
Chairperson, Placement & Corporate Relations

PLACEMENT HIGHLIGHTS

PROMINENT FIRST TIME RECRUITERS

Acclime India, Afforestt, Artha Group, Crossing Hurdles, Gravitas AI, Growloc, IndiaMart, Innova Solutions, KPMG, L&T, Livelong Wealth, Masai Schooll, Mswipe Technologies, NowPurchase, Sciera, ThyssenKrupp Industries, TVS Motors, Wakefit, Whatfix

PROMINENT LEGACY RECRUITERS

Accenture Technology (ATCI), AICL, Capgemini, Cinepolis, GSK Pharmaceuticals, ICICI Bank, Kreative Kode, Micron, Perceptive Analytics, Puma, Reliance Retail, RoadBounce, Synclature, Tata Capital, Tata Motors, TVS Credit, Yes Bank

CONTENTS

1 Placement Details as per IPRS 4

1.1 Nature of Internship 4

1.2 Classification Based on Sectors 4

1.3 Classification Based on Function 5

1.4 Classification Based on Location 5

2 Compliance statement 6

1. PLACEMENT DETAILS AS PER IPRS

1.1 NATURE OF INTERNSHIP

Nature of Internship	With Stipend	Without Stipend	Total
Seeking internship through the institute	294	83	377
Not seeking internship through the institute	71	23	94

1.2 CLASSIFICATION BASED ON SECTOR

Sectors	No. of Offers Accepted
Advertising	27
BFSI	112
Consulting	17
Ecommerce	10
EdTech	42
Energy	19
Environmental Services	10
FMCG/Retail	15
Information Technology (IT)	74
Manufacturing	28
Market Research	5
Media / Entertainment	9
Pharmaceutical / Healthcare	5
Real Estate	2
Travel & Tourism	2
Grand Total	**377**

1.3 CLASSIFICATION BASED ON FUNCTION

IT & Analytics* also includes Others (Data Analytics)

Function	No. of Offers Accepted
IT & Analytics	54
Consulting	14
Finance	57
General Management	42
Human Resources	2
Marketing / Sales	186
Operations / Supply Chain	19
Product Management	3
Grand Total	**377**

1.4 CLASSIFICATION BASED ON LOCATION

Location	No. of Offers Accepted
In-Office	278
Remote	99
Grand Total	**377**

6. COMPLIANCE STATEMENT

This placement report has been prepared as per the Indian Placement Reporting Standards, revision 2.2

The instances where the report deviates from standards and the reasons for them are mentioned below

Deviation from the standards	Reasons
-	-

PLACEMENT TEAM

Dr Utkarsh
Chairperson – Placement and Corporate Relations
chair_placements@iimkashipur.ac.in

Prof Deepak Verma
Chairperson – Placement and Corporate Relations
chair_placements@iimkashipur.ac.in

Mr Atul Kumar
Senior Administrative Officer G-II (Placement)
+91 9795978086/
+91 7900444090

Mr Gaurav Saxena
Placement Manager
+91 8999412733 /
+91 7900444090

Mr Abhishek Pant
Administrative Associate
+91-9887296274/
+91-7900444090

STUDENT COORDINATORS

E-mail: placecomm@iimkashipur.ac.in

Adarsh Sharma +91 9426900745	**Ashwin M** +91 9080378506	**Kavya V Kanan** +91 9841925998	**Satyajeet Bhoite** +91 7028585111
Anish Shukla +91 7011382324	**Harsh Patel** +91 9909559557	**Keshav Agrawal** +91 7021044862	**Seerat Saini** +91 9988608175
Anvita Ranka +91 7014860812	**Jatin Rawat** +91 9558645562	**Sameera Jaiswal** +91 6392359708	**Shrey Sitapara** +91 9998976163
Arshjot Singh +91 8054868850			**Vaibhav Mishra** +91 7985922843

IIM KASHIPUR

Indian Institute of Management Kashipur

Kundeshwari, Kashipur, District- Udham Singh Nagar,
Uttarakhand-244713, INDIA
Tel: +91-7088 270882, 7900 444090, 91, 92, 93

कार्यकारी / प्रबंधन विकास कार्यक्रम

क्षमताओं का निर्माण और कौशल को निखारना एक आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है। कॉर्पोरेट प्रबंधन की लगातार बदलती गतिशीलता के साथ, नवीनतम कौशल प्रवृत्तियों के साथ तालमेल रखना आज के समय की माँग बन गई है। कॉर्पोरेट जगत में प्रासंगिक बने रहने एवं प्रतिस्पर्धा में अग्रणी होने के लिए, भा.प्र.सं. काशीपुर द्वारा संचालित कार्यकारी/प्रबंधन विकास कार्यक्रम सीखने और स्वयं को उन्नत करने का अवसर प्रदान करता है। इन कार्यक्रमों की विषयवस्तु भविष्योन्मुख बाज़ार रुझानों की एक मजबूत विश्लेषणात्मक और तकनीकी समझ के आधार पर तैयार की गई है। यह कार्यक्रम गतिशील प्रबंधन कौशल प्रवृतियाँ प्रदान करता है जो प्रतिभागियों को नेतृत्व करने एवं अपने कार्यस्थल के लिए एक परिसंपत्ति साबित होने का अवसर देता है।

भा.प्र.सं. काशीपुर व्यावसायिक चुनौतियों को समझता है एवं कंपनियों और व्यक्तियों को आगे रहने में मदद करने के लिए शिक्षण समाधान प्रदान करता है। भा.प्र.सं. काशीपुर के कार्यकारी/प्रबंधन विकास कार्यक्रम वर्तमान व्यावसायिक गतिशीलता के संयोजन में गठित किए गए हैं तथा उन्हें क्रियाशील शिक्षण सामग्री में अनुवादित करते हैं। केस स्टडीज, रोल-प्ले और सिमुलेशन के आधार पर संवादात्मक पद्धति का उपयोग, मुक्त परिचर्चा और अनुभवात्मक शिक्षण के साथ-साथ प्रत्येक के लिए पृथक अनुशिक्षण प्रतिभागियों के लिए सर्वोत्तम व्यावसायिक शिक्षा प्रदत्त करने में सहायता करता है।

भा.प्र.सं. काशीपुर की ताकत इसकी विविध प्राध्यापकीय विलक्षणता एवं सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लगभग एक दशक पुराने अनुभव में निहित है। इन कार्यक्रमों को समसामयिक और अधिक व्यावहारिक बनाने के लिए एवं आवश्यकता पड़ने पर कॉर्पोरेट क्षेत्रों के विशेषज्ञों को भी प्राध्यापकीय समूह में शामिल किया गया है। एमडीपी कार्यक्रम या तो किसी संगठन की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप गठित किए गए इन-हाउस/इन-कंपनी कार्यक्रम हैं या ऐसे मुक्त कार्यक्रम हैं, जहाँ विभिन्न संगठनों के प्रतिभागी नामाँकन करते हैं। संस्थान पिछले 10 वर्षों से राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारियों तथा सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों के प्रबंधकों के लिए इन कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है।

संक्षेप में, संस्थान द्वारा संचालित कार्यकारी/प्रबंधन विकास कार्यक्रम ज्ञान की खोज के नए दरवाज़े खोलता है, जो पारस्परिक आदान-प्रदान के माध्यम से भा.प्र.सं. काशीपुर के प्राध्यापकों और उद्योग/कॉर्पोरेट जगत को एक साथ जोड़ता है। नतीजतन, भा.प्र.सं. काशीपुर नेतृत्वकर्ताओं को न केवल भविष्य को आकार देने के लिए उपकरण प्रदान करता है, बल्कि वर्तमान के ज्ञान से भी समृद्ध करता है, जो प्रभावी ढंग से काम करता है।

कस्टमाइज्ड प्रबंधन विकास कार्यक्रम

संस्थान विभिन्न स्तरों पर अपने अधिकारियों के लिए कस्टमाइज्ड प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए संगठनों से अनुरोध स्वीकार करता है एवं ग्राहक संगठनों की व्यावसायिक और विकासात्मक आवश्यकताओं के अनुरूप अनूठा कार्यक्रम प्रदान करता है। ग्राहक संगठनों की आवश्यकताओं के अनुरूप, जहाँ भी आवश्यक हो, नियमित एमडीपी से मानक मॉड्यूल भी संयुक्त और कस्टमाइज्ड किए जाते हैं।

इन कार्यक्रमों की अवधि सम्मिलित किए गए विषयों की विविधता, परिमाण और जटिलता के आधार पर तीन से पाँच दिनों तक होती है। वर्ष 2023-24 में, भा.प्र.सं. काशीपुर ने निम्नलिखित एमडीपी आयोजित किए:

कार्यक्रम का नाम	ग्राहक संगठन
आईओसीएल के अधिकारियों के लिए उद्योग 4.0 से उद्योग 5.0 के मार्ग पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल)
आईओसीएल अधिकारियों के लिए व्यवसाय रणनीति और वित्तीय प्रदर्शन पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम, बैच 2	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल)
आईओसीएल के अधिकारियों के लिए मध्यमा-I, मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम, बैच 1, 2, 3 और 4	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल)
टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों के लिए प्रबंधन और नेतृत्व पर मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम, बैच 1 और 2	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
आईओसीएल के अधिकारियों के लिए महिला नेतृत्व पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम, बैच 1 और 2	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल)

एलआईसी अधिकारियों के लिए नेतृत्व विकास पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम	भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी)
अस्पताल प्रबंधन में प्रबंधन विकास कार्यक्रम	मैक्स हेल्थकेयर
आईपी&टीएएफएस, आईटीएस, और आईआरआरएस अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए व्यवहार प्रशिक्षण कार्यक्रम	राष्ट्रीय संचार वित्त संस्थान, दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय, भारत सरकार
नेतृत्व विकास पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम (प्रेरणा)	वी-गार्ड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
पीडब्ल्यूडी इंजीनियरों के लिए परियोजना प्रबंधन पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम	लोक निर्माण विभाग उत्तराखंड

ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम

काम और व्यक्तिगत जीवन के बीच धुँधली होती सीमाओं, हाई-स्पीड इंटरनेट के आगमन और सक्षम प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों की नई सामान्य स्थिति में, प्रतिभागियों को उनके सुविधा-क्षेत्र को छोड़े बिना ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की जा सकती है। कार्यकारी शिक्षा में अग्रणी होने के नाते, भा.प्र.सं. काशीपुर ने इस क्षेत्र में प्रवेश किया है और 2017 से ऑनलाइन कार्यक्रम की सुविधा प्रदान कर रहा है। आईआईएम काशीपुर ऑनलाइन मोड के माध्यम से प्रबंधन शिक्षा प्रदान करने और उद्योग में कार्यात्मक क्षेत्रों और विषयों की एक श्रृंखला में गतिशील कैरियर बनाने के लिए प्रतिभागियों को तैयार करने का प्रयास करता है।

ये कार्यक्रम प्रतिभागियों को एकीकृत तरीके से व्यवसायों को प्रबंधित करने के लिए सशक्त वैचारिक और विश्लेषणात्मक कौशल से युक्त करते हैं। इसका उद्देश्य सामाजिक रूप से संवेदनशील तरीके से भविष्य की चुनौतियों का सामना करने की दृष्टि से एक समग्र प्रबंधक विकसित करने पर बल देना है।

इस प्रकार हमारे ऑनलाइन कार्यक्रम ऐसे पेशेवरों की आवश्यकताओं को पूरा करने का विचार रखते हैं, जिनके पास नए कौशल अर्जित करने, किसी विशेष क्षेत्र में विशेषज्ञता बनाने, कैरियर में उन्नति के लिए अपने पेशेवर प्रोफ़ाइल को अपडेट करने और अपने ज्ञान के आधार को व्यापक बनाने में मदद करने के लिए समय की कमी है। हमारे ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रमों के लिए लॉजिस्टिक्स, प्रौद्योगिकी और वितरण बुनियादी ढाँचे से संबंधित मुद्दों का समाधान, उन अन्य संगठनों के साथ संविदात्मक समझौतों द्वारा किया जाता है जो ये कार्य करने में सक्षम हैं। वर्तमान में, बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड - एक टाइम्स प्रोफेशनल लर्निंग डिवीजन (टाइम्स टीएसडब्ल्यू), ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न, और एरिना एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड (टैलेंटेज), बिक्री-विपणन और कार्यक्रम संचालन आदि के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करते हैं। वर्तमान में आईआईएम काशीपुर दो प्रकार के ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम प्रदान करता है।

एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र/कार्यकारी कार्यक्रम
(150 से 400 घंटे की अवधि)

कार्यकारी विकास/ प्रमाणपत्र कार्यक्रम
(60 से 140 घंटे की अवधि)

व्यवसाय प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम
(500 घंटे या उससे अधिक अवधि)

एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र/कार्यकारी कार्यक्रम

आईआईएम काशीपुर द्वारा प्रस्तावित एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र / कार्यकारी कार्यक्रम उन कौशलों को प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं जो आज के कॉर्पोरेट माहौल में पनपने के लिए आवश्यक हैं और इसका उद्देश्य विभिन्न शैक्षणिक उपकरणों जैसे केस स्टडीज, सिमुलेशन और अभ्यास, जो पाठ्यक्रम के ज्ञान को सर्वोत्तम ढंग से प्रकट करे के द्वारा प्रतिभागियों के प्रबंधकीय कौशल को विकसित करना है ताकि वे इसका उपयोग करके आज के तेजी से बदलते कारोबारी माहौल से अवगत रहें। ये कार्यक्रम आईआईएम काशीपुर परिसर में प्रोफेसरों के साथ मुखाभिमुख सत्र की संतुलित मात्रा के साथ, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करके समकालिक कक्षा शिक्षण की मिश्रित विधि द्वारा प्रदान किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों की अवधि 150 से 400 घंटे के बीच होती है।

ये कार्यक्रम डायरेक्ट-टू-डिवाइस (डी2डी) मोड में पेश किए जाते हैं, जहाँ कई संगठनों के सक्षम प्रतिभागी एक पाठ्यक्रम में शामिल होते हैं। ऐसे कार्यक्रमों की अवधि एक वर्ष है और एक प्रतिभागी अपने शहर में स्थित स्टूडियो की सुविधा से या यहाँ तक कि कार्यालय या अपने घर की सुविधा से सत्र में भाग ले सकता है। प्रतिभागियों को व्यावसायिक आवश्यकताओं की माँग और ऐसे विशिष्ट कार्यक्रम के पाठ्यक्रम की कठोरता के अनुरूप, निर्धारित चयन मानदंडों के आधार पर प्रवेश दिया जाता है।

उचित परीक्षा और मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद प्रमाणीकरण किया जाता है। शैक्षणिक सामग्री को आधुनिकतम शिक्षणशास्त्र का अनुसरण करते हुए, आईआईएम काशीपुर के संकाय सदस्यों द्वारा एवं बाहरी पेशेवर विशेषज्ञों के सामयिक सहयोग के साथ प्रारूपित और वितरित किया जाता है। इन कार्यक्रमों में छोटी अवधि के कैंपस दौरों का एक अंतर्निहित घटक भी शामिल होता है। इन दौरों का उद्देश्य प्रतिभागियों को हमारे संकाय सदस्यों के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान करना है, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने प्रत्येक कार्यक्रम में प्रत्यक्ष रूप से भाग नहीं लिया हो। ये दौरे हमारे प्रतिभागियों के लिए यादगार घटनाएँ बन जाते हैं क्योंकि वे भरपूर वनस्पतियों और जीवों के साथ शांत परिसर जीवन का अनुभव करते हैं। इन कार्यक्रमों में नामांकित प्रतिभागी आईआईएम काशीपुर कार्यकारी भूतपूर्व विद्यार्थी पद के लिए पात्र हैं।

भा.प्र.सं. काशीपुर द्वारा 2023-24 में प्रस्तावित एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र/कार्यकारी कार्यक्रम:

कार्यक्रम का नाम	प्रस्तावित कार्यक्रम -सह प्रायोजक
रणनीति और नेतृत्व में कार्यकारी कार्यक्रम, बैच 4	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 1	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में कार्यकारी कार्यक्रम, बैच 4	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में कार्यकारी कार्यक्रम, बैच 5	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम, बैच 1	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम, बैच 2	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
रेल प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 1	जेनिथ रेलवे अकादमी
अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यकारी कार्यक्रम, बैच 1	मैक्स हेल्थकेयर इंस्टिट्यूट लिमिटेड

आईआईएम काशीपुर द्वारा 2023-24 में लोकार्पित किए गए एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र/कार्यकारी कार्यक्रम निम्नलिखित हैं (कार्यक्रम अभी शुरू होने बाकी हैं) **:**

कार्यक्रम का नाम	प्रस्तावित कार्यक्रम -सह प्रायोजक
वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम, बैच 3	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में कार्यकारी कार्यक्रम, बैच 6	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
रेल प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 2	जेनिथ रेलवे अकादमी

कार्यकारी विकास/प्रमाणपत्र कार्यक्रम

भा.प्र.सं. काशीपुर द्वारा प्रस्तुत कार्यकारी विकास/प्रमाणपत्र कार्यक्रम, एक मिश्रित कार्यक्रम है जिसमें ऑनलाइन और ऑनकैंपस दोनों मॉड्यूल शामिल हैं। ऑनलाइन मॉड्यूल के लिए निर्देश की प्राथमिक विधि लाइव व्याख्यान के माध्यम से होती है, जो प्रतिभागियों के डेस्कटॉप/लैपटॉप या कक्षाओं में इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन वितरित की जाती है। ये व्याख्यान भा.प्र.सं. काशीपुर के प्रतिष्ठित संकाय और उद्योग के पेशेवरों/विशेषज्ञों द्वारा दिए जाते हैं।

इन कार्यक्रमों को मुख्य रूप से कक्षा अभ्यास, प्रस्तुति, गृह-अभ्यास, सिमुलेशन और केस स्टडीज के संयोजन के माध्यम से पढ़ाया जाता है। पाठ्यक्रम सामग्री को इस तरह व्यवस्थित किया गया है कि प्रतिभागियों को विभिन्न व्यावसायिक पहलुओं पर सामग्री के अनुप्रयोग का परिचय मिले। पूरे पाठ्यक्रम में समय-समय पर मूल्यांकन किए जाते हैं। ये एक प्रश्नोत्तरी, प्रदत्त-कार्य, अभ्यास, या वस्तुनिष्ठ/व्यक्तिपरक मूल्यांकन के रूप में हो सकते हैं।

मूल्यांकन को, पाठ्यक्रम के साथ निरंतर विद्यार्थी का जुड़ाव सुनिश्चित करने और सीखने को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। जो विद्यार्थी आवश्यक उपस्थिति के मानदंडों के साथ इसे सफलतापूर्वक पास कर लेते हैं, वे समापन प्रमाणपत्र के लिए पात्र होते हैं, अन्यथा उस प्रतिभागी को भागीदारी प्रमाणपत्र जारी किया जाता है जो पाठ्यक्रम के पूरा होने के मानदंडों को पूरा करने में विफल रहता है। इन कार्यक्रमों की अवधि 60 से 140 घंटे के बीच होती है।

ऑन-कैंपस मॉड्यूल भा.प्र.सं. काशीपुर परिसर की कक्षाओं में वितरित किए जाते हैं। पाठ्यक्रम की माँग के अनुसार ऑन-कैंपस मॉड्यूल की अवधि दो से पाँच दिन हो सकती है।

2023-24 में आईआईएम काशीपुर द्वारा प्रस्तावित कार्यकारी विकास/प्रमाणपत्र कार्यक्रम निम्नलिखित हैं:

कार्यक्रम का नाम	प्रस्तावित कार्यक्रम - सह प्रायोजक
अनुप्रयुक्त वित्तीय जोखिम प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 9	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
उन्नत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और विश्लेषण में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 2	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
संगठनात्मक रूपांतरण के लिए डिजिटल रणनीति में कार्यकारी विकास कार्यक्रम	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
उन्नत परियोजना प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 4	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
सिक्स सिग्मा के साथ संचालन प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 5	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
सिक्स सिग्मा के साथ संचालन प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 6	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
रणनीतिक मानव संसाधन विश्लेषण में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 1	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
रणनीतिक प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 15	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
रणनीतिक प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 16	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
रणनीतिक प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 17	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
अनुप्रयुक्त वित्तीय जोखिम प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 10	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
उन्नत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और विश्लेषण में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 1	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)

निम्नलिखित कार्यकारी विकास/प्रमाणपत्र कार्यक्रम, २०२३-२४ में भा.प्र.सं. काशीपुर द्वारा लॉन्च किए गए हैं (कार्यक्रम अभी शुरू होने बाकी हैं)

कार्यक्रम का नाम	प्रस्तावित कार्यक्रम - सह प्रायोजक
उन्नत परियोजना प्रबंधन में कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 5	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
रणनीतिक प्रबंधन में कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 18	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
सिक्स सिग्मा के साथ संचालन प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 7	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
उन्नत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और विश्लेषण में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 3	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
अनुप्रयुक्त वित्तीय जोखिम विश्लेषण में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 11	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
रणनीतिक प्रबंधन में कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 18	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
उत्पाद प्रबंधन और डिजिटल ब्रांड एनालिटिक्स में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 1	टीमलीज एडटेक लिमिटेड
रणनीतिक विपणन प्रबंधन में कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 1	टीमलीज एडटेक लिमिटेड
मानव संसाधन विश्लेषण एवं प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम,बै	टीमलीज एडटेक लिमिटेड
अनुप्रयुक्त वित्त एवं निवेश में कार्यकारी विकास कार्यक्रम,बैच 1	टीमलीज एडटेक लिमिटेड
फिनटेक और अनुप्रयुक्त वित्तीय विश्लेषण में कार्यकारी कार्यक्रम,	एनएसई अकादमी

व्यवसाय प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

संस्थान के मिशन के अनुरूप, यह 14 महीने का पीजीडीबीएम कार्यक्रम विशेष रूप से उन सभी मध्य-करियर पेशेवरों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो प्रबंधन में गहन ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं। भा.प्र.सं. काशीपुर संकाय द्वारा सोच-समझकर तैयार किए गए इस कार्यक्रम के कैनवास में सभी कार्यात्मक और अत्याधुनिक पाठ्यक्रम शामिल हैं, जो प्रतिभागियों को उच्च प्रबंधकीय और नेतृत्व संबंधी उत्तरदायित्वों के लिए तैयार कर सकते हैं। व्यावसायिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, इस कार्यक्रम को एक मिश्रित कार्यक्रम के रूप में डिज़ाइन किया गया है - विश्व स्तरीय संकाय एवं सीएक्सओ और ई-लर्निंग सामग्री के साथ लाइव सत्र - जो अपेक्षित कार्यक्रम दृढ़ता के साथ-साथ व्यावसायिक उत्तरदायित्वों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अच्छी तरह से तैयार है।

यह कार्यक्रम एक मिश्रित कार्यक्रम है जिसमें ऑनलाइन और ऑन-कैंपस दोनों मॉड्यूल शामिल हैं। ऑनलाइन मॉड्यूल के लिए, निर्देश की प्राथमिक विधि लाइव व्याख्यानों के माध्यम से होगी जो प्रतिभागियों के डेस्कटॉप/लैपटॉप पर इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन प्रदत्त किए जाएँगे। ये व्याख्यान भा.प्र.सं. काशीपुर के प्रतिष्ठित संकाय और उद्योग के विशेषज्ञों द्वारा दिए जाएँगे। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से कक्षा अभ्यास, प्रस्तुतियों, टेक-होम अभ्यास, सिमुलेशन और केस स्टडी के संयोजन के माध्यम से पढ़ाया जाएगा। इस कार्यक्रम की अंतर्वस्तु इस तरह से व्यवस्थित की गई है कि प्रतिभागियों को विभिन्न व्यावसायिक पहलुओं में अंतर्वस्तु के अनुप्रयोग का परिचय मिलता है। ऑन-कैंपस मॉड्यूल भा.प्र.सं. काशीपुर की कक्षाओं में दिया जाएगा। यह कार्यक्रम टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई) के सहयोग से पेश किया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध और परामर्श

I) अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

1. कार्यक्रम:

विपणन नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

अंतर्राष्ट्रीय संबंध और परामर्श समिति (आईआरसी) ने विपणन विभाग आईआईएम काशीपुर के साथ मिलकर 16 से 18 दिसंबर के बीच अपने साझेदार विश्वविद्यालय सिरैक्यूज़ यूनिवर्सिटी, यूएसए के साथ मिलकर "विपणन नवाचार" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

- लगभग 85 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं, जिनमें से 40 शोधपत्र चयनित किये गये।
- इस सम्मेलन के लिए 48 लोगों ने पंजीकरण कराया, जो अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थानों से थे, जिनमें ड्रेक्सेल विश्वविद्यालय, यूएसए; मैरीमाउंट विश्वविद्यालय, यूएसए; रबात बिजनेस स्कूल, मोरक्को; आईआईएम अहमदाबाद, आईआईएम इंदौर; आईआईएम अमृतसर, आईआईएम रायपुर, आईआईएम राँची; आईआईटी दिल्ली, आईआईटी मद्रास, आईआईटी कानपुर; आईआईटी खड़गपुर; आईआईएफटी दिल्ली; एनआईटी त्रिची; दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू); एनएसयूटी दिल्ली; बिट्स स्कूल ऑफ मैनेजमेंट; राजीव गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय; एमएएनआईटी भोपाल; एएमयू अलीगढ़; अमृता विश्वविद्यालय; सीआईटी कोकराझार असम; मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर; जयपुरिया स्कूल ऑफ बिजनेस; क्राइस्ट यूनिवर्सिटी दिल्ली एनसीआर; ग्राफिक एरा देहरादून; और दून विश्वविद्यालय शामिल हैं।
- वक्ताओं के रूप में प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और वृत्तिकों की एक विस्तृत श्रृंखला की व्यवस्था की गई थी।

पद्म भूषण श्री डी. आर. मेहता,
बीएमवीएसएस जयपुर फुट।
मुख्य वक्ता

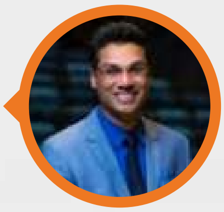

प्रोफेसर निर्मल्य कुमार,
ली कोंग चियान, सिंगापुर प्रबंधन विश्वविद्यालय में मार्केटिंग के प्रोफेसर।
मुख्य वक्ता

प्रो. चार्ल्स नोबल
नॉक्सविले के हसलम कॉलेज ऑफ बिजनेस,
के बिजनेस प्रोफेसर, मार्केटिंग साइंस अकादमी के जर्नल के संपादक
वक्ता संपादक से मिलें सत्र

प्रोफेसर श्रीहरि श्रीधर,
जर्नल ऑफ मार्केटिंग के प्रधान संपादक
वक्ता संपादक से मिलें सत्र

प्रो. एलिना सोरेस्कु,
मार्केटिंग की प्रोफेसर, मेस बिजनेस स्कूल,
टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी, **इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन मार्केटिंग की सह-संपादक**
वक्ता संपादक से मिलें सत्र

प्रो. के. शिवकुमार,
आर्थर टैक चेयर और लेह विश्वविद्यालय में मार्केटिंग के प्रोफेसर।
पेपर डेवलपमेंट वर्कशॉप के लिए वक्ता

प्रो. आनंद जायसवाल,
प्रोफेसर मार्केटिंग,
आईआईएम अहमदाबाद।
विशेष वक्ता का पत्र संबोधन

प्रो. एस.पी. राज,
व्हिटमैन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में प्रतिष्ठित प्रोफेसर और मार्केटिंग विभाग के अध्यक्ष।
अर्ल वी. स्नाइडर इनोवेशन मैनेजमेंट सेंटर के निदेशक।
सम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय संरक्षक

मॉडल यूनाइटेड नेशन

आईआरसी विद्यार्थी निकाय ने ऑनलाइन मॉडल यूनाइटेड नेशन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में आईआईएम इंदौर, आईआईएम राँची, आईआईटी मद्रास, आईआईएम जलंधर जैसे भारत भर के विभिन्न संस्थानों से लगभग 36 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

2. छात्र विनिमय:

दीर्घकालिक विनिमय कार्यक्रम

दीर्घकालिक विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत, ७ विद्यार्थियों ने यूरोप में हमारे अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों - ईएसडीईएस, फ्रांस, एएलबीए ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल, ग्रीस और टुरिबा विश्वविद्यालय, लातविया में अपना पाँचवाँ सेमेस्टर सफलतापूर्वक पूरा किया।

एएलबीए (ALBA) के साथ अल्पकालिक विनिमय कार्यक्रम

एएलबीए (ALBA) ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल के साथ अल्पकालिक विनिमय कार्यक्रम 1 अप्रैल से 13 अप्रैल 2024 के बीच आयोजित किया जाएगा। लगभग 35 से अधिक विद्यार्थी (कार्यक्रम के लिए आवेदन करने वाले कुल 58 विद्यार्थियों में से) विनिमय कार्यक्रम में भाग लेंगे।

3. अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियाँ:

- ग्रीस के एएलबीए (ALBA) ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस और यूके के सैलफोर्ड यूनिवर्सिटी के साथ तीन और वर्षों के लिए समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण।

- जर्मनी में नंबर 1 और क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2023 में दुनिया में नंबर 37 पर रहने वाली म्यूनिख की टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी (TUM) के साथ अल्पकालिक आदान-प्रदान के लिए समझौता ज्ञापन प्रस्तावित किया गया था। टीयूएम (TUM) द्वारा समझौता ज्ञापन साझा किया गया था, लेकिन आईआरसी (IRC) इस पर हस्ताक्षर नहीं कर सका क्योंकि विद्यार्थियों की संख्या कार्यक्रम की लागत को संतुलित करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। इस समझौता ज्ञापन को आगामी वर्ष 2024-25 तक बढ़ाने के लिए वार्ता चल रही है।

- समझौता ज्ञापन के लिए रबात बिजनेस स्कूल मोरक्को के साथ संवाद जारी है।

- यूरोप में साझेदारी की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

II) परामर्श:

भारत सरकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग के साथ परामर्श

भारत सरकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग द्वारा "ब्याज समतुल्यीकरण योजना का मूल्यांकन अध्ययन" नामक परियोजना शुरू की गई थी। आईआईएम काशीपुर के 4 प्रोफेसरों की एक टीम जिसमें प्रो. अभ्रदीप मैती, प्रो. कुणाल, प्रो. ग्यासुद्दीन अंसारी और प्रो. जगदीश प्रसाद साहू शामिल हैं, ने इस परियोजना में अपनी रुचि दिखाई है। परामर्श राशि 24 लाख 50 हजार रुपये होगी।

वन संरक्षण विभाग, हल्द्वानी के साथ परामर्श।

प्रो. सोमनाथ चक्रवर्ती और प्रो. प्रीति नरवाल को "महत्वपूर्ण इमारती लकड़ी का बाजार सर्वेक्षण" नामक परियोजना सौंपी गई है। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद कार्य शुरू हो जाएगा। परामर्श राशि 23 लाख 40 हजार रुपये होगी।

कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष, संयुक्त राष्ट्र के साथ परामर्श

प्रो. सफल बत्रा ने "जम्मू-कश्मीर श्रीनगर में कृषि विकास के लिए रणनीतिक योजना" नामक परियोजना का उत्तरदायित्व लिया था। परामर्श राशि 12 लाख रुपये थी।

नाबार्ड के साथ परामर्श

प्रो. सफल बत्रा ने "नाबार्ड के लिए 13 पूर्ण हो चुके एफपीओ और वाटरशेड परियोजना का प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन (आईईएस)" नामक परियोजना का कार्यभार सँभाला। परामर्श राशि 3,24,500/- रुपये थी।

प्रो. सफल बत्रा ने "नाबार्ड के लिए 5 पूर्ण हो चुके एफपीओ का प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन (आईईएस)" किया। परामर्श राशि 4,72,000/- रुपये थी।

लोक नीति एवं शासन में उत्कृष्टता केंद्र (सीओईपीपीजी)

लोक नीति एवं शासन पर आधारित उत्कृष्टता केंद्र, लोक नीति एवं प्रशासन में अनुसंधान, प्रशिक्षण और सर्वोत्तम पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। ऐसे केंद्रों का उद्देश्य प्रायः सरकारी संस्थानों की क्षमता को बढ़ाना, सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार करना एवं नीति-निर्माण प्रक्रियाओं में नवाचार को प्रोत्साहन देना होता है। संस्थान ने भा.प्र.सं. काशीपुर में लोक नीति एवं शासन पर आधारित उत्कृष्टता केंद्र (सीओईपीपीजी) की स्थापना की, ताकि नीति निर्माताओं, सरकारी एजेंसियों, नागरिक समाज, उद्योग एवं शिक्षाविदों को जोड़ने वाला एक मंच बनाया जा सके, जिससे अध्येताओं के शोध, सार्वजनिक नीति अध्ययन और क्षमता निर्माण गतिविधियों को सुगम बनाया जा सके।

2014 में अपनी स्थापना के बाद से, इस केंद्र ने आपदा प्रबंधन, सतत प्रबंधन (ग्रीन एमबीए), न्यायिक सेवा वितरण, स्वतंत्र पहुँच वाली कानूनी शिक्षा, कॉर्पोरेट क्षेत्र में लैंगिक विविधता एवं महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को रोकने जैसे विशेष क्षेत्रों में कई प्रमुख परियोजनाएँ और कार्यक्रम शुरू किए हैं। विषयगत लोक नीति विश्लेषण पर केंद्रित क्रियात्मक अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्शी सेवाओं को एकीकृत कर, इस केंद्र ने विश्व बैंक, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR), शास्त्री इंडो-कैनेडियन संस्थान, राष्ट्रीय महिला आयोग, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय एवं केंद्र और राज्य सरकारों के अन्य विभागों द्वारा वित्त पोषित कई परियोजनाएँ पूरी की हैं।

लोक नीति में डॉक्टरेट कार्यक्रम

इस अवधि के दौरान, हमारे एक शोधार्थी को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा वरिष्ठ शोध फेलोशिप में अपग्रेड किया गया। एक अन्य अध्येता ने अपना पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है और आयोग से मिलने वाली वरिष्ठ फेलोशिप की प्रतीक्षा कर रहा है। डॉक्टरेट कार्यक्रम में इस केंद्र की प्राथमिक रुचि स्मार्ट सिटी गवर्नेंस अवधारणा रही है, जो नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने, शहरी सेवाओं में सुधार करने और संधारणीयता को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी, डेटा और नवाचार को समन्वित करने वाले शहरी विकास दृष्टिकोण को संदर्भित करती है। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा इस केंद्र को अनुमोदित एक मूल्यांकन अध्ययन भी, भारत में स्मार्ट सिटी मिशन को लागू करने में परामर्श एजेंसियों की भूमिका पर केंद्रित है।

आईसीएसएसआर विशेष कॉल अनुसंधान:

इस अवधि के दौरान इस केंद्र ने **"उत्तर भारत में सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से लैंगिक भेदभाव को संबोधित करना: दिल्ली एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड का एक अध्ययन"** पर एक प्रमुख शोध परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया। सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) को भारत सरकार द्वारा 2015 में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ [बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ] योजना के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में लोकार्पित किया गया था। इस शोध ने सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) को समझने के लिए एक बहुआयामी गवेक्षण किया, भारत के चार राज्यों: दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड में इस योजना के कार्यान्वयन की जाँच की। इस अनुभवजन्य लोक नीति मूल्यांकन परियोजना ने सुकन्या समृद्धि योजना के समग्र प्रभाव, प्रासंगिकता, प्रभावशीलता और स्थिरता एवं लाभार्थियों (लड़कियों) और निवेशकों (माता-पिता/अभिभावकों) दोनों के जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव की जाँच-पड़ताल की। आईआईएम काशीपुर में लोक नीति एवं शासन पर आधारित उत्कृष्टता केंद्र (COEPPG) ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) से वित्त पोषण प्राप्त कर यह अध्ययन किया। यह तीन साझेदार संस्थानों - दिल्ली विश्वविद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के साथ एक सहयोगात्मक अध्ययन था।

हमारे अध्ययन में पाया गया कि दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड क्षेत्रों में बालिकाओं की शिक्षा में सहयोग करने एवं बाल लिंग अनुपात में सुधार लाने में सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) का सकारात्मक सामाजिक प्रभाव पड़ा है। यह लड़कियों की शिक्षा हेतु बचत के लिए बढ़ती हुई रुचि को उजागर करता है, जो उच्च ब्याज दरों के लाभ एवं कर छूट से चालित है,

जिससे वित्तीय सुरक्षा मिलती है। डाकघर, सुकन्या समृद्धि योजना खातों के लिए लोकप्रिय स्थान के रूप में उभरे हैं एवं अभी भी हाशिए पर रहने वाली आबादी से और अधिक योगदान की आशा करते हैं। कुल मिलाकर, सुकन्या समृद्धि योजना ने वंचित समूहों को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है, जिससे उनकी वित्तीय सुरक्षा और शैक्षिक अवसरों में बढ़ोत्तरी हुई है, हालाँकि कुछ राज्यों को इस कार्यक्रम के परिवीक्षण एवं इसे प्रभावी ढंग से बनाए रखने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

भारत की जी-20 अध्यक्षता के प्रभाव की समीक्षा

सीओईपीपीजी ने दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सहयोग से सितंबर 2023 में "जलवायु न्याय की प्राप्ति में लैंगिक मुख्यधाराकरण, पर भारत की जी-20 अध्यक्षता के प्रभाव की समीक्षा" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की। भारत की जी-20 अध्यक्षता ने वैश्विक जलवायु कार्यावली में लैंगिक परिप्रेक्ष्य को समाहित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर चिह्नित किया। इस अध्यक्षता ने उन नीतियों पर ध्यान केंद्रित किया जो महिलाओं को सशक्त बनाती हैं एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान करते हुए लैंगिक समानता को बढ़ावा देती हैं। जलवायु अभियान में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानकर, समावेशी नीतियों को पोषित कर एवं सहयोगी प्रयासों को बढ़ाकर, इस अध्यक्षता ने वैश्विक जलवायु परिचर्चाओं में लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने की नींव रखी।

अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियाँ

वैश्विक मोर्चे पर, सीओईईपी ने नवंबर 2023 में मनीला, फिलीपींस में आयोजित, आईसीटी क्षमता निर्माण के लिए उप-क्षेत्रीय रुझानों और प्राथमिकताओं पर संवाद सत्र में भाग लेने के लिए, एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग (यूएनईएससीएपी) के साथ भागीदारी की। आईसीटी क्षमता निर्माण के लिए उप-क्षेत्रीय रुझानों और प्राथमिकताओं पर यूएनईएससीएपी की रूपरेखा, एशिया और प्रशांत क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा देने में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देती है। डिजिटल डिवाइड को पहचानते हुए, यह केंद्र डिजिटल साक्षरता बढ़ाने, हाई-स्पीड इंटरनेट तक पहुँच में सुधार करने एवं विशेष रूप से हाशिए के समुदायों के लिए समावेशी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न शैक्षणिक पहलों में सम्मिलित हुआ है। सीओईईपी, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) का एक अकादमिक सदस्य है। इस साझेदारी ने इसे उन नीतियों का अध्ययन करने की अनुमति दी जो आईसीटी नीतियों में संधारणीयता को समाकलित करने की पक्ष-समर्थक हैं, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि क्षमता निर्माण के प्रयास पर्यावरणीय लक्ष्यों के साथ संरेखित हों। इन प्राथमिकताओं को बढ़ावा देकर, सीओईईपी स्थानीय समुदायों एवं सरकारों को क्षेत्र-विशेष में आर्थिक विकास और सामाजिक समानता के लिए आईसीटी की परिवर्तनकारी क्षमता का दोहन करने के लिए सशक्त बनाना चाहता है।

उत्तराखंड आर्थिक सर्वेक्षण

2020 से, इस केंद्र ने प्रतिवर्ष उत्तराखंड आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग (डीईएस) द्वारा प्रकाशित उत्तराखंड आर्थिक सर्वेक्षण (खंड II) में योगदान दिया है। इस वर्ष भी रिपोर्ट में उल्लेखित वर्ष के दौरान लागू की गई नीति और संस्थागत परिवर्तनों के साथ-साथ अपनाए गए उपायों, सामने आई चुनौतियों और राज्य की अर्थव्यवस्था को दोगुना करने के लक्ष्य को योगदान देने में आ रही कठिनाइयों को समाहित किया गया है, विशेष रूप से शिक्षा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया गया है। रिपोर्ट में शिक्षा क्षेत्र के अंतर्गत नीतियों, कार्यक्रमों, संस्थागत विकास, योजनाओं और मानव संसाधन विकास सहित विभिन्न आयामों की प्रगति पर भी प्रकाश डाला गया है, जो शैक्षिक सुधार और आर्थिक विकास के लिए अपनाए गए एक व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाता है। हालाँकि, राज्य के आर्थिक उद्देश्यों में संवहनीय योगदान प्राप्त करने के लिए अविरत चल रही चुनौतियों का समाधान किया जाना चाहिए।

एफआईईडी

भा.प्र.सं. काशीपुर एफआईईडी (FIED) एक धारा 8 कंपनी है जिसे 09 मार्च 2018 को कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निगमित किया गया है। फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (FIED) भा.प्र.सं. काशीपुर का इनक्यूबेशन सेंटर/ऊष्मायन केंद्र है, जिसका उद्देश्य भारत के उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को पोषित और मजबूत करना है। यह भा.प्र.सं. काशीपुर के परिसर में पूर्ण स्वामित्व वाले 20,000 वर्ग फीट के समर्पित स्थान पर स्थापित किया गया है। एफआईईडी कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रसद और आपूर्ति श्रृंखला, हरित ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यटन एवं आतिथ्य, सामाजिक उद्यमिता और सतत विकास लक्ष्यों के क्षेत्र में भारत के सबसे होनहार स्टार्टअप्स को इनक्यूबेट करता है। यह व्यवसायिक विचार को परिष्कृत करने, न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद विकसित करने, लघु और दीर्घकालिक व्यावसायिक योजनाएँ बनाने, उत्पादों/सेवाओं के लिए बाज़ार संपर्क प्रदान करने, प्रारम्भिक मूलधन के लिए एंजेल निवेशकों/प्रारंभिक चरण की उद्यम पूँजी फर्मों से जुड़ने, व्यावसायिक सहयोग में सुविधा प्रदान करने और प्रारम्भिक निधि से लेकर श्रृंखला निधि स्तर तक बढ़ने हेतु सहायता करने में स्टार्ट-अप का समर्थन करता है।

प्रमुख भागीदार

नवाचार के लिए प्राप्त सम्मान

आईआईसी में फोर स्टार रेटिंग प्राप्त करना:

भा.प्र.सं. काशीपुर ने संस्थान नवाचार परिषद की वार्षिक रेटिंग में 4 स्टार प्राप्त करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। यह सम्मान इसे छह सहभागी भा.प्र.सं. और 22 आईआईटी से आगे रखते हुए शीर्ष संस्थान के रूप में प्रतिष्ठित करता है। संस्थान नवाचार परिषद के रूप में शिक्षा मंत्रालय की यह पहल, उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) के बीच नवाचार और उद्यमिता गतिविधियों को बढ़ावा देती है। भा.प्र.सं. काशीपुर की उच्चतम रेटिंग संस्थान के भीतर नवाचार और उद्यमशीलता की भावना की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए इसके समर्पण को रेखांकित करती है।

एफआईईडी में स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए प्रमुख कार्यक्रम

साहस और सक्षम 5.0

अप्रैल 2020 में, कोविड-19 महामारी के कारण हुई उथल-पुथल के बीच, भा.प्र.सं. काशीपुर एफआईईडी ने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, कृषि के लिए लाभकारी दृष्टिकोण और संबद्ध क्षेत्र पूनर्युवीकरण (आरकेवीवाई-रफ़्तार) के तहत एक प्री-सीड एग्रीप्रेन्योरशिप ओरिएंटेशन प्रोग्राम (एओपी), साहस कार्यक्रम की शुरूआत की। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (MoA&FW) द्वारा समर्थित, इस महत्वपूर्ण पहल का उद्देश्य कृषि एवं इससे संबद्ध क्षेत्रों के बुनियादी ढाँचे में सुधार करना है। साहस, वित्तीय सहायता प्रदान करके एवं इनक्यूबेशन इकोसिस्टम को पोषित कर कृषि उद्यमिता और कृषि व्यवसाय को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। मार्च 2023 से मार्च 2024 तक, आरएबीआई (RKVY-RAFTAAR) ने कुल 1.35 करोड़ रुपये जुटाने में 13 स्टार्टअप की सहायता की। साहस कार्यक्रम के तहत 9 प्री-सीड स्टेज स्टार्टअप्स को कठोर चयन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा और उन्हें कुल 45 लाख रुपये की धनराशि प्रदान की गई। सक्षम कार्यक्रम के तहत 4 स्टार्टअप्स को कुल 90 लाख रुपये की धनराशि प्रदान की गई।

दृष्टि 4.0

यह कार्यक्रम प्रोटोटाइप वाले स्टार्टअप को स्केल करने और व्यावसायीकरण हेतु बाजार के लिए तैयार होने में मदद करता है। यह दो प्रकार के स्टार्टअप को प्रोत्साहित करता है: वे जिनके पास पूर्ण प्रोटोटाइप हैं और जो पायलट रन की तलाश में हैं एवं वे जिनके पास सुनिश्चित उत्पाद व्यावसायीकरण के लिए तैयार हैं। एफआईईडी को पूरे भारत से 23 आवेदन प्राप्त हुए और जिनमें से इनक्यूबेशन के लिए 21 स्टार्टअप का चयन किया गया।

बिज़ क्वेस्ट

भा.प्र.सं. काशीपुर एफआईईडी और ईसेल द्वारा 'बिज़ क्वेस्ट', एक रोमांचक व्यवसाय योजना प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इसने प्रतिभागियों को अपने अभूतपूर्व विचारों को प्रदर्शित करने, उद्योग के नेतृत्वकर्ताओं से जुड़ने और ₹7,500 के प्रतिष्ठित शीर्ष पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों से दस से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

श्री अन्न महोत्सव-बाजरा मेला

भा.प्र.सं. काशीपुर के निदेशक के मार्गदर्शन में, आईआईएम काशीपुर एफआईईडी ने बाजरा महोत्सव के प्रभावी प्रबंधन और सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक अधिवेशन में भाग लिया। इस अधिवेशन में उत्तराखंड के अन्य उच्च शिक्षण संस्थान और उद्योग भी सम्मिलित थे, जिसकी अध्यक्षता उत्तराखंड के माननीय कृषि मंत्री ने की। उत्तराखंड के कृषि निदेशालय के अनुरोध पर, भा.प्र.सं. काशीपुर ने इस कार्यक्रम में एक स्टार्टअप शोकेस की सुविधा भी प्रदान की। भा.प्र.सं. काशीपुर एफआईईडी के 15 स्टार्टअप, जो सभी अभिनव कृषि-आधारित समाधानों पर केंद्रित थे, ने अन्न महोत्सव में भाग लिया। यह कार्यक्रम कृषि निदेशालय, उत्तराखंड द्वारा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया गया था।

कृषि उद्यमिता संघ

उच्च शिक्षा संस्थानों का कृषि संघ, उच्च शिक्षा संस्थानों और कृषि व्यवसाय ऊष्मायन केंद्रों का एक संघ है। यह प्रशिक्षण, शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से कृषि-केंद्रित स्टार्टअप को सहयोग करता है, आम चुनौतियों का समाधान करता है एवं संसाधनों से लाभान्वित करता है। सहयोग को बढ़ावा देकर, संघ का उद्देश्य कृषि स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को आगे बढ़ाना है, जो टिकाऊ और लचीली कृषि प्रणालियों में योगदान देता है।

कृषि उद्यमिता संघ में निम्न उच्च शिक्षा संस्थानों ने भाग लिया-

- आईसीएआर-आईएआरआई नई दिल्ली
- आईआईएम सिरमौर
- सीसीएस एनआईएएम, जयपुर
- आईजीकेवी रायपुर
- जी बी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
- आईवीआरआई बरेली
- एएनजीआरएयू तिरुपति
- वीसीएस गढ़वाली कृषि विश्वविद्यालय, पौड़ी

उद्यमिता का हब और स्पोक मॉडल

हब और स्पोक मॉडल को उत्तराखंड में अग्रणी स्टार्टअप और इनक्यूबेशन सहायता प्रणाली विकसित करने के उद्देश्य से रणनीतिक व्यवधानों के कार्यान्वयन हेतु अपनाया गया है। इस मॉडल के तहत, भा.प्र.सं. काशीपुर एफआईईडी एक ऐसे 'हब' के रूप में कार्य करता है, जो 'स्पोक' के रूप में काम करने वाले सैटेलाइट केंद्रों के साथ-साथ उत्तराखंड भर में विद्यार्थियों, स्टार्टअप और इनक्यूबेटरों को अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा एवं विश्व स्तरीय इनक्यूबेशन सुविधाएँ प्रदान करता है। यह 'हब' जिला स्तर पर स्थापित किए जाने वाले सैटेलाइट इनक्यूबेटरों की क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस वर्ष, आईआईएम काशीपुर एफआईईडी ने उत्तराखंड के पाँच सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों के साथ आशय-पत्र पर हस्ताक्षर करके सहयोग की पहल की है: सीमांत इंजीनियरिंग संस्थान-पिथौरागढ़, बीटीकेआईटी-अल्मोड़ा, प्रौद्योगिकी संस्थान-चमोली, और टिहरी हाइड्रो इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी-नई टिहरी, एकेआईटी टनकपुर।

स्टार्टअप बूटकैंप

उत्तराखंड के विभिन्न जिलों में विद्यार्थी-आधारित स्टार्टअप को बढ़ावा देने के प्रयास में, भा.प्र.सं. काशीपुर एफआईईडी ने ऊधम सिंह नगर, बागेश्वर, नैनीताल और पिथौरागढ़ जिलों में प्रत्येक जिले की संबंधित जिला नवाचार समितियों के सहयोग से चार स्टार्टअप बूटकैंप आयोजित किए। इन बूटकैंप में विचार सृजन, व्यवसाय प्रारूप निरूपण, बाजार विश्लेषण, पिचिंग और अनुदान संचयन जैसे महत्वपूर्ण उद्यमशीलता कौशल विकसित करने के उद्देश्य से गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। ये कौशल समुच्चय उत्तराखंड में महत्वाकांक्षी उद्यमियों के लिए आवश्यक हैं, जो उन्हें अपनी नवीन अवधारणाओं को उन्नतिशील नवोद्यमों में परिणित करने में सशक्त बनाते हैं।

उत्तराखंड में स्टार्टअप बूटकैंप की आवश्यकता क्षेत्र के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को पोषित करने और गति देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका में निहित है। ये बूटकैंप नवाचार, रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उद्यमियों को आवश्यक कौशल, संसाधनों और नेटवर्क से उपकरणीकृत करते हैं। ग्रामीण विकास एवं सामाजिक प्रभाव जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, ये उत्तराखंड की विशिष्ट सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का समाधान करते हैं। इन बूटकैंपों की संरचना में गहन प्रशिक्षण सत्र, मार्गदर्शन और पिचिंग कार्यक्रम शामिल हैं, जो प्रतिभागियों को अपने विचारों एवं व्यवसाय मॉडल को परिष्कृत करने के लिए सशक्त बनाते हैं।

विश्व उद्यमी दिवस

उद्यमिता और दुनिया भर में उद्यमशीलता के क्षेत्र में कदम रखने वाले व्यक्तियों को सम्मान देने के लिए, 21 अगस्त को प्रति वर्ष 'विश्व उद्यमी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। यह दिन वैश्विक स्तर पर विभिन्न उद्योगों में रोजगार के अवसर पैदा करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में उद्यमियों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका का उत्सव मनाता है।

इस अवसर पर, भा.प्र.सं. काशीपुर एफआईईडी ने एक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें काशीपुर और आस-पास के क्षेत्रों की ग्रामीण महिला उद्यमियों का स्वागत किया गया, ताकि वे अपनी उद्यमशीलता की यात्रा और महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के प्रबंधन में आने वाली चुनौतियों को साझा कर सकें। इन महिला उद्यमियों ने समूह उद्यमिता का उदाहरण प्रस्तुत किया है, जहाँ स्वयं सहायता समूह उद्यमों के संचालन में सहयोग करते हैं साथ ही जिसमें सदस्यों के बीच ज़िम्मेदारियाँ साझा की जाती हैं। इन उद्यमी महिलाओं ने आईआईएम काशीपुर के कैफेटेरिया में स्टॉल लगाए, जहाँ विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक उनके उत्पाद खरीदे और इन महिला उद्यमियों द्वारा प्रदर्शित कड़ी मेहनत और समर्पण की प्रशंसा की।

उत्तिष्ठा-2024

उत्तिष्ठा 2024, फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (एफआईईडी) और ई-सेल भा.प्र.सं. काशीपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक वार्षिक उद्यमिता शिखर सम्मेलन, 27 और 28 जनवरी, 2024 को शुरू हुआ। "गेटवे टू इनोवेशन" थीम और कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा समर्थित, इस शिखर सम्मेलन में 10,000 से अधिक लोगों की प्रभावशाली उपस्थिति रही, जिसने इसे एक असाधारण ई-शिखर सम्मेलन के रूप में चिह्नित किया। उत्तिष्ठा के उद्घाटन दिवस पर तीन गत्यात्मक कार्यक्रम हुए। उड़ान 7.0, एक राष्ट्रव्यापी बी-प्लान प्रतियोगिता, में प्रतिष्ठित बी-स्कूलों की भागीदारी देखी गई। इसके साथ ही, हल्ट प्राइज 2024 ने एक इंट्रा-कॉलेज बी-प्लान प्रतियोगिता का आयोजन किया, जबकि स्केलअप पिचथॉन 2024 ने एक लाइव स्टार्टअप चुनौती पेश की। सामूहिक रूप से, इन आयोजनों में 500 से अधिक पंजीकरण प्राप्त हुए, जिनमें उद्यमशीलता प्रतिभा और नवाचार का विविध समूह प्रदर्शित हुआ।

28 जनवरी को आयोजित उत्तिष्ठा का दूसरा दिन एक जीवंत और आकर्षक आयोजन था, जिसमें विविध प्रकार के दर्शकों के लिए कई तरह के कार्यक्रम और गतिविधियाँ प्रस्तुत की गईं। मुख्य आकर्षणों में स्टार्टअप एक्सपो, स्वादिष्ट फूड स्टॉल, आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम, जानकारीपूर्ण करियर काउंसलिंग सत्र, उद्यमिता कार्यशाला और मूल्यवान एमबीए अंतर्दृष्टि शामिल थीं।

व्यवसाय योजना विकास प्रशिक्षण

ग्रामीण उद्यम त्वरण परियोजना (आरईएपी) ने उत्तराखंड ग्राम्य विकास समिति और आईआईएम काशीपुर एफआईईडी के सहयोग से, 18 मार्च 2024 से 23 मार्च 2024 तक छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका उद्देश्य उत्तराखंड में ग्रामीण उद्यमियों को सशक्त बनाना था। इस कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आए 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें ग्रामीण उद्यमों के अनुरूप व्यवसाय योजनाएँ विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

बाजार विश्लेषण, वित्तीय नियोजन, परिचालन प्रबंधन और विपणन रणनीतियों जैसे विषयों को समाहित करते हुए, इस प्रशिक्षण में कक्षा व्याख्यान, केस स्टडी, समूह चर्चा, अभ्यास और प्रस्तुतियाँ सहित विविध पद्धतियों का उपयोग किया गया। एक बाहरी प्रकृति भ्रमण और शाम के रात्रिभोज ने नेटवर्किंग के अवसर प्रदान किए।

महिला सहायता प्रणाली

फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (एफआईईडी) द्वारा आयोजित भा.प्र.सं. काशीपुर में महिला स्टार्टअप कार्यक्रम, महत्वाकांक्षी और अभिनव महिला उद्यमियों को उनके विचारों को सफल व्यावसायिक उपक्रमों में परिणित करने में सहयोग कर उन्हें सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से ऐसे उपक्रमों का नेतृत्व करने वाली महिलाओं के उद्यमशीलता और प्रबंधकीय कौशल को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो अपने कल्पना-विचारण और शुरुआती चरण में हैं। यह उद्यमियों को उनके प्रारम्भिक विचारों को मूर्त रूप देने के लिए एक बड़े पैमाने पर ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) के माध्यम से आवश्यक व्यावसायिक ज्ञान प्रदान करता है। एमओओसी के बाद, चयनित उम्मीदवार एक हाइब्रिड प्री-इनक्यूबेशन प्रोग्राम में प्रवेश करते हैं, जहाँ उन्हें अपने प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण मिलता है। आईआईएम काशीपुर, उत्पाद विकास और स्केलिंग पर ध्यान देने के साथ कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड की सीएसआर पहल द्वारा समर्थित, आईआईएम बैंगलोर में एनएसआरसीईएल के साथ सह-इनक्यूबेशन भागीदार के रूप में सहयोग करता है। इस कार्यक्रम के तहत अपशिष्ट प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण, इको-टूरिज्म, कला और शिल्प के क्षेत्रों में कुल 8 महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप को इनक्यूबेट किया गया है।

मीडिया हाइलाइट्स

एग्री मेला स्टार्टअप एक्सपो का शुभारंभ

बेहतरीन स्टार्टअप ने अपने विचारों को किया साझा, 100 से अधिक स्टार्टअप प्रतिभाग कर रहे हैं देशभर के

आईआईएम

काशीपुर, संवाददाता। भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) काशीपुर में कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से दो दिवसीय एग्री मेला स्टार्टअप एक्सपो 2024 का शुभारंभ हुआ। इस दौरान देशभर से आए कुछ बेहतरीन स्टार्टअप ने अपने विचारों को साझा किया। साथ ही आईआईएम फीड के कार्यों और उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला गया।

शनिवार शाम आईआईएम परिसर में एग्री मेला का डायरेक्टर प्रो. कुलभूषण बलूनी ने दीप जलाकर किया। उन्होंने कहा कि आईआईएम काशीपुर फीड हर वर्ष यह कार्यक्रम आयोजित करता है। इसका उद्देश्य देश और राज्य के अच्छे स्टार्टअप को चुनकर सामने लाना है। साथ ही उन स्टार्टअप को अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने के लिए मंच देना है। आईआईएम के एसोसिएट प्रोफेसर सफल बत्रा ने फीड द्वारा किए नए कार्यों व उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कहा कि पिछले पांच वर्षों में फीड ने लगभग 190 स्टार्टअप को सहयोग किया है। कार्यक्रम में देशभर के 100 से अधिक स्टार्टअप प्रतिभाग कर रहे हैं। इसमें से 50 से अधिक उत्तराखंड के हैं। फीड के प्रमुख इंडस्ट्रियल पार्टनर केवीएस ग्रुप के प्रबंध निदेशक देवेंद्र अग्रवाल ने कहा कि उद्योग आईआईएम में उद्यमिता के क्षेत्र में नए प्रयास को बढ़ावा दे रहे हैं।

एग्री नेक्सट कृषि स्टार्टअप के संस्थापक रजत वर्द्धन समेत अन्य बेहतरीन स्टार्टअप ने अपने विचारों को साझा किया। कार्यक्रम का इस वर्ष का विशेष आकर्षण फ्रेंड्स ऑफ फीड रहा। इसमें स्टार्टअप और उद्यमिता को सहयोग करने वाली संस्था, उद्यमिता उद्योग और स्टार्टअप साथ रहे। बताया कि कार्यक्रम की सहयोगी संस्था एसबीआई, नाबार्ड, केवीएस ग्रुप, एमपीएनजी, देवार्पण फूड्स, नैनी ग्रुप, फ्लोमार्ट टफ और केजीआर हॉस्पिटल फ्रेंड्स ऑफ फीड हैं, जो कई वर्षों से उत्तराखंड और आसपास के क्षेत्रों में स्टार्टअप और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए फीड का सहयोग कर रहे हैं।

विजेता स्टार्टअप ग्राम इनोवेशन को मिली एक लाख की धनराशि: कार्यक्रम के दौरान देशभर से आए स्वास्थ्य एवं वेस्ट मैनेजमेंट पर काम कर रहे तीन चुनिंदा स्टार्टअप ग्राम इनोवेशन, स्मार्ट ग्राम व मिरोकी इको सॉल्यूशंस ने स्टेज पर अपने स्टार्टअप को खड़ा करने के अनुभव ज्यूरी सदस्यों के समक्ष पेश किए। इनमें विजेता ग्राम इनोवेशन को एक लाख रुपये और स्मार्ट ग्राम व मिरोकी इको सॉल्यूशंस को 25-25 हजार की धनराशि देकर पुरस्कृत किया गया। वहीं फ्रेंड्स ऑफ फीड के तौर पर एसबीआई, नाबार्ड व अन्य को भी सम्मानित किया गया। वहीं उड़ान बिजनेस प्लान कंपटीशन के विजेताओं को भी पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में चुने गए 13 एग्री स्टार्टअप को 1.35 करोड़ की फंडिंग स्वीकृत की जाएगी।

चार संस्थाओं के बीच हुए एलओआई पर हस्ताक्षर

कार्यक्रम में आईआईएम फीड द्वारा उत्तराखंड में हब एवं स्पोक मॉडल की ओर एक कदम आगे बढ़ाया गया। फीड द्वारा उत्तराखंड के चार प्रौद्योगिकी संस्थान बीटीकेआईटी द्वाराहाट, टीएचडीसी-आईएचईटी टिहरी, आईटी गोपेश्वर, एसआईटी पिथौरागढ़ के साथ एलओआई (आशय पत्र) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके तहत फीड चारों संस्थाओं में उद्यमिता एवं स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए कार्य करेगी।

काशीपुर आईआईएम में शनिवार को एग्री मेले का दीप जलाकर शुभारंभ करते डायरेक्टर प्रो. कुलभूषण बलूनी। • हिन्दुस्तान

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT KASHIPUR NAVAASHAAY- DESIGN INNOVATION CENTRE 2023-2024

भा.प्र.सं. काशीपुर, उत्तराखंड, भारत में डिज़ाइन इनोवेशन सेंटर (डीआईसी) 'नवाशय' की स्थापना 2018 में शिक्षा मंत्रालय की राष्ट्रीय डिज़ाइन इनोवेशन योजना के तहत की गई थी। यह हब और स्पोक मॉडल के तहत संचालित होता है, जिसमें आईआईएम काशीपुर स्पोक है एवं आईआईटी रुड़की (हब), एनआईटी उत्तराखंड और जीबीपीयूएंडटी उत्तराखंड स्पोक हैं। नवाशय शिक्षा, प्रशिक्षण, डिज़ाइन-आधारित शोध और परामर्श के लिए एक केंद्र है जो समस्याओं का समाधान करने के लिए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है। यह अनुसंधान के माध्यम से ज्ञान को समृद्ध करने एवं क्षेत्रीय और राष्ट्रीय प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करने वाले अभिनव, सामाजिक रूप से जागरूक नेतृत्वकर्ताओं एवं उद्यमियों को विकसित करने हेतु आईआईएम काशीपुर के मिशन के साथ संरेखित है।

जुलाई - सितंबर 2023

स्कूलों में डिजाइन थिंकिंग और इनोवेशन पर कार्यशालाएँ:

- **श्री दशमेश स्कूल, बाजपुर (अगस्त 2023)**

भा.प्र.सं. काशीपुर में डिज़ाइन इनोवेशन सेंटर 'नवाशय' ने हिमालयन एजुकेशन लर्निंग प्रोग्राम (HELP) के भाग के रूप में 22 प्रतिभागियों के साथ एक कार्यशाला आयोजित की। इसका लक्ष्य डिज़ाइन थिंकिंग सिद्धांतों से परिचित कराना एवं प्रतिभागियों को नवाचार के लिए प्रोत्साहित करना था।

- **दून कॉन्वेंट स्कूल, हल्द्वानी (सितंबर 2023)**

43 विद्यार्थियों के लिए एक अन्य कार्यशाला आयोजित की गई, जिसके अंतर्गत उद्योगों में डिज़ाइन थिंकिंग के वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों को प्रदर्शित किया गया। कहानियों और गतिविधियों से भरे संवादात्मक सत्रों ने सीखने का एक दिलचस्प अनुभव प्रदान किया।

अक्टूबर-दिसंबर 2023

अनुवर्ती समीक्षा बैठक (अक्टूबर 2023):

'नवाशय' डिजाइन इनोवेशन सेंटर की प्रगति का आकलन करने एवं भविष्य के सोपानों की योजना बनाने के लिए भा.प्र.सं. काशीपुर के निदेशक प्रोफेसर कुलभूषण बलूनी के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

डिज़ाइन थिंकिंग पर विशेष सत्र (दिसंबर 2023):

टिंकरलैब्स के श्री मंदीप सिंह तूर ने भा.प्र.सं. काशीपुर में एमबीए विद्यार्थियों के लिए प्रायोगिक सत्र आयोजित किए, जिसमें डिज़ाइन थिंकिंग प्रक्रिया के व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

आविष्कार 2.0 - राज्य स्तरीय रोबोटिक्स इवेंट (दिसंबर 2023):

इस केंद्र ने एटीएल और गुरुकुल फाउंडेशन स्कूल के सहयोग से एक राज्य स्तरीय रोबोटिक्स इवेंट 'आविष्कार 2.0' का आयोजन किया, जिसमें 12 स्कूलों के 160 विद्यार्थियों ने अभिनव रोबोटिक्स परियोजनाओं में भाग लिया।

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT KASHIPUR
NAVAASHAAY- DESIGN INNOVATION CENTRE
2023-2024

सम्मान एवं पुरस्कार:

'नवाशय' को नई दिल्ली में हिमालयन पाँचवें एस्टेट कार्यक्रम में श्री प्रणब मुखर्जी हिमालयन फिफ्थ एस्टेट कमेंडेशन 2023 से सम्मानित किया गया। प्रणब मुखर्जी फाउंडेशन की एमडी श्रीमती ओमिता पॉल द्वारा प्रस्तुत इस पुरस्कार ने इस केंद्र के अभिनव योगदान की सराहना की।

जनवरी - मार्च 2024

टाइटन द्वारा डिज़ाइन इम्पैक्ट मूवमेंट (जनवरी 2024):

टिंकरलैब्स के सहयोग से, इस केंद्र ने डिज़ाइन इम्पैक्ट मूवमेंट का सूत्रपात किया, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा, स्थिरता और कृषि में स्थायी समाधान विकसित करना है। इस पहल में 29 विद्यार्थियों वाली सात टीमों ने भाग लिया।

'अर्लीसेंस' प्रोटोटाइप का विकास:

इस केंद्र ने रिलायंस टीयूपी 9.0-2024 प्रतियोगिता के विजेताओं, टीम रिवेंजर्स को 'अर्लीसेंस' प्रोटोटाइप बनाने में सहयोग किया- जो 98% सटीकता के साथ एक एआई-संचालित, गैर-संक्रामक 3डी स्तन कैंसर इमेजिंग डिवाइस है।

कंटिन्यूड डिजाइन थिंकिंग सत्र (मार्च 2024):

150 एमबीए विद्यार्थियों के लिए डिजाइन थिंकिंग और इनोवेशन पर आगामी सत्र आयोजित किए गए, जिनका नेतृत्व पुनः श्री मंदीप सिंह तूर ने किया, जिसमें व्यावहारिक व्यावसायिक नवाचार कौशल को सुदृढ़ करने पर बल दिया गया।

डिजाइन-संचालित व्यावसायिक नवाचार पर कार्यशालाएँ:

मार्च 2024 में ज्ञानार्थी मीडिया कॉलेज और गुरुकुल फाउंडेशन स्कूल में कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिनका उद्देश्य HELP पहल के तहत डिजाइन थिंकिंग-संचालित नवाचार में कौशल दक्षता विकसित करना था।

अतिरिक्त उपलब्धियाँ:

- **अटल टिंकरिंग लैब (एटीएल) के साथ समझौता ज्ञापन:**

नवाचार, रचनात्मकता और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए एटीएल-सक्षम स्कूलों में गुरुकुल फाउंडेशन स्कूल में डिजाइन मानसिकता और कम्प्यूटेशनल सोच को पोषित करने हेतु, डीआईसी भा.प्र.सं. काशीपुर और एटीएल के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

THE TIMES OF INDIA

IIM Kashipur signs MoU with Atal Tinkering Lab

चैत्य पुस्तकालय

ज्ञान संसाधनों और नवीन सूचना सेवाओं के अपने आधुनिक संग्रह के माध्यम से, पुस्तकालय शैक्षणिक समुदाय की बौद्धिक गतिविधियों को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भा.प्र.सं. काशीपुर का पुस्तकालय अत्याधुनिक तकनीकी अनुप्रयोगों वाली एक हाइब्रिड का पुस्तकालय है; इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, यह अपने ग्राहकों को ई-डेटाबेस जैसी सेवाएँ प्रदान कर रहा है। ऑनलाइन डेटाबेस संस्थान के नेटवर्क के माध्यम से उपलब्ध कराए जाते हैं। उपयोगकर्ता ई-डेटाबेस डेटाबेस तक पहुँच सकते हैं और अपने कंप्यूटर टर्मिनलों से लाइब्रेरी/पुस्तकालय सामग्री की वास्तविक समय उपलब्धता का पता लगा सकते हैं। पुस्तकालय उच्चतम व्यावसायिक मानकों पर आधारित विभिन्न सूचना सेवाएँ प्रदान करती है।

पुस्तकालय सूचना उत्पन्न करने, भंडारण, प्रसंस्करण और प्रसार के लिए सभी आधुनिक तकनीकों को अपनाती है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में, लाइब्रेरी अपने ग्राहकों को आधुनिक पुस्तकालय के सुचारू कामकाज के लिए आवश्यक वेब ओपेक सेवाएँ, इंटरलाइब्रेरी संसाधन साझाकरण, स्वचालित परिसंचरण, ईमेल अलर्ट सेवाएँ, साइबर लैब सेवाएँ और अन्य सेवाएँ प्रदान कर रही है।

'कोहा (koha) के पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर (नवीनतम संस्करण) का उपयोग करके पुस्तकालय को पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत किया गया है। निगरानी परिसंचरण और अन्य कार्यों के लिए आरएफआईडी प्रणाली पहले ही स्थापित की जा चुकी है। पुस्तकालय हाई-स्पीड इंटरनेट और भा.प्र.सं. काशीपुर नेटवर्क के इंट्रानेट से जुड़ी है, जो आवंटित पुस्तकालय बजट के भीतर ही शैक्षणिक समुदाय की बौद्धिक पिपासा को शांत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

यह भा.प्र.सं. काशीपुर के सभी अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों का केंद्र बनी हुई है और ज्ञान के सृजन और प्रसार को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसने संदर्भ, परामर्श, सदस्यता और संचलन, दस्तावेज़ वितरण, संसाधन साझाकरण और सूचना सतर्क सेवाओं सहित विभिन्न सेवाएँ प्रदान की हैं।

संग्रह, विकास और प्रबंधन

संग्रह-निर्माण पुस्तकालय के आवश्यक कार्यों में से एक है जो शैक्षणिक एवं शोध अध्येताओं और विद्यार्थियों का सहयोग करता है। पुस्तकालय संग्रह में किताबें, जर्नल, डेटाबेस, थीसिस, रिपोर्ट, मानक एवं प्रबंधन और उसके संबद्ध विषयों में अन्य पठन सामग्री सम्मिलित हैं - 31 मार्च 2024 तक पुस्तकालय का कुल संग्रह। पुस्तकालय में विभिन्न सूचना संसाधनों की धारित-संख्या सारणीबद्ध प्रपत्र में दी गई है:

तालिका 1: पुस्तकालय में विभिन्न सूचना संसाधनों की धारिता

विवरण	वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान जोड़ी गई सामग्री की संख्या	31 मार्च 2024 तक की सामग्री
मुद्रित पुस्तकें	764	11431
ई पुस्तकें	224	6158
नियतकालिक के साजिल्द खंड	-	799
थीसिस	6	31
परियोजना रिपोर्ट	-	628
सीडी/डीवीडी	-	103
जर्नल प्रिन्ट+ऑनलाइन के लिए वर्तमान सदस्यता	1905	13037
पत्रिकाएँ	-	16
समाचारपत्र मुद्रण	-	11

* इसमें उपहार स्वरुप प्राप्त प्राप्त पुस्तकें भी सम्मिलित हैं।

पुस्तकालय सामग्री की खरीद:
वित्तीय वर्ष 2023-24 में, पुस्तकालय ने उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों सहित 1,075,015 रुपये मूल्य की 764 नई पुस्तकों को जोड़कर अपने संग्रह का विस्तार किया।

भा.प्र.सं., काशीपुर व्यवस्था के माध्यम से पूर्ण-पाठ ई-जर्नल एक्सेस:
भा.प्र.सं. काशीपुर भी असीमित उपयोग के लिए कई पूर्ण-पाठ ऑनलाइन ई-जर्नल डेटाबेस की सदस्यता ले रहा है, विवरण नीचे दिया गया है

तालिका 2: संसाधनों की सूची: असीमित उपयोग के लिए पूर्ण-पाठ तक पहुँच

प्रकाशक	टाइटल्स की संख्या
एमराल्ड "ऑनलाइन ई-शोध सिंधु ई जर्नल्स कलेक्शन	309
वाईले ऑनलाइन जर्नल डेटाबेस ऑफ़ कोर एण्ड कस्टम कलेक्शन	525
इंफॉर्म्स पब्स सूट	17
साइंस डायरेक्ट - ऑनलाइन जर्नल्स डेटाबेस (04 सब्जेक्ट कलेक्शन)	404
ईबीएससीओ बिजनेस सोर्स अल्टीमेट - ऑनलाइन डेटाबेस	3352
टेलर एंड फ्रांसिस ऑनलाइन जर्नल डेटाबेस	414
एबीआई इंफॉर्म कम्प्लीट	5855
सेज मैनेजमेंट एंड ऑर्गनाइजेशन स्टडीज सब्जेक्ट कलेक्शन	132
इकॉनलिट	2011
ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ऑनलाइन जर्नल कलेक्शन	06

Fig 2: ई-जर्नल डेटाबेस का आलेखी निरूपण, उपयोगकर्ताओं के लिए पूर्ण-पाठ तक पहुँच

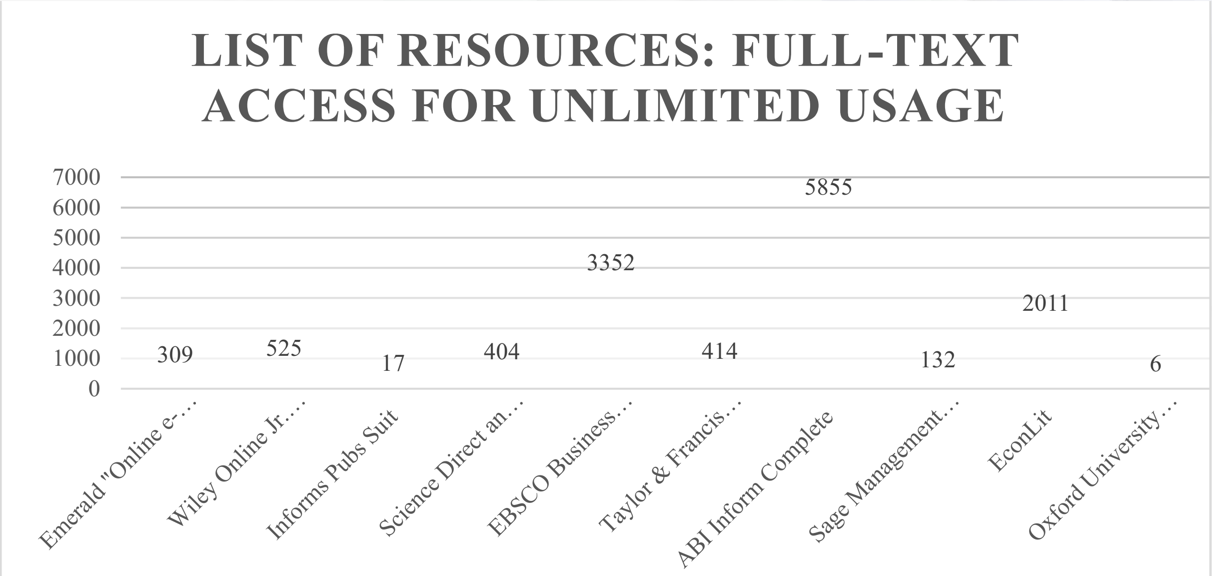

ग्रंथ सूची/तथ्यात्मक डेटाबेस:

पुस्तकालय के पास असीमित उपयोग के लिए कई ग्रंथ सूची/तथ्यात्मक डेटाबेस तक पूर्ण पहुँच है। विवरण नीचे दिया गया है: -

तालिका 3: ग्रंथ-सूची डेटाबेस की सूची

शीर्षक	रुचि का क्षेत्र	संसाधन/शीर्षक सम्मिलित
ईबीएससीओ डेटाबेस	प्रबंधन और संबद्ध क्षेत्र	8527
स्कोपस	सहकर्मी- समीक्षित साहित्य का सबसे बड़ा सार और उद्धरण डेटाबेस	कोर संग्रह में कुल पत्रिकाओं की संख्या: 27,933
वेब ऑफ साइंस	सहकर्मी- समीक्षित साहित्य का सबसे बड़ा सार और उद्धरण डेटाबेस	कुल जर्नल की संख्या: 22,209

इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के उपयोग आँकड़े

फुल-टेक्स्ट/पूर्ण-पाठ संसाधन

एमराल्ड (ऑनलाइन ई-शोध सिंधु) 309 ई-जर्नल्स कलेक्शन, वाईले ऑनलाइन जर्नल डेटाबेस ऑफ कोर एण्ड कस्टम कलेक्शन, इनफॉर्म्स पब सूट, साइंस डायरेक्ट, ईबीएससीओ बिजनेस सोर्स अल्टीमेट, प्रेस रीडर, टेलर एण्ड फ्रांसिस ऑनलाइन जर्नल डेटाबेस, स्कोपस, सेज मैनेजमेंट एंड ऑर्गनाइजेशन स्टडीज सब्जेक्ट कलेक्शन, फ्रॉस्ट एंड सुलिवन, ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज, इंडियास्टैट.कॉम, ईबीएससीओ डिस्कवरी सर्विसेज, एबीआई इनफॉर्म कम्प्लीट, सीएमआईई इंडस्ट्री आउटलुक, प्रोवेस फॉर इंटरएक्टिव क्वेरी, इकोनॉमिक आउटलुक, सीएमआईई-टीपी सीपीडीएक्स, वेब ऑफ साइंस, वेंचर इंटेलिजेंस पीई-वीसी डील्स, कैबेल जर्नल्स व्हाइटलिस्ट फॉर बिजनेस सेट ऑनलाइन, कम्पुस्टैट डेटाबेस, सुप्रीम कोर्ट केस, स्टेटिस्टा डेटाबेस, ग्रामरली, इकोनलिट फुल-टेक्स्ट डेटाबेस, का उपयोग विवरण लघुगणकीय पैमाने पर चित्र में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 4: प्रमुख डेटाबेस के लिए उपयोग सांख्यिकी (पूर्ण पाठ)

जनवरी 2022 से दिसंबर 2022 तक उपयोग रिपोर्ट	
आइटम का विवरण (जर्नल डेटाबेस)	**कुल उपयोग**
एमराल्ड	64543
वाईले	13318
इनफॉर्म्स पब सूट	2131
साइंस डायरेक्ट	47372
ईबीएससीओ बीएसयू	1153
प्रेस रीडर	110982
टेलर एंड फ्रांसिस	11673
स्कोपस	14181
सेज	6995
एफएसओडी	2696
ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज	419
इंडियास्टेट.कॉम	512
ईबीएससीओ डिस्कवरी सर्विसेज (ईडीएस)	1141
एबीआई इंफॉर्म कम्प्लीट	7818
सीएमआईई इंडस्ट्री आउटलुक	2054
वेब ऑफ साइंस	87148
प्रोवेस आईक्यू	2118
कैबेल्स	31438
कंज़्यूमर पिरामिड्स हाउसहोल्ड सर्वे	39375
इकोनॉमिक आउटलुक	215
ईबीएससीओ इकॉनलिट	182
स्टेटिस्टा	2311
सुप्रीम कोर्ट केस	383
कुल	450158

Fig 4: प्रमुख डेटाबेस के लिए उपयोग सांख्यिकी (पूर्ण पाठ)

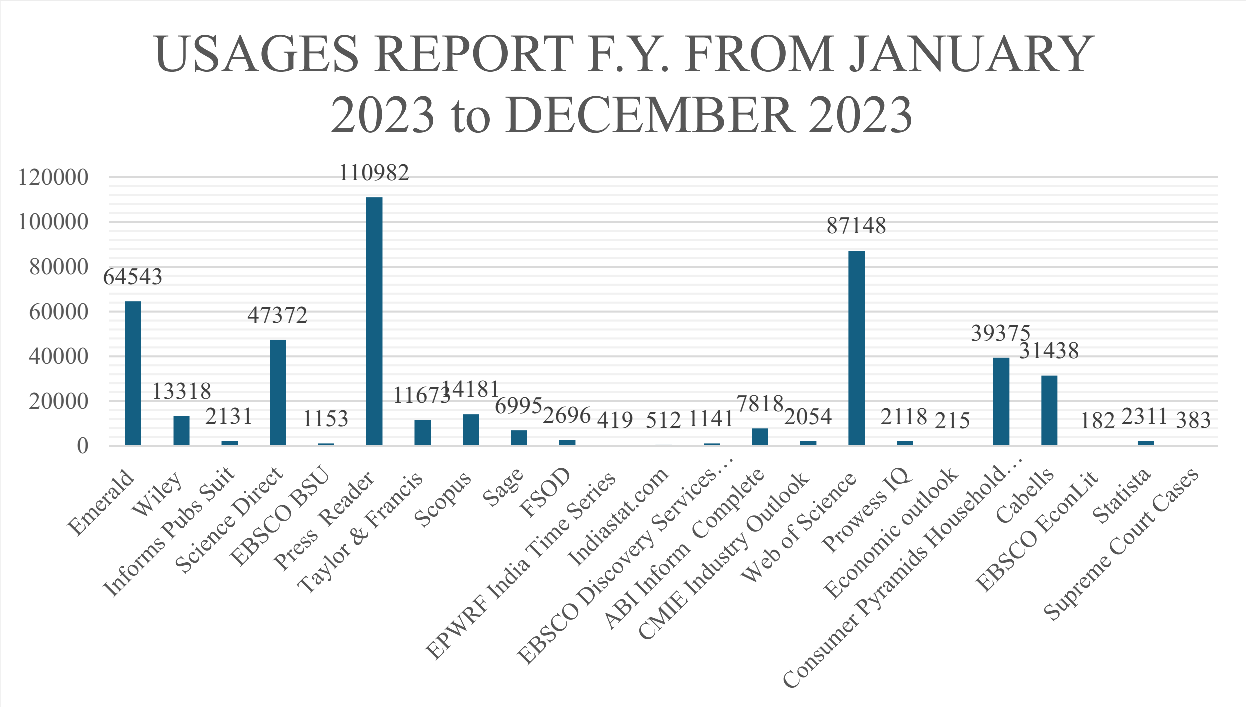

शाश्वत आधार पर ई-पुस्तक संग्रह

पुस्तकालय ने सेंगेज, ईबीएससीओ, ऑक्सफोर्ड हैंडबुक, पालग्रेव इनसाइक्लोपीडिया, सेज और स्प्रिंगर और टेलर एंड फ्रांसिस ई-बुक्स की सदस्यता ली हुई है, जिसमें सभी प्रमुख वैश्विक प्रकाशकों की प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों जैसे अर्थशास्त्र, वित्त, प्रौद्योगिकी,

अनुसंधान, मानविकी, आदि से संबंधित 6158 (छह हजार एक सौ अट्ठावन) से अधिक दुर्लभ पुस्तकें शामिल हैं। इस संग्रह में शाश्वत आधार पर ई-पुस्तकों पर दुनिया के प्रसिद्ध लेखकों के मूल कार्यों का डिजीटल संस्करण शामिल है, जो इसके संग्रह में पूर्ण पहुँच और स्थायी एक्सेस के आधार पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध है।

पुस्तकालय सेवाएँ

वेब ओपेक: पुस्तकों और पत्रिकाओं सहित पुस्तकालय के संपूर्ण संग्रह को वेब सक्षम ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) के माध्यम से खोजा जा सकता है। उपयोगकर्ता अपने कंप्यूटर टर्मिनलों से पुस्तकालय सामग्री की वास्तविक समय उपलब्धता का पता लगाने के लिए ओपेक तक पहुँच सकते हैं।

अंतर पुस्तकालय ऋण/संसाधन साझाकरण: यह पुस्तकालय में डेलनेट के माध्यम से अन्य प्रमुख पुस्तकालयों के साथ एक सहयोगात्मक व्यवस्था है, जो उन दस्तावेज़ को प्राप्त करने के लिए है जो भा.प्र.सं. काशीपुर पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं हैं। अध्येता और शोधकर्ता इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

सक्रिय सूचना सेवाएँ: पुस्तकालय शैक्षणिक समुदाय को विशिष्ट सूचना सेवाएँ जैसे आगामी सम्मेलनों की जानकारी, सीएएस, एसडीआई आदि प्रदान करता है।

आज की सुर्खियाँ: आईआईएम काशीपुर पुस्तकालय सभी प्राध्यापक सदस्यों, अनुसंधान अध्येताओं, विद्यार्थियों और कर्मचारी सदस्यों को यूआरएल (लिंक) द्वारा प्रमुख अँग्रेज़ी समाचार पत्रों की सुर्खियाँ प्रदान करता है।

अन्य सेवाएँ :

- दृश्य-श्रव्य सुविधा
- ग्रंथ सूची
- स्वचालित परिसंचरण
- ई-मेल अलर्ट सेवा
- अभिविन्यास कार्यक्रम
- स्वचालित परिसंचरण
- वर्तमान जागरूकता सेवा
- डेटा सेंटर और एनालिटिक्स लैब
- दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए सेवा
- डेटाबेस खोज सेवा
- संदर्भ सेवा
- एसएमएस अलर्ट सेवा

तालिका 5: प्रमुख डेटाबेस के लिए उपयोग सांख्यिकी (पूर्ण पाठ)

पुस्तकालय उपयोगकर्ता रिकॉर्ड अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक	
माह	**उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या**
अप्रैल, 2023	62
मई, 2023	66
जून, 2023	24
जुलाई, 2023	117
अगस्त, 2023	2025
सितंबर, 2023	1344
अक्टूबर, 2023	764
नवंबर, 2023	871
दिसंबर, 2023	670
जनवरी, 2024	589
फरवरी, 2024	690
मार्च, 2024	556

पुस्तकालय में बैठने की सुविधा: पुस्तकालय में **100** उपयोगकर्ताओं के बैठने की क्षमता है।

पुस्तकालय का समय: सुबह **9.00** बजे से रात **12.00** बजे तक (सोमवार से शनिवार)। पुस्तकालय रविवार और राजपत्रित अवकाश पर बंद रहता है।

महत्वपूर्ण कार्यक्रम (वेबिनार, कार्यशालाएँ, प्रदर्शनियाँ आदि)/पुस्तकालय में नई सेवाओं का सूत्रपात:

1) **स्टेटिस्टा डेटाबेस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन:**

29 अप्रैल 2023 को स्टेटिस्टा कंपनी के सहयोग से एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। कंपनी के प्रतिनिधियों ने संस्थान के हितधारकों के लिए स्टेटिस्टा डेटाबेस की प्रभावकारिता और उपयोगिता पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

2) **सीएमआईई डेटाबेस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन:**

सीएमआईई कंपनी के "प्रोवेस आईक्यू" और "इकॉनोमिक आउटलुक" पर एक अन्य ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र 6 मई 2023 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कंपनी के प्रतिनिधियों ने संस्थान के हितधारकों के लिए प्रोवेस आईक्यू एवं इकॉनोमिक आउटलुक हाउसहोल्ड सर्वे डेटाबेस की उपयोगिता पर विस्तृत प्रस्तुतियाँ दीं।

3) **ईबीएससीओ सेवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन:**

ईबीएससीओ कंपनी की दो सेवाओं, "ओपनएथेंस" और खोज सेवाओं" पर एक अन्य ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र 27 मई 2023 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कंपनी के प्रतिनिधियों ने संस्थान के हितधारकों के लिए ओपन एथेंस और खोज सेवा की उपयोगिता पर विस्तृत प्रस्तुतियाँ दीं।

1) पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन:

पुस्तकों का एक समृद्ध संग्रह विकसित करने के उद्देश्य से, संदर्भ पुस्तकों के तात्कालिक चयन के लिए 24 से 26 नवंबर 2023 तक एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रबंधन और उससे संबंधित विषयों में अपने नवीनतम प्रकाशनों को प्रदर्शित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय ख्याति-प्राप्त 12 प्रतिष्ठित प्रकाशकों ने भाग लिया। उत्तराखंड, हिंदी और अंग्रेजी साहित्य की पुस्तकें भी अच्छी संख्या में प्रदर्शित की गईं। पुस्तक प्रदर्शनी को स्थानीय एवं राष्ट्रीय प्रिंट और डिजिटल मीडिया द्वारा व्यापक रूप से कवर किया गया।

2) डेटा सेंटर और एनालिटिक्स लैब की स्थापना: -

हमारे विद्यार्थी समुदाय को अत्याधुनिक संसाधन प्रदान करने के उद्देश्य से, संस्थान के पुस्तकालय परिसर में एक अत्याधुनिक डेटा सेंटर और एनालिटिक्स लैब की स्थापना की गई है। यह सुविधा विद्यार्थियों को उन्नत डेटा विश्लेषण और प्रौद्योगिकियों के अर्थ-प्रकाशन तक पहुँच प्रदान करती है। व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से, विद्यार्थी महत्वपूर्ण डेटा विज़ुअलाइज़ेशन और सांख्यिकीय विश्लेषण कौशल विकसित करेंगे, नवाचार को बढ़ावा देंगे और डेटा-संचालित दृष्टिकोणों के माध्यम से अपने संबंधित शैक्षणिक विषयों में योगदान देंगे।

3) दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए नई पुस्तकालय सेवा की शुरूआत: -

समावेशिता एवं शैक्षणिक संसाधनों तक समान पहुँच के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप, संस्थान के पुस्तकालय ने दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए एक विशेष सेवा प्रारंभ की है। इस सेवा में दृष्टिबाधित उपयोगकर्ताओं की सहायता के लिए उन्नत इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सम्मिलित हैं, जो विशिष्ट सहायक तकनीकों के माध्यम से शैक्षणिक सामग्री तक समान पहुँच सुनिश्चित करते हैं। इसका उद्देश्य समावेशिता को बढ़ावा देकर एवं सभी विद्यार्थियों को व्यक्तिगत सहयोग प्रदान कर शैक्षणिक सफलता को सुविधाजनक बनाना है।

4) विवेक ग्रुप ऑफ कॉलेज, बिजनौर द्वारा कैम्पस विजिट:-

विवेक ग्रुप ऑफ़ कॉलेज, बिजनौर के 44 विद्यार्थियों और 7 संकाय सदस्यों वाले एक प्रतिनिधिमंडल ने 16 जनवरी, 2024 को भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर का दौरा किया। इस दौरे के दौरान, उन्होंने प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी और अन्य विभागों द्वारा संचालित सूचनात्मक सत्रों में भाग लिया, जिससे उन्हें संस्थान की प्रवेश और प्लेसमेंट प्रक्रियाओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई। संस्थान के पुस्तकालय कर्मचारियों ने इस दौरे के आयोजन को क्रियान्वित करने एवं सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अतिथियों को एक सहज और समृद्ध अनुभव प्राप्त हो।

8) अजीम प्रेमजी स्कूल, दिनेशपुर, उधम सिंह नगर द्वारा कैम्पस विजिट: -

अजीम प्रेमजी स्कूल, दिनेशपुर, ऊधम सिंह नगर के 55 विद्यार्थियों और 5 संकाय सदस्यों के एक समूह को 17 जनवरी 2024 को प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर का दौरा करने का विशिष्ट अवसर मिला। उत्कृष्टता की परंपरा का निर्वहन करते हुए, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी और प्रवेश एवं प्लेसमेंट इकाइयों ने संस्थान की प्रवेश और प्लेसमेंट प्रक्रियाओं के संबंध में अमूल्य जानकारी प्रदान की। इसके अतिरिक्त, संस्थान के पुस्तकालय कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों ने इस विजिट की सफलता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिन्होंने आतिथ्य-सत्कार एवं सहयोग के प्रति अपनी असाधारण प्रतिबद्धता को दर्शाया।

आईसीटी इंफ्रास्ट्रक्चर:

इंटरनेट

आईआईएम काशीपुर का आईटी विभाग डेटा सेंटर, नेटवर्क, ऑडियो-विजुअल, टेलीफोनी और एंडपॉइंट डिवाइस के सभी इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं का प्रबंधन करता है। आईटी सलाहकार समिति आईआईएम काशीपुर के आईटी विभाग का मार्गदर्शन करती है। आईटी सलाहकार समिति समय-समय पर आईटी संबंधी नीतियाँ और प्रक्रियाएँ तैयार करती है। योग्य आईटी पेशेवर और तकनीकी टीम के सदस्य कैंपस के आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रबंधन करते हैं।

नेटवर्क बैकबोन को सिंगल मोड फाइबर ऑप्टिक केबल कनेक्टिविटी के साथ डिज़ाइन किया गया है एवं आंतरिक नेटवर्क फोर्टिगेट फ़ायरवॉल और राउटर से उपकरणीकृत है। शैक्षणिक खंड आंतरिक रूप से वाई-फाई और वायर्ड लैन के माध्यम से जुड़ा हुआ है। नेशनल नॉलेज नेटवर्क (NKN) द्वारा प्रदान की गई एक समर्पित 1 जीबीपीएस लाइन और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया (पॉवरटेल) द्वारा प्रदान की गई 1.5 जीबीपीएस लाइन की बैकअप लाइन चौबीसों घंटे इंटरनेट पर संसाधनों तक पहुँच की सुविधा प्रदान करती है।

सभी इमारतें, यानी शैक्षणिक, प्रशासनिक, संकाय, कर्मचारी आवास और विद्यार्थी छात्रावास (ए, बी, सी, डी, ई, एफ, जी और एच ब्लॉक) कैंपस लैन **(LAN)** से जुड़े हुए हैं एवं आवश्यक आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं तथा **24x7** इंटरनेट और इंट्रानेट सुविधा से उपकरणीकृत हैं। यह कनेक्टिविटी अतिरेकता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा वाई-फाई कनेक्टिविटी के अतिरिक्त है। प्रशासनिक और शैक्षणिक इमारतों में अवाया (**Avaya)** द्वारा संचालित आईपीबीएक्स टेलीफोनी कनेक्शन हैं, जो परिसर के अंदर और बाहर संचार को संभव बनाते हैं।

कैंपस लाइसेंसिंग:
आईआईएम काशीपुर ने लाइसेंस प्राप्त सॉफ्टवेयर के उपयोग को सरल बनाने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ एक कैंपस समझौता किया है। प्रबंधकीय निर्णय लेने और विश्लेषण के साथ-साथ सांख्यिकीय तथा अर्थमितीय विश्लेषण जैसे अन्य पैकेजों के लिए भी ऐसा ही किया गया है। ईमेल सेवाओं के लिए गूगल वर्कस्पेस फॉर एजुकेशन प्लस (Google Workspace for Education Plus) का उपयोग किया जा रहा है।

सर्वर:
दो टावर सर्वर और पाँच रैक सर्वर आवश्यक सहायक उपकरणों के साथ विभिन्न सर्वर आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। सभी सर्वर में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज़ सर्वर 2012 आर 2 और उबन्टू सर्वर्स (Ubuntu Servers) ऑपरेटिंग सिस्टम स्थापित हैं। कोहा, जो कि लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम है, लिनक्स सर्वर पर स्थापित है। स्टेटा सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर भी उपलब्ध है जिसका उपयोग अर्थमिति मॉडल का अनुमान लगाने के लिए किया जाता है।

उपयोगकर्ता वीपीएन (VPN) के माध्यम से कैंपस के बाहर से भी लाइब्रेरी डेटाबेस तक पहुँच सकता है। विक्टोरिया यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया से प्रदत्त एसएपी-ईआरपी (SAP-ERP) लाइसेंस विद्यार्थियों को ईआरपी (ERP) का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग: ज़ूम और आईपी नेटवर्क का उपयोग करके उच्च-रिज़ॉल्यूशन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से, प्लेसमेंट से संबंधित गतिविधि, साक्षात्कार और दूरस्थ स्थानों पर व्यक्तियों/कंपनियों के साथ बातचीत की सुविधा प्रदान की जाती है।

डिजिटल क्लासरूम:
क्लासरूम को खूबसूरती से डिज़ाइन किया गया है एवं बेहतर कक्षा अनुभव के लिए हाई-स्पीड वायरलेस इंटरनेट कनेक्टिविटी और हाई-डेफ़िनेशन प्रोजेक्टर से उपकरणीकृत किया गया है। इसके अलावा, वाई-फाई और एवी (AV) सिस्टम की सुविधाएँ A1, A2, B1, B2, B3, C1, C2, C3, D1, D2, E1, E2, F1 और F2 कक्षाओं तक बढ़ा दी गई हैं।

वित्त और विश्लेषण प्रयोगशाला:
आईआईएम काशीपुर ने एक अत्याधुनिक वित्त एवं विश्लेषण प्रयोगशाला स्थापित की है। यह प्रयोगशाला वित्तीय बाजारों में उन्नत अनुप्रयुक्त अनुसंधान का समर्थन करती है तथा विद्यार्थियों को डेटा एनालिटिक्स अवधारणाओं में गणितीय और वैचारिक सिद्धांतों एवं सर्वोत्तम पद्धतियों से लाभान्वित करती है। आईआईएम काशीपुर के परिसर में ब्लूमबर्ग एल.पी. के सहयोग से ब्लूमबर्ग सुविधा उपलब्ध है, जो विद्यार्थियों को वास्तविक समय के वित्तीय बाजार डेटा संचार की निगरानी और विश्लेषण करने तथा विश्व भर के उद्योगों और अर्थव्यवस्थाओं के बारे में ज्ञान प्रदान करने में सक्षम बनाती है।

सॉफ्टवेयर:
एसएपी, एसपीएसएस, टर्निटिन, एनवीवो, माइक्रोसॉफ्ट लाइसेंस, स्टेटा, मैक्सक्यूडीए, ई-व्यूज़, लिंगो सुपर, एनलॉगिट, मिनिटैब, सीईएसआईएम, क्वाल्ट्रिक्स, स्मार्टपीएलएस अकादमिक और शोध उद्देश्यों के लिए सब्सक्राइब/खरीदे गए हैं।

रोबस्ट आईटी हेल्प डेस्क
आईटी विभाग के पास एक केंद्रीकृत हेल्पडेस्क है, जहाँ अंत उपयोक्ता समस्याओं के समाधान के लिए पोर्टल के माध्यम से आईटी और गैर-आईटी-संबंधित घटनाओं/अनुरोधों को लॉग कर सकते हैं।

सॉफ्टवेयर और सुरक्षा:
आईटी ने संस्थान परिसर में लगभग 1000 संकाय/कर्मचारी/विद्यार्थियों की आवश्यकताओं कोका प्रबंधन किया है।

प्राध्यापक और शिक्षाविद:

	Name
संचार	प्रो. बहारूल इस्लाम
संचार	प्रो.स्मारक समरजीत
संचार	प्रो. अनिरुद्ध जेना
अर्थशास्त्र	प्रो. कुलभूषण बलूनी
अर्थशास्त्र	प्रो. अतुलन गुहा
अर्थशास्त्र	प्रो. अभ्रदीप मैती
अर्थशास्त्र	प्रो. वैभव भमोरिया
अर्थशास्त्र	प्रो. जगदीश प्रसाद साहू
अर्थशास्त्र	प्रो. ग्यासुद्दीन अंसारी
वित्त एवं लेखांकन	प्रो. के. एन. बधानी
वित्त एवं लेखांकन	प्रो. कुणाल
वित्त एवं लेखांकन	प्रो. आशीष कुमार
वित्त एवं लेखांकन	प्रो. दिलीप कुमार
वित्त एवं लेखांकन	प्रो. अनामिका कुमार कुलभास्कर
वित्त एवं लेखांकन	प्रो. रतिकान्त भास्कर
सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्षेत्र	प्रो. मयंक शर्मा
सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्षेत्र	प्रो. के वेंकटराघवन
सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्षेत्र	प्रो. हरीश कुमार
सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्षेत्र	प्रो. राजीव कुमार
सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्षेत्र	प्रो. शौकत अली शाही
सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्षेत्र	प्रो. गौतम पाल
विपणन	प्रो. सोमनाथ चक्रबर्ती
विपणन	प्रो. मधुरिमा देब
विपणन	प्रो. माला श्रीवास्तव
विपणन	प्रो. कुमकुम भारती
विपणन	प्रो. उत्कर्ष
विपणन	प्रो. प्रीति नरवाल
विपणन	प्रो. दीपक वर्मा
विपणन	प्रो. गार्गी रावत
विपणन	प्रो. शिवम राय
संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन प्रबंधन	प्रो. देवजानी चटर्जी
संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन प्रबंधन	प्रो. ए वी रमन
संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन प्रबंधन	प्रो. मृदुल महेश्वरी
संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन प्रबंधन	प्रो. रामेश्वर शिवदास तुरे
संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन प्रबंधन	प्रो. शुभम शर्मा
संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. कुणाल के गांगुली
संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. सब्यसाची पात्रा
संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. अलका आर्या
संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. सुनील कुमार जौहर
संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. देवेन्द्र कुमार पाठक
संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. विवेक रॉय

संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. अभिषेक श्रीवास्तव
संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. धीरज चंद्रा
संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. नीरज जोशी
संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. रचिता गुप्ता
संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. जीमूत बाहन चक्रबर्ती
संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. मोहित रे
रणनीति	प्रो. सफल बत्रा
रणनीति	प्रो. विवेक कुमार
रणनीति	प्रो. शोभा तिवारी
रणनीति	प्रो. अबु रेहान अब्बासी

अतिथि संकाय: एमबीए (2023-24)

संकाय	शिक्षा	व्यावसायिक अनुभव
श्री बिपुल कुमार	पीएचडी - आईआईएम रांची	कैलिबर.एआई / कैलिबर लैब्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रमुख
श्री एस.पार्थसारथी	भारतीय प्रबंधन संस्थान बैंगलोर, पीजीडीएम	लेबिनमोशन डॉट कॉम के को-फाउन्डर
प्रोफेसर वेंकटेश के	पीजीडी आईआईएम बैंगलोर	कोलैबोरेटिव इन्फोटेक सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक, एक सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी कंपनी
प्रो. नितिन के वर्मा	पीएचडी (2013 पूर्णकालिक प्रवेश, आईआईएम रांची-एनालिटिक्स और सूचना प्रणाली)	अब अपना खुद का उद्यम शुरू कर रहे हैं और एक फ्रीलांसर के रूप में काम कर रहे हैं, हाल ही तक प्रोफेसर और हेड - एनालिटिक्स / डेटा साइंस स्पेशलाइजेशन पढ़ाते थे (अप्रैल 2018 से चितकारा विश्वविद्यालय)
श्री आदित्य पुजारी	एमबीए संचालन और आपूर्ति श्रृंखला, के. जे. सोमैया मुंबई	रिटेल डिजिटल कॉमर्स ऑर्डर मैनेजमेंट सॉल्यूशन डिलीवरी लीड @Infosys ऑस्ट्रेलिया + न्यूजीलैंड क्षेत्र के लिए
सुश्री राम्या पट्टाभिरामन	भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान सीए, लेखा	जनरल मैनेजर - बिजनेस इंटेलिजेंस और एम&ए प्रोकनेक्ट सप्लाई चेन सॉल्यूशंस लिमिटेड में
श्री समीप जैन	प्रबंधन में पीजीपी, आईआईएम अहमदाबाद	ब्लैक ब्रिक्स एडवाइजर्स के संस्थापक और सीईओ
श्री अरुण कृष्णन	एमबीए, भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद	फ्रीलांस कंसल्टेंट और संस्थापक RFPfy.com - अगस्त 2021 से वर्तमान तक
श्री सैमुअल राजकुमार डी	एमबीए (प्रणाली एवं विपणन) थियागराजार स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, मदुरै कामराजर विश्वविद्यालय, मदुरै	कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड, चेन्नई एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट
सुश्री संगीता गणेशन	एमबीए – त्यागराज स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (टीएसएम), मदुरै – मार्केटिंग, मानव संसाधन (प्रशिक्षण और विकास) में विशेषज्ञता	वर्तमान में एचसीएल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड में तकनीकी समाधान विशेषज्ञ के रूप में कार्यरत हैं
प्रोफेसर विवेकानन्द	एमबीए, मोनाश यूनिवर्सिटी मेलबर्न	विवेक आनंद 17 वर्षों के अनुभव के साथ एक डेटा विज़ुअलाइज़ेशन सलाहकार हैं
श्री चंद्रमौली पलानी	पीजीडी आईआईएम अहमदाबाद	स्व-नियोजित, प्रबंधन कोच और सलाहकार
प्रो माला श्रीवास्तव	पीएचडी, डीएवीवी, इंदौर	प्रोफेसर और एचओडी, श्री वैष्णव स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर
श्री राहुल अल्टेकर	एफआईई (पीएचडी), एनआईटीआईई	निदेशक - आपूर्ति श्रृंखला समाधान, एसएपी
प्रोफेसर विनय गोयल	पी.एच.डी. (प्रबंधन), देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर	एसोसिएट प्रोफेसर - भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर (आईआईएम रायपुर)
श्री ध्रुव बजाज	एमबीए (वित्त), सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, पुणे	सह-संस्थापक और सीईओ, टी-एसेट्स

प्रो इमलाख शेख	पीएचडी, वित्त, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे	एसोसिएट प्रोफेसर, एमडीआई गुड़गांव
प्रोफेसर अरिंदम मुखर्जी	पीएचडी, भारतीय प्रबंधन संस्थान, कलकत्ता	सहायक प्रोफेसर, आईआईएम रांची
प्रोफेसर मोहम्मद नासिर	एलएलएम (वाणिज्यिक कानून) अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय	सहायक प्रोफेसर, विधि विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
सुश्री शीतल जैन	पीएचडी, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय	संस्थापक और सीईओ, लक्स एनालिटिक्स
सुश्री सूबा पार्थसारथी	परामर्शी मनोविज्ञान में परास्नातक और मद्रास लॉ कॉलेज से कानून की डिग्री	संस्थापक, मैजिकहाइव

अतिथि संकाय: (एमबीएए) 2023-24

संकाय	शिक्षा	व्यावसायिक अनुभव
श्री बिपुल कुमार	पीएचडी - आईआईएम रांची	कैलिबर.एआई / कैलिबर लैब्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रमुख
श्री आदित्य पुजारी	एमबीए संचालन और आपूर्ति श्रृंखला, के. जे. सोमैया मुंबई	रिटेल डिजिटल कॉमर्स ऑर्डर मैनेजमेंट सॉल्यूशन डिलीवरी लीड @Infosys ऑस्ट्रेलिया + न्यूजीलैंड क्षेत्र के लिए
प्रो. वेंकटेश कृष्णमूर्ति	डीईएसयू, ऐक्स मार्सिले विश्वविद्यालय (2022)। पीजीडी, आईआईएम बैंगलोर (2001) इलेक्ट्रॉनिक्स में इंजीनियरिंग स्नातक (1995), बैंगलोर विश्वविद्यालय	28 वर्षों का वैश्विक आईटी अनुभव, एक फिनटेक के सह-संस्थापक।
प्रो. आर. विवेकानंद	मोनाश विश्वविद्यालय (मेलबर्न ऑस्ट्रेलिया) से एमबीए, अर्थमिति और विपणन में विशेषज्ञता; ऐक्स मार्सिले विश्वविद्यालय (फ्रांस) से अनुसंधान में मास्टर; ऐक्स मार्सिले विश्वविद्यालय, फ्रांस से पीएचडी कर रहे हैं।	विल्सन कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापक, आतिथ्य, लक्जरी रिटेल, एफएमसीजी, उपयोगिताएँ, विपणन, संचालन जैसे उद्योगों और डोमेन में 20+ वर्षों का अनुभव। कई क्लाइंट के और 14 बिजनेस स्कूलों (भारत, फ्रांस, यूएसए) में डेटा विज्ञान में कॉर्पोरेट/शैक्षणिक प्रशिक्षक।
श्री मौसम देब	एमबीए, आईआईएम बैंगलोर	हेल्थकेयर और लाइफ साइंस डेटा एनालिटिक्स में 18 साल का अनुभव। वर्तमान में, सीनियर डायरेक्टर, ग्लोबल प्रैक्टिस हेड - टेक्नोलॉजी एण्ड डेटा साइंस, क्लैरिवेट
श्री अरिजीत घोष	एमबीए, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास, ऑस्टिन	25 वर्षों से अधिक का समग्र अनुभव, जिसमें फार्मा एनालिटिक्स में 15 वर्ष से अधिक का अनुभव सम्मिलित है। वर्तमान में, नोवार्टिस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड में इनसाइट्स और एनालिटिक्स के ग्रुप हेड हैं।
प्रोफेसर श्रवण क्र. त्रिवेदी	एफपीएम (आईआईएम इंदौर), एमटेक (आईआईआईटी इलाहाबाद)	सहायक प्रोफेसर (राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान जैस), इससे पहले, 4 साल से अधिक समय तक सहायक प्रोफेसर (आईआईएम सिरमौर और आईआईटी धनबाद) के रूप में काम किया।

		वर्तमान में शिक्षण और शोध के अलावा कैपजेमिनी, पीपीएसी को परामर्श दे रहे हैं।
श्री पी चंद्रमौली	एमबीए, आईआईएम अहमदाबाद	लगभग 24 वर्ष का अनुभव। पूर्व बैंकर, शिक्षक, लेखक, प्रबंधन कोच और सलाहकार के रूप में स्व-नियोजित, सिटी ग्रुप में निदेशक, एचडीएफसी के क्षेत्रीय प्रमुख।
प्रोफेसर एम नासिर	एलएलएम, बीए-एलएलबी, एएमयू अलीगढ़	सहायक प्रोफेसर, विधि विभाग, एएमयू अलीगढ़, 8 वर्ष से अधिक का शिक्षण अनुभव।
डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव	पीएचडी आईआईटी बी.एच.यू	आरआईटी में संकाय के रूप में 8 वर्ष से अधिक का अनुभव। विभिन्न संगठनों में सलाहकार।
श्री अभिनय गुप्ता	बी.ई., एनआईटी सूरत (2000-2004)	लगभग 20 वर्ष का अनुभव। उद्योग विशेषज्ञ, कार्यकारी निदेशक, एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस, निदेशक, आईएचएस मार्केट, उपाध्यक्ष, प्रमुख सॉफ्टवेयर विकास के रूप में अनुभव।

शोध प्रकाशन

Ansari, M. G., & Sensarma, R. (2023). Liquidity creation channel of monetary policy transmission in India: Do bank characteristics matter? *International Social Science Journal*, *73*(248), 515-537.

Ansari, M. G., & Sensarma, R. (2023). The role of liquidity in monetary policy transmission: Evidence from Indian banks 1. *Scottish Journal of Political Economy*, *70*(5), 439-458.

Arya, A., & Hatami-Marbini, A. (2023). A new efficiency evaluation approach with rough data: An application to Indian fertilizer. *Journal of Industrial and Management Optimization*, *19*(7), 5183-5208.

Arya, A., Hatami-Marbini, A., & Khoshnevis, P. (2023, August). Rough Data Envelopment Analysis: An Application to Indian Agriculture. In *International Conference on Intelligent and Fuzzy Systems* (pp. 689-696). Cham: Springer Nature Switzerland.

Bansal, M., Kumar, A., Bhattacharyya, A., & Bashir, H. A. (2023). Predictors of revenue shifting and expense shifting: Evidence from an emerging economy. *Journal of Contemporary Accounting & Economics*, *19*(1), 100339.

Batra, S., Gupta, V. K., Kumar, V., & Pierce, C. A. (2024). Effects of founder gender and workplace romance status on recruits' evaluations of early-stage ventures. *Journal of Small Business Management*, *62*(4), 2086-2115.

Behera, R, R., Jena, A., & Rath, C, S. (2024). From Blonde Bimbo to Bad 'Bitch' Barbie's Image Transformation through Songs. *Economic & Political Weekly*, *59*(6).

Bhuyan, A., Roy, V., & Srivastava, A. (2024). Unpacking service management issues in intermediate public transportation toward sustainable mobility. *Transportation Research Record*, *2678*(6), 619-640.

Chandra, D., Jain, V., & Chan, F. T. (2024). An incentive mechanism contract model to coordinate a vaccine supply chain under demand uncertainty. *Industrial Management & Data Systems*, *124*(1), 182-211.

Chang, H., Indra, D., & Maiti, A. (2023). Metropolitan area heterogeneity and the impact of road infrastructure improvements on VMT. *Transportation Research Part A: Policy and Practice*, *175*, 103733.

Chaudhary, S., Karwasara, A., Gupta, V. K., Marino, L., & Batra, S. (2023). CEO humility, corporate entrepreneurship, and the moderating influence of discretionary forces in the task environment. *Group & Organization Management*, 10596011231183193.

Datta, S., Jauhar, S. K., & Paul, S. K. (2023). Leveraging blockchain to improve nutraceutical supply chain resilience under post-pandemic disruptions. *Computers & Industrial Engineering*, *183*, 109475.

Deb, M., Sharma, V. K., & Panchapakesan, P. (2023). Sustainable practices, mindfulness, tranquility, and well-being: A mixed-method approach. *Journal of Destination Marketing & Management*, *30*, 100816.

Ganguly, K. K. (2024). Can Twitter data with positive or negative content affect individual emotions related to travel & tourism decisions? A study pertaining to the COVID-19 pandemic. *Current Issues in Tourism*, 1-15.

Gautam, V., Mishra, A. A., & Maheshwari, M. (2024). Examining the relevance of Human Resource Management in gig work: A systematic literature review & research agenda. *German Journal of Human Resource Management*, 23970022241231536.

Goswami, A. K., & Agrawal, R. K. (2023). Can Ethical Leaders Enhance Knowledge Sharing? The Role of Psychological Capital and Anticipated Reciprocal Relationships. *American Business Review*, *26*(2), 13.

Gumparthi, V. P., & Srivastava, M. (2024). The Social Influences in Consumer-Brand Relationships: The

Moderating Roles of Gender and Consumer Age. *Journal of Promotion Management*, 1-44.

Gumparthi, V. P., Jog, D., & Sharma, P. (2023). I am Addicted to You My Love: Exploring the Crucial Significance of Brand Addiction. *Vision*, 09722629231168758.

Gupta, R., & Guha, A. (2024). Construction of Sub-country Level Environment Policy Stringency Index: A Study on Indian States. *Social Indicators Research*, *172*(2), 449-479.

Gupta, R., & Gupta, R. (2023). Lost in the perilous boulevards of gig economy: making of human drones. *South Asian Journal of Human Resources Management*, *10*(1), 85-106.

Gupta, R., Hirani, H., & Shankar, R. (2023). Sustainable solid waste management system using technology-enabled end-of-pipe strategies. *Journal of Environmental Management*, *347*, 119122.

Hussain, A., Sameena, S. T., & Khan, A. A. (2024). Promotion of Traditional Weaving Craft of Mau Region. *Economic & Political Weekly*, *59*(5), 59.

Jain, S., & Sahu, J. P. (2023). The Impact of ICT on Financial Inclusion: Evidence from Global Sample.

Jain, S., Jauhar, S. K., & Piyush. (2024). A machine-learning-based framework for contractor selection and order allocation in public construction projects considering sustainability, risk, and safety. *Annals of Operations Research*, 1-43.

Jauhar, S. K., Chakma, B. R., Kamble, S. S., & Belhadi, A. (2024). Digital transformation technologies to analyze product returns in the e-commerce industry. *Journal of Enterprise Information Management*, *37*(2), 456-487.

Jauhar, S. K., Pratap, S., Kamble, S., Gupta, S., & Belhadi, A. (2023). A prescriptive analytics approach to solve the continuous berth allocation and yard assignment problem using integrated carbon emissions policies. *Annals of Operations Research*, 1-32.

Jauhar, S. K., Priyadarshini, S., Pratap, S., & Paul, S. K. (2023). A literature review on applications of Industry 4.0 in Project Management. *Operations Management Research*, *16*(4), 1858-1885.

Jauhar, S., Pratap, S., Lakshay, Paul, S., & Gunasekaran, A. (2023). Internet of things based innovative solutions and emerging research clusters in circular economy. *Operations Management Research*, *16*(4), 1968-1988.

Jena, A., Roy, R, K., & Garai, S. (2023). Mapping The Meanings of Squid Game In South Asia. *Economic & Political Weekly*, *58*(25-26).

Joshi, N., Bapat, S. R., & Sengupta, R. N. (2024). Estimation of fixed-accuracy confidence interval of the stress–strength reliability for inverse Pareto distribution using two-stage sampling technique. *Sequential Analysis*, *43*(1), 79-102.

Joshi, N., Bapat, S. R., & Sengupta, R. N. (2024). Optimal estimation of reliability parameter for inverse Pareto distribution with application to insurance data. *International Journal of Quality & Reliability Management*.

Kakkar, I. P., Sharma, M., & Krishnaswamy, V. (2023). Algorithmic Personnel Management: A Personnel Slack View.

Kaler, A., & Guha, A. (2023). Non-Alignment between Prices of Sugar and Sugarcane Creating Cyclicality in the Sugar Sector of India: An Application of Cointegration Technique. *Indian Journal of Agricultural Economics*, *78*(4).

Kamble, R. A., Kumar, R., & Roy Chowdhury, A. (2024). 'Ostracized by law': The sociopolitical and juridical construction of the 'criminal tribe'in Colonial India. *History and Anthropology*, *35*(4), 953-973.

Kaushik, V., & Tewari, S. (2023). Modeling opportunity indicators fostering social entrepreneurship: a hybrid Delphi and best-worst approach. *Social Indicators Research*, *168*(1), 667-698.

Koshta, N., Patra, S., & Singh, S. P. (2024). A location-allocation model for E-waste acquisition from households. *Journal of Cleaner Production*, *440*, 140802.

Kukreti, K., Ganguly, K., & Samad, T. A. (2023). Empirical benchmarking of virtual service centers' service quality: a case of a large telecom service provider in India. *International Journal of Quality & Reliability Management*, *40*(5), 1362-1386.

Kukreti, K., Ganguly, K., & Samad, T. A. (2023). Empirical benchmarking of virtual service centers' service quality: a case of a large telecom service provider in India. *International Journal of Quality & Reliability Management*, *40*(5), 1362-1386.

Kulbhaskar, A. K., & Subramaniam, S. (2023). Breaking news headlines: Impact on trading activity in the cryptocurrency market. *Economic Modelling*, *126*, 106397.

Kumar, D. (2023). European travel and leisure sector and uncertainties: A risk spillover analysis. *Tourism Economics*, *29*(1), 48-67.

Kumar, D. (2024). Moderation impact of sustainability disclosures in linking external uncertainties and default risk of tourism businesses. *Current Issues in Tourism*, *27*(16), 2649-2667.

Kumar, D. (2024). Role of corporate sustainability disclosures in moderating the impact of country-level uncertainties on tourism sector firms' risk. *Journal of Sustainable Tourism*, *32*(7), 1287-1306.

Kumar, R., Mukherjee, A., & Sachan, A. (2023). Factors influencing indirect adoption of e-Government services: a qualitative study. *Information Systems and e-Business Management*, *21*(3), 471-504.

Mani, D., Abbasi, A. R., & George, R. (2023). An exploratory analysis of new firm foundings by trading community members and their survival. *IIMB Management Review*, *35*(4), 359-369.

Narayan, S., Kumar, D., & Bouri, E. (2023). Systemically important financial institutions and drivers of systemic risk: Evidence from India. *Pacific-Basin Finance Journal*, *82*, 102155.

Nexus Between Travel & Leisure Stocks And Uncertainties: An Extreme Risk Spillover Kumar, D. (2023). Nexus between travel & leisure stocks and uncertainties: An extreme risk spillover analysis. *American Business Review*, *26*(1), 12.

Panda, S., & Sahu, J. P. (2023). Good Luck or Good Policy? Economic Growth and Human Development in Odisha Under the Naveen Patnaik Rule. *International Journal of Public Administration*, 1-13.

Posti, L., Bhamoriya, V., Kumar, R., & Khare, R. (2024). How productive is liquid waste management practices in Indian informal micro, small and medium enterprises?. *Management of Environmental Quality: An International Journal*, *35*(2), 314-340.

Posti, L., Maiti, A., & Patra, S. (2024). An empirical study of firm characteristics, degree of informality, and productivity heterogeneity in the Indian informal sector. *Applied Economics*, 1-15.

Pratap, S., Jauhar, S. K., Gunasekaran, A., & Kamble, S. S. (2023). Optimizing the IoT and big data embedded smart supply chains for sustainable performance. *Computers & Industrial Engineering*, 109828.

Premkumar, P., Chakrabarty, J. B., & Rajeev, A. (2023). Impact of sustained lockdown during Covid-19 pandemic on behavioural dynamics through evolutionary game theoretic model. *Annals of Operations Research*, 1-17.

Roy, V., Schoenherr, T., & Jayaram, J. (2024). Digital enabled agility: Industry 4.0 unlocking real-time

information processing, traceability, and visibility to unleash the next extent of agility. *International Journal of Production Research*, *62*(14), 5127-5148.

Samal, A., Koshta, N., Tripathy, A., Roopak, R., & Mangla, S. K. (2023). Identifying the drivers of commitment to organizational sustainability in SMEs: the role of entrepreneurial orientation, organization climate and innovative workplace behavior. *Production Planning & Control*, 1-14.

Samarjeet, S., & Bharti, K. (2023). Constructing the Self at the Intersection of Gender and Caste: Understanding the Motivations of Marginalized Activist Women in India. *Sex Roles*, *89*(11), 834-854.

Sanguri, K., Patra, S., Nikolopoulos, K., & Punia, S. (2024). Intermittent demand, inventory obsolescence, and temporal aggregation forecasts. *International Journal of Production Research*, *62*(5), 1663-1685.

Sharma, H., & Kumar, H. (2024). A computer vision-based system for real-time component identification from waste printed circuit boards. *Journal of Environmental Management*, *351*, 119779.

Sharma, H., Kumar, H., & Mangla, S. K. (2023). Enablers to computer vision technology for sustainable E-waste management. *Journal of Cleaner Production*, *412*, 137396.

Sharma, H., Kumar, H., Gupta, A., & Shah, M. A. (2023). Computer vision in manufacturing: a bibliometric analysis and future research propositions. *The International Journal of Advanced Manufacturing Technology*, *127*(11-12), 5691-5710.

Sharma, S., & Lenka, U. (2024). How does transformational leadership impact organizational unlearning: insights from persistence theories. *Journal of Organizational Change Management*, *37*(1), 150-172.

Sharma, V. K., Kumar, H., & Mahobia, H. (2023). Enablers to intensify OTT streaming services among consumers: a study using TISM-MICMAC approach. *International Journal of Electronic Customer Relationship Management*, *14*(1), 61-82.

Singh, H. (2023). How perceived corporate social responsibility affects consumer citizenship behavior? Investigating the mediating roles of perceived employee behavior and consumer company identification. *Marketing Intelligence & Planning*, *41*(7), 1037-1053.

Singh, M., Jauhar, S. K., Pant, M., & Paul, S. K. (2023). Modeling third-party reverse logistics for healthcare waste recycling in the post-pandemic era. *International journal of production research*, 1-36.

Srivastava, A., Choi, T. M., Mahajan, A., & Roy, V. (2024). Impacts of gray market selling on the supply chain under product upgrade and pricing flexibility decisions. *Naval Research Logistics (NRL)*, *71*(3), 365-388.

Taneja, B., & Bharti, K. (2023). Role of behavioural abstraction (vs concrete) levels in accepting health technologies. *Global Knowledge, Memory and Communication*.

Tewari, S., & Arya, A. (2023). Analyzing the efficiency of the Indian hotel industry using the Malmquist DEA approach. *Benchmarking: An International Journal*.

Thomas, A., Gangopadhyay, K., Balooni, K., Balasubramanian, S., & Padmanabhan, M. (2024). Is Government Health Subsidy Targeted Enough in India? Evidence from a Tertiary Hospital. *International Journal of Public Administration*, *47*(9), 579-599.

Vadivel, S. M., Sequeira, A. H., & Jauhar, S. K. (2022, December). Indian Postal Service Quality Assessment Using Graph Theoretic Approach–A Quantitative Decision-Making Tool. In *International Conference on Intelligent Systems Design and Applications* (pp. 107-117). Cham: Springer Nature Switzerland.

Varghese, A. M., Jayanth, R. S. S., Jacob, R. T., Srivastava, A., & Pradhan, R. P. (2023). Cracking the conundrum of e-cargo logistics: curious case of LoadExx. *Emerald Emerging Markets Case Studies*, *13*(3), 1-31.

Vijayaraghavan, R., Sharma, P., & Jyothi, P. (2023). Does Shared Leadership Inspire Team Citizenship

Behaviour Through Team Psychological Capital?. *South Asian Journal of Human Resources Management*, 23220937231187479.

Yadav, R., & Batra, S. (2023). Does Narcissism Influence Entrepreneurial Intentions? A Theory of Planned Behaviour Perspective. *The Journal of Entrepreneurship*, *32*(2), 449-478.

Yaspal, B., Jauhar, S. K., Kamble, S., Belhadi, A., & Tiwari, S. (2023). A data-driven digital transformation approach for reverse logistics optimization in a medical waste management system. *Journal of Cleaner Production*, *430*, 139703.

Source: SCOPUS & Web of Science Database

STUDENT BODIES ACADEMIC REPORT 2023-24

Prepared By
Tarun Goyal - General Secretary, Student Council 2024-25

विद्यार्थी परिषद

विद्यार्थी परिषद कॉलेज का सर्वोच्च शासी विद्यार्थी निकाय है, जो सभी गतिविधियों एवं विद्यार्थी निकायों के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करते हुए कॉलेज में विद्यार्थियों के कल्याण के लिए उत्तरदायी है। यह विद्यार्थियों का, विद्यार्थियों द्वारा और विद्यार्थियों के लिए गठित एक संगठन है। यह विद्यार्थियों के जीवन के शैक्षणिक और सह-पाठ्यचर्या क्षेत्रों को एकीकृत करके , कक्षा के बाहर के अनुभव को संस्थान के शैक्षणिक लक्ष्यों से जोड़ता है और विद्यार्थियों की बौद्धिक, सार्वजनिक सेवा और नेतृत्व हितों को उनकी भविष्य की आकांक्षाओं के साथ समाविष्ट करता है। यह विद्यार्थियों के लिए जीवन की गुणवत्ता एवं सीखने को आसान बनाने और पूरक करने के लिए आईआईएम काशीपुर समुदाय के अंदर और बाहर विद्यार्थियों, संकाय, प्रशासकों और अन्य भागीदारों के साथ सहयोग करता है। इसके अलावा, यह विद्यार्थियों के लिए यथासंभव सक्रिय भागीदारी और चिंतन के माध्यम से सीखने के अवसर पैदा करता है।

• विद्यार्थी परिषद संस्थान के अंदर और बाहर दोनों जगह विद्यार्थियों के प्रथम प्रतिनिधि के रूप में कार्य करती है और यह सुनिश्चित करती है कि सभी गतिविधियाँ संस्थान के दृष्टिकोण के अनुरूप हों।

• संस्थान में शिक्षाविदों, सुविधाओं, बुनियादी ढाँचे, छात्रावास, भोजनगृह, सुरक्षा, बाहरी अनुबंधों आदि सहित विद्यार्थी जीवन में सुधार से संबंधित सभी मामलों के लिए प्रशासन में सभी अध्यक्षों, प्रमुखों और अन्य लोगों के साथ समन्वय।

• वे कॉलेज के अंदर और बाहर सभी विद्यार्थी गतिविधियों के लिए उत्तरदायी हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि संस्थान की छवि और विद्यार्थियों के हित यथास्थिति बने रहें।

• वे विद्यार्थी निकायों और/या व्यक्तिगत विद्यार्थियों के बीच होने वाले किसी भी प्रकार के संघर्ष का समाधान एवं साथ ही उन सभी उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हैं, जो किसी अन्य विद्यार्थी निकाय के अंतर्गत नहीं आती हैं।

• वे संस्थान के भीतर विद्यार्थी समुदाय के बीच होने वाली सभी विद्यार्थी निकाय गतिविधियों के लिए भी उत्तरदायी हैं और उनके सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए सभी विद्यार्थी निकायों के बीच संपर्क के रूप में कार्य करते हैं।

• विद्यार्थी परिषद संस्थान द्वारा अनुदान दी गई धनराशि, बाहरी निकायों से प्रायोजन के रूप में प्राप्त या संस्थान में विद्यार्थियों से एकत्र किए गए धन के उचित उपयोग के लिए भी उत्तरदायी है और नियमित वित्तीय लेखापरीक्षा द्वारा यह सुनिश्चित करते हैं कि बजट के व्यय में एक निष्पक्ष प्रक्रिया का पालन किया जाए।

• महाविद्यालय में अनुशासन का उचित रख-रखाव।

• नियमित अंतराल पर विद्यार्थियों और विद्यार्थी संगठनों के मुद्दों को समझना एवं आवश्यक माध्यमों से उनका समाधान करना।

• वित्तीय लेखापरीक्षा और विद्यार्थी निकायों द्वारा व्यय का निरीक्षण एवं साथ-साथ विद्यार्थियों तथा विद्यार्थी निकायों की कार्य-समीक्षा करना।

• सभी विद्यार्थी निकायों की संरचना की समीक्षा करना और बदलते परिवेश के कारण आवश्यकतानुसार परिवर्तन करना।

• किसी भी विद्यार्थी निकाय में व्यक्तियों के चयन में निष्पक्ष प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करने के साथ-साथ पूरे वर्ष कॉलेज में गतिविधियों और कार्यक्रमों का समान वितरण सुनिश्चित करना।

• विद्यार्थी परिषद को, वर्ष में एक बार सभी विद्यार्थी निकायों की संरचना की समीक्षा करनी चाहिए और उस विद्यार्थी निकाय के अध्यक्ष (यदि कोई हो) के समन्वय से, बदलते परिवेश के कारण आवश्यकतानुसार उनकी संरचना, कामकाज और प्रतिनिधित्व में बदलाव करना चाहिए। इसमें समितियों/संघों का विलय या नए विद्यार्थी निकाय का निर्माण शामिल हो सकता है, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं है।

• विद्यार्थी परिषद, विशेष रूप से अध्यक्ष और महासचिव समितियों/ संघों / प्रकोष्ठों / अन्तर्भागों और/ या व्यक्तिगत रूप से विद्यार्थियों के बीच उत्पन्न होने वाले, किसी भी प्रकार के संघर्ष का समाधान करने के लिए उत्तरदायी हैं।

• विद्यार्थी परिषद को, सभी विद्यार्थी गतिविधियों के लिए उत्तरदायी होने के नाते, कॉलेज के अंदर और बाहर दोनों जगह सभी विद्यार्थी गतिविधियों से अवगत होना चाहिए। इससे सभी आयोजनों की सूचना आयोजन समिति/संघ/प्रकोष्ठ/अंतर्भाग द्वारा पहले से ही अध्यक्ष, महासचिव, सभापति और सह-अध्यक्ष को देना अनिवार्य हो जाता है। प्रतिवेदन में गतिविधियों की अवधारणा, गतिविधि के लिए आयोजन टीम की चयन प्रक्रिया और गतिविधि प्रस्ताव के बारे में जानकारी प्रदान करना शामिल है।

2023-24 में छात्र निकाय संरचना:

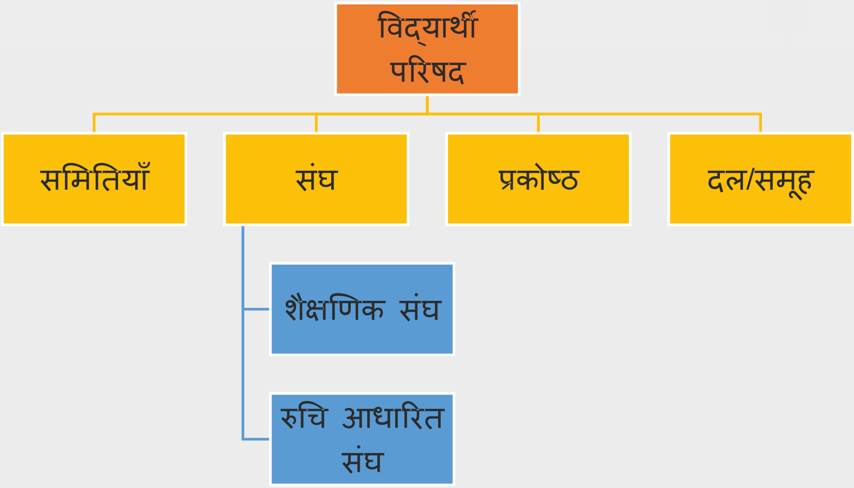

<u>अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस</u>

परिचय:

विश्व योग दिवस, जिसे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में भी जाना जाता है, योग के अभ्यास एवं इसके अनेकानेक शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों को प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिवर्ष 21 जून को विश्व भर में मनाया जाता है। इस वैश्विक पहल के अनुरूप, भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर ने विश्व योग दिवस 2024 के उपलक्ष्य में कार्यक्रम और गतिविधियाँ आयोजित कीं।

उद्देश्य:

- विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के बीच योग के अभ्यास और इसके समग्र लाभों को बढ़ावा देना।
- शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना।
- स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।
- आईआईएम काशीपुर समुदाय को एक साथ आने और योग की परिवर्तनकारी शक्ति का अनुभव करने के लिए एक मंच प्रदान करना।

सामूहिक योग सत्र:

कैंपस परिसर में एक बड़े पैमाने पर योग सत्र का आयोजन किया गया, जहाँ प्रतिभागी विभिन्न योग आसन और श्वास संबंधी व्यायामों का अभ्यास करने के लिए एकत्रित हुए। सत्र का नेतृत्व अनुभवी योग प्रशिक्षकों द्वारा किया गया, जिन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न आसनों के माध्यम से मार्गदर्शन दीया, जिसमें उचित संरेखण और श्वास नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित करना सम्मिलित था।

निष्कर्ष:
21 जून 2024 को आईआईएम काशीपुर में आयोजित विश्व योग दिवस समारोह में योग के महत्व एवं शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर इसके परिवर्तनकारी प्रभाव पर सफलतापूर्वक प्रकाश डाला गया। कार्यक्रमों और गतिविधियों ने प्रतिभागियों के बीच परस्पर सामुदायिक भावना को बढ़ावा दिया एवं स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। योग के अभ्यास को अपनाकर, आईआईएम काशीपुर शिक्षा और व्यक्तिगत विकास के लिए एक समग्र दृष्टिकोण का पोषण कर रहा है, विद्यार्थियों एवं अन्य हितधारकों को आने वाले कल के संतुलित और लचीले नेता बनने के लिए तैयार कर रहा है।

समितियाँ

शैक्षणिक समिति

शैक्षणिक समिति के सदस्य आईआईएम काशीपुर की शैक्षणिक दृढ़ता को बनाए रखने के लिए उत्तरदायी हैं। इसके लिए समिति, कार्यशालाएँ, सहकर्मी शिक्षण सत्र, अतिथि व्याख्यान, प्राध्यापक वार्ता श्रृंखला और सोशल मीडिया अभियान जैसी विभिन्न पहल करती है। यह समिति, कक्षाओं में अनुशासन बनाए रखने और एक सशक्त शैक्षणिक संस्कृति के निर्माण में सहायता करती है।

उत्तरदायित्व:

• कक्षाओं का सुचारू रूप से संचालन एवं विद्यार्थियों द्वारा शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करना

• एमबीए और एमबीए-एनालिटिक्स विभाग एवं प्राध्यापकों को बैच की अभिरुचियों को दर्शाना।

• विदेशी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय करना।

• सोशल मीडिया पहल के माध्यम से प्रज्ञता को बढ़ावा देना।

• विद्यार्थियों को वैकल्पिक विषयों के संबंध में सुविज्ञ निर्णय लेने में सहायता करना।

गतिविधियाँ/आयोजन:

आयोजन क्रमांक 1.

कार्यक्रम का नाम	**कार्यशाला - माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल और डैशबोर्ड**
प्रकार (ऑफ़लाइन/ऑनलाइन/हाइब्रिड)	ऑनलाइन
दिनांक (दिन/माह/वर्ष)	27-अगस्त-2023
समय	2:45 अपराह्न
कार्यक्रम का स्थान	ऑनलाइन
कार्यक्रम का विवरण	जेपी मॉर्गन चेज़ एंड कंपनी के निवेश विशेषज्ञ ने एक एक्सेल

	प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की। इसने विद्यार्थियों को एक्सेल के महत्व के बारे में एक अलग दृष्टिकोण दिया एवं एमबीए शुरू करने के लिए आवश्यक प्रारंभिक प्रोत्साहन भी दिया।

योजन क्रमांक 2.

कार्यक्रम का नाम	**मार्गदर्शन**
प्रकार (ऑफ़लाइन/ऑनलाइन/हाइब्रिड)	ऑनलाइन
दिनांक (दिन/माह/वर्ष)	8-सितंबर-2023
समय	3:45 अपराह्न

कार्यक्रम का स्थान	ऑनलाइन
कार्यक्रम का विवरण	एआरसी के सहयोग से प्रथम वर्ष के एमबीए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने के लिए एक भूतपूर्व छात्रा को आमंत्रित किया गया, जिसका शिक्षा एवं पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को एमबीए में सर्वांगीण दृष्टिकोण के महत्व से परिचित कराना था।

आयोजन क्रमांक 3.

कार्यक्रम का नाम	**फैकल्टी टॉक सीरीज़**
प्रकार (ऑफ़लाइन/ऑनलाइन/हाइब्रिड)	ऑफ़लाइन
दिनांक (दिन/माह/वर्ष)	19-अक्टूबर-2023
समय	4:10 PM
कार्यक्रम का स्थान	बी 1 क्लासरूम
कार्यक्रम का विवरण	हमारे सम्मानित संकाय के नेतृत्व में ब्लॉकचेन तकनीक की रोमांचक दुनिया में प्रवेश करते हुए, विद्यार्थियों ने इस बारे में जानकारी प्राप्त की कि कैसे ब्रांड प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल करने के लिए इस अभिनव तकनीक का लाभ उठा सकते हैं।

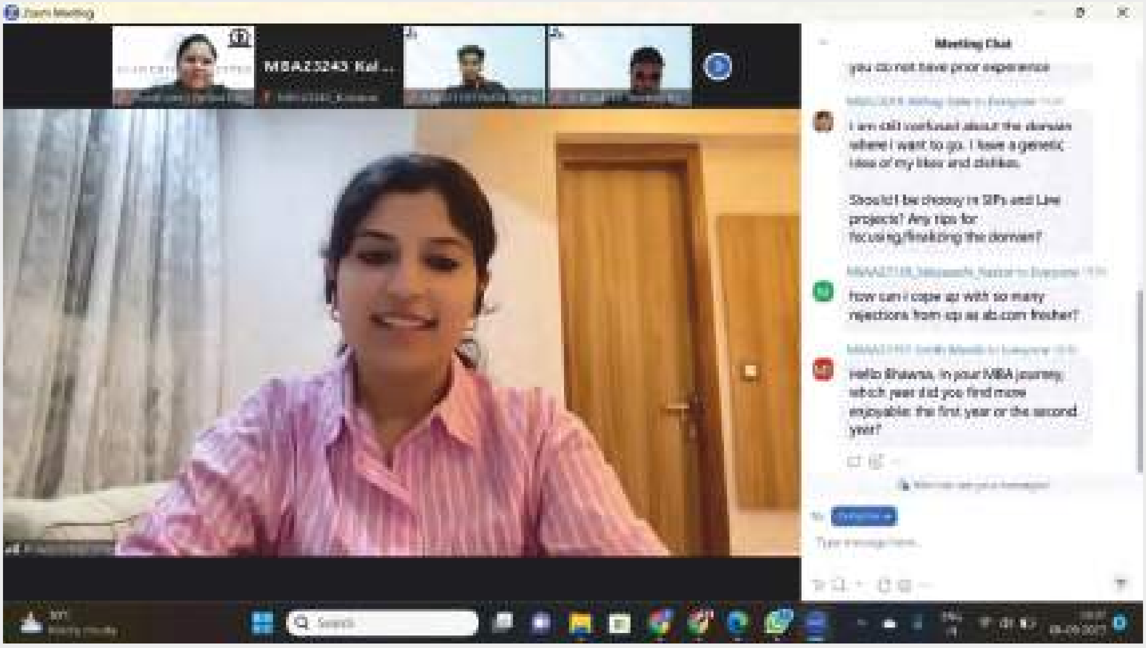

आयोजन क्रमांक 4

कार्यक्रम का नाम	**गुरु निष्ठा**
प्रकार (ऑफ़लाइन/ऑनलाइन/हाइब्रिड)	ऑनलाइन
दिनांक (दिन/माह/वर्ष)	1-नवंबर-2023
समय	4:30 अपराह्न
कार्यक्रम का स्थान	ऑनलाइन
कार्यक्रम का विवरण	हमने देश के अग्रणी प्रबंधन कॉलेज आईआईएम ए के प्रतिष्ठित संकाय की विशेषता वाले 'सफल स्टार्टअप बनाना' विषय पर एक फायरसाइड चैट का आयोजन किया। उपस्थित लोगों ने एक संपन्न स्टार्टअप को लॉन्च करने एवं विकसित करने के लिए प्रमुख अवयवों पर अतिथि से अमूल्य जानकारी प्राप्त की।

आयोजन क्रमांक 5.

कार्यक्रम का नाम	**एमबीए सीरीज**
प्रकार (ऑफ़लाइन/ऑनलाइन/हाइब्रिड)	ऑफ़लाइन
दिनांक (दिन/माह/वर्ष)	13-दिसंबर-2023
समय	4:30 अपराह्न
कार्यक्रम का स्थान	ए 1 क्लासरूम
कार्यक्रम का विवरण	हमने कॉरपोरेट जगत से बाहर के क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों की विशेषता वाला एक अनूठा संवादात्मक सत्र आयोजित किया। विद्यार्थियों ने गैर-कॉरपोरेट दृष्टिकोण से नेतृत्व के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की। इस आकर्षक सत्र ने विद्यार्थियों को नेतृत्व के सिद्धांतों की व्यापक समझ प्रदान की, जिन्हें विभिन्न क्षेत्रों में लागू किया जा सकता है। इसने पारंपरिक दृष्टिकोणों को चुनौती दी और किसी भी क्षेत्र में महत्वाकांक्षी नेतृत्वकर्ताओं के लिए बहुमूल्य सबक प्रदान किए।

आयोजन क्रमांक 6.

कार्यक्रम का नाम	**गुरु निष्ठा**
प्रकार (ऑफ़लाइन/ऑनलाइन/हाइब्रिड)	ऑनलाइन
दिनांक (दिन/माह/वर्ष)	8-जनवरी-2024
समय	4:45 अपराह्न
कार्यक्रम का स्थान	ऑनलाइन
कार्यक्रम का विवरण	यह कार्यक्रम सीमाओं से परे था, जिसमें हमारे विद्यार्थी एवं शिक्षा जगत के अग्रणी मस्तिष्क एक साथ इकट्ठे हुए। इस सत्र ने आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के भविष्य पर एक दूरदर्शी दृष्टिकोण प्रदान किया, जिससे विद्यार्थियों को निरंतर विकसित हो रहे परिदृश्य को समझने के लिए ज्ञान और उपकरण प्राप्त हुए।

आयोजन क्रमांक 7.

कार्यक्रम का नाम	**एमबीए सीरीज**
प्रकार (ऑफ़लाइन/ऑनलाइन/हाइब्रिड)	ऑनलाइन
दिनांक (दिन/माह/वर्ष)	23-जनवरी-2024
समय	5:15 अपराह्न
कार्यक्रम का स्थान	ऑनलाइन
कार्यक्रम का विवरण	एमबीए श्रृंखला के इस संस्करण में पारंपरिक पाठ्यक्रम से आगे बढ़कर आधुनिक प्रबंधन परिदृश्य में प्राचीन ज्ञान की स्थायी शक्ति पर विचार-विमर्श किया गया। इस विचारोत्तेजक सत्र ने प्रबंधन की निरंतर विकसित होती दुनिया में प्राचीन ज्ञान की स्थायी प्रासंगिकता के बारे में एक संवाद को जन्म दिया। इसने विद्यार्थियों को प्रभावी नेतृत्व एवं सफल व्यावसायिक प्रथाओं पर गंभीरता से सोचने एवं अपने दृष्टिकोण को व्यापक बनाने की चुनौती पेश की।

1. भूतपूर्व विद्यार्थी संबंध समिति

भूतपूर्व विद्यार्थी संबंध समिति (एआरसी) की स्थापना भूतपूर्व विद्यार्थियों, विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और आईआईएम काशीपुर परिवार के अन्य सदस्यों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को मज़बूत करने के लिए की गई थी। इस समिति का लक्ष्य, संस्थान निर्माण के दौरान हमारे भूतपूर्व विद्यार्थी तंत्र के अनुभवों एवं विशाल उद्योग प्रदर्शन को बढ़ावा देना, पोषण करना और लाभ उठाना है।

भूतपूर्व विद्यार्थी संबंध समिति हमारे भूतपूर्व विद्यार्थियों के साथ सभी प्रकार की बातचीत को सुविधाजनक बनाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है। हमारे भूतपूर्व विद्यार्थियों को उनकी यादें ताज़ा करने और उनकी मातृ-संस्था के साथ उनके संबंध को मजबूत करने में सहायता करने, समिति उन्हें प्रतिवर्ष अग्नित्रय (आईआईएम काशीपुर का वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम) के दौरान 'घर वापसी' के लिए हमारे परिसर में पुनः आमंत्रित करती है। इसके अलावा, समिति देश भर के विभिन्न शहरों में आयोजित 'सिटी मीट' जैसे असंख्य आयोजनों के माध्यम से हमारे भूतपूर्व विद्यार्थी परिवारों तक पहुँचने का लगातार प्रयास करती है। हमारे त्रैमासिक समाचार पत्र सारथी का उद्देश्य हमारे भूतपूर्व विद्यार्थियों को आईआईएम काशीपुर में होने वाली गतिविधियों से अवगत कराने में सहायता करना है। यह समिति एलुमनी मेंटरशिप प्रोग्राम, एल-स्पीक गेस्ट लेक्चर सीरीज, एल-प्रेप वेबिनार सत्र, पैनल चर्चा और एलुमनी अनप्लग्ड पॉडकास्ट श्रृंखला जैसी कई पहलों के माध्यम से मौजूदा बैचों को लाभान्वित करने के लिए भी प्रयासरत है।

एआरसी (भूतपूर्व विद्यार्थी संबंध समिति) हमारे भूतपूर्व विद्यार्थियों को अपने भूतपूर्व साथी विद्यार्थियों के साथ जुड़े रहने और अपनी मातृ-संस्था के साथ उनके सहयोग को बढ़ावा देने में सक्षम बनाने के लिए भूतपूर्व विद्यार्थी पोर्टल का प्रबंधन भी करती है। समिति वर्तमान में भूतपूर्व विद्यार्थी संघ की स्थापना सहित कई नई पहलों पर कार्य कर रही है।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम:

भूतपूर्व विद्यार्थी-वार्ता श्रृंखला:

भूतपूर्व विद्यार्थी-वार्ता श्रृंखला एक ऐसा कार्यक्रम है जिसमें भूतपूर्व विद्यार्थियों द्वारा दिए गए ऑफ़लाइन अतिथि व्याख्यान प्रदान करके, वर्तमान विद्यार्थियों को लाभान्वित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये व्याख्यान विद्यार्थियों को व्यावहारिक उद्योग ज्ञान और कौशल से सँवारते हैं, जिससे वे अपने भविष्य के करियर के लिए बेहतर तरीके से तैयार होते हैं। व्यावसायिक दुनिया में सफलतापूर्वक स्थापित भूतपूर्व विद्यार्थियों को वापस बुलाकर, भूतपूर्व विद्यार्थी-वार्ता श्रृंखला अमूल्य अंतर्दृष्टि, वास्तविक दुनिया के अनुभव और परामर्श के अवसर प्रदान करती है। यह पहल न केवल अकादमिक पाठ्यक्रम को उन्नत करती है बल्कि वर्तमान विद्यार्थियों और भूतपूर्व विद्यार्थियों के बीच संबंध और नेटवर्किंग की एक मजबूत भावना को भी प्रोत्साहन देती है, जो अकादमिक सीख एवं वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाटती है। भूतपूर्व विद्यार्थी-वार्ता श्रृंखला के हिस्से के रूप में आमंत्रित किए गए भूतपूर्व विद्यार्थी थे:

भूतपूर्व विद्यार्थी का नाम	तिथि	मोड	बैच
रोशन कुमार बिस्वाल	15-जुलाई-23	ऑफ़लाइन	एमबीए 2020-22
आयुष झा	15-जुलाई-23	ऑफ़लाइन	एमबीए 2020-22

भूतपूर्व विद्यार्थी संपर्क श्रृंखला:

भूतपूर्व विद्यार्थी संपर्क श्रृंखला इस तरह से डिज़ाइन की गई है कि विद्यार्थी अतिथि व्याख्यान के रूप में भूतपूर्व विद्यार्थियों के अनुभव से लाभान्वित हो सकें। व्याख्यान इस तरह से आयोजित किए जाते हैं कि विद्यार्थी उन विविध विषयों के बारे में अंतर्दृष्टि विकसित कर सकें, जो उद्योग में आने वाले रुझानों से लेकर केस प्रतियोगिताओं एवं अन्य शैक्षणिक क्षेत्रों में प्रवीण हो सकें। भूतपूर्व विद्यार्थी संपर्क श्रृंखला भूतपूर्व विद्यार्थियों को वर्तमान विद्यार्थियों से जुड़ने और संस्थान के साथ अपने रिश्ते को बनाए रखने का अवसर भी प्रदान करती है। सत्र आयोजित करने वाले भूतपूर्व विद्यार्थी विविध पृष्ठभूमि से आए थे और उन्होंने बैच के साथ अपने अनुभव साझा किए। भूतपूर्व विद्यार्थी संपर्क श्रृंखला के भाग के रूप में आमंत्रित किए गए भूतपूर्व विद्यार्थी थे:

भूतपूर्व विद्यार्थियों के नाम	तिथि	मोड	बैच
कुणाल कलकुंद्री	08-जुलाई-23	ऑनलाइन	पीजीपी 2015-17
अमनदीप	23-जुलाई-23	ऑनलाइन	पीजीपी 2018-20
सृजन रस्तोगी	06-सितम्बर-23	ऑनलाइन	पीजीपी 2016-18

भूतपूर्व विद्यार्थी परामर्श कार्यक्रम:

इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के भूतपूर्व विद्यार्थियों के साथ संवादात्मक चर्चाओं की एक श्रृंखला सम्मिलित थी। इस कार्यक्रम का लक्ष्य भूतपूर्व विद्यार्थियों की विशेषज्ञता से लाभान्वित कर विद्यार्थियों को सार्थक अंतर्दृष्टि प्रदान करना था।

भूतपूर्व विद्यार्थी परामर्श कार्यक्रम में विशिष्ट डोमेन और भूमिकाओं में भूतपूर्व विद्यार्थी विशेषज्ञों के साथ पारस्परिक संवाद की सुविधा थी। इस मंच ने विद्यार्थियों को भूतपूर्व विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित करने में सक्षम बनाया, जिससे उन्हें

अपने एमबीए के कार्यकाल के दौरान आने वाली किसी भी चुनौती का समाधान करने के लिए एक मंच मिला। इसने विद्यार्थियों को विशिष्ट डोमेन और कैरियर भूमिकाओं में अपनी रुचियों का पता लगाने के लिए मार्ग प्रशस्त किया। इस पारस्परिक परामर्श/मार्गदर्शन के प्रारूप को विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक गतिविधियों, केस प्रतियोगिताओं में भागीदारी एवं व्यावसायिक आकांक्षाओं के बारे में किसी भी प्रश्न या मुद्दों के समाधान हेतु, सहायता करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। यह कार्यक्रम एक बड़ी सफलता थी, जिसमें 80 से अधिक भूतपूर्व विद्यार्थियों ने कई डोमेन में काम किया, जूनियर बैच के 300 से अधिक विद्यार्थियों को पारस्परिक मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रदान करने के लिए स्वेच्छा से काम किया। यह परामर्श कार्यक्रम निम्नलिखित दिनों में आयोजित किया गया: 02, 3, 9 और 10 सितंबर 2023 को।

.

वर्चुअल रीयूनियन/आभासी पुनर्मिलन:

भूतपूर्व विद्यार्थी संबंध समिति भूतपूर्व स्नातक कक्षाओं के लिए वर्चुअल रीयूनियन आयोजित करती है, जिससे भूतपूर्व विद्यार्थियों और उनके अल्मा मेटर के बीच एवं साथी बैचमेट्स के बीच स्थायी संबंध को बढ़ावा मिलता है। ये वर्चुअल मीट पुरानी यादों को ताज़ा करती है एवं भूतपूर्व विद्यार्थियों के लिए अपने बैचमेट्स के साथ बातचीत करने और अपने पेशेवर विकास के बारे में विचार, यादें और अपडेट साझा करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है। इस रीयूनियन का उद्देश्य संस्थान के साथ भूतपूर्व विद्यार्थियों के संबंधों को बनाए रखना एवं रुचिपूर्ण चर्चाओं, संवादात्मक सत्रों और कॉलेज के विकास पर अपडेट के माध्यम से साथियों के बीच एक मजबूत रिश्ता बनाए रखना है।

निम्नलिखित बैचों के लिए वर्चुअल रीयूनियन आयोजित किया गया:

बैच	तिथि
पीजीपी 2013-15	25-अगस्त-23
पीजीपी 2011-13	14-सितंबर-23
पीजीपी 2012-14	14- सितंबर - 23

मुंबई सिटी मीट' 23 –

हमने 29 अक्टूबर, 2023 को हॉलिडे इन मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मुंबई सिटी मीट' 23 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विविध भूतपूर्व विद्यार्थियों, संकाय और समिति के सदस्यों ने भाग लिया, जिसमें गर्मजोशी से स्वागत, व्यावहारिक चर्चा और विशेष रूप से क्यूरेट किए गए हैम्पर शामिल थे। भूतपूर्व विद्यार्थी संबंध समिति की अध्यक्ष प्रो. देवजानी चटर्जी ने आयोजित हो रही गतिविधियों एवं भूतपूर्व विद्यार्थी संघ की भूमिका पर प्रकाश डाला। डीन डेवलपमेंट प्रो. कुणाल गांगुली ने भूतपूर्व विद्यार्थियों से संस्थान के विकास में सम्मिलित होने का आग्रह किया एवं निदेशक प्रो. कुलभूषण बलूनी ने उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता सम्बोधन के माध्यम से प्रेरित किया। स्वतंत्र चर्चाओं ने तात्कालिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला और आयोजित जीवंत खेलों ने इसमें मस्ती का तड़का लगाया। कार्यक्रम का समापन एक दिल को छू लेने वाले फोटो सत्र एवं एक आनंददायक रात्रिभोज के साथ हुआ, जिसने आईआईएम काशीपुर के विकास और सफलता के लिए स्थायी संबंध और प्रतिबद्धता को बढ़ावा दिया।

तिथि	मोड
29-अक्टूबर-23	ऑफलाइन-मुंबई

सारथी' 15:

सारथी भूतपूर्व विद्यार्थी संबंध समिति द्वारा प्रकाशित द्विवार्षिक समाचार पत्र है, जिसका उद्देश्य संस्थान द्वारा संचालित सभी गतिविधियों को भूतपूर्व विद्यार्थियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों आदि जैसे कई हितधारकों के समक्ष संक्षेप में प्रस्तुत करना है। इस संस्करण का विषय सितारे और नक्षत्र थे, जो भूतपूर्व विद्यार्थियों के अपने अल्मा मेटर के साथ कालातीत एवं चिरस्थायी संबंध को दर्शाते हैं। इस समाचार पत्र में टेडएक्स, अग्नित्रय, बैंगलोर सिटी मीट आदि जैसी सभी विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों का सारांश था। इस समाचार पत्र में भूतपूर्व विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों द्वारा दर्शाई गई मूल्यवान अंतर्दृष्टि भी शामिल थी। परिसर में व्यतीत सभी अद्भुत यादों के लिए एक विशेष पृष्ठ समर्पित किया गया था। सारथी का उद्देश्य भूतपूर्व विद्यार्थियों को परिसर में हो रहे विभिन्न विकास और आयोजित सभी गतिविधियों के बारे में जानकारी देना था।

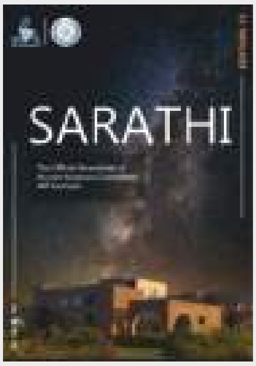

तिथि	मोड
16-अक्टूबर-23	ऑनलाइन

वर्चुअल रीयूनियन/आभासी पुनर्मिलन:

भूतपूर्व विद्यार्थी संबंध समिति भूतपूर्व स्नातक कक्षाओं के लिए वर्चुअल रीयूनियन/आभासी पुनर्मिलन की व्यवस्था करती है, जिससे भूतपूर्व विद्यार्थियों और उनके अल्मा मेटर के बीच स्थायी संबंध विकसित होते हैं, साथ ही सहपाठियों के बीच पारस्परिक संबंधों को बढ़ावा मिलता है। ये ऑनलाइन सभाएँ पुरानी यादों को ताज़ा करती हैं, भूतपूर्व विद्यार्थियों को अपने साथियों के साथ जुड़ने, विचारों, यादों और व्यावसायिक अपडेट का आदान-प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान करती हैं। इस पुनर्मिलन का प्राथमिक लक्ष्य संस्थान के साथ भूतपूर्व विद्यार्थियों के संबंध को मजबूत करना और जीवंत चर्चाओं, संवादात्मक सत्रों एवं कॉलेज की प्रगति पर अपडेट के माध्यम से सहपाठियों के बीच एक मजबूत बंधन बनाए रखना है। वर्चुअल पुनर्मिलन निम्नलिखित बैचों के लिए आयोजित किया गया था:

बैच	तिथि
पीजीपी 2014-16	17-नवंबर-23

भूतपूर्व विद्यार्थी वार्ता श्रृंखला:

भूतपूर्व विद्यार्थी वार्ता श्रृंखला वर्तमान विद्यार्थियों के शैक्षिक अनुभव को समृद्ध करने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार किया गया एक कार्यक्रम है। यह निपुण भूतपूर्व विद्यार्थियों द्वारा दिए गए ऑफ़लाइन अतिथि व्याख्यानों की सुविधा प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके भविष्य के करियर के लिए आवश्यक व्यावहारिक उद्योग ज्ञान और कौशल प्रदान करना है। व्यावसायिक दुनिया में सफलतापूर्वक आगे बढ़ने वाले भूतपूर्व विद्यार्थियों को सम्मिलित कर, भूतपूर्व विद्यार्थी वार्ता श्रृंखला अमूल्य अंतर्दृष्टि, वास्तविक दुनिया के अनुभव और मार्गदर्शन के अवसर प्रदान करती है। यह पहल न केवल अकादमिक पाठ्यक्रम को उन्नत करती है बल्कि वर्तमान विद्यार्थियों एवं भूतपूर्व विद्यार्थियों के बीच एक मजबूत संबंध और नेटवर्क भी विकसित करती है, जो सैद्धांतिक शिक्षा और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग के बीच की खाई को प्रभावी ढंग से पाटने का काम करती है। भूतपूर्व विद्यार्थी वार्ता श्रृंखला में भाग लेने के लिए आमंत्रित किए गए प्रतिष्ठित पूर्व छात्र थे:

भूतपूर्व विद्यार्थी का नाम	तिथि	मोड	बैच
श्री जलज सिंह	15-अक्टूबर-23	ऑफलाइन	पीजीपी– 2018-20

एलुमनी अनप्लग्ड:

एलुमनी अनप्लग्ड एक पॉडकास्ट सीरीज़ है जो भूतपूर्व विद्यार्थियों को उनकी यात्रा और उद्योग के अनुभव के बारे में खुलकर बातचीत करने के लिए आमंत्रित करती है। यह उनके एमबीए और व्यावसायिक यात्रा के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालता है एवं सभी वर्तमान और भविष्य के विद्यार्थियों के लिए एक मार्गदर्शक पथ के रूप में कार्य करता है, यह पॉडकास्ट स्पॉटीफाय पर अपलोड किया जाता है और सभी के लिए उपलब्ध है। इस संस्करण के लिए आमंत्रित भूतपूर्व विद्यार्थी थे:

भूतपूर्व विद्यार्थी का नाम	तिथि	मोड	बैच
श्री पराग रे	15-अक्टूबर-23	ऑनलाइन	ईपीजीपी– 2021

कार्यक्रम का नाम: एल्युमिनाटी 2024 – दी ग्रांड रीयूनियन/भव्य पुनर्मिलन
कार्यक्रम की तिथि: 19 एवं 20 जनवरी 2024
आयोजन स्थल: आईआईएम काशीपुर
आमंत्रितगण: आईआईएम काशीपुर भूतपूर्व विद्यार्थी समुदाय
परिचय:

20 जनवरी, 2024 को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) काशीपुर की भूतपूर्व विद्यार्थी संबंध समिति ने बहुप्रतीक्षित भूतपूर्व विद्यार्थी पुनर्मिलन, एल्युमिनाटी 2024 - द ग्रैंड रीयूनियन का आयोजन किया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में 10 से अधिक बैचों के सफल स्नातक होने का उत्सव मनाया गया, जो संस्थान की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है। यह उत्सव 19 से 20 जनवरी तक चला, जिसने सभी प्रतिभागियों के लिए एक यादगार अनुभव प्रदान किया।

प्रथम दिवस: 19 जनवरी, 2024
गर्मजोशी से स्वागत और रात्रिभोज:

इस कार्यक्रम की शुरुआत 19 जनवरी की शाम को गर्मजोशी से स्वागत और मेहमानों के पंजीकरण के साथ हुई। मेस कमेटी/भोजनगृह समिति के सहयोग से आयोजित एक भव्य रात्रिभोज ने संकाय, विद्यार्थियों एवं भूतपूर्व विद्यार्थियों के बीच संबंधों को बढ़ावा दिया, जिससे सौहार्द की भावना को प्रोत्साहन मिला। जोशपूर्ण वातावरण में चल रहे कॉलेज फेस्ट, अग्नित्रय दस ने इस कार्यक्रम को पूरक बनाया, जिसने इस अवसर के उत्साह और ऊर्जा को बढ़ाया।

द्वितीय दिवस: 20 जनवरी 2024

उद्घाटन:

भूतपूर्व विद्यार्थियों का परिसर में एक सजगतापूर्ण योजनाबद्ध कार्यक्रम के साथ स्वागत किया गया। उद्घाटन समारोह में आईआईएम काशीपुर के निदेशक प्रो. कुलभूषण बलूनी, भूतपूर्व विद्यार्थी संबंध समिति के अध्यक्ष प्रो. देवजानी चटर्जी एवं अन्य संकाय सदस्यों सहित प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। समारोह की शुरुआत संकाय सदस्यों और भूतपूर्व विद्यार्थियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद प्रो. देवजानी चटर्जी का उद्घाटन भाषण, डीन प्रशासन प्रो. वेंकटराघवन के, डीन अकादमिक प्रो. सोमनाथ चक्रवर्ती, डीन विकास प्रो. कुणाल गांगुली का संबोधन एवं निदेशक प्रो. कुलभूषण बलूनी का मुख्य भाषण हुआ।

रीकैप्चर – अ मोमेंट ऑफ फिलिसिटेशन/अभिनंदन का क्षण:

समारोह की शुरुआत "रिकैप्चर - अ मोमेंट ऑफ फिलिसिटेशन/अभिनंदन का क्षण" से हुई, जो कोविड-19 महामारी से प्रभावित बैचों को समर्पित था। गणमान्य व्यक्तियों ने सभा को संबोधित किया, इन बैचों की उपलब्धियों की सराहना की एवं ज्ञान और प्रेरणा की शब्द-वर्षा की। निदेशक, प्रो. कुलभूषण बलूनी ने विद्यार्थियों का अभिनंदन करते हुए उनकी दृढ़ता और लचीलेपन की सराहना की।

पहल:

प्रो. देवजानी चटर्जी ने उत्साहपूर्ण भाषण दिया, जिसमें संस्थान और भूतपूर्व विद्यार्थी समुदाय के बीच आपसी विकास को बढ़ावा देने के लिए की गई विभिन्न पहलों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। भूतपूर्व विद्यार्थी संघ के गठन पर चर्चा की गई, जिसमें संस्थान और उसके स्नातकों के बीच संबंधों को मजबूत करने में इसकी भूमिका पर जोर दिया गया। इस खंड का मुख्य आकर्षण भूतपूर्व विद्यार्थी ब्रांड स्टोर का अनावरण और उद्घाटन था, जिसमें भूतपूर्व विद्यार्थियों को व्यापारिक उत्पादों की एक विशेष श्रृंखला प्रस्तुत की गई, जिससे उन्हें अपने अल्मा मेटर से एक ठोस संबंध पोषित करने का अवसर मिला।

ग्रीन रीयूनियन:
ग्रीन रीयूनियन में सभी भूतपूर्व विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता के प्रतीक स्वरूप, बैच-वार पौधे लगाए। इस पहल ने एक नई विरासत का निर्माण कर, पूरे परिसर में जीवंत हरियाली का विस्तार किया है, जिसने भविष्य के लिए एक स्थायी छाप छोड़ी है।

गाला लंच:
आईआईएम काशीपुर की खूबसूरत झील किनारे आयोजित गाला लंच में भूतपूर्व विद्यार्थियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं हितधारकों के बीच पारस्परिक संवाद और जुड़ाव को बढ़ावा मिला। सभी भूतपूर्व विद्यार्थियों को सम्मान के प्रतीक के रूप में विशेष रूप से उनके लिए डिज़ाइन किए गए उपहार बैग दिए गए। स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ सुसज्जित इस वातावरण ने एक यादगार भोजन का अनुभव प्रदान किया, जिससे अपने समुदाय एवं पुरानी यादों के प्रति भावना और बलवती हुई।

निष्कर्ष:
एल्युमिनाटी 2024 ने पुरानी यादों का माहौल बनाने, संपर्क बढ़ाने और पिछले दशक में समृद्ध हुई आईआईएम काशीपुर की समृद्ध विरासत को पुण्यस्मरण करने में सफलता पाई। इस कार्यक्रम ने संस्थान द्वारा विकसित किए जाने वाले स्थायी संबंधों का उदाहरण प्रस्तुत किया एवं अपने भूतपूर्व विद्यार्थियों के विकास और समृद्धि के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। कार्यक्रम के समापन पर, भूतपूर्व विद्यार्थियों को उनकी भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया गया, साथ ही भविष्य में फिर से जुड़ने एवं साथ मिलकर विकास और सफलता की यात्रा जारी रखने के अवसरों की आशा व्यक्त की गई।

2. सांस्कृतिक समिति

“सांस्कृतिक समिति” विद्यार्थियों के कॉलेज जीवन के दौरान ग्लिट्ज़ फैक्टर के लिए ज़िम्मेदार प्रमुख समितियों में से एक है। हमारा मानना है कि कॉलेज में एक विद्यार्थी का जीवन बंद दरवाजों के पीछे बिताए गए समय से नहीं बल्कि विभिन्न उत्सवों और सांस्कृतिक गतिविधियों से यादगार बनता है, जो उनके कॉलेज के अनुभव में रंग भरते हैं। सांस्कृतिक समिति का उद्देश्य विद्यार्थियों में सर्वश्रेष्ठता लाना है एवं यह एक सुविधाप्रदाता और उत्प्रेरक के रूप में कार्य करती है, जो परिसर को पूरे वर्ष जोश और उत्साह से भरे रखती है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं आयोजनों की एक विस्तृत श्रृंखला का दावा करते हुए, हम विद्यार्थियों के समग्र विकास और उनके साथियों के बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धी भावना का निर्माण करने में सहायता करते हैं। इस कठिन पाठ्यक्रम में, हम तनाव दूर करने में भी मदद करते हैं और सभी को घर से दूर एक घर उपलब्ध कराते हैं।

समिति का गठन साथियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना उत्पन्न करने, उच्च भागीदारी को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों के समग्र विकास में योगदान देने की भावना से किया गया था। सांस्कृतिक समिति का मानना है कि, यह वह रिश्ता ही है जो यहाँ कोई बनाता है और वह समय जो कोई अपने दोस्तों के साथ बिताता है, वही इस दो साल लंबी एवं कठिन यात्रा को और अधिक सहनीय और यादगार बना देता है।

सांस्कृतिक समिति प्रत्येक आयोजन को सफल बनाने में एक सूत्रधार, उत्प्रेरक और सहयोगी के रूप में कार्य करती है। पूरे वर्ष विभिन्न सांस्कृतिक उत्सवों को मनाने के अलावा, इस समिति ने काशीपुर नाइट्स जैसे कुछ विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं - काशीपुर में सर्द रातों में अलाव के बीच, संगीत एवं विद्यार्थियों द्वारा दी गई कुछ प्रस्तुतियाँ और सिग्नेचर डे, जब एमबीए 2021-23 बैच ने अपने कार्यकाल के अंत में अपने दिल की बात कही और एमबीए 2022-24 बैच ने उनके प्रति आभार व्यक्त किया, सीनियर्स को काशीपुर में अपने 2 साल के कार्यकाल को और भी यादगार बनाने के लिए सहपाठियों एवं जूनियर्स ने अपने हस्ताक्षर सहित टिप्पणियाँ लिखित टी-शर्ट प्रदान की।
गतिविधियाँ/आयोजन:

स्वतंत्रता दिवस

- **तिथि:**15 अगस्त 2023
- **विवरण:** भारत के स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक देशभक्तिपूर्ण कार्यक्रम जिसमें ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम और मिष्ठान्न वितरण शामिल है।

ओणम, शिक्षक दिवस, जन्माष्टमी, गणेश जयंती, प्रारम्भ, दुर्गा पूजा और दशहरा

Onam,Teachers' Day, Janmashtami, Ganesh Jayanti, Prarambh, Durga Puja and Dusshera

गरबा नाइट, काकोफोनिया, काशीपुर नाइट्स 1, क्रिसमस ईव, लोहड़ी, पोंगल, काशीपुर नाइट 2

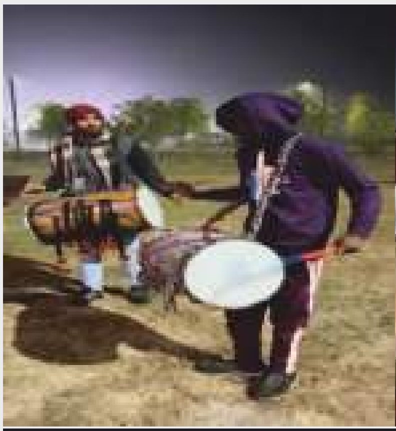

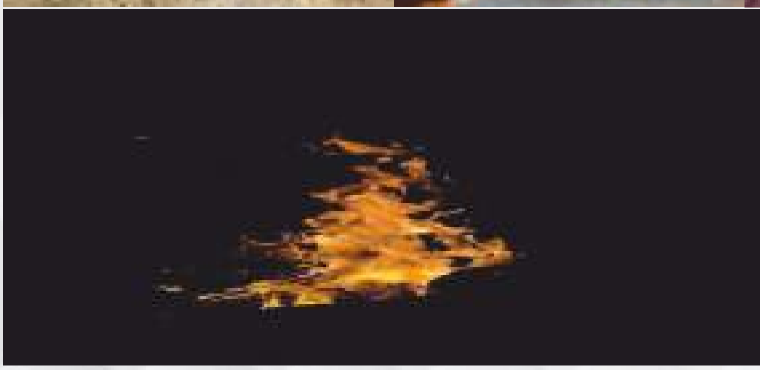

अग्नित्रय दस

काशीपुर नाइट 2, गणतंत्र दिवस, मास्करेड बॉल और बॉलीवुड नाइट, मैनेजमेंट कार्निवल, होली, सिग्नेचर डे

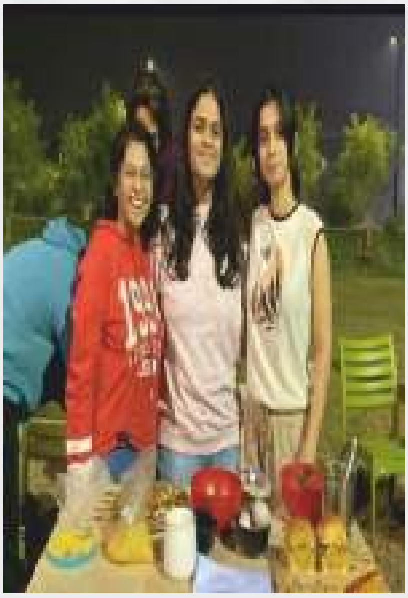

3. इन्फ्रा-आईटी समिति

'इंफ्रास्ट्रक्चर और आईटी समिति' छात्रावास कार्यालय, संपदा विभाग और परियोजना कार्यालय की सहायता से परिसर के बुनियादी ढाँचे के कामकाज को सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन और विद्यार्थियों के बीच संपर्क के रूप में कार्य करती है। समिति एक स्थिर इंटरनेट कनेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करती है और संस्थान के सभी विद्यार्थी निकायों के साथ एक क्रॉसफंक्शनल प्लेयर के रूप में कार्य करती है। समिति व्यायामशाला के रखरखाव और सुधार की भी देखभाल करती है एवं भोजन की गुणवत्ता तथा मूल्य नियंत्रण के लिए परिसर के अंदर की सभी दुकानों और कैंटीन की निगरानी करती है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और आईटी समिति ने महामारी के दौरान विद्यार्थियों को सुरक्षित रूप से कैंपस में लाने के लिए प्रशासन के साथ मिलकर काम किया और कैंपस में कोविड के प्रसार को रोकने के लिए क्वारंटीन दिशा-निर्देशों को लागू करने की ज़िम्मेदारी भी उठाई। समिति ने छात्रावास सुविधाओं की खरीद-प्रक्रिया में भी तेजी लाई।

गतिविधियाँ/आयोजन:

इमैक्युलेट 2.0

छात्रावास, रखरखाव और प्रशासनिक कर्मचारियों के योगदान का सम्मान करने के लिए धन्यवाद कार्यक्रम के दूसरे संस्करण को आयोजित किया, जिसमें संस्थान के प्रति उनके समर्पण और सेवा के लिए आभार व्यक्त किया गया।

नोटिस बोर्ड/सूचना पटल विस्तार (जूनियर पहल)

छात्रावास खंडों में अतिरिक्त नोटिस बोर्ड/सूचना पटल लगाए गए, ताकि मौजूदा बोर्डों पर जगह की कमी को दूर करते हुए कार्यक्रमों को बढ़ावा देने में सहायता मिल सके।

4. अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति

अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति भारत के बाहर की दुनिया में आईआईएम काशीपुर की छवि का प्रतिनिधित्व करती है एवं वैश्विक मंच पर साझेदारी बनाने और बनाए रखने की दिशा में लगातार काम कर रही है। आईआरसी टीम विश्व भर के विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करने एवं त्रैमासिक और अल्पकालिक छात्र विनिमय कार्यक्रम तथा प्राध्यापक विनिमय कार्यक्रम जैसी गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के साथ-साथ, दुनिया भर में वैश्विक कार्यक्रमों के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ बैठकों की योजना बनाने और समन्वय करने के लिए उत्तरदायी है।

समिति ने ब्रुनेल यूनिवर्सिटी (यूके), सिरैक्यूज़ यूनिवर्सिटी (यूएसए), ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैड्रिड (स्पेन), टुरिबा यूनिवर्सिटी (लातविया), तेल अवीव विश्वविद्यालय (इज़राइल), ईएसडीईएस स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट (फ्रांस), आदि जैसे दुनिया भर के शीर्ष विश्वविद्यालयों के साथ एक दर्जन से अधिक अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित करने में संस्थान को सफलतापूर्वक मदद की है। 2020-21 के अप्रत्याशित महामारी-प्रभावित शैक्षणिक वर्ष को छोड़कर, आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थियों ने इन भागीदारों के साथ एक जीवंत और लगातार बढ़ते विनिमय कार्यक्रम का आनंद लिया है।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की सुविधा प्रदान करके और वर्तमान वैश्विक मामलों पर चर्चा को बढ़ावा देकर, आईआरसी ऐसे विकासशील नेतृत्वकर्ताओं जो विश्व स्तर पर प्रदर्शन कर सकते हैं, के आईआईएम काशीपुर के ध्येय को योगदान देने में सफल रहा है ।

1. **दीर्घकालिक विनिमय कार्यक्रम (2023-24):** इस वर्ष 7 विद्यार्थियों के लिए दीर्घकालिक विनिमय कार्यक्रम की सुविधा प्रदान की गई। विद्यार्थियों और उनके संबंधित विश्वविद्यालय का विवरण इस प्रकार है

2. **अल्पकालिक विनिमय कार्यक्रम (एसटीईपी):** अल्बा के सहयोग से अल्पकालिक विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम की सफलतापूर्वक शुरुआत की गई। अल्बा में एसटीईपी कार्यक्रम में कुल 58 विद्यार्थी भाग लेंगे।
3. **सोशल मीडिया अभियान:** आईआरसी व्यू के लिए सोशल मीडिया पोस्ट पोस्ट किए, जिसमें हमारे सहभागी विश्वविद्यालयों और उनके विशिष्ट विवरण प्रस्तुत किए गए। हमने अल्बा, सिरैक्यूज़ और टुरिबा के लिए ऐसा किया है।

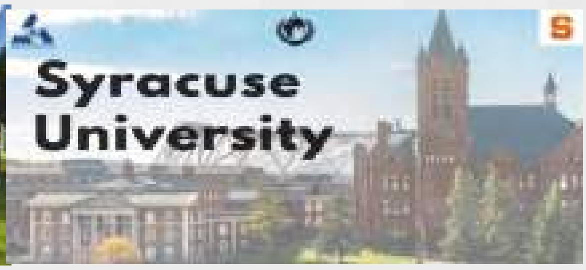

4. **मॉडल यूनाइटेड नेशंस:** आईआरसी फ्लैगशिप इवेंट "मॉडल यूनाइटेड नेशंस 2024" की मेजबानी की। एमयूएन की दो समितियाँ थीं, ईसीओएसओसी और भारतीय संसद। इस सम्मेलन में कुल 34 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

5. **दीर्घकालिक विनिमय (2024-25):** 2024-25 शैक्षणिक वर्ष के लिए दीर्घकालिक विनिमय कार्यक्रम शुरू किया गया। विश्वविद्यालयों और प्रस्तावित सीटों की कुल संख्या का विवरण इस प्रकार है:

कॉलेज का नाम	सीटों की संख्या
सोलब्रिज, दक्षिण कोरिया	5
अल्बा, ग्रीस	2
तुरिबा, लातविया	5
लीमा, पेरू	5
कोलर, इज़राइल	4

5. मेस/भोजनगृह समिति

आईआईएम काशीपुर की मेस/भोजनगृह समिति एक स्वतंत्र, गैर-लाभकारी संगठन है जो विद्यार्थियों, शिक्षकों और प्रशासनिक कर्मचारियों सहित पूरे वर्ष 700 से अधिक धारकों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करती है। यह समिति-समूह मेस/भोजनगृह की शुरू से अंत तक की गतिविधियों की देखरेख करके मेस/भोजनगृह के संगठन के प्रबंधन में व्यापक अनुभव प्राप्त करती है। विद्यार्थी मेस/भोजनगृह के हर पहलू को नियंत्रित करते हैं, जिसमें भोजन-सूची चुनना, खरीदारी करना, बजट बनाना, वित्तपोषण करना, कर्मियों का प्रबंधन करना और वस्तु-सूची शामिल है, जिससे टीम वास्तविक व्यवसाय को सँभालने के लिए पर्याप्त सक्षम हो जाती है।

समिति त्योहारों और कार्यक्रमों के दौरान विभिन्न दावतों के आयोजन का नेतृत्व करने के लिए उत्तरदायी है, जिससे यह आईआईएम काशीपुर समुदाय का एक अभिन्न अंग बन जाती है। यह टीम लगातार यह सुनिश्चित करने का प्रयास करती है कि उनके द्वारा प्रदान किया जाने वाला भोजन न केवल पौष्टिक हो बल्कि स्वादिष्ट भी हो। समिति के पास अनुभवी रसोइयों

की एक समर्पित श्रृंखला, एक विश्वसनीय विक्रेता प्रबंधन व्यवस्था और कड़ी गुणवत्ता जाँच के साथ एक मज़बूत प्रबंध प्रणाली है जो यह सुनिश्चित करने में सहायता करती है कि हर दिन उसके सभी हितधारकों को उच्च गुणवत्ता वाला स्वादिष्ट भोजन वितरित किया जाए।

समिति का कामकाज किसी संगठन को चलाने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है और टीम के सदस्यों को समय की पाबंदी, त्वरित निर्णय लेने और समय प्रबंधन के मूल्यवान गुणों को विकसित करके वास्तविक प्रबंधन के संपूर्ण अनुभव के लिए तैयार करने में सहायता करता है।

मेस/भोजनगृह समिति के सदस्य के रूप में प्राप्त अनुभव को अत्यधिक महत्व दिया जाता है तथा यह नेतृत्व एवं प्रबंधन भूमिकाओं के लिए एक ठोस आधार प्रदान करता है। गतिशील एवं निरंतर बदलते परिवेश में इस समिति-समूह के लिए सक्रिय रहना अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसलिए हम वास्तव में अपने संस्थान के आदर्श वाक्य 'करके सीखना' के अनुसार जीते हैं!

गतिविधियाँ/आयोजन:

स्वतंत्रता दिवस दोपहर भोज
बाजरा उत्सव (15 अगस्त, 2023):
मेस कमेटी/भोजनगृह समिति ने अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 के उपलक्ष्य में इस शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत एक विशेष स्वतंत्रता दिवस दोपहर भोज के साथ की। यह कार्यक्रम संधारणीय और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य विकल्पों, विशेष रूप से बाजरा को बढ़ावा देने के हमारे प्रयास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। बाजरा, जो अपने पोषण संबंधी लाभों और यथोचित उपभोग में योगदान देने की क्षमता के लिए जाना जाता है, इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा।

मेनू हाइलाइट्स/भोजन-सूची के मुख्य अंश: स्वतंत्रता दिवस दोपहर भोज में एक आकर्षक भोजन-सूची शामिल थी, जिसे भारतीय पाक विरासत का उत्सव मनाते हुए बाजरे की बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए सजगतापूर्ण तैयार किया गया था, जिसमें सत्तू की कचौरी, फॉक्स-टेल लेमन राइस और ज्वार फिरनी सम्मिलित थे।

कर्मचारी प्रशस्ति दिवस:
हमारे भोजनगृह कर्मचारियों के समर्पण और कड़ी मेहनत को सम्मान देते हुए, समिति ने एक विशेष प्रशस्ति दिवस का आयोजन किया। इस कार्यक्रम ने सेवा के उच्च मानक को बनाए रखने में उनके अथक प्रयासों के लिए हमारे आभार को प्रदर्शित किया।

मेनू/भोजन-सूची:
समिति हमारे वरिष्ठ नागरिकों के लिए उनके कार्यकाल के अंतिम महीनों में विदाई को यादगार बनाने के महत्व को समझती है। इस तिमाही में, उनके मेनू/भोजन-सूची में आश्चर्यजनक तत्वों को सम्मिलित करने के अलावा, हमने यह सुनिश्चित किया कि विदाई रात्रिभोज एक मुख्य आकर्षण रहे। हमने एक विशेष मेनू/भोजन-सूची तैयार किया, जिसमें उनके पसंदीदा व्यंजन शामिल किए गए एवं उनके भोजन के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए अनोखे अप्रत्याशित पाक-व्यंजन प्रस्तुत किए गए।

6. मीडिया एवं जनसंपर्क समिति

एमपीआरसी सभी हितधारकों की दृष्टि में ब्रांड आईआईएम काशीपुर की छवि के प्रबंधन एवं पोषण के लिए उत्तरदायी है। यह आईआईएम काशीपुर की ब्रांड इक्विटी को बढ़ाने की दिशा में काम करती है और संस्थान के सफल विकास को दर्शाती है।

यह टीम संस्थान में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों और संस्थान द्वारा अन्य विभिन्न स्थानों पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की मार्केटिंग रणनीति का प्रबंधन करती है। यह आईआईएम काशीपुर के ब्रांड की प्रभावी स्थिति और इसे बढ़ावा देने के लिए विभिन्न डिजिटल मीडिया प्लेटफार्मों को भी सँभालता है। हमारे कार्य में अभियान की योजना बनाना और संस्थान में होने वाले महत्वपूर्ण आयोजनों के लिए प्रेस विज्ञप्ति लिखना शामिल है। इस टीम का कार्य निम्नलिखित क्षेत्रों से संबंधित है:

कंटेन्ट क्रीऐशन/विषय वस्तु निर्माण: कंटेन्ट क्रीऐशन टीम आमतौर पर संस्थान के बारे में सकारात्मक समाचार तैयार करती है, जिसे मीडिया रिलेशन टीम पत्रकारों के समक्ष प्रस्तुत करती है। यह कंटेन्ट/विषय वस्तु किसी लेख या ब्रांड प्रचार वीडियो के रूप में हो सकती है। इसमें वीडियो को संपादित करना और डिज़ाइन करना भी शामिल है।

मीडिया संबंध: यह टीम आईआईएम काशीपुर में होने वाले सभी कार्यक्रमों की टीवी कवरेज सहित प्रेस विज्ञप्ति और मीडिया को सँभालने का कार्य करती है। यह इंडियाटुडे, इकोनॉमिक टाइम्स, टाइम्स ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान टाइम्स एवं अन्य राष्ट्रीय और स्थानीय समाचार पत्रों जैसे मीडिया हाउसों के साथ सुदृढ़ संबंध बनाए रखती है।

सोशल मीडिया: सोशल मीडिया टीम आईआईएम काशीपुर के विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल का प्रबंधन करती है। वे इसका उपयोग संस्थान की सार्वजनिक प्रतिष्ठा का आकलन करने और उसे बढ़ाने के लिए करते हैं। वे सोशल मीडिया पर मौज़ूद लोगों के साथ बातचीत करते हैं, सोशल मीडिया पर प्रचार करते हैं और ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स से संपर्क करते हैं।

गतिविधियाँ/आयोजन

- वित्तीय वर्ष 20-21 में संस्थान में आयोजित कार्यक्रमों का कवरेज।
- सोशल मीडिया और पारंपरिक मीडिया पर आईआईएम काशीपुर का मीडिया प्रचार।
- प्रमुख कार्यक्रमों अग्नित्रय, उत्तिष्ठ, समन्वय, टेडएक्स, तेजस, एमबीए व्याख्यान श्रृंखला, निदेशक साक्षात्कार, आदि के लिए प्रचार अभियान।
- आईआईएम काशीपुर वेबसाइट की कंटेन्ट/विषयवस्तु का प्रबंधन।
- विभिन्न कॉन्क्लेव और टॉक सीरीज़ जैसे तेजस लीडरशिप टॉक सीरीज़, वृद्धि, समन्वय और फ्राइडे सेमिनार सीरीज़ का प्रचार।
- विमर्श पॉडकास्ट, परिवर्तन सेल स्कूल मीट, अग्नित्रय लॉन्च वीडियो, अग्नित्रय आफ्टर मूवी और फेयरवेल जैसे वीडियो अभियान कुछ नाम हैं।

7. खेल समिति

खेल समिति आईआईएम काशीपुर में सभी खेल आयोजनों की योजना बनाती है और उन्हें क्रियान्वित करती है। यह खेल समिति उन खेल टीमों का चयन करने के लिए उत्तरदायी है, जो संबंधित टीमों के कप्तानों के साथ संस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह उपकरण के जीवनचक्र के अनुसार आईआईएम काशीपुर में सभी खेल सामग्रियों की ख़रीद, रखरखाव और निपटान का कार्य करती है। यह परिश्रमपूर्वक सभी रिकॉर्ड बनाए रखता है और संस्थान के लिए खेल बजट तैयार करता

है। यह बी-स्कूलों द्वारा आयोजित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खेल आयोजनों की पहचान करने और आयोजनों में आईआईएम काशीपुर का प्रतिनिधित्व करने वाले खेल दल की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी उत्तरदायी है।

हमारे प्रमुख आयोजन:

शतरंज-ए-थॉन 2.0: यह टूर्नामेंट एमबीए1 बैच के लिए आयोजित किया गया था और इसमें एक ही पूल में प्रतिस्पर्धा करने वाले लड़कों और लड़कियों के साथ 30 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। ये खेल लिचेस प्लेटफॉर्म पर आयोजित किए गए थे, ताकि प्रतिभागी महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण अपने घरों से ही अपने उपकरणों पर ऑनलाइन गेम खेल सकें। यह टूर्नामेंट स्विस फॉर्मेट में आयोजित किया गया था, जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी ने 6 गेम खेले और उसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेले गए।

मिनी-मैराथन/छोटी दौड़: खेल दिवस के अवसर पर, आईआईएम काशीपुर की खेल समिति ने परिसर के बड़े हिस्से को कवर करते हुए एक मिनी-मैराथन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में एमबीए और एमबीए (एनालिटिक्स) के प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के साथ-साथ पीएचडी छात्रों ने भी भाग लिया।

प्रारंभ: हम शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न खेल गतिविधियों के द्वारा सीनियर बैच और जूनियर बैच के बीच संबंध विकसित करने के लिए, सीनियर और जूनियर बैच के बीच खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं। प्रत्येक खेल प्रतियोगिता में जीत पर एक अंक मिलता है और जिस भी बैच का संचयी स्कोर अधिक होगा, प्रारंभ कप उसी बैच का होगा।

संग्राम: 'संग्राम' आईआईएम काशीपुर खेल समिति का प्रमुख आयोजन है, जिसका उद्देश्य बैच के बीच सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। यह बैच के सेक्शन/वर्गों के बीच होने वाली प्रतिस्पर्धा है। यह गहन प्रतिस्पर्धा का

अनुभव प्रदान करता है और साथ ही छात्रों के आपसी रिश्तों को सुदृढ़ करता है क्योंकि यहाँ वे अपने संबंधित वर्गों के सम्मान और प्रतिष्ठा के लिए एक साथ खेलते हैं।

केपीएल 10.0: विद्यार्थियों को अपने प्रबंधकीय कौशल का उपयोग करने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनाने का अवसर देना। काशीपुर प्रीमियर लीग (जिसे केपीएल भी कहा जाता है) इंडियन प्रीमियर लीग के प्रारूप पर आधारित एक वार्षिक खेल कार्यक्रम है, जिसे आईआईएम काशीपुर की खेल समिति द्वारा आयोजित किया जाता है। यह आयोजन आईपीएल द्वारा आयोजित नीलामी प्रक्रिया का अनुकरण करता है एवं आईआईएम काशीपुर के उभरते प्रबंधकों को अपने कौशल और ज्ञान को वास्तविक टीमों और वास्तविक पैसे के साथ अभ्यास करने की अनुमति देता है। केपीएल 10.0 संस्करण में 160 छात्रों ने खिलाड़ियों की नीलामी में भाग लिया। आयोजन के दसवें संस्करण के दौरान टीम की नीलामी के दिन से लेकर फाइनल के दिन तक, बिना किसी उतार-चढ़ाव के टीमों की ओर से प्रतिबद्धता और ऊर्जा अपने चरम पर रही।

अग्नित्रय X: आईआईएम सिरमौर और आईआईएम जम्मू आदि, जैसे कॉलेजों के साथ 11 इंटर कॉलेज खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, इन टीमों ने 1,70,000 रुपये की पुरस्कार राशि के लिए अग्नित्रय **X** के आयोजन में भाग लिया। इन स्पर्धाओं में बैडमिंटन, बास्केटबॉल (पुरुष और महिला), शतरंज, क्रिकेट, फुटसल, थ्रोबॉल, वॉलीबॉल, पूल (एकल और युगल) और टेबल टेनिस शामिल थे।

शैक्षणिक समिति

1. <u>कॉन्सिलियम -परामर्श और योजना समिति</u>

कॉन्सिलियम, आईआईएम काशीपुर की परामर्श और योजना समिति है, जिसका उद्देश्य आपके तर्कों और दृष्टिकोणों को समझने में मदद करने के लिए गहन विश्लेषण, तथ्य-समर्थित अनुसंधान और अग्रैसिव प्रेज़न्टैशन की संस्कृति को बढ़ावा देना है। इसका लक्ष्य उन संगठनों/संस्थाओं को महत्व देना है जिनके साथ वे काम करते हैं, उनकी व्यावसायिक प्रक्रियाओं के बारे में सीखकर, सुधार के अवसरों की पहचान करके और उन्हें बेहतर बनाने में मदद करने के लिए एक समग्र समाधान प्रदान करते हैं।

वित्त, विपणन, संचालन और मानव संसाधन इस पुस्तक में शामिल कुछ प्राथमिक ज्ञान-क्षेत्र हैं। वे उद्योग विशेषज्ञों के साथ निकट संपर्क बनाए रखते हुए विभिन्न प्रकार के आयोजनों और वेबिनार की योजना बनाते हैं एवं बैचों के लिए अतिथि सत्र की सुविधा प्रदान करते हैं।

उद्योग और शिक्षा जगत के बीच की दूरी को पाटने के लिए यह संगठन परामर्श पेशे से जुड़े प्रमुख सदस्यों के साथ लगातार बैठकें आयोजित करता है। यह इसे परामर्श क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले आवश्यक साँचे और रूपरेखा पर सदस्यों को शिक्षित करने को अपने लक्ष्य के ही एक भाग के रूप में भी देखता है। क्लब का लक्ष्य अपने सदस्यों के समस्या समाधान के कौशल में सुधार करना और उन्हें जटिल समस्याओं का विश्लेषण करने के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण प्रदान करना है।

इसके अलावा, फेसबुक, लिंक्डइन और ट्विटर जैसी साइटों पर इसकी मज़बूत ऑनलाइन उपस्थिति है एवं यह न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर के औद्योगिक व्यापारों में हो रहे नवीनतम रणनीतिक विकास के बारे में नियमित रूप से पोस्ट करता है।

गतिविधियाँ/आयोजन

- रणभूमि: वार्षिक अखिल भारतीय केस स्टडी प्रतियोगिता।
- एंडगेम × सेसिमएलीट: नेशनल बिजनेस सिमुलेशन गेम।
- कौन बनेगा सलाहकार: रणनीति और परामर्श कौशल का परीक्षण करने के लिए एक ऑफ़लाइन कार्यक्रम।
- कंसल्टिंग नाइट्स: राष्ट्रीय स्तर की केस स्टडी प्रतियोगिता।
- दूरदर्शिता श्रृंखला: एक इंट्रा-कॉलेज कार्यक्रम।
- कॉन्सिलियम इनसाइडर:मासिक सूचनापत्र।
- विवेचन 6.0: अखिल भारतीय लेख लेखन प्रतियोगिता।
- कॉन्सिलियम वार्तालाप: रणनीति वार्ता श्रृंखला।
- परामर्श, रणनीति और अनुमान पर वेबिनार।
- कंसिलियम बूटकैम्प।
- बैटल ऑफ़ विटीएस्ट।

विभिन्न कार्यक्रमों के मुख्य अंश

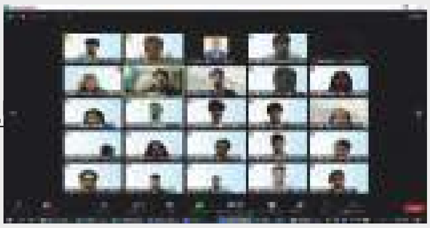

एचआर क्लब का उद्देश्य पूरे शैक्षणिक वर्ष में नियमित रूप से कार्यक्रम आयोजित करके मानव संसाधन प्रबंधन पद्धतियों को सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देना है। क्लब का मुख्य सिद्धांत उद्योग और शिक्षा जगत के बीच की दूरी को पाटना है। यह नियमित रूप से लेखों और ज्ञानरंजन के माध्यम से मानव संसाधन में बदलते रुझानों के बारे में कंटेन्ट पोस्ट करके अपने सोशल मीडिया हैंडल को अपडेट करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/कृतिम बुद्धिमत्ता की शुरूआत जैसे उद्योग में लगातार बदलते रुझानों के साथ, एचआररिदम शीर्ष प्रबंधन में एचआर की स्थिति और संगठन में कर्मचारियों के विश्वास को बनाए रखने के बीच संतुलन बनाए रखते हुए, भविष्य के एचआर नेतृत्वकर्ताओं को ज्ञान प्रदान करने एवं पारस्परिक कौशल विकसित करने में उनकी मदद करने का प्रयास करता है। यह इंटर और इंट्रा-कॉलेज कार्यक्रम आयोजित करता है, जहाँ प्रतिभागियों से वास्तविक जीवन की एचआर जटिलताओं को हल करने एवं एचआर डोमेन में वर्तमान रुझानों तथा आगामी कार्यप्रणालियों के बारे में अपनी राय देने की अपेक्षा की जाती है।

गतिविधियाँ/आयोजन

- स्क्रिबल ड्रिबल
- एक एचआर के जीवन का एक दिन।
- प्रज्ञान - प्रमुख केस स्टडी प्रतियोगिता।
- इग्नाइट
- डॉ. टीवी राव का दौरा
- नुवोको विस्टास कॉर्प में मुख्य मानव संसाधन अधिकारी मनीषा केलकर के साथ वेबिनार
- डेसिपएचआर

4. **सिद्धि एचआर एनालिटिक्स केस स्टडी प्रतियोगिता:** 15 जून 2024 को हॉलिडे इन बैंगलोर में, यह आईआईएम काशीपुर की एचआर के डोमेन पर आधारित प्रमुख केस स्टडी प्रतियोगिता है। पंजीकृत प्रतिभागियों की संख्या 1700 से अधिक थी। इसमें तीन चरण शामिल थे जिसमें क्विज़, प्रेजेंटेशन की तैयारी और उसके बाद दो स्तर की ऑफ़लाइन प्रस्तुति शामिल थी। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम स्थल पर ऑफ़लाइन अपने समाधान प्रस्तुत किए। लगभग 100 से आदिक प्रतिभागी ऑफ़लाइन उपस्थित थे। शीर्ष 5 टीमों ने पैनल के सामने अपने समाधान प्रस्तुत किए। यह आयोजन पेरेनियल 2024 के तहत प्लेसमेंट कमेटी के सहयोग से किया जा रहा है।

ऐच्छिक सत्र: हमने बैच के लिए ऐच्छिक सत्र आयोजित किया, जहाँ द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने अपने द्वारा चुने गए ऐच्छिक विषयों के बारे में अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

संकाय बैठक: हमने एक संकाय बैठक भी आयोजित की, जहाँ विद्यार्थियों को संकायों से मिलने और उनसे डोमेन ऐच्छिक विषयों के बारे में अपने संदेह निवारण करने का अवसर मिला।

फीनिक्स के साथ व्यावसायिक प्रमाणन के लिए समझौता: दोनों बैचों के विद्यार्थियों के लिए व्यावसायिक प्रमाणन के लिए तीसरे पक्ष के साथ चर्चा।

डोजियर: आने वाले बैच के लिए डोजियर की तैयारी और परिचय प्रस्तुति।

प्रचार-प्रसार: यदि अन्य कॉलेजों से कोई कार्यक्रम हो तो मेल अग्रेषित करना।

5. **ऑन योर मार्क - मार्केटिंग क्लब**

ओवाइएम (OYM) की स्थापना 16 जनवरी 2014 को विद्यार्थियों द्वारा मार्केटिंग के प्रति अपने प्रेम को प्रदर्शित करने के लिए की गई थी। ओवाइएम (OYM) का उद्देश्य मार्केटिंग के क्षेत्र से संबंधित सभी मामलों में आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थियों के लिए एक अनुकूल और पोषणकारी लोकाचार बनाना है।

इस क्लब का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच रुचि विकसित करना एवं व्यावहारिक और सैद्धांतिक शिक्षा के सम्मिश्रण के माध्यम से उन्हें मार्केटिंग की स्पष्ट समझ बनाने में सहायता करना है। हम विद्यार्थियों को मार्केटिंग के क्षेत्र में अपना करियर तलाशने में मदद करना चाहते हैं और इस प्रकार उनकी उद्योग भर्ती प्रक्रिया में आवश्यक सहायता प्रदान करते हैं। यह

क्लब संवादात्मक कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, प्रश्नोत्तरी, प्रतियोगिताओं और केस स्टडीज जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को मार्केटिंग की स्पष्ट और व्यापक समझ बनाने में सहायता करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है।

गतिविधियाँ/आयोजन

- मार्कहोलिक केस-स्टडी प्रतियोगिता
- गुरिल्ला मार्फेयर
- उत्पाद पुनरुत्थान
- मीम-ओमेंटो
- डंब चैरेड्स
- पिच प्लीज

6. ओएसएम- संचालन एवं आपूर्ति प्रबंधन समिति

आईआईएम काशीपुर में संचालन एवं आपूर्ति प्रबंधन (ओएसएम) समिति/क्लब लगातार संचालन, उत्पादन एवं विनिर्माण, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, योजना संचालन, संचालन अनुसंधान और परियोजना प्रबंधन के क्षेत्र में काम करता है। यह क्लब विद्यार्थियों को समर्पित एक आदर्श माध्यम के रूप में कार्य करता है, जो उन्हें अपने कार्यक्षेत्र का ज्ञान प्राप्त करने और उस क्षेत्र से संबंधित उनकी रुचियों को आगे बढ़ाने में सहायता कर नए क्षितिज तलाशने में मदद करता है। क्लब ने कई इंट्रा/इंटर-कॉलेज कार्यक्रमों और संवादात्मक सत्रों को सफलतापूर्वक आयोजित करके, कॉरपोरेट्स और साथी संस्थानों के बीच अपनी सर्वोच्च उपस्थिति दर्ज़ की है एवं शिक्षण के प्रति प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता प्रदर्शित करने के साथ-साथ अपने कार्यक्षेत्र की प्रगति का प्रसार करने में अग्रणी धावक रहा है।

गतिविधियाँ/आयोजन

- ऑप्स-कैस्केड 2.0 (इंट्रा-कॉलेज टॉवर निर्माण चुनौती)।
- सिक्स सिग्मा ग्रीन बेल्ट सर्टीफिकेशन।
- ऑप्सफ़ीड - मासिक सूचनापत्र।
- ऑपरेटियस (अखिल भारतीय केस स्टडी प्रतियोगिता)
- ऑस्मोसिस 5.0 (अखिल भारतीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता)
- ऑप्स ब्लेज़ 3.0 (अखिल भारतीय स्वाँग प्रतियोगिता)
- ओपीएस-एनलाइट
- क्लैश ऑफ क्लब्स
- ग्रांट थॉर्नटन (जीटी) द्वारा लीन सिक्स सिग्मा ब्लैक बेल्ट।
- ओपीएस-हंट 4.0
- वी-गार्ड का औद्योगिक दौरा
- ग्रीन और ब्लैक बेल्ट प्रमाणन

7. इकोनॉमिक्स क्लब/अर्थव्यवस्था समिति

आईआईएम काशीपुर का इकोनॉमिक्स क्लब आईआईएम काशीपुर के सात शैक्षणिक क्लबों में से एक है। यह क्लब

विद्यार्थियों को अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नई संभावनाएँ तलाशने के लिए प्रोत्साहित करता है और जिज्ञासु दिमाग़ों को सीखने, वाद-विवाद करने और दुनिया भर में हो रही आर्थिक नीतियों एवं विकास पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इकोनॉमिक्स क्लब की स्थापना वर्ष 2019 में एक रुचि-आधारित क्लब के रूप में की गई थी, जिसका उद्देश्य अर्थव्यवस्था के क्षेत्र के बारे में ज्ञान प्रदान करना और चर्चाएँ आयोजित करना एवं व्यवसाय के विभिन्न क्षेत्रों के साथ इसके महत्व तथा जुड़ाव को उजागर करना था। दिवंगत अमेरिकी अध्येता वॉरेन बेनिस ने कहा था कि "प्रबंधन में सफलता के लिए उतनी ही तेज़ी से सीखना आवश्यक है, जितनी तेज़ी से दुनिया बदल रही है"। इस धारणा को ध्यान में रखते हुए, क्लब ने इच्छुक प्रबंधकों के लिए अपने दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाली "अर्थव्यवस्था" के बारे में जागरूक होना और उन्हें व्यावसायिक स्थितियों के साथ अधिक कुशलता से निपटने के लिए तैयार करना बेहद प्रासंगिक पाया है। अपनी स्थापना के बाद से, इकोनॉमिक्स क्लब ने धीरे-धीरे एक 'कोर अकादमिक क्लब' का दर्ज़ा प्राप्त कर लिया है और क्लब-आधारित कई सफल गतिविधियों में शामिल रहा है।

गतिविधियाँ/आयोजन

- अर्थशास्त्र
- इकोन्स का खेल
- इन्फोग्राफिक बनाने की प्रतियोगिता
- फिल्मोनॉमिक्स
- केंद्रीय बजट का पूर्वानुमान
- केंद्रीय बजट विश्लेषण
- ***Arthat***

8.<u>फाइनैन्स क्लब/ वित्त समिति</u>

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर का फाइनेंस क्लब आईआईएम काशीपुर के अधिकार-क्षेत्र में वित्त की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक विद्यार्थी-संचालित पहल है। इसकी स्थापना विभिन्न सम्मेलनों, आयोजनों, गतिविधियों, कार्यशालाओं और ज्ञान-साझाकरण सत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों के वित्तीय ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी। इन वर्षों में, क्लब ने आने वाले विद्यार्थियों की बदलती आवश्यकताओं और कौशल प्रवृत्तियों के अनुसार खुद को ढाला है और कक्षा के बाहर वित्तीय ज्ञान की एक मजबूत नींव स्थापित करने में मदद करने के लिए उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में शामिल किया है।

गतिविधियाँ/आयोजन

- प्रगति- आईआईएम काशीपुर का निवेश कोष।
- सीएफए रिसर्च, ईएसजी, और एथिक्स चैलेंज।
- राष्ट्रीय वित्त ओलंपियाड
- एसिमेटस
- इक्विटी रिसर्च चैलेंज- एक प्रतियोगिता जिसमें अपनी पसंद के क्षेत्र का विश्लेषण करने के बाद एक विस्तृत 'इक्विटी रिसर्च रिपोर्ट' जमा करनी होती है।
- व्यापार वस्तु विनिमय
- आचार संहिता और व्यावसायिक आचरण के मानकों से जुड़े विषयों को समाविष्ट करने के लिए सीएफए नैतिकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

• अखिल भारतीय प्रतियोगिताएँ: एस्टिमेटस, ओपन आउटक्राई, और सिमुलेशन चैलेंज।

• हाई स्टेक्स- हेजिंग और जोखिम प्रबंधन के लिए प्रतिभागियों के कौशल को प्रदर्शित करने वाला सिमुलेशन कार्यक्रम, जो काशीपुर प्रीमियर लीग (केपीएल) के साथ मिलकर आयोजित किया जाता है।

• सिमुलेशन चैलेंज

• लेक्शमन (मॉर्गन स्टेनली) द्वारा अतिथि व्याख्यान

9. टाइटन - आईटी और एनालिटिक्स क्लब

टाइटन क्लब, एनालिटिक्स के प्रति उत्साही लोगों की एक पहल थी, जिसका उद्देश्य विभिन्न प्रतियोगिताओं, ज्ञान-साझाकरण सत्रों और इस क्षेत्र में उद्योग के नेतृत्वकर्ताओं के साथ बातचीत के माध्यम से 'आईटी और एनालिटिक्स' के बारे में विद्यार्थियों के अंदर रुचि पैदा करना था। आईटी और एनालिटिक्स में अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए क्लब पूरे शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित करता है। क्लब आईटी और एनालिटिक्स के क्षेत्र में विभिन्न कैरियर विकल्पों के बारे में मार्गदर्शन भी देता है। यह सोशल मीडिया सहभागिता के साथ-साथ ज्ञान-साझाकरण सत्रों के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान विकसित करने में भी मदद करता है। इस क्लब का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में अवसरों और संभावनाओं से परिचित कराकर एनालिटिक्स में कैरियर बनाने के लिए प्रेरित करना है।

गतिविधियाँ/आयोजन

• ब्रेनडेयर

• प्रोडेजी

• डेटाज़ोइड्स

•डेटासाइट्स

• सुसंगति

• डैशबोर्ड वार्स

• डेटा क्रॉनिकल्स (न्यूज़लेटर)

• ज्ञान साझाकरण सत्र

• फीनिक्स ग्लोबल के सहयोग से उत्पाद प्रबंधन प्रमाणन

•क्विज़नैलिटिक्स

• टैबलो वर्कशॉप

• सर्वाइवल रूम

इंटेरेस्ट बेस्ड क्लब्स/ रुचि-आधारित समितियाँ

1. एक्स्पिडिशन क्लब/ अभियान समिति

"दुनिया एक किताब है और जो लोग यात्रा नहीं करते वे केवल एक पृष्ठ पढ़ते हैं।" - सेंट ऑगस्टाइन।

इस सटीक उद्धरण पर अनुसरण करते हुए, एक्सपीडिशन क्लब आईआईएम काशीपुर समुदाय को पहाड़ों की विशालता, दूर तक फैले महासागरों, शुष्क रेगिस्तानों और पर्यटन क्षेत्र में अवसरों की बहुलता से परिचित कराने का प्रयास करता है। हम ख़ानाबदोशों और रोमांच चाहने वालों का एक समूह हैं, जिनमें यात्रा करने का समान जुनून है। क्लब के दिन-प्रतिदिन के कार्यों में विभिन्न प्रकार के आयोजनों और अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं के माध्यम से, व्यापारिक समुदाय के बीच पर्यटन और स्वस्थता को बढ़ावा देना शामिल है। जैसा कि आईआईएम काशीपुर का लोगो तीन आधार रेखाओं 'लोग, ग्रह और लाभ' को दर्शाता है, इस क्लब का लक्ष्य हमारे प्रिय ग्रह पृथ्वी पर स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देना है।

गतिविधियाँ/आयोजन:

- गो नोमैड
- वोयेजर ऑफ द ईयर
- पंगोट ट्रिप, उत्तराखंड
- ओपन माइक प्रतियोगिता
- कैम्पिंग सिमुलेशन

2. विदेशी भाषा और संस्कृति समिति

हमारी विदेशी भाषा और संस्कृति समिति में आपका स्वागत है! एफएलसीसी में, हम मानते हैं कि प्रत्येक संस्कृति और भाषा में सबको देने के लिए कुछ विशिष्ट है। हमारा क्लब विद्यार्थियों को नई भाषाओं और संस्कृतियों को खोजने, उनसे परिचित होने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए गठित किया गया है, जो वैश्विक व्यापार जगत में उनके भविष्य के कैरियर को लाभान्वित कर सकता है।

यह क्लब कई प्रकार की गतिविधियाँ और कार्यक्रम आयोजित करता है, जो भाषा कौशल और सांस्कृतिक जागरूकता को उन्नत करने में सहायता करते हैं। हम दुनिया भर के पेशेवरों के साथ विदेशी भाषा और सांस्कृतिक कार्यशालाएँ, केस और

क्विज़ प्रतियोगिताएँ एवं वेबिनार आयोजित करते हैं। हम अन्य संस्कृतियों के त्योहारों, जैसे हैलोवीन (एक जापानी सांस्कृतिक कार्यक्रम) आदि का भी अवलोकन करते हैं, जो हमारे वैश्विक समुदाय की विविधता को दर्शाते हैं।

वसुधैव कुटुम्बकम, जो यह मानता है कि हम सभी एक ही वैश्विक परिवार का हिस्सा हैं, एक दर्शन है जिसका हम पालन करते हैं। विविधता में एकता को बढ़ावा देना एवं सांस्कृतिक बाधाओं को दूर करना, एक नई भाषा और संस्कृति को सीखने के माध्यम से हासिल किया जा सकता है।
आयोजन/गतिविधियाँ:

- **हेलोवीन**: आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय संस्कृतियों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए, यह मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जहाँ विद्यार्थियों ने पोशाक प्रतियोगिताओं, रैंप वॉक और फेस पेंटिंग के माध्यम से अपने रचनात्मक कौशल को दर्शाया।
- **वर्ड वर्कआउट**- विद्यार्थियों को हमारे दैनिक जीवन में उपयोग किए जाने वाले विदेशी शब्दों के बारे में अधिक जागरूक बनाने और उन्हें यह समझाने के लिए कि उन शब्दों की उत्पत्ति क्या है एवं उन्हें एक वाक्य में सही तरीके से कैसे उपयोग किया जाए, चार वर्ड वर्कआउट किए गए हैं।
- **एफएलसीसी नोट** - सूचनाओं की एक श्रृंखला जो किसी कंपनी और उनके उत्पादों में सांस्कृतिक महत्व का अनुमोदन करती है, साथ ही दर्शाती है कि यह उनके लाभ को कैसे प्रभावित करती है। यह दिख रहा है कि कैसे विभिन्न कंपनियाँ इस सांस्कृतिक कारक के कारण शुरूआत में विफल रहीं और बाद में अपने उत्पादों में उसी सांस्कृतिक कारक के साथ बाजार पर कब्जा कर लिया। 2023-24 में तीन एफएलसीसी नोट्स जारी किए गए हैं।
- **थैंक्सगिविंग डे** – यह थैंक्सगिविंग के महत्व को दर्शाने के लिए है, जो कि चिंतन, कृतज्ञता और प्रियजनों के साथ समय बिताने का समय है। विद्यार्थियों ने अपने प्रियजनों के साथ अपना कीमती समय साझा किया, जो हमारे इंस्टाग्राम पेज स्टोरीज़ में दिखाया गया था।
- **कुइज़ू**: 'अनस्टॉप' पर एक सांस्कृतिक प्रश्नोत्तरी, जिसमें विद्यार्थियों को विदेशी संस्कृति जैसे- कला, वास्तुकला, और अन्य पहलुओं, भाषाओं एवं व्यावसायिक पद्धतियों के बारे में उनके ज्ञान का परीक्षण किया गया।
- **विदेशी भाषा कार्यशाला**: क्लब ने विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम के तहत आए फ्रांस के विद्यार्थियों के सहयोग से, परिसर में विद्यार्थियों के लिए एक 'फ्रेंच भाषा कार्यशाला' का आयोजन किया। इस प्रकार, हमने फ्रेंच भाषा में बैच की रुचि को बढ़ावा दिया, क्योंकि उन्हें भाषा के रोज़मर्रा के शब्द और वाक्यांश सीखने को मिले।
- **प्रोड्लांच:** 'अनस्टॉप' पर उत्पाद लोकार्पण प्रस्तुति प्रतियोगिता, एक अखिल भारतीय प्रतियोगिता जिसने अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में लॉन्च किए जाने वाले नए भारतीय उत्पादों की रणनीति और विपणन कार्यान्वयन पर संस्कृति के प्रभाव को प्रदर्शित किया।
- **डुओलिंगो**: डुओलिंगो प्लैटफॉर्म पर एक महीने तक चलने वाली भाषा प्रतियोगिता, जो विद्यार्थियों को एक संवादमूलक वातावरण में किसी विदेशी भाषा को सीखने के लिए प्रेरित करती है। छात्र अपने समय की उपलब्धता के अनुसार, डुओलिंगो प्लेटफ़ॉर्म पर अंतराल पुनरावृत्ति का उपयोग करके शब्दावली, व्याकरण, उच्चारण और श्रवण-कौशल सीखेंगे एवं अभ्यास करेंगे।

3. कैप्चर्ड: फ़ोटोग्राफ़ी क्लब

यह क्लब आईआईएम काशीपुर परिसर में होने वाली सभी गतिविधियों के कवरेज के लिए ज़िम्मेदार है। हम अपने प्रमुख कार्यक्रम अग्नित्रय और अन्य प्रसिद्ध कार्यक्रमों जैसे उत्तिष्ठ, टेडएक्स के साथ-साथ संग्राम और अन्य खेल आयोजनों को कवर करते हैं।

हम शानदार फोटोग्राफ और वीडियो के रूप में बाहरी दुनिया को आईआईएम काशीपुर की सुंदरता दिखाते हैं। यह क्लब कॉलेज के उभरते फ़ोटोग्राफ़रों को फ़ोटो ऑफ़ द मंथ और फ़ोटो ऑफ़ द वीक के माध्यम से, क्लब के सोशल मीडिया हैंडल पर प्रदर्शित करके एवं फ़ोटोग्राफ़ी कार्यशालाओं और फोटो वॉक्स जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करके उनका पोषण भी करता है।

हम आईआईएम काशीपुर में बिताए पलों को खुशनुमा यादों में बदलते हैं, ऐसे दृश्य जिन्हें आईआईएम काशीपुर परिवार का कोई भी सदस्य दोबारा देख सकता है और जीवन भर याद रख सकता है।

गतिविधियाँ/आयोजन

- पिक्सेलर- माह का फोटो।
- परिसर के भीतर सभी विद्यार्थी निकायों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों को कवर करना।

4. लिटरेरी क्लब/ साहित्यिक समिति

आईआईएम काशीपुर में लिटरेरी क्लब/साहित्यिक समिति विद्यार्थियों के बीच सभी साहित्यिक-संबंधी ज्ञानक्षेत्रों जैसे पुस्तक पठन, वाद-विवाद, कविता पाठ, कथाकारिता, तात्कालिक भाषण, संचारण, रचनात्मक लेखन इत्यादि को बनाए रखने और बढ़ावा देने के लिए अस्तित्व में है। लिट क्लब पूरे वर्ष इन कौशलों को निखारने के उद्देश्य से कई आकर्षक गतिविधियों और कार्यक्रमों को रूपायित और संचालित करता है।

साहित्यिक गतिविधियों के लिए आंतरिक संसाधनों का उपयोग करने के अलावा, क्लब विभिन्न बाहरी कॉलेजों, साहित्यिक कार्यक्रमों और समूहों के साथ सहयोग करता है ताकि क्लब की गतिविधियों का दायरा और बढ़ाया जा सके।

गतिविधियाँ/आयोजन:

- इंट्रा कॉलेज कार्यक्रम: काबुलीवाला की तरह कहें, शब्दकोष।
- डु कोयूर, राइट फ्रॉम द हार्ट, परिप्रेक्ष्य, अभिव्यक्ति।
- पुस्तक समीक्षाएँ।
- एमबीए 2022-24 बैच के लिए वार्षिकी।
- सीमाओं के पार विचार - G20 ब्लॉग लेखन चुनौती 2023
- स्पेललिट - आईआईएम काशीपुर की पहली स्पेलिंग बी।

वितरण तिथि: 22-04-2024

कार्यक्रम विवरण: साहित्यिक समिति ने आईआईएम काशीपुर में बिताए गए स्मरणीय वर्षों की याद और गर्व के प्रतीक के रूप में 2022-2024 के एमबीए और एमबीएए बैच के लिए जानकारी एकत्रित कर, डिजाइन किया एवं वार्षिक पुस्तिका वितरित की।

इस प्रक्रिया में डेटा संग्रह, सत्यापन, संपादन, डिजाइनिंग और डिजिटल मास्टर कॉपी की सेटिंग सहित विभिन्न चरण शामिल थे। वे इस प्रकार हैं:

1. **वार्षिक पुस्तक डेटा संग्रह:** जनवरी में, विद्यार्थी प्रशंसापत्र, तस्वीरें और आयोजनों की यादें एकत्र करने के लिए बैच के साथ फॉर्म लिंक साझा किया गया था। इसके अलावा, इस साहित्यिक समिति ने ह्यूमन्स ऑफ काशीपुर सेक्शन में अपडेट की गई तस्वीरों के लिए आईआईएम काशीपुर के फोटोग्राफी क्लब - कैप्चर्ड के साथ मिलकर प्रशासनिक कर्मचारियों के फोटो सत्रों का समन्वय किया।
2. **सत्यापन और संकलन:** फॉर्म से प्राप्त डेटा को साहित्यिक समिति द्वारा सत्यापित और संकलित किया गया। इसका उद्देश्य वार्षिक पुस्तिका में '24 के बैच का व्यापक प्रतिनिधित्व तैयार करना, सटीकता सुनिश्चित करना और विसंगतियों को दूर करना था।

3. **सुचारू वितरण:** संस्थान प्रशासन द्वारा विक्रेता के चयन के बाद, साहित्यिक समिति ने दीक्षांत समारोह के दौरान वितरण की योजना बनाने और उसे सुचारू रूप से क्रियान्वित करने के लिए विद्यार्थी परिषद, प्रशासन और विद्यार्थी स्वयंसेवकों के साथ समन्वय किया। एक समर्पित टीम ने वार्षिक पुस्तिकाओं का आयोजन किया एवं यह सुनिश्चित किया कि 2022-2024 के एमबीए और एमबीएए बैच के प्रत्येक स्नातक विद्यार्थी, जिन्होंने पुस्तिका का विकल्प चुना था, को दीक्षांत समारोह के दिन 22 अप्रैल 2024 को उनकी प्रति प्राप्त हो जाए।

5. **परवाज़**

परवाज़, आईआईएम काशीपुर का ड्रमैटिक्स क्लब/ नाटक समिति है, जो किसी धारणा, मनोभाव, अभिव्यक्ति या भावना को इस तरह से निकालता है, निखारता है, पोषित करता है और प्रदर्शित करता है कि यह हमारे प्रिय दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ जाता है। क्लब कई कार्यक्रमों में प्रदर्शन करके और इंटरकॉलेज एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन करके, आईआईएम काशीपुर के दर्शकों का मनोरंजन करने की ज़िम्मेदारी लेता है। यह क्लब नवरस, नौ भावनाओं को दर्शकों तक महसूस कराने के लिए नुक्कड़ नाटक, नाटक मंचन, मूक-अभिनय आदि जैसे कई कार्यक्रम आयोजित करता है।

गतिविधियाँ/आयोजन:

- दशहरा नाटक।
- स्वतंत्रता दिवस पर नाटक।
- उद्घाटन समारोह प्रारम्भ।
- महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन का अंतर्राष्ट्रीय दिवस।
- सीन क्या है।
- इमैक्युलेट प्ले
- नाटक: "ब्रेकिंग द साइलेंस", स्पेक्ट्रम के साथ सहयोग से।
- नुक्कड़ नाटक "अभिव्यक्ति की आज़ादी"।
- अभिनय कार्यशाला और इम्प्रोव बैटल।
- बोर्डरूम ड्रामा।
- मंडे मिमिक्री: हम अपनी शैली में किसी प्रसिद्ध फिल्म के दृश्य की नकल करते हैं।

6. **क्रेस्ट**

क्रेस्ट आईआईएम काशीपुर का क्विज़ क्लब/प्रश्नोत्तरी समिति है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों के प्रज्ञावान मस्तिष्क में क्विज़िंग/प्रश्नोत्तरी संस्कृति को आत्मसात कराना है। क्रेस्ट आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थियों के बीच एक स्वस्थ और प्रतिस्पर्धी क्विज़िंग/प्रश्नोत्तरी संस्कृति को भी बढ़ावा देता है एवं उन्हें किसी भी कॉर्पोरेट एवं बी-स्कूल प्रतियोगिताओं के पहले दौर में सफल होने के लिए तैयार करता है। क्रेस्ट उन लोगों के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करता है जो व्यवसाय, मनोरंजन, सामान्य जागरूकता और साहित्य जैसी विभिन्न शैलियों में अपनी बुद्धि का प्रदर्शन करना चाहते हैं। इसके अलावा, हमारे क्विज़ और सत्र उन प्रतियोगिताओं का विश्लेषण करने पर केंद्रित हैं, जो सक्रिय व्यक्तियों का एक समूह बनाने में मदद करते हैं और विद्यार्थी 'क्विज़िंग/प्रश्नोत्तरी के लिए अपनी इच्छा को शांत करने' के लिए उन गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

हमारी मूल विचारधारा यह है कि "केवल सही उत्तर जानना ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि सही प्रश्न पूछने की क्षमता विकसित करना भी महत्वपूर्ण है।"

क्लब क्रेस्ट के सोशल मीडिया अकाउंट पर अभियान श्रृंखला भी चलाता है, जिससे इंस्टाग्राम, फेसबुक और लिंक्डइन पर जुड़ाव बढ़ा है।

गतिविधियाँ/आयोजन:
• फ्रेशर्स'क्विज़
• KQL (काशीपुर क्विज़िंग लीग)
• G20 प्रश्नोत्तरी
• स्वच्छतापखवाड़ा - स्वच्छता ही सेवा
• प्रश्नमंच
• क्वेस्टोपिया

7. **रीवर्ब - संगीत क्लब**
8. **स्पेक्ट्रम**

स्पेक्ट्रम-आईआईएम काशीपुर की विविधता और समावेशन समिति, आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थियों की एक पहल है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों के लिए समावेशी और न्यायसंगत वातावरण बनाए रखने की दिशा में काम करने के उद्देश्य से, विविध पृष्ठभूमि के व्यक्तियों के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाना एवं परिसर के समस्त विद्यार्थियों, भूतपूर्व विद्यार्थियों, संगी-साथियों और भावी सहयोगियों के लिए प्रगतिशील निगमों में करियर के लिए एमबीए समूह तैयार करने के ध्येय को पाना है, जो विविधता को महत्व देते हैं और विभिन्न नस्लों, जातीयताओं, राष्ट्रीयताओं, सामाजिक आर्थिक स्थितियों, धार्मिक पृष्ठभूमि , लिंग, लैंगिक पहचान, अभिव्यक्ति और यौन रुझान से संबंधित व्यक्तियों के बीच पारस्परिक सम्मान को अपनाने वाली संस्कृतियों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देते हैं।

विविधता और समावेशन समिति/क्लब का उद्देश्य अपनी प्रबंधकीय विशेषज्ञता, कौशल एवं भावनात्मक बुद्धिमत्ता का उपयोग करके सार्थक तरीके से विविधता और समावेशन के बारे में जागरूकता तथा संवेदनशीलता को बढ़ावा देना है।

क्लब लंबे समय से गैर-सरकारी संगठनों, स्वैच्छिक गैर-लाभकारी संगठनों और निगमों के साथ संबंध बनाने और संस्थान के विकास को पूरा करने के लिए संबंधों का लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

शिक्षाविदों, विद्यार्थियों, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग, बुद्धिजीवियों एवं गैर-लाभकारी संस्थाओं जैसे हितधारकों से बातचीत और कार्यक्रम आयोजित करके एकीकृत प्रयास द्वारा यह सुनिश्चित किया जाता है कि शिक्षा और उद्योग के बीच मौजूदा कौशल अंतर को पाटा जा सके।

इसके अलावा, यह लिंक्डइन और इंस्टाग्राम जैसी सोशल मीडिया साइटों पर ऑनलाइन उपस्थिति बनाए रखता है।

गतिविधियाँ/आयोजन:
- पॉश कार्यशाला
- ब्रेकिंग
- हार्ट टू हार्ट
- बडी प्रोग्राम बडी प्रोग्राम
- विविधता और समावेशन कार्यशाला

- स्वास्थ्य और सचेतन कार्यशाला
- महिलाओं के विरुद्ध हिंसा का उन्मूलन पखवाड़ा
- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

9. मोशन पिक्चर क्लब

मोशन पिक्चर क्लब का लक्ष्य विश्व सिनेमा से जुड़े मनोरंजक चैनलों के माध्यम से प्रबंधन शिक्षा को बढ़ावा देना है। क्लब विद्यार्थियों को उनके व्यस्त एमबीए शेड्यूल के बीच फिल्मों के माध्यम से आनंद लेने में भी मदद करता है। प्रबंधन से संबंधित फिल्मों की स्क्रीनिंग के माध्यम से, टीएमपीसी का लक्ष्य उन फिल्मों से मिलने वाली सीख के बारे में चर्चा उठाना है और हम एक क्लब के रूप में विभिन्न अंतर्दृष्टि भी प्रदान करते हैं, जो आईआईएम काशीपुर समुदाय के लिए मददगार हो सकती हैं।

यह क्लब विद्यार्थियों को विश्व सिनेमा से प्रबंधन शिक्षा पर चर्चा करने के लिए एक मंच निर्मित करने में भी सहायता करता है। हम उद्देश्यों को पूरा करने के लिए पूरे शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों, कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं। उनके माध्यम से हम विद्यार्थियों को पाठ्येत्तर गतिविधियों में सक्रिय रुचि लेने और उनकी सर्वांगीण क्षमता को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

•क्रिटिक डु फ्लिक: एक साप्ताहिक मूवी समीक्षा-सह अनुशंसा पहल, जहाँ विभिन्न शैलियों, भौगोलिक क्षेत्रों और भाषाओं की फिल्म समीक्षाएँ टीएमपीसी के विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट की जाती हैं। इसका उद्देश्य दुनिया भर में उपलब्ध विविध फिल्मों तक पहुँच प्रदान करना और उनके बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

• लेख लेखन प्रतियोगिता: फिल्मों के प्रबंधन के एक विशेष विषय पर लेख लेखन प्रतियोगिता (<1000 शब्द)। यह कार्यक्रम अनस्टॉप पर आयोजित किया गया था। इन लेखों का मूल्यांकन फिल्म के विवरण के आधार पर किया गया था, कि लेख फिल्म की विषयवस्तु से है और इसकी थीम प्रबंधन ज्ञान से कैसे संबंधित है।

• पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता: मोशन पिक्चर क्लब ने एक पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें प्रतिभागियों को एक क्रॉस-ओवर मूवी पोस्टर डिजाइन करना था। इसमें प्रतिभागी को अपनी पसंदीदा किसी एक फिल्म का चरित्र चुनना और उसे किसी अन्य फिल्म के शीर्षक के साथ मिलाकर पोस्टर बनाना होता है। जीतने का मानदंड रचनात्मकता और प्रासंगिकता होगा।

• मासिक मूवी/मैच स्क्रीनिंग: मासिक फिल्म या खेल मैच की स्क्रीनिंग। बैच के बीच उनके महत्व और प्रासंगिकता के आधार पर खेल मैच दिखाए जाएँगे। कैंपस में मूवी स्क्रीनिंग की गई। प्रबंधन डोमेन से संबंधित फिल्मों को दिखाने के लिए इकोन्स जैसे अकादमिक क्लबों के साथ नियमित सहयोग किया गया।

10.एक्स्टेटिक - द डांस क्लब

"जब आप नृत्य करते हैं, तो आप अपने होने की विलासिता का आनंद ले सकते हैं।" - कोएल्हो

नृत्य हमें अपनी भावनाओं को इतने सुंदर तरीके से अभिव्यक्त करने में मदद करता है, जिसे अभिव्यक्त करने में शब्द असमर्थ हैं। एक्स्टेटिक नृत्य कार्यशालाओं और छोटे मियाँ बड़े मियाँ, डेंज़ा दे पपेल जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करता है, हमारा मन्तव्य प्रदर्शन कलाओं के प्रति प्रेम उत्पन्न करना, भागीदारी को प्रोत्साहित करना एवं अधिक लोगों को अपनी क्षमता दिखाने और दिल खोलकर नृत्य करने में सहयोग करना है!

हम, मनोरंजन करने वालों का एक समूह, विभिन्न अंतर-बी-स्कूल नृत्य प्रतियोगिताओं में आईआईएम काशीपुर का प्रतिनिधित्व करते हैं और कॉलेज के कार्यक्रमों एवं समारोहों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। हम एक सरल जीवन मंत्र का पालन करते हैं - यदि आप खुश हैं तो नाचते रहें और यदि आप निराश हैं तो नृत्य करना शुरू कर दें।

गतिविधियाँ/आयोजन:

- छोटे मियाँ बड़े मियाँ
- कार्यशालाएँ – बॉलीवुड, गरबा, सालसा कार्यशालाएँ
- नृत्य प्रतियोगिताएँ
- प्रारम्भ उद्घाटन समारोह
- डांज़ा डे पैपेल
- अग्नित्रय दस

11.कल्याण समन्वयक / वेलनेस कोऑर्डिनटर्स

कल्याण समन्वयक आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थियों तथा परिसर के अंदर और बाहर स्थित चिकित्सा सुविधाओं के बीच संपर्क का काम करते हैं। यह दल/टीम यह सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई थी कि जिन विद्यार्थियों को चिकित्सीय देखभाल की आवश्यकता है, वे समय पर उन सेवाओं तक पहुँच सकें। हमारी टीम किसी भी स्वास्थ्य संबंधी तनाव या आपात स्थिति में विद्यार्थियों की सहायता और समर्थन के लिए हमेशा उपलब्ध है। हम सोशल मीडिया अकाउंट्स के माध्यम से विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और सामान्य स्वास्थ्य कल्याण के संबंध में सलाह, समाधान और प्रेरणा भी प्रदान करते हैं। हम एथलेटिक आयोजनों, जिम की गतिविधियों तथा विद्यार्थियों के लिए उत्पन्न होने वाली किसी भी चिकित्सा आपात स्थिति में सहायता को तत्पर रहते हैं। ये समस्त क्रियाकलाप परिसर में और उसके आसपास होने वाली नियमित गतिविधियों का हिस्सा हैं।

गतिविधियाँ/आयोजन:

- टीकाकरण अभियान: हमने पाठ्यक्रम के दौरान दो टीकाकरण अभियान आयोजित किए गए।
- हर घर ध्यान: आर्ट ऑफ लिविंग के सहयोग से हमने ध्यान का अभ्यास करने, सकारात्मकता को बढ़ावा देने और तनाव-मुक्त करने के लिए विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए एक घंटे के ध्यान सत्र का आयोजन किया।

- स्वास्थ्य बीमा सत्र: चिकित्सा बीमा से संबंधित विषयों जैसे कवरेज सीमा एवं कवरेज कब और कैसे प्राप्त करें, पर विद्यार्थियों के लिए एक अनौपचारिक सत्र का आयोजन किया गया। हमने मौके पर ही प्रश्नों का समाधान भी किया।
- औषधालय व्यवस्था: दवा और अन्य चिकित्सा आपूर्ति प्रदान करने के लिए एक स्थानीय विक्रेता के सहयोग से वेलनेस सेंटर (कल्याण केंद्र) के अंदर ही एक छोटा औषधालय स्थापित किया गया है। यह व्यवस्था हमें मरीजों को तत्काल ही विशिष्ट दवाएँ उपलब्ध कराने की सुविधा देती है और प्रतिदिन लगभग 15-20 मरीज इस व्यवस्था से लाभान्वित होते हैं।
- दंत्य चिकित्सा शिविर: हमने संस्थान के विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारी सदस्यों के लिए परिसर में एक निःशुल्क दंत्य जाँच शिविर का आयोजन किया। इसका संचालन ओरल इंप्लांटोलॉजिस्ट और कॉस्मेटिक ओरल सर्जन, डॉ. वरुण गर्ग ने किया तथा इस शिविर में 60 से अधिक मरीजों ने भाग लिया।

आपका दोस्त अभिविन्यास सत्र

कार्यक्रम की तिथि और स्थान: 29 और 30 जून ऑफ़लाइन मोड में।

कार्यक्रम विवरण: YourDOST के साथ चल रही हमारी साझेदारी के भाग के रूप में, मानसिक स्वास्थ्य भागीदार को प्रथम वर्ष के बैच से परिचित कराने के लिए अभिविन्यास सत्र और सहभागिता गतिविधि (खुशी का चक्र) आयोजित की गई। YourDOST में ग्राहक सफलता प्रबंधक सुश्री यशिका अभिविन्यास सत्र की अतिथि वक्ता थीं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को सक्रिय रूप से सम्मिलित कर, इस सत्र को जानकारीपूर्ण एवं संवादात्मक दोनों बना दिया।

1. CREATIVE STUDIOS – DESIGN CELL

Creative studios is a blend of designers and vendor managers who are responsible for the design and procurement of various merchandise products for the batch and for the different student bodies as per their requirements. It attends to the various

कॉलेज के सभी प्रमुख कार्यक्रमों जैसे वार्षिक उत्सव, खेल गतिविधियाँ और कॉर्पोरेट कार्यक्रम आदि के लिए डिजाइनिंग आवश्यकताएँ (जैसे लोगो, पोस्टर, बैनर, ब्रोशर, सालाना पुस्तक) पूरी करना। टीम को प्रोक्रिएट, फोटोशॉप, एडोब स्केच, फिल्मोरा, ब्लेंडर आदि में विशेषज्ञता प्राप्त है और यह विद्यार्थियों की सहायता के लिए कार्यशालाओं को प्रोत्साहित एवं आयोजित कर कॉलेज में एक रचनात्मक वातावरण बनाने का प्रयास करती है। इसके अलावा हमारी टीम आईआईएम काशीपुर के आधिकारिक ऑनलाइन मर्चेंडाइज स्टोर का प्रबंधन करती है। ऑनलाइन मर्चेंडाइज स्टोर में टी-शर्ट, हुडी, कैजुअल टी-शर्ट, मग, मास्क, पानी की बोतलें और बैज जैसे कई उत्पाद हैं। इन सभी उत्पादों के डिजाइन क्रिएटिव स्टूडियो के एकमात्र अधिकार क्षेत्र में आते हैं। पिछले साल हमारी टीम ने 500 से अधिक आधिकारिक बैच हुडी और 250 से अधिक आधिकारिक बैच टी-शर्ट की खरीद-बिक्री का प्रबंध एवं संचालन किया। इसके अलावा, डिजाइन और शिपमेंट को मूर्त रूप देने के लिए अच्छे विक्रेताओं और डिलीवरी साझेदारों को ढूँढना; और उनके साथ दीर्घकालिक संबंध बनाने पर काम करना इस प्रकोष्ठ की एक अभिन्न जिम्मेदारी है।

गतिविधियाँ/आयोजन:

- विभिन्न विद्यार्थी निकायों और दोनों बैचों के लिए लोगो, टी-शर्ट, बैनर आदि डिजाइन करना।
- वार्षिक पुस्तिका, विद्यार्थी निकाय पुस्तिका और शैक्षणिक समाचार पत्र डिजाइन करना।
- INKTOBER-23, डिजाइन पर अन्य रोचक कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- व्यापारिक उत्पादों की आवश्यकताओं के लिए अन्य क्लबों/समिति के साथ संपर्क करना।

2. <u>परिवर्तन प्रकोष्ठ</u>

परिवर्तन प्रकोष्ठ आईआईएम काशीपुर का सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ है, जो हमारे प्रबंधकीय कौशल और विशेषज्ञता का सर्वोत्तम उपयोग करके हमारे समाज में स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं शिक्षा में सुधार के लिए काम कर रहा है। हम हमेशा ऐसे कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन करने में विश्वास करते हैं, जो कई अवसरों पर विद्यार्थियों के साथ-साथ बृहत्तकाय समाज के बीच जागरूकता बढ़ाते हैं और यह भावना पैदा करते हैं कि साझा करना ही देना है। हम गैर सरकारी संगठनों, स्वैच्छिक गैर-लाभकारी संगठनों, सरकारी संस्थानों और निगमों के साथ सुदृढ़ संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शैक्षणिक वर्ष **2023-24** के लिए गतिविधियाँ/आयोजन:

• काइट्स

• दान अभियान: रक्तदान अभियान, स्टेशनरी वितरण अभियान, क्रिसमस उत्सव, खाद्य दान अभियान, कपड़ा और कंबल दान
• लेख लेखन प्रतियोगिता
• दीवाली प्रदर्शनी
• स्किप ए मील (एक समय का भोजन छोड़ें)
• रन फॉर यूनिटी मैराथन
• कैरियर परामर्श सत्र
• कंबल दान अभियान
• पिच करो
• परिवर्तन कप
• क्रिसमस दिवस
• बाल दिवस

3. <u>तैयारी प्रकोष्ठ</u>

तैयारी प्रकोष्ठ का प्राथमिक लक्ष्य बैच को प्लेसमेंट के लिए तैयार करना एवं साथ ही कौशल प्रवृत्तियों को बढ़ाने और दक्षताओं के निर्माण में सहायता करना है।

गतिविधियाँ/आयोजन:

• मेंटरशिप: कनिष्ठ बैच के विद्यार्थियों के लिए तैयारी प्रकोष्ठ के सदस्यों में से मार्गदर्शक नियुक्त किए गए थे और ये मार्गदर्शक प्रत्येक विद्यार्थी को बायोडाटा और कौशल निर्माण प्रक्रिया पर मार्गदर्शन देने के लिए उत्तरदायी थे।

• बायोडाटा की तैयारी: कनिष्ठ बैच को बायोडाटा प्रारूप और बायोडाटा में किस प्रकार की विषयवस्तु भरी जा सकती है, से परिचित होने के लिए निर्देशित किया गया।

• व्यक्तिगत साक्षात्कार: कनिष्ठ बैच को उनके ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट के लिए थोड़ा आत्मविश्वास और रचनात्मक प्रतिक्रिया देने के लिए मॉक इंटरव्यू लिया गया।

• समूह चर्चाएँ: कनिष्ठ बैच को समूह चर्चाओं का आदी बनाने के लिए मॉक जीडी (कृतिम समूह चर्चाएँ) आयोजित किए गए और उन्हें प्लेसमेंट तैयारी प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, सुधार के क्षेत्रों पर सुझाव दिए गए।

• एसआईपी तैयारी सत्र- विभिन्न कंपनियों के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने और मार्गदर्शन करने के लिए सत्र आयोजित किए गए।

4. <u>प्रायोजन प्रकोष्ठ</u>

शैक्षणिक दृढ़ता के बीच जो एमबीए में अनिवार्य है, वे तत्व जो परिसर को जीवंत रखते हैं, वह हैं परिसर में होने वाले असाधारण कार्यक्रम। इनमें से कुछ कार्यक्रमों में काकोफोनिया, काशीपुर प्रीमियर लीग, कोलेसेंस, टेडएक्स एवं सबसे

अधिक प्रतीक्षित और विलक्षण कार्यक्रम, हमारा प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम अग्नित्रय शामिल हैं। ये आयोजन हमें मंत्रमुग्ध तो करते ही हैं, लेकिन इन्हें विशाल और उत्साह से भरपूर बनाने के पीछे इनके प्रायोजक होते हैं। रोमांचक नकद पुरस्कार और उपहार हमें हमेशा इन आयोजनों में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयासों के साथ अपनी किस्मत आजमाने के लिए एक कदम आगे बढ़ाते हैं। हम प्रयोजन प्रकोष्ठ के सदस्य, इन प्रायोजकों को आकर्षक अनुबंधों के द्वारा उन्हें अपने पटल पर लाने के लिए पूरी तरह उत्तरदायी हैं। आईआईएम काशीपुर के कार्यक्रमों के प्रायोजकों के रूप में आप एसबीआई, मैक्स प्रोटीन और अन्य जैसे नाम सुनते हैं, जो वर्षों से हमारी लगातार कड़ी मेहनत का प्रतीक हैं। प्रायोजन प्रकोष्ठ नए प्रायोजकों को जोड़कर एवं अपने पुराने प्रायोजकों के साथ संबंध बनाए रखकर, आयोजनों के लिए अधिक से अधिक धन का संग्रह करते हुए, इन आयोजनों को भव्य, उज्जवल और बेहतर बनाने में सहायता करता है। हमारा लक्ष्य अपने संस्थान और उसके प्रायोजकों दोनों की पहुँच का विस्तार करना है।

हम क्या करते हैं:

- आयोजनों के लिए नए प्रायोजक जुटाना और वर्तमान प्रायोजकों के साथ संबंधों को सुदृढ़ करना।
- विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल पर प्रचार के माध्यम से प्रायोजकों की पहुँच बढ़ाना।
- हमारी ओर से प्रदेयता पर बल देते हुए संभाव्यता को सामर्थ्यवान प्रायोजकों में परिवर्तित करना।

टीम्स

1. <u>टीम कॉर्पस</u>

टीम कॉर्पस को कॉर्पोरेट और बी-स्कूल केस प्रतियोगिताओं से निपटने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के अवसर पैदा करने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। ऐसी प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन आईआईएम काशीपुर की दृश्यता से जुड़े होते हैं और इस प्रकार यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि विद्यार्थी सही दक्षताओं से युक्त हैं। टीम विद्यार्थियों को इन चुनौतियों का सामना करने के दौरान अपने दृष्टिकोण को परिष्कृत करने के लिए सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करती है।

गतिविधियाँ

- मॉक प्रेजेंटेशन: टीम कॉर्पस मॉक प्रेजेंटेशन आयोजित करती है, जिसमें विद्यार्थी अपने प्रस्तुतिकरण का पूर्वाभ्यास कर सकते हैं, साथ ही विद्यार्थियों को अपनी प्रस्तुति को बेहतर बनाने और निखारने के लिए टीम द्वारा सुधार के लिए सुझाव दिए जाते हैं।
- कार्यशाला: विद्यार्थियों को रचनात्मक रूप से सोचने और उनके दृष्टिकोण को रूपायित करने हेतु प्रशिक्षण देने के लिए विभिन्न संगठनों के साथ सहयोग से कार्यशालाओं का संचालन करना। मामलों के नवीन समाधान तैयार करने के लिए परिकल्पना सोच आवश्यक है।
- भूतपूर्व विद्यार्थी सत्र: ऐसे सत्रों का आयोजन जिसमें कॉर्पोरेट केस प्रतियोगिताओं के विजेता भूतपूर्व विद्यार्थी, मामलों को सुलझाने के लिए अपना ज्ञान और अपनी कार्यप्रणाली प्रदान करते हैं।
- ज्ञान भंडार: टीम कॉर्पस विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा प्राप्त करने और प्रतियोगिताओं में इन सीखों को लागू करने के लिए विचारों, रूपरेखाओं और रणनीतियों का भंडार रखता है।
- डोमेन वारफेयर: प्रतिस्पर्धाओं द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले अनुभव को प्रतिकृत (रिपलिकेट) करने के लिए प्रबंधन कार्यक्षेत्र के विषयों को समाविष्ट करने वाली एक व्यावसायिक प्रश्नोत्तरी।

2. <u>टीम इम्पैक्ट</u>

टीम इम्पैक्ट का प्रमुख उद्देश्य काशीपुर डेवलपमेंट फोरम (केडीएफ) के बैनर तले ऊधम सिंह नगर, काशीपुर के विकास के लिए काम करना है।

सामुदायिक विकास के संबंध में संस्थान एवं विभिन्न सरकारी और प्रशासनिक निकायों के बीच संपर्क के रूप में कार्य करना।

हम काशीपुर में सामाजिक, पर्यावरणीय और सांस्कृतिक समस्याओं की पहचान करने और उन पर शोध करने तथा प्राध्यापकों एवं विशेषज्ञों के सहयोग से एक व्यवहारिक और कार्यान्वयन योग्य समाधान प्रदान करने के लिए उत्तरदायी हैं।

प्रमुख विकासात्मक परियोजनाओं की पहचान करना एवं उन्हें विद्यार्थियों के लिए प्रबंधन परामर्श और सरकारी सलाहकारी परियोजनाओं में परिवर्तित करना।

निर्धारण वर्ष 2023-24 में की गई पहल:
कार्यक्रम: ऊधम सिंह नगर के जिला विकास के बारे में एसपीए के विद्यार्थियों के साथ बातचीत।
स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली, एक 'राष्ट्रीय महत्व का संस्थान' के विद्यार्थियों ने अपने शैक्षणिक अभ्यास के भाग के रूप में ऊधम सिंह नगर जिले के लिए, जिला विकास योजना पर आईआईएम काशीपुर के साथ वार्ता की एवं टीम इम्पैक्ट ने इसका आयोजन किया।
कार्यक्रम: काशीपुर आरटीओ के साथ सड़क सुरक्षा परियोजना।
काशीपुर के सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (ए.आर.टी.ओ.) श्री जितेन्द्र चंद से मुलाकात की।
चल रही सड़क सुरक्षा परियोजना के बारे में चर्चा की और अपनी प्रदेयता पर काम करने के लिए अपनी आवश्यकताओं को सामने रखा।
आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थी, टीम इम्पैक्ट के माध्यम से, ऊधम सिंह नगर और उसके आसपास होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की संख्या को कम करने के लिए जिला प्रशासन की सड़क सुरक्षा पहल में शामिल हैं।
3-4 लाख के बजट के साथ एक सेमिनार की नई पहल प्रस्तावित की गई। सेमिनार केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) से प्राप्त अनुदान के तहत आयोजित करने का प्रस्ताव था। विद्यार्थी मामलों के अधिकारी को भी इसकी जानकारी दी गई।

3. टीम इनसाइट

टीम इनसाइट एक विद्यार्थी निकाय है, जो आगामी बैच के भावी विद्यार्थियों के लिए संपर्क का प्रथम बिंदु होने एवं उनकी सीएपी प्रक्रिया के डब्ल्यूएटी-पीआई राउंड के माध्यम से उनका मार्गदर्शन करने के लिए उत्तरदायी है। यह टीम उन्हें कॉलेज तथा कॉलेज द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रमों से संबंधित प्रश्नों में भी उनकी सहायता करती है। यह टीम आगामी बैच के दाख़िले की पुष्टि होने तक विद्यार्थियों को प्रवेश संबंधी सहायता प्रदान करती है।

नए बैच के प्रवेश के बाद, यह टीम विद्यार्थियों को आईआईएम काशीपुर की संस्कृति और समग्र रूप से एमबीए की संस्कृति से परिचित होने में मदद करने के लिए 8-10 दिवसीय प्रेरण-सत्र भी आयोजित करती है।

गतिविधियाँ/आयोजन:

- कॉन्फ़ैब - सिटी मीट्स
- एस्पिरेंट मेंटरशिप प्रोग्राम
- सोशल मीडिया अभियान- इंटर्न डायरी, व्हाई आईआईएमकाशीपुर, ब्लॉग, पीएचडी इनसाइट्स, फैकल्टी इनसाइट्स, स्टूडेंट बॉडीज़ इंट्रोडक्शन कैंपेन, डब्ल्यूएटी-पीआई किट, इंटरव्यू एक्सपीरियंस, एमबीए एनालिटिक्स इंट्रोडक्शन कैंपेन, प्रेप शॉट्स।
- सोशल मीडिया अभियान (आईआईएम काशीपुर और इनसाइट के लिंक्डइन, फेसबुक, इंस्टाग्राम, मीडियम, यूट्यूब, क्वोरा, पागलगाय और टेलीग्राम हैंडल पर)
- वीडियो अभियान- CAT 2023 टिप्स और ट्रिक्स, CAT 2023 क्या करें और क्या न करें, CAT के बाद क्या करें, CAP 2024 इंटरव्यू की तैयारी।
- इंडक्शन प्रोग्राम

- पर्सनल इंटरव्यू किट:
- फैकल्टी इनसाइट्स

21 जून से 30 जून 2024 तक प्रेरण/अभिविन्यास कार्यक्रम: टीम इनसाइट ने नए बैच यानी बैच 24-26 को आईआईएम काशीपुर की संस्कृति से परिचित कराने के लिए प्रेरण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रेरण अवधि के दौरान, नए बैच के विद्यार्थी विभिन्न गतिविधियों और सत्रों में सम्मिलित हुए। विद्यार्थियों को आईआईएम काशीपुर के जीवन के शैक्षणिक और पाठ्येतर पहलुओं के बारे में जानने का अवसर मिला। प्रेरण का एक मुख्य आकर्षण नए विद्यार्थियों को कैंपस में विभिन्न विद्यार्थी निकायों से परिचित कराना था ताकि बातचीत को सुविधाजनक बनाया जा सके, जिससे आने वाले विद्यार्थियों को मौजूदा क्लबों, समितियों और प्रकोष्ठों से जुड़ने का अवसर मिला।

4. <u>अग्नित्रय</u>

अग्नित्रय आईआईएम काशीपुर का वार्षिक सांस्कृतिक, खेल और प्रबंधन उत्सव है। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रमुख प्रबंधन संस्थानों और अन्य प्रमुख कॉलेजों से विविध प्रतिभाओं की भागीदारी देखी जाती है। "अग्नित्रय" का अर्थ है देवताओं को प्रसन्न करने के लिए प्रज्ज्वलित की गईं तीन पवित्र अग्नियाँ, जो सफलता के तीन अवयवों: 'विनम्रता, धीरज और समर्पण' का प्रतिनिधित्व करती हैं। ये अवयव अग्नित्रय के तीन पहलुओं में सन्निहित हैं:

- संस्कृति में विनम्रता
- खेल में सहनशक्ति
- व्यवसाय में समर्पण की आवश्यकता।

इस उत्सव में भारी भीड़ देखी जाती है, जिसमें प्रतिवर्ष भारत भर के 50 से अधिक शीर्ष कॉलेजों से 500 से अधिक प्रतिभागी भाग लेते हैं।
आयोजन विवरण:
अग्नित्रय इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में निम्नलिखित प्रकार के आयोजन करता है:

प्रबंधन एवं गैर-प्रबंधन कार्यक्रम: इस उत्सव में प्रबंधन कार्यक्रमों के तहत संचालन, विपणन, वित्त और मानव संसाधन आदि जैसे प्रबंधन विषयों से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताएँ एवं कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। साथ ही विभिन्न गैर-प्रबंधन कार्यक्रम जैसे खेल प्रतियोगिताएँ, कविता पाठ एवं साहित्यिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है। ये कार्यक्रम विभिन्न शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक संघों द्वारा तीन दिनों की अवधि में आयोजित किए जाते हैं।

खेल आयोजन: अग्नित्रय के दसवें संस्करण में, आईआईएम काशीपुर की खेल समिति ने तेरह विधाओं में अंतर-कॉलेज खेल आयोजनों की सफलतापूर्वक मेजबानी की। इस आयोजन में आईआईएम अमृतसर, एमडीआई गुड़गांव फोर आदि जैसे प्रतिष्ठित कॉलेजों ने भाग लिया, सभी ने कुल 2,00,000 रुपये के पुरस्कार राशि के लिए प्रतिस्पर्धा की। प्रतियोगिताओं में बैडमिंटन, पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए बास्केटबॉल, शतरंज, क्रिकेट, फ्रिसबी, फुटसल, थ्रोबॉल, वॉलीबॉल, पूल और टेबल टेनिस सहित खेल की कई विधाएँ शामिल थीं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम: सात सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए, जिनमें नृत्य प्रदर्शन, गायन प्रतियोगिताएँ, बैंड प्रदर्शन, फैशन-वॉक, रैप बैटल आदि शामिल थे। इन कार्यक्रमों में रामजस कॉलेज, एसआरसीसी, आईआईएम उदयपुर, आईआईएम अमृतसर, दीन दयाल उपाध्याय, एमडीआई गुड़गांव, जेपी इंस्टीट्यूट नोएडा, ज्ञानार्थी मीडिया कॉलेज जैसे कॉलेजों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नृत्य प्रदर्शन, गायन प्रतियोगिताएं, बैंड प्रदर्शन, फैशन-वॉक, रैप बैटल आदि शामिल हैं।

स्टार परफॉरमेंस : स्टार परफॉरमेंस में जाने-माने संगीतकार, हास्य कलाकार, अभिनेता या अन्य हस्तियाँ शामिल होती हैं। अग्नित्रय दस ने निखिल डिसूजा (गायक), यश राठी (हास्य कलाकार), अंतरिक्ष (बैंड) और डीजे कार्निवोर की मेजबानी की।

5. <u>टेडएक्स आईआईएम काशीपुर</u>

टेडएक्स आईआईएम काशीपुर कार्यक्रम, जिसका विषय "रहना और जीतना" था, में 10 विविध वक्ताओं ने भाग लिया और इसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और अतिथियों सहित 100 से अधिक लोगों ने भाग लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज़ की। इन प्रतिष्ठित वक्ताओं ने अपने प्रभावशाली भाषणों के माध्यम से व्यक्तिगत और सामूहिक विकास दोनों पर एक स्थायी छाप छोड़ी।

समय: **सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक**

तिथि: **26 नवंबर 2023**

आयोजन स्थल: **अकादमिक ब्लॉक बी1, आईआईएम काशीपुर**

विषय: **ध्यान लगाएँ और जीतें**

वक्ताओं की सूची:

- वर्तुल मित्तल
- ज्योति झा
- गौरव केजरीवाल
- नीतीश राज
- कनिष्क अग्रवाल
- मेजर प्राजक्ता देसाई
- अश्वनी धवन
- हर्षिता राव मोटापार्थी
- एला डी'वर्मा
- साईं चंद्रवधन

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर
INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT KASHIPUR
10th Annual Convocation

आंतरिक शिकायत समिति की रिपोर्ट:

यह संस्थान कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के प्रति शून्य सहिष्णुता रखता है। इसने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 एवं कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतों की रोकथाम और निवारण के नियमों के प्रावधानों के अनुरूप, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण पर एक नीति अपनाई है। संस्थान नस्ल, जाति, लिंग, धर्म, रंग, राष्ट्रीयता, विकलांगता आदि की परवाह किए बिना समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी महिलाएँ (स्थायी, अस्थायी, संविदा और प्रशिक्षु) एवं संस्थान के कार्यालय परिसर या महिला सेवा प्रदाताओं में, आने वाली कोई भी महिला इस नीति के अंतर्गत आती है। सभी कर्मचारियों के साथ यौन उत्पीड़न से मुक्त कार्य वातावरण बनाए रखने के लिए सम्मान के साथ व्यवहार किया जाता है, चाहे वह शारीरिक हो, मौखिक हो या मनोवैज्ञानिक हो।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में, आंतरिक शिकायत समिति को 15 फरवरी, 2024 को आईआईएम काशीपुर के एक पुरुष PG छात्र के विरुद्ध एक महिला PG छात्रा द्वारा मानसिक उत्पीड़न की शिकायत प्राप्त हुई। इसके बाद, आंतरिक शिकायत समिति द्वारा कुछ प्रारंभिक बैठकें आयोजित की गईं। बाद में, शिकायतकर्ता द्वारा 22 मार्च 2024 को दर्ज की गई शिकायत वापस ले ली गई; उसी के आधार पर, मामला बंद कर दिया गया।

आंतरिक शिकायत समिति ने प्रेरण एवं अभिविन्यास कार्यक्रम 2023 के दौरान एमबीए, एमबीएए और पीएचडी के सभी विद्यार्थियों के लिए लॉक्यूबेटर द्वारा यौन उत्पीड़न की रोकथाम (POSH) जागरूकता सत्र आयोजित किए। आंतरिक शिकायत समिति ने 12 दिसंबर 2023 को एक प्रमाणित POSH प्रशिक्षक द्वारा आंतरिक शिकायत समिति के सदस्यों के लिए POSH प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया।

निर्माण विभाग

वर्ष 2021-2022 में, हमारे प्रतिष्ठित संस्थान ने अपने कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के रहने और काम करने की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए कई बुनियादी ढाँचे वाली परियोजनाएँ शुरू कीं। हमने 240 निवासियों और कर्मचारियों के आवासों की क्षमता वाले नए छात्रावासों का निर्माण शुरू किया, जिसमें छह टाइप ए और छह टाइप बी भवन शामिल हैं एवं जिन्हें निदेशक के कुशल मार्गदर्शन में पूरा किया गया। इन परियोजनाओं की अनुमानित लागत क्रमशः 38,96,00,000/- रुपये और 7,84,00,000/- रुपये थी।

वर्ष 2022-23 में, संस्थान ने 24 नए संकाय आवासों का निर्माण भी शुरू किया, जिसके बारे में हमें विश्वास है कि अप्रैल 2025 तक सीपीडब्ल्यूडी की विशेषज्ञ देखरेख में इनका निर्माण पूरा हो जाएगा। इन परियोजनाओं की अनुमानित लागत 23,76,82,000/- रुपये है। यह परियोजना हमारे संस्थान के संकाय सदस्यों के लिए एक आरामदायक और अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने में एक लंबा रास्ता तय करेगी।

संकाय और गैर-संकाय पदों के लिए विशेष भर्ती अभियान का विवरण (यदि कोई हो)

संस्थान ने विशेष भर्ती अभियान/मिशन मोड भर्ती के तहत संकाय के लिए 2 प्रस्ताव पत्र और गैर-संकाय के लिए 9 प्रस्ताव पत्र जारी किए।

धारा 26 (1) (ई) के तहत संस्थान के संकाय सदस्यों की नियुक्तियाँ

शिक्षण कर्मचारियों का विवरण

31 मार्च 2024 तक कुल कर्मचारी: **47**

नवनियुक्त संकाय सदस्य

नाम	पद	वित्त वर्ष
प्रोफेसर मोहित रे	सहायक प्राध्यापक (ग्रेड II)	2023-24
प्रोफेसर रतिकांत भास्कर	सहायक प्राध्यापक (ग्रेड II)	2023-24

गैर-शिक्षण कर्मचारियों का विवरण

31 मार्च 2024 तक कुल कर्मचारी: **42**

नवनियुक्त कर्मचारी

नाम	पद	वित्त वर्ष
श्री विजय पांडे	कार्यकारी सहायक	2023-24
श्री गणेश	कार्यकारी सहायक	2023-24
श्री भारत भूषण जोशी	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ग्रेड-I	2023-24
श्री आशीष श्रीवास्तव	प्रशासनिक सहायक	2023-24
श्री मनीष कुमार शर्मा	प्रशासनिक कार्यकारी	2023-24
श्री रवि प्रकाश	प्रशासनिक कार्यकारी	2023-24
श्री शरद कुमार श्रीवास्तव	प्रशासनिक कार्यकारी	2023-24
श्री राजीव ठाकुर	प्रशासनिक सहायक	2023-24

कर्मचारियों का विवरण, क्या ऐसा कोई कर्मचारी संस्थान के बोर्ड या अकादमिक परिषद के किसी सदस्य का रिश्तेदार है, और यदि हाँ, तो ऐसे सदस्य का नाम, और ऐसे अन्य विवरण जो धारा 26 (3) के तहत बोर्ड द्वारा निर्धारित किए जा सकते हैं)

आईआईएम अधिनियम 2017, की धारा 26 (3) के तहत, संस्थान को (कर्मचारी का विवरण) दी गई जानकारी, को शून्य के रूप में लिया जा सकता है।

एक संस्थान के रूप में हमारी सामूहिक यात्रा राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में हमारी हाल की उपलब्धियों से परिलक्षित होती है।

2023 एनआईआरएफ प्रबंधन रैंकिंग में 19वें स्थान पर आईआईएम काशीपुर का पहुँचना उत्कृष्टता की निरंतर खोज का प्रमाण है, जो हमें आईआईएम काशीपुर में परिभाषित करता है। यह उपलब्धि केवल एक संख्या नहीं है; यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अत्याधुनिक शोध और प्रभावशाली सामाजिक जुड़ाव के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एनआईआरएफ रैंकिंग एक बेंचमार्क के रूप में कार्य करती है, जो हमारे विकास पथ और हमारे सामूहिक प्रयासों के ठोस परिणामों को दर्शाती है। यह उपलब्धि आज विशेष रूप से प्रतिध्वनित होती है क्योंकि हम अतीत और भविष्य के दोराहे पर खड़े हैं। हमारे स्नातकों के लिए, यह मजबूत और गतिशील शिक्षण वातावरण का प्रतीक है, जिसने उनके बौद्धिक एवं व्यक्तिगत विकास को ऊर्जा दी है। हमारे संकाय एवं कर्मचारियों के लिए यह गर्व का क्षण है और हमारे कार्य के प्रभाव का स्मरणक। व्यापक समुदाय के लिए, यह ज्ञान और नवाचार के एक प्रकाशस्तंभ के रूप में हमारी स्थिति की पुष्टि करता है।

2023 एनआईआरएफ प्रबंधन रैंकिंग में, हमारे संस्थान ने 2022 में 23वें और 2021 में 33वें स्थान से 19वें स्थान पर पहुँचने की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। दो वर्षों में 14 स्थानों का यह उल्लेखनीय उछाल उत्कृष्टता के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो हमारे पूरे समुदाय की कड़ी मेहनत और समर्पण को प्रतिबिंबित करता है। यह केवल संख्यात्मक सुधार से कहीं अधिक है; यह प्रबंधन शिक्षा में उत्कृष्टता के प्रति हमारी निरंतर प्रगति और समर्पण को दर्शाता है।

रैंकिंग में आईआईएम काशीपुर की बढ़त सबसे अधिक अनुसंधान एवं व्यावसायिक कार्यप्रणाली श्रेणी में देखने को मिली है, जो प्रबंधन अनुसंधान एवं शिक्षा के क्षेत्र में हमारे संस्थान के बढ़ते प्रभुत्व और प्रभाव का एक स्पष्ट संकेतक है। व्यावहारिक और प्रभावोत्पादक ज्ञान सृजित करने के लिए हमारे संकाय और अध्येताओं की प्रतिबद्धता, प्रकाशनों के लिए संयुक्त मात्रिक और प्रकाशनों की गुणवत्ता के लिए संयुक्त मात्रिक हेतु हमारे स्कोर में लगातार वृद्धि के रूप में परिलक्षित हुई है। प्रकाशनों की गुणवत्ता के लिए संयुक्त मात्रिक हेतु 2021 में 4.13 के स्कोर से 2022 में 4.73 और 2023 में 6.41 तक पहुँचते हुए, हमने अपने विद्वत्तापूर्ण प्रयासों में गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है।

हम अपने विविध विद्यार्थी निकाय पर भी गर्व करते हैं, जैसा कि क्षेत्र विविधता (आरडी), महिला विविधता (डब्ल्यूडी) एवं एनआईआरएफ में आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों से जूझते विद्यार्थियों (ईएससीएस) के लिए हमारे प्रभावशाली स्कोर में देखा गया है। ये मात्रिक गणनाएँ संख्याओं से अधिक हैं; ये समावेशिता और समान अवसर के हमारे लोकाचार का प्रतिनिधित्व करती हैं। क्षेत्र विविधता (आरडी) के माध्यम से हमारी राष्ट्रीय पहुँच और हमारे कार्यक्रमों में महिलाओं (डब्ल्यूडी) का बढ़ता प्रतिशत एक संतुलित एवं सशक्त शैक्षिक वातावरण बनाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इसी तरह, आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों से जूझते विद्यार्थियों (ईएससीएस) के लिए हमारा सहयोग, शिक्षा में पहुँच और समानता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सभी विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करके, हम सुनिश्चित करते हैं कि वित्तीय या सामाजिक बाधाएँ उत्कृष्टता की खोज में बाधा न बनें। यह हमारी राष्ट्रीय पहुँच और अंतर-सांस्कृतिक आदान-प्रदान को रेखांकित करता है, जो हमारे संस्थान में सभी के लिए सीखने के अनुभव को समृद्ध करता है। यह विविधता न केवल शैक्षिक यात्रा को आगे बढ़ाती है बल्कि हमारे विद्यार्थियों को वैश्विक रूप से परस्पर जुड़ी दुनिया में सफल होने के लिए भी तैयार करती है। हम एक साथ मिलकर न केवल रैंकिंग में बल्कि प्रबंधन की दुनिया में और उससे परे अपने योगदान में भी नई ऊँचाइयों तक पहुँचने की आकांक्षा रख सकते हैं।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान वित्तीय गतिविधियों पर संक्षिप्त जानकारी।

भारत सरकार ने 2019-2020 से संस्थान को कोई भी पूँजी या राजस्व अनुदान देना बंद कर दिया है। इसलिए, संस्थान अपने राजस्व और पूँजीगत व्यय की वार्षिक लागत को पूरा करने के लिए अपने स्वयं-अर्जित राजस्व का उपयोग करने के लिए बाध्य है।

उपरोक्त बाधाओं के बावजूद, यह ध्यान देने योग्य है कि वित्तीय मोर्चे पर, हमने एक बार पुनः विगत वर्ष 78.06 करोड़ रुपये के आँकड़े की तुलना में 96.47 करोड़ रुपये की समेकित सकल आय के साथ एक मजबूत वित्तीय वर्ष दर्ज किया है। इस आय में से, अपनी गतिविधियों के माध्यम से, संस्थान राजस्व सृजन (आईआरजी) 2023-24 में 88.99 करोड़ रुपये था, जबकि 2022-23 में यह 68.71 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में 29.52% अधिक था। अपनी गतिविधियों के माध्यम से, संस्थान राजस्व सृजन (मूल्यह्रास पर विचार किए बिना) इस वर्ष 26.25 करोड़ रुपये था, जो विगत वर्ष की तुलना में 53.18 करोड़ रुपये की वृद्धि है।

2023-24 के लिए संस्थान का सकल राजस्व व्यय 76.11 करोड़ रुपये है (जिसमें 13.37 करोड़ रुपये का मूल्यह्रास व्यय शामिल है)। इस राजस्व व्यय के अलावा, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, संस्थान ने पूँजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण पर 59.56 करोड़ रुपये भी व्यय किए हैं, जिसमें चल रहे परिसर निर्माण एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं में सुधार शामिल है। यह निर्माण कार्य सीपीडब्ल्यूडी को सौंपा गया है और अब तक इसके लिए लगभग 47.66 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

पिछले वित्त वर्ष 2022-23 के 146.96 करोड़ रुपये की तुलना में चालू वित्त वर्ष 2023-24 में कुल कोष 107.75 करोड़ रुपये है और सावधि जमा प्राप्तियों में निवेश 102.35 करोड़ रुपये है। इसके अलावा, संस्थान ने पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 के 37.14 करोड़ रुपये की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में 53.57 करोड़ रुपये की नामित/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि संचित रखी है और 31 मार्च 2024 तक इन निधियों के लिए सावधि जमा रसीदों और अन्य में 38.36 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है।

व्यय से अधिक आय को विद्यार्थी संख्या में वृद्धि के कारण शैक्षणिक प्राप्तियों में वृद्धि के लिए उत्तरदायी ठहराया जा सकता है।

संस्थान अभी भी ऋण मुक्त बना हुआ है और अपनी कार्यशील पूँजी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समुचित नकदी प्रवाह उत्पन्न कर रहा है। यह सभी हितधारकों के सामूहिक और विस्तारित प्रयासों के कारण संभव हुआ है।

INFORMATION REGARDING STUDENTS

Category	PhD 2023-24*	PhD 2022-23*	MBA 2023-25	MBA 2022-24	MBA Analytics 2023-25	MBA Analytics 2022-24
Girls (%)	37.74	36.54	19.80	28.40	69.00	82.00
SC (%)	8.00	8.00	9.09	18.00	14.20	14.60
ST (%)	0.00	0.00	1.62	9.60	15.40	6.70
OBC (%)	19.00	17.00	25.97	26.80	18.40	23.50
EWS (%)	15.00	12.00	8.76	11.60	10.70	8.90
PwD (%)	0.00	0.00	3.24	0.00	7.70	4.40

* The above data is as per academic year and does not include the students who got graduated in that particular year.

INFORMATION REGARDING FACULTY

Category	Faculty 2023-24	Faculty 2022-23
Girls (%)	22.64	21.56
SC (%)	9.43	9.80
ST (%)	0.00	0.00
OBC (%)	13.00	7.84
EWS (%)	0.00	0.00
PwD (%)	0.00	0.00

एनईपी और आईआईएम काशीपुर पर नोट/टिप्पणी: सीखने और अनलॉकिंग वैल्यू/ मूल्य वितालकन करने की यात्रा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) का उद्देश्य देश की शिक्षा प्रणाली को विकसित देशों के समतुल्य लाना है। आईआईएम को एनईपी के प्रावधानों से आगे बढ़कर वास्तविक समस्याओं के निराकरण के लिए प्रभावोत्पादक अभिनव समाधान तैयार करने होंगे। आईआईएम काशीपुर ने एनईपी कार्यान्वयन पर काफी प्रगति की है जैसा कि नीचे तालिका 1 में विवरण दिया गया है। साथ ही आईआईएम काशीपुर एनईपी के हार्डवेयर को लागू करने के लिए सॉफ्टवेयर समन्वित करने में भी लगा हुआ है।

- आईआईएम काशीपुर ने प्रस्तावित एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) से जुड़ने और उसे लॉन्च करने की तैयारी शुरू कर दी है। एबीसी की ओर बढ़ते हुए संस्थान ने योग्य उम्मीदवारों को एबीसी का लाभ देने के लिए डिप्लोमा प्रोग्राम पहले ही डिजाइन कर लिए हैं।

- अपनी गति से निरंतर सीखने की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए कार्यक्रमों में विभिन्न प्रवेश और निकास विकल्प बनाए गए हैं, जो कि प्रमाण पत्र, डिप्लोमा और पुरस्कार प्रदान करने के लिए स्वीकार्य प्रावधानों के भीतर क्रेडिट के संचय द्वारा निश्चित किए गए हैं।

- इस लचीले शिक्षण वातावरण में शिक्षार्थियों को भूतपूर्व विद्यार्थी का दर्जा प्रदान करने के लिए एक भूतपूर्व विद्यार्थी नीति लागू है।

- संस्थान ने एनईपी के आधारभूत तत्वों को ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञता कार्यक्रम एमबीए (एनालिटिक्स) और कार्यकारी एमबीए (एनालिटिक्स)) शुरू किए हैं, जिससे निम्नतर बाधाओं के साथ अंतर्विषयक शिक्षा की ओर अग्रसर हुआ जा सके।

- संस्थान की अकादमिक परिषद ने ***दो वर्षीय मास्टर इन इकोनॉमिक्स फाइनेंस एंड डेटा साइंसेज (एमएसईएफडीएस)*** कार्यक्रम की भी संकल्पना की है, जो आगे की अनुमोदन प्रक्रिया में है।
  यह कार्यक्रम संस्थान के ध्येय एवं परिकल्पना के अनुरूप है, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है।

  ध्येय संरेखण:
- **अनुप्रयुक्त और अंतःविषयी अनुसंधान:** एमएसईएफडीएस (MSEFDS) कार्यक्रम स्वाभाविक रूप से अर्थशास्त्र, वित्त और डेटा विज्ञान को जोड़ता है - तीन गतिशील और विकसित क्षेत्र। यह अंतःविषयी दृष्टिकोण अत्यधिक प्रासंगिक डोमेन में ज्ञान के सृजन और प्रसार को बढ़ावा देता है, जो सीधे संस्थान के ध्येय को संबोधित करता है।

- **सामाजिक रूप से जागरूक नेतृत्वकर्ता:** डेटा विज्ञान सुविज्ञ निर्णय लेने को सशक्त बनाता है, जो सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है। अर्थशास्त्र, वित्त और डेटा विज्ञान में मजबूत आधार वाले स्नातक जटिल मुद्दों का विश्लेषण कर सकते हैं और सकारात्मक सामाजिक प्रभाव वाले समाधानों की अभिकल्पना कर सकते हैं, जो ऐसे नेतृत्वकर्ताओं को विकसित करने के संस्थान के ध्येय के साथ संरेखित हैं।

- **आलोचनात्मक सोच और नवाचार:** एमएसईएफडीएस (MSEFDS) कार्यक्रम विद्यार्थियों को समस्याओं को सूक्ष्मता से देखने और अभिनव समाधानों की पहचान करने के लिए मात्रात्मक और विश्लेषणात्मक कौशल से उपकरणीकृत करता है। यह सीधे भविष्य के व्यावसायिक नेतृत्वकर्ताओं में आलोचनात्मक सोच और नवाचार को बढ़ावा देने के ध्येय के साथ संरेखित है।

  परिकल्पना संरेखण:

- **प्रबंधन अनुसंधान और शिक्षा:** एमएसईएफडीएस (MSEFDS) कार्यक्रम पारंपरिक प्रबंधन शिक्षा और डेटा-संचालित विश्व के बीच की खाई को पाटता है। इस कार्यक्रम को प्रस्तावित कर, यह संस्थान डेटा विज्ञान को प्रबंधन शिक्षा में एकीकृत करने में अग्रणी बन गया है, जो इस क्षेत्र में अत्याधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देता है।

- **सकारात्मक सामाजिक प्रभाव के लिए नेतृत्वकर्ता:** एमएसईएफडीएस (MSEFDS) कार्यक्रम के स्नातक स्वास्थ्य सेवा, वित्त और संधारणीयता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में जटिल चुनौतियों का समाधान करने के लिए अच्छी स्थिति में होंगे। सुविज्ञ निर्णय लेने के लिए डेटा का यथोचित प्रयोग करने की उनकी क्षमता सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाने में योगदान देगी, जो संस्थान की परिकल्पना को पुष्ट करेगी।

- **परिवर्तनशील विश्व:** व्यवसाय के हर पहलू में डेटा का बढ़ता महत्व एमएसईएफडीएस कार्यक्रम को उद्योग की उभरती आवश्यकताओं के लिए अत्यधिक प्रासंगिक बनाता है। यह कार्यक्रम इस संस्थान को प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी स्थान पर रखता है, जो डेटा-संचालित विश्व में सफलता के लिए भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं को तैयार कर रहा है। निष्कर्ष में, एमएसईएफडीएस कार्यक्रम की शुरुआत सीधे तौर पर ज्ञान सृजन और सामाजिक रूप से जागरूक नेतृत्वकर्ताओं को विकसित करने के संस्थान के ध्येय के साथ संरेखित है। इसके अलावा, यह प्रबंधन शिक्षा में एक प्रतिष्ठित संस्थान बनने की परिकल्पना का समर्थन करता है, जो तेजी से बदलती दुनिया में सकारात्मक सामाजिक प्रभाव के लिए नेतृत्वकर्ताओं को तैयार कर रहा है।

- संस्थान ने विशिष्ट डोमेन के लिए क्षेत्रीय कार्यक्रम भी शुरू किए हैं, जिनमें कार्यात्मक क्षेत्रों और विषयों से जुड़े इनपुट शामिल हैं। ***अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यकारी कार्यक्रम, रेल प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर डिप्लोमा।***

- **अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यकारी कार्यक्रम**
  भारतीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों का एक विविध और जटिल तंत्र है, जो भारत के 1.4 अरब निवासियों को विविध प्रकार की चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करता है। पिछले कुछ वर्षों में हुए महत्वपूर्ण परिवर्तनों के बावजूद, इस प्रणाली को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन चुनौतियों में अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की कमी, उपभोक्ताओं की बढ़ती अपेक्षाएँ, उपचार की बढ़ती लागत, रोगी जनसांख्यिकी में बदलाव, सीमित स्वास्थ्य बीमा कवरेज और बदलता विनियामक वातावरण शामिल हैं। भारतीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में भी कई स्वास्थ्य सेवा नवाचार देखने को मिल रहे हैं, जिनमें कम लागत वाले चिकित्सा उपकरणों से लेकर अभिनव स्वास्थ्य सेवा वितरण मॉडल शामिल हैं। देश की स्वास्थ्य सेवा नियामक प्रणाली रोगी सुरक्षा सुनिश्चित करने, उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल को बढ़ावा देने और लागत को नियंत्रित करने के लिए विकसित हो रही है। चिकित्सा प्रक्रियाओं की अपेक्षाकृत कम लागत, कुशल चिकित्सकों की उपलब्धता और अभिनव प्रौद्योगिकी के कारण भारत चिकित्सा पर्यटन के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरा है। इन चुनौतियों के बावजूद, स्वास्थ्य सेवा और नवाचार में निरंतर निवेश, भारत में स्वास्थ्य सेवा के भविष्य के संबंध में आशावादी होने का मार्ग प्रशस्त करता है।

  स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ, व्यवस्था तंत्र बहुत जटिल होते जा रहे हैं, जिसमें कई हितधारक, विनियमन एवं अंतरनिर्भरताएँ सम्मिलित हैं। ये जटिलताएँ भारत और विदेशों में स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की उच्च माँग को जन्म दे रही हैं। अस्पताल प्रबंधन पेशेवर स्वास्थ्य सेवा संगठनों के कुशल और प्रभावी प्रबंधन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके कौशल, ज्ञान और नेतृत्व स्वास्थ्य सेवा उद्योग में उच्च गुणवत्ता वाली रोगी देखभाल, परिचालन उत्कृष्टता, वित्तीय संवहनीयता एवं नवाचार प्रदान करने में योगदान करते हैं, जिससे वे भारत और वैश्विक स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में अपरिहार्य बन जाते हैं।

  आईआईएम काशीपुर और मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित स्नातकोत्तर कार्यकारी कार्यक्रम, एक व्यापक कार्यक्रम है, जो इच्छुक स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को अस्पताल प्रबंधन के गतिशील और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल एवं प्रबंधकीय विशेषज्ञता से उपकरणीकृत करने के लिए संयोजित किया गया है। सैद्धांतिक अवधारणाओं, व्यावहारिक व्यष्टि अध्ययन एवं औद्योगिक अनुभव के सम्मिश्रण

के माध्यम से, आप स्वास्थ्य सेवा उद्योग की गहरी समझ प्राप्त करेंगे एवं अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा संगठनों के भीतर प्रभावी नेतृत्व और प्रबंधन भूमिकाओं के लिए आवश्यक योग्यताएँ विकसित करेंगे।

- **रेल प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र**
  रेल प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र उन इंजीनियरों या पेशेवरों के लिए संयोजित किया गया है, जो दुनिया भर में विभिन्न रेल प्रबंधन परियोजनाओं में रेल प्रबंधन भूमिकाओं या परियोजना प्रबंधन भूमिकाओं में परिवर्तन लाना चाहते हैं।
- **रसद एवं आपूर्ति शृंखला प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर** डिप्लोमा

  संस्थान के ध्येय के अनुरूप, रसद एवं आपूर्ति शृंखला प्रबंधन कार्यक्रम में यह 14 महीने का कार्यकारी स्नातकोत्तर डिप्लोमा, विशेष रूप से रसद एवं आपूर्ति शृंखला प्रबंधन में परिचालन उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उत्तरदायी विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के सभी अधिकारियों एवं प्रबंधकों के लिए परिकल्पित किया गया है। आईआईएम काशीपुर संकाय द्वारा कुशलतापूर्वक निरूपित किए गए, इस कार्यक्रम की संरचना में उद्योग 4.0 के आगमन और साथ ही डिजिटलीकरण अनिवार्यताओं के साथ रसद एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में दक्षता प्राप्त करने के लिए सभी तत्व सम्मिलित हैं। प्रबंधकों पर असाधारण माँगों को देखते हुए, यह सम्मिश्रित कार्यक्रम - विश्व स्तरीय आईआईएम काशीपुर संकाय एवं CXO और CEOs (मास्टरक्लास श्रृंखला के रूप में) तथा ई-लर्निंग अंतर्वस्तु के लाइव व्याख्यानों के साथ - ज्ञान और (डिजिटल) उपकरणों एवं तकनीकों के एक अनूठे मिश्रण का संयोजन है।

- विद्यार्थियों को, पाठ्यक्रमों के अंतर्गत लगभग 50% क्रेडिट ऐच्छिक के रूप में चुनने का विकल्प होता है, जिससे उन्हें विशेष भूमिकाओं के लिए उपयुक्तता मिलती है।

- विद्यार्थियों को सीमित तरीके से विभिन्न कार्यक्रमों में पाठ्यक्रम चुनने की अनुमति है तथा इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है।

- प्रवेश नीतियाँ एवं मानदंड विभिन्न शैक्षिक धाराओं से आने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश लेने की अनुमति देते हैं।

- एमबीए पाठ्यक्रम में उद्योग कार्यशालाएँ, ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षुता/इंटर्नशिप परियोजनाएँ, अनुभवात्मक शिक्षा एवं शोध प्रबंध को, प्रत्येक घटक में अंतर्निहित लचीलेपन के साथ आवश्यक अवयवों के रूप में एकीकृत किया गया है।

  - एमबीए और एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रमों में, विद्यार्थियों को उद्योग कार्यशालाओं के एक समूह से चुनाव करने की अनुमति है और उन्हें कम से कम दोगुने क्रेडिट के क्यूरेशन से आवश्यक क्रेडिट पूर्ण करने होते हैं।

  - विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षुता/इंटर्नशिप के लिए एक चयन प्रक्रिया होती है और वे उस संगठन, डोमेन या परियोजनाओं का प्रकार चुन सकते हैं जिन्हें वे ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षुता/इंटर्नशिप में सम्मिलित करना चाहते हैं।

सभी एमबीए विद्यार्थियों के लिए अनुभवात्मक शिक्षण फ्लेक्सी-कोर घटक अनिवार्य है, ताकि उन्हें वास्तविक जीवन की समस्याओं और चुनौतियों से अवगत कराया जा सके, जिन पर प्रबंधन शिक्षा और सिद्धांत लागू किए जा सकते हैं। वे पर्यावरण और संधारणीय व्यवसाय पद्धतियाँ (ईएसबीपी), ग्रामीण क्षमता का वितालकन (यूआरपी) एवं एमएसएमई और सामाजिक उद्यमिता के तीन कार्यक्षेत्र में से चुनाव कर सकते हैं।

  - दूसरे वर्ष के पाठ्यक्रम के भाग के रूप में, एमबीए (एनालिटिक्स) प्रतिभागियों को कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में एक शोध प्रबंध पूरा करना होगा। शोध प्रबंध एक वर्ष तक चलने वाला संघटक है, जिसमें चार क्रेडिट सम्मिलित हैं। एमबीए (एनालिटिक्स) शोध प्रबंध का उद्देश्य व्यावसायिक समस्याओं को हल करने के लिए,

प्रतिभागियों में उनके व्यावसायिक ज्ञान और विश्लेषण कौशल को प्रयोग करने की क्षमता को विकसित करना है। प्रतिभागी से अपेक्षा की जाती है कि वह स्वतंत्र रूप से, हालाँकि पर्यवेक्षण के तहत, वर्ष भर लगातार एक शोध परियोजना को कार्यान्वित करे, सत्र IV और सत्र V के समापन पर एक-एक क्रेडिट अर्जित करे एवं सत्र VI में शोध प्रबंध पूर्ण करने पर दो क्रेडिट अर्जित करे।

एमबीए (एनालिटिक्स) शोध प्रबंध:

- मात्रात्मक या मिश्रित पद्धति अनुसंधान पर आधारित होगा।
- अनुभवजन्य प्रकृति का होगा – प्राथमिक या द्वितीयक डेटा पर आधारित होगा।
- या तो
    - प्रबंधकीय समस्याओं को हल करने के लिए विश्लेषणात्मक तकनीकों को लागू करना या
    - नई विश्लेषणात्मक तकनीकों में योगदान देगा।

- कथात्मक, व्यवस्थित या ग्रंथसूची संबंधी साहित्य समीक्षा जैसे विषयों से बचें। पूरी तरह से गुणात्मक शोध से बचें।
- गैर-अनुभवजन्य व्यष्टि अध्ययन/केस स्टडीज़ से बचें।
- एक परिशुद्ध शोध प्रक्रिया का पालन करें, जिसका आदर्श समापन किसी प्रतिष्ठित सम्मेलन या जर्नल में कार्य की स्वीकृति के रूप में हो।

- सभी आर्थिक पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को वित्तीय बाधाओं के बिना, संस्थान से सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूर्ण करने हेतु उम्मीदवारों के लिए कई छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध हैं। एमबीए और एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रमों के 10% विद्यार्थियों के लिए आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्तियाँ, आवश्यकता-सह-योग्यता छात्रवृत्तियाँ एवं योग्यता छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध हैं।

- विद्यार्थी परामर्श एवं शैक्षणिक सलाहकार नीति, प्रक्रिया में आने वाली चुनौतियों के बावजूद पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के लिए विद्यार्थियों को सुलभ सहयोग हेतु मार्गदर्शन देती है।

तालिका 1: आईआईएम काशीपुर में एनईपी अनुप्रयोग के लिए कार्यान्वयन, प्रगति और भविष्य की योजनाएँ

सांकेतिक विषय	कार्यान्वयन पद्धतियाँ	अब तक हुई प्रगति	भविष्य की योजनाएँ
• एकीकृत उच्च शिक्षा	• विविध पाठ्यक्रम एवं समान विषय उपलब्धता	• आईआईएम काशीपुर ने एक एमबीए (एनालिटिक्स) शुरू किया है एवं एमबीए कार्यक्रम के साथ-साथ कई सामान्य कक्षाएँ भी हैं। यहाँ तक कि पीएचडी अध्येता भी क्रेडिट सिस्टम के आधार पर कुछ एमबीए विषय चुन सकते हैं। • अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यकारी कार्यक्रम जैसे विशेष कार्यक्रम साझेदारों के साथ शुरू किए गए हैं।	• एक सामान्य प्रबंधन कोर के साथ अति विशिष्ट कार्यक्रम शुरू करना। • इसके अलावा, विभिन्न कोर वाले अंतःविषयी कार्यक्रमों में विविधता लाई जानी चाहिए, ताकि बाद में विद्यमान कार्यक्रमों के साथ तालमेल का लाभ उठाया जा सके।
• समग्र और बहुविषयक	• अनुभवात्मक शिक्षण एवं विशिष्ट विशेषीकृत विषय पेशकश जैसे विशेषज्ञता प्राप्त इकाइयों/मॉड्यूल के माध्यम से कार्यक्रमों के वितरण में, उत्कृष्टता-केंद्रों का एकीकरण कर विभिन्न शिक्षण पद्धतियों		

शिक्षा	को एकीकृत करना। साथ ही, वक्ताओं के विविध समूह से वार्ता एवं व्याख्यान की एक श्रृंखला, विविधता और बहु-अनुशासनात्मकता का संयोजन करती है। • अनुभवात्मक शिक्षण संघटक का शुभारंभ पहले ही इसे व्यवहार में लाने के लिए शुरू हो चुका है और आने वाले कुछ वर्षों में इसे और सशक्त करने की आशा है। • उद्योग कार्यशालाएँ अब सभी एमबीए कार्यक्रमों का भाग हैं। • बहुविषयक आधार पर क्षेत्रीय/सामान्य कार्यक्रम शुरू करना, जैसे कि मैक्स हेल्थकेयर के साथ साझेदारी में अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यकारी कार्यक्रम तथा सामान्य प्रबंधन में प्रमाणन कार्यक्रम एवं डिप्लोमा कार्यक्रम। • अंतःविषयक कार्यक्रम शुरू करने के लिए तैयार। अर्थशास्त्र वित्त और डेटा विज्ञान में मास्टर (एमएसईएफडीएस), अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यकारी कार्यक्रम, रेल प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर डिप्लोमा।		
• शासन एवं विनियमन	• नीतियों को लागू करना और उन्हें संदर्भ हेतु सभी के लिए उपलब्ध कराना तथा आईआईएम अधिनियम के अनुसार नीतियों एवं विनियमों का पालन करने के लिए प्रक्रियाएँ समन्वित करना।	• अधिकांश नीतियाँ विशेष रूप से प्रतिभागियों, संकाय और कर्मचारियों के लिए बनाई गई हैं। अब ध्यान, आने वाले वर्षों में एनईपी को पूर्ण प्रभाव से लागू करने के लिए नीतियों के क्रियान्वयन पर केंद्रित है।	• आगामी तीन वर्षों में संस्थान के ध्येय एवं परिकल्पना के अनुरूप सभी नीतियों को एकीकृत नीति ढाँचे में समाहित करना है।
• प्रेरित, ऊर्जावान और सक्षम संकाय	• संकाय कैरियर उन्नति एवं परिवीक्षा निर्गम नीति को अनुभव के आधार पर लागू और संशोधित किया गया है। इससे संकाय के प्रयासों में अधिक सामंजस्य और उत्पादकता में वृद्धि होने की आशा है। • इसे और सशक्त बनाने के लिए संस्थागत समीक्षा प्रक्रिया से प्राप्त प्रतिपुष्टि को समाविष्ट किया जाएगा।		• नीतियों को परिष्कृत करना तथा उनके कार्यान्वयन और कागजी कार्रवाई को डिजिटल बनाना, ताकि संकाय, कर्मचारियों एवं कार्यक्रम प्रतिभागियों को बेहतर क्रियान्वयन में सहायता मिल सके। • कार्य को सरल एवं सुगम बनाने हेतु प्रौद्योगिकी का अधिक उपयोग तथा कार्य को आसान बनाने पर ध्यान केन्द्रित करना।
• उच्च शिक्षा की वैश्विक पहुँच	• विनिमय कार्यक्रम एवं रणनीतिक सहयोग की स्थापना।	• आईआईएम काशीपुर ने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ साझेदारी में दो अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए हैं। हम आईआईएम काशीपुर के लिए गतिविधियों और अधिक पहुँच को बढ़ाने के लिए उसी पर कार्य	• आईआईएम काशीपुर अपने अंतर्राष्ट्रीयकरण प्रयासों की पुनर्रचना की प्रक्रिया में है, जिसका लक्ष्य एक रणनीतिक अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं साझेदारी कार्यक्रम गठित करना है।

	करने की योजना बना रहे हैं।
• अनुसंधान, नवाचार और रैंकिंग	• वांछनीय अनुसंधान और नवाचार निर्गम के मापदंडों को संशोधित किया गया है, परिणामस्वरूप गुणवत्ता प्रकाशनों में भारी उछाल आया है एवं एनआईआरएफ रैंकिंग पर प्रभाव पड़ा है, जिससे संस्थान शीर्ष 20 में अपना स्थान सुनिश्चित करने में सक्षम हुआ है। • अधिक अंतःविषयक पाठ्यक्रमों के शुभारंभ और एक सुविकसित अनुसंधान नीति के साथ, अंतः एवं बहु-विषयक अनुसंधान में बेहतर परिणाम उत्पन्न होने की आशा है।
• प्रौद्योगिकी प्रयोग एवं एकीकरण	• आईआईएम काशीपुर शिक्षा की ऑनलाइन प्रदेयता पर बल देता है एवं दृश्य-श्रव्य जैसी विभिन्न तकनीकों को भौतिक और आभासी कक्षाओं में भी एकीकृत करता है; उच्च तकनीकी कक्षाएँ गठित की गई हैं तथा कक्षा स्टूडियो स्थापित किए गए हैं। ऑनलाइन प्रदेयता को सक्षम बनाने के लिए एक उच्च तकनीकी इंटरनेट कनेक्टिविटी तंत्र उपलब्ध है। • दृश्य-श्रव्य सामग्री, सिमुलेशन, लाइव एनालिटिक्स, डेटा विज़ुअलाइज़ेशन और लाइव परियोजनाओं के माध्यम से वितरण को बढ़ाने में संकाय द्वारा प्रौद्योगिकी का प्रयोग बढ़ा है।
• समानता एवं समावेशन	• पीओएसएच (POSH) और अन्य ऐसे समान अवसरों के लिए विभिन्न नीतियाँ लागू हैं। व्यवहार में समानता एवं समावेशन के सिद्धांतों का पालन करके शिक्षा को लोकतांत्रिक बनाने में सहायता करने के लिए सकारात्मक भेदभाव की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु सभी सरकारी दिशानिर्देशों का दृढ़ता से पालन किया जाता है। • आईआईएम काशीपुर में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के लिए एससी/एसटी/ओबीसी प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। • विगत कुछ वर्षों में महिला प्रतिभागियों और शिक्षकों दोनों के अनुपात में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। कैंपस को वंचित-समूहों के अनुकूल बनाया जा रहा है। LGBTQ+ समुदाय के विरुद्ध किसी भी तरह का भेदभाव कैंपस और संस्थान में पूरी तरह से प्रतिबंधित है। विद्यार्थियों का स्पेक्ट्रम क्लब समुदाय में समावेशिता के क्षितिज का विस्तार करने और विद्यार्थियों को बेहतर प्रदर्शन करने तथा समावेशी समूह प्रतिभागी बनने के लिए तैयार करने में सहायता करने पर ध्यान केंद्रित करता है। • आईआईएम काशीपुर के इनक्यूबेशन सेंटर एफआईईडी (फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट) और डीआईसी (डिजाइन इनोवेशन सेंटर) ने पहले ही लगभग 100 उद्यमियों को इनक्यूबेट किया है, जिससे क्षेत्र में उद्यमशीलता की संस्कृति को बढ़ावा मिला है।
• भारतीय भाषाओं, कलाओं एवं संस्कृति का प्रचार-प्रसार	• पुस्तकालय सामान्य पुस्तकों का क्रय कर रहा है और सदस्यों को भारतीय भाषाओं, कलाओं एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए जानकारी दे रहा है। विद्यार्थियों की सांस्कृतिक समिति भारतीय भाषाओं, कलाओं और संस्कृति का प्रचार-प्रसार करने एवं उनका उत्सव मनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम और समारोह आयोजित करती है। • संस्थान पूर्णतः हिंदी पखवाड़ा आयोजित कर रहा है तथा मेस/भोजनगृह (भोजन और भोजनसूची) एवं विभिन्न प्रकार के त्योहारों के सामुदायिक समारोहों के माध्यम से क्षेत्रीय संस्कृतियों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

सभी कार्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए, शैक्षणिक सलाहकारी एवं विद्यार्थी परामर्श नीति, विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा की कठिनाइयों के माध्यम से एक समृद्ध शिक्षण का अनुभव देने और उन्हें उत्तम मानसिक, शारीरिक तथा सामाजिक स्वास्थ्य का अनुरक्षण करने के प्रयासों का मार्गदर्शन करती है। इन प्रयासों में चौबीसों घंटे (24/7) ऑनलाइन परामर्श उपलब्धता, संकाय और वरिष्ठों को सम्मिलित करने वाले सदस्यता कार्यक्रम एवं विविध क्षेत्रों के बाहरी रूप से आमंत्रित अतिथियों द्वारा शामिल सत्र हैं।

उत्कृष्टता केंद्र इस संस्थान के ध्येय एवं परिकल्पना को आगे बढ़ाने में प्रयासरत हैं और संस्थान को वास्तविक जीवन के मुद्दों तथा समस्याओं से जोड़ने और उनका समाधान खोजने का केंद्र हैं। जबकि एफआईईडी (FIED) अभिनव समाधानों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करता है एवं कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है, डीआईसी (DIC) कुमाऊँ पर ध्यान केंद्रित करते हुए, प्रतिदिन की जीवनचर्या के सामुदायिक मुद्दों पर नवीन अभिकल्पित चिंतन विधियों को लागू करने पर ध्यान केंद्रित करता है। साथ ही, सीओईपीपीजी (लोक नीति एवं शासन में उत्कृष्टता केंद्र) सामाजिक मुद्दों पर नीति अनुसंधान के क्षितिज को विस्तारित करने का प्रयास करता है।

आईआईएम काशीपुर ने एनईपी (NEP) के पूर्ण कार्यान्वयन की दिशा में अपनी यात्रा शुरू कर दी है एवं उपर्युक्त उल्लेखित लेख में निरूपित दिशा में लगातार प्रगति की है।

Report of the IIM Kashipur Institute Performance Review Committee (IPRC)

April 2024

Prof. Janat Shah
Prof. Sethu Gururajan
Prof. Sunil Sharma

Foreword

In terms of the Indian Institutes of Management Act 2017, which came into force on January 31, 2018, and its own Regulations, the Board of Indian Institute of Management, Kashipur appointed an Institute Performance Review Committee (IPRC) consisting of a team of three experts:

Professor Janat Shah, Retired Professor of Operations Management of Indian Institute of Management, Udaipur (IIMU). He was also the founding Director of IIMU.

Prof. Sethu Gururajan, Retired Professor of Finance of Indian Institute of Management, Trichy (IIMT). He was a faculty member at XLRI Jamshedpur. He was Officer on Special Duty In-Charge of the National Institute of Securities Markets during its formative years. He served in the Indian Administrative Service.

Prof. Sunil Sharma, Professor of Strategy of Indian Institute of Management Ahmedabad. He was also the Chief Strategy Officer at Tata Power.

The IPRC visited IIM Kashipur during November 7-8, 2023. During the visit, the IPRC had meetings (Exhibit 1) with many stakeholders and examined the data provided by the Institute.

In addition, the IPRC interacted with the Chairpersons, Members of the Board and Alumni of the Institute through a virtual meeting on November 7, 2023.

The IPRC members had discussions among themselves by telephone and email, including online meetings. Various data inputs were made available as requested.

The IPRC wishes to place on record the support received from all stakeholders including the Board, the Director, the coordinating team, the faculty, staff, students, recruiters, and alumni, for the various inputs provided.

Prof. Janat Shah **Prof. Sethu Gururajan** **Prof. Sunil Sharma**

Conclusion

1. IIM Kashipur has demonstrated steady progress as it enters its thirteenth year of operation. The institute's overall performance has been at par with its peer IIMs in the second generation, despite its locational disadvantage. In the last NIRF ranking the institute was ranked in a commendable 19th position.

2. The institute has successfully cultivated a culture of participative decision-making. Students, faculty, and staff are highly involved and engaged in the process. This was evident from the committee's interactions with all stakeholders. IIMK has been able to build a strong, positive culture where the faculty feels a sense of ownership about the institute. Well-defined career advancement policies are in place. As the institution continues to grow, preserving important aspects of the culture, including participatory decision-making with transparency, should remain a priority.

3. The institute has introduced several innovations in its curriculum - one of them being the experiential learning program. Its emphasis on practical learning, industry interactions, and entrepreneurship support has shaped the learning process of students. This has been a unique differentiator for the institute. As the institute scales, it must continue to allocate the necessary resources to support this important aspect of the curriculum.

4. The institute has made focused efforts at increasing the proportion of female students in its flagship two-year program. Starting from no lady student in the first batch (2011-2013) it managed to reach close to 30% in the batch of 2022-2024. But this dropped to about 20% in the year 2023-2025. Given its locational disadvantage, the institute will have to employ creative ideas to ensure the desired level of gender diversity is maintained.

5. IIM Kashipur has identified niche initiatives (innovation, entrepreneurship, public policy) and niche domains (agriculture, small business, government). Agri-business has been one of the main areas of focus of the initiative, and in the process, the institute has built a strong reputation for itself in the region. Encouraging student involvement in projects with local entrepreneurs has the potential for greater regional impact as well as nurturing the development of responsible young leaders. Supporting and sustaining this initiative could further help the institute carve a unique identity for itself.

6. The institute has a centre in Dehradun where it offers executive education programs and has the opportunity to leverage connections to industry and other resources. Consequently, the institute stands to mitigate the locational challenges associated with its main campus. The infrastructure at Dehradun needs to be scaled up to realise its full potential.

7. Although IIMK has high-quality infrastructure within its permanent campus, the demand has already exceeded the supply! This gap is becoming a bottleneck for the institute's ambitious growth plans. This needs to be addressed urgently, given the long lead-time involved in infrastructure. With government funding having come to an end, it is crucial the institute maps out viable financing options for the expansion plan.

8. The Institute operates with a fair amount of financial discipline. It has accumulated sizable reserve funds over time. Given that physical facilities act as a constraint, the institute may want to use part of the corpus for the expansion of its facilities expansion. It appears that the Institute could examine innovative ways of funding its future growth plan.

9. IIM Kashipur was one of the first institutes to start an MBA program focused on Analytics. Institute should be commended for identifying this trend at an early stage. To make sure that it retains its lead in this area, it may want to establish a dedicated centre for analytics. Through this, it can support research and facilitate strong industry connections in this dynamic area.

10. The institute has done well to foster a robust research culture, evident in its doctoral students & faculty's notable contributions to high-quality journals. However, it may be said that research ambition has probably not been matched by the resources provided to faculty. Further, the institute makes frequent changes in terms of expectations from faculty and doctoral students. This may create an atmosphere that is not ideal to foster a long-term orientation in research. The institute may want to think about creating a more stable environment which could result in less ambitious outcomes in the short run, but perhaps more sustainable in the long run.

11. Several members of the faculty have contributed a significant amount of time to administration activities. In a faculty driven institute, this is an important matter. While the institute must leverage dedicated professionals for key academic administrative functions like admissions, programme management, placement, etc, the institutional responsibilities are best overseen by the faculty team collectively. This contribution should be given due consideration in the career advancement policy.

12. Besides recruitment, capacity development for managerial and supervisory staff at the institute requires attention. Investing in capable personnel at these levels can alleviate a substantial administrative workload on the faculty members.

13. The institute has been able to match the student-to-faculty ratio with peer institutions. It should also be commended for its efforts in ensuring a reasonable percentage of faculty from under-privileged sections of society. Given the expansion plans, the institute should examine expanding faculty strength. This would ensure

the dual benefit of reducing the workload on existing faculty members, as well as enable the institute to reach its vision by increasing reliance on full-time faculty for course delivery. However, it is crucial to increase faculty numbers in a calibrated manner. The institute could consider hiring a couple of faculty members as professors of practice.

14. The institute has taken several initiatives to involve and engage alumni in institutional development activities like teaching, student mentoring, and industry connect. In order to maintain momentum of these initiatives and to provide further impetus to alumni engagement, the institute should establish and activate city alumni chapters. The institute should also establish a system for tracking alumni progress over a set period following graduation. This initiative will serve as a valuable tool for assessing the institute's alignment with its vision. Additionally, building strong relationships with alumni will significantly contribute to accreditations and rankings. Some stars in the making from the alumni can be considered for a seat on the Board of IIMK since the Board needs to have IIMK Alumni against all the Alumni positions within 20 years.

15. The institute has established partnerships with a few global institutions. As its reputation continues to grow, it should further forge collaborations with top-ranked business schools and institutions across the world. Such partnerships would not only expose students to diverse global business perspectives but also equip them with the skills necessary for pursuing careers anywhere in the world. Additionally, this offers opportunities for joint research initiatives between the faculty of IIM Kashipur and their international counterparts.

16. Within twelve years, the institute has developed a rich program portfolio. While there is potential for further expansion through more programs, it is prudent to exercise caution in this regard. Priority should be given to stabilising the current programs and enhancing the faculty base before embarking on additional program development initiatives.

17. While the institute has done well overall, several unique innovations in the curriculum have not received enough recognition in industry and academic peer groups. The institute has to invest in public relations exercises so that perceptions in the NIRF and other surveys adequately reflect achievements.

18. With the imminent change of leadership at the director level, the transition needs to be well-planned. The institute appears to have handled this reasonably well in the past.

19. IIM Kashipur has been operating with an interim chairperson for the last several years. The Institute has had several vacant board positions in the last decade. Though this does not appear to have affected the operational performance of the institution,

it is a significant governance issue. It can affect the institute in the long run given that management education is fairly competitive. Ensuring a regular chairperson and a full board as per the IIM Act will be vital from a long-term, strategic perspective. To maintain stability and continuity, it would be beneficial for the Board to consider staggered transitions for the Chair and other members when the need arises, thereby preventing simultaneous turnovers and enabling smoother succession planning.

20. Though the institute has put together a documented mission and strategic plan, it has not yet mapped resources to the various aspects of the plan. It is recommended that the Institute re-examine to devise a comprehensive and coherent long-term plan, spanning the next ten years, to facilitate its transition into a world-class institution. This should encompass all facets of development, including financing & other resources, with a clear roadmap and measurable intermediate milestones. Additionally, the Institute should publish an annual progress report, allowing for transparency and accountability, with oversight from the Board.

Details of Newspaper Articles published by the faculty members from 01st April 2023 to 31st March 2024.

- Study on Military Aircraft Maintenance, Repair and Overhaul" Authored by Kunal K Ganguly, and Vipin Prakash Singh, IIM Kashipur, was carried by the Digital platform of "Indian Military Review" on February 14, 2024.
- Deep learning and online physician reviews and ratings" Authored by Prof. K. Venkataraghavan & Prof. Mayank Sharma, IIM Kashipur, Express Healthcare, 18-Aug-23.
- IIM Kashipur aligns with NEP 2020 to foster digital, interdisciplinary excellence" Authored by Prof. K. Venkataraghavan & Prof. Mayank Sharma, IIM Kashipur, India Today, 26-Aug-23.
- IIM Kashipur introduces digital empowerment and interdisciplinary learning" Authored by Prof. K. Venkataraghavan & Prof. Mayank Sharma, IIM Kashipur, The Indian Express, 26-Aug-23.
- IIM Kashipur introduces digital empowerment & interdisciplinary learning" Authored by Prof. K. Venkataraghavan & Prof. Mayank Sharma, IIM Kashipur, Telegraph India, 26-Aug-23.
- Career opportunities after MBA in analytics" Authored by Prof. Vivek Roy, IIM Kashipur, Education Today (India Today), 13-Oct-2023.
- Blockchain for enhancing nutraceutical supply chain resilience under post-pandemic disruptions" Authored by Prof. Sunil K Jauhar, IIM Kashipur, Economic Times, 09-Jan-2024.
- Are tighter norms for personal loans justified?" Authored by Prof. Md Gyasuddin Ansari, IIM Kashipur, The Hindu Business line, 14-Feb-2024.
- Strategies to bring down India's Current Account Deficit: Lessons and the way ahead" Authored by Prof. Md Gyasuddin Ansari, IIM Kashipur, Economics Times, 21-March-2024.
- IMF warns of debt vulnerabilities: What is the solution? To reduce debt or redefine priorities?" Authored by Prof. Md Gyasuddin Ansari, IIM Kashipur, Economics Times, 13-Feb-2024.
- Liquidity with banks can upset RBI's Monetary Policy transmission" Authored by Prof. Md Gyasuddin Ansari, IIM Kashipur, Economics Times, 23-Nov-2023.
- E-rupee: A Success Story in the Making" Authored by Prof. Md Gyasuddin Ansari, IIM Kashipur, Economics & Political weekly, 19-Oct-2023.
- ODI: Is it truly the One Dying Int'l format of the game?" Authored by Prof. Jimut Bahan Chakrabarty and Prof. Aniruddha Jena, IIM Kashipur, The Hans India, 10-Jan-2024.
- Do surges in FDI inflows lead to higher economic growth? Evidence from developing countries" Authored by Prof. Jagadish Prasad Sahu, IIM Kashipur, 24-March-2024.

कर्मचारियों का विवरण, क्या ऐसा कोई कर्मचारी संस्थान के बोर्ड या अकादमिक परिषद के किसी सदस्य का रिश्तेदार है, और यदि हाँ, तो ऐसे सदस्य का नाम, और ऐसे अन्य विवरण जो धारा 26 (3) के तहत बोर्ड द्वारा निर्धारित किए जा सकते हैं)

आईआईएम अधिनियम 2017, की धारा 26 (3) के तहत, संस्थान को (कर्मचारी का विवरण) दी गई जानकारी, को शून्य के रूप में लिया जा सकता है।

धारा 26(4) के तहत आरक्षण, योग्यता और प्रतिकूल टिप्पणी का विवरण

आईआईएम अधिनियम 2017 की धारा 26(4) के तहत, संस्थान को दी गई जानकारी (आरक्षण, योग्यता और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में निहित प्रतिकूल टिप्पणी) को शून्य के रूप में लिया जा सकता है।

राशि का विवरण, यदि कोई हो, जिसे धारा 26 (1) (बी) के तहत बैलेंस शीट में किसी अधिशेष आरक्षित में ले जाने का प्रस्ताव है

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 20.36 करोड़ रुपये का अधिशेष बैलेंस शीट में शामिल किया गया।

लेखा परीक्षक धारा 26 (1) (सी) के तहत, आय या व्यय को कम या अधिक बताने पर टिप्पणी

वित्तीय वर्ष 2023–24के लिए, लेखा परीक्षकों की ओर से आय या व्यय को कम या अधिक बताने जैसी कोई टिप्पणी नहीं है।

संस्थान के संकाय सदस्यों और अन्य कर्मचारियों सहित, पाँच अधिकारियों के नाम, जिन्होंने सबसे अधिक पारिश्रमिक प्राप्त किया (ऐसे कर्मचारियों को किए गए भत्ते और अन्य भुगतान सहित) धारा 26 (2)

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान सबसे अधिक पारिश्रमिक प्राप्त करने वाले संस्थान के संकाय/कर्मचारी के नाम इस प्रकार हैं:

संकाय/कर्मचारी	आय	वेतन, परिवर्तनीय भत्ते
प्रो दिलीप कुमार	एसोसिएट प्रोफेसर	84,73,592
प्रो कुलभूषण बलूनी	निदेशक	78,12,150
प्रोफेसर सोमनाथ चक्रवर्ती	प्रोफेसर	67,46,532
प्रो. कुणाल कांति गांगुली	प्रोफेसर	66,05,034
प्रो कुमकुम भारती	एसोसिएट प्रोफेसर	58,40,625

Audit Report & Financial Statements

BRANCH: DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL), LUCKNOW AT PRAYAGRAJ

सत्यमेव जयते

Ltr No: Central Expenditure/2024-2025/DIS-2208625
Date: 21 Nov 2024

To,

Director,
Indian Institute of Management
Kashipur

Subject: Issue of Separate Audit Report : PR-135721 on the Accounts of Indian Institute of Management Kashipur for the year 2023-24

Sir/Madam,

वर्ष 2023-24 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (अंग्रेजी) की प्रति निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर, उत्तराखंड को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है। संस्थान यदि आवश्यकता अनुभव करे, तो इस प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद करवा सकता है परन्तु इस प्रतिवेदन के हिन्दी अनुवाद में निम्नलिखित अंकित होना चाहिए : "प्रस्तुत प्रतिवेदन मूलरुप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"
हिन्दी अनुवाद की एक प्रति इस कार्यालय को भी प्रेषित करने का कष्ट करें।

संलग्नकः उपर्युक्तानुसार।

Yours faithfully,

SARITA KUMARI GUPTA
Director (CE)

Separate Audit Report of the Comptroller and Auditor General of India on the accounts of Indian Institute of Management, Kashipur for the year ended 31 March, 2024

We have audited the attached Balance Sheet of Indian Institute of Management, Kashipur (Institute) as at 31 March 2024, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Services) Act, 1971 read with section 23(3) of the Indian Institute of Management Act 2017. These financial statements are the responsibility of the Institute's Management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any are to be reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with the auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on test basis, evidences supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i. We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii. The Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Accounts dealt with by this report have been drawn in formats of Financial Statements for

Central Educational Institutions (Format) prescribed by Department of Higher Education, Ministry of Human Resource Development, Government of India; and

iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by Indian Institute of management, Kashipur as required under section 23(1) of Indian Institute of management Act, 2017 in so far as it appears from our examination of such books.

iv. We further report that:

(A) Balance Sheet

(A.1) Other Investment (Schedule 6) Rs. 102.32 crore

The above includes Rs. 102.32 crore of Term Deposits made by the Institute. As per the Format, Term Deposits in Banks are required to be depicted under 'Current Assets' (Schedule-7) Instead of 'Other investment' (Schedule-6). Thus 'Other Investment' is overstated by Rs. 102.32 crore and 'Current Assets' is understated by the same amount.

(A.2) Loans, Advances & Deposits (Schedule-8) Rs. 22.62 crore

The above does not include Rs. 19.40 lakh being excess expenditure incurred against available fund for '20603 E World Bank Phase 1-EAI' and National Commission for Women-DAW projects(i.e. Debit balance Rs. 19.40 lakh of these projects has been adjusted with credit balance Rs. 70.54 lakh of other projects). This resulted in understatement of Loans, Advances and Deposits (Schedule-8) as well as Current Liabilities (Schedule-3) by Rs. 19.40 lakh.

(B) General

(B.1) The Institute has accounted for only telephone bills under 'Administrative expenses' (Schedule-17) but not accounted for Internet charges. The Institute needs to work out internet charges and incorporate in 'Administrative Expenses' instead of 'Academic Expenses' (Schedule-16).

(B.2) The Institute included Rs. 40.70 lakh pertaining to 'Others' in the 'Capital Account' under Loans, Advances & Deposits. The same may be segregated and depicted correctly.

(C) Grants-in-Aid

The Institute has not received any Grants-in-Aid during the year 2023-24.

(v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

(vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Indian Institute of Management, Kashipur as at 31 March 2024; and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the 'surplus' for the year ended on that date.

For and on behalf of the C&AG of India

Date: 21.11.2024

Place: Lucknow

Principal Director of Audit (Central)

Annexure

1. Adequacy of Internal Audit System

The Internal audit of the Institute has been conducted for the year 2023-24 by a chartered Accountant firm.

2. Adequacy of Internal Control System

The inadequacy of internal control system of the Institute is characterized by

- Non-sufficient action to recover the receivable amount of Rs. 3,42,287.00 against IIM Rohtak.
- Non-filling of 34 post out of 140 vacant post.

3. System of Physical Verification of fixed assets.

Physical verification of fixed assets was conducted for the year 2023-24.

4. System of Physical Verification of inventory.

Physical verification of inventory was conducted for the year 2023-24.

5. Regularity in Payment of statutory dues.

The Institute is regular in payment of statutory dues.

19.11.24

Director(CE)

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT - KASHIPUR

Kundeswari, Kashipur, Uttarakhand-244713

Balance Sheet as at 31st March 2024

Particulars	Schedule	Current Year Ending 31.03.2024	Previous Year Ending 31.03.2023
SOURCES OF FUNDS			
CORPUS/CAPITAL FUND	1		
Corpus Fund		1,077,571,258	1,469,595,671
Capital Fund		3,981,849,274	3,519,930,547
		5,059,420,532	**4,989,526,218**
DESIGNATED/EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	2	**535,736,166**	**371,387,885**
CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS	3	**202,898,908**	**164,222,294**
TOTAL		**5,798,055,606**	**5,525,136,397**
APPLICATION OF FUNDS			
FIXED ASSETS	4		
Tangible Assets		3,296,800,504	560,046,621
Capital Work-In-Progress		665,149,890	2,936,716,330
Intangible Assets		19,898,879	23,167,596
FIXED ASSETS (Net Block)		**3,981,849,273**	**3,519,930,546**
INVESTMENTS OF EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	5	**383,579,028**	**298,282,414**
INVESTMENTS - OTHERS	6	**1,023,479,002**	**1,188,220,000**
CURRENT ASSETS	7	**182,862,569**	**47,716,187**
LOANS, ADVANCES & DEPOSITS	8	**226,285,734**	**470,987,251**
TOTAL		**5,798,055,606**	**5,525,136,397**

Significant Accounting Policies 23

Contingent Liabilities and Notes to Accounts 24

Schedule 1 to 24 form an integral part of the Financial Statements.

For T. Nagar and Co.
Chartered Accountants

Place: Kashipur
Date: 16.05.2024

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

(Prof. Kulbhushan Balooni)
Director

(CA.Deepanshu Agarwal)
Partner
M.No. : 410844

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT - KASHIPUR
Kundeswari, Kashipur, Uttarakhand-244713
Income And Expenditure Account For The Year Ending 31st March 2024

PARTICULARS	Schedule	Current Year Ending 31.03.2024		Previous Year Ending 31.03.2023	
1. INCOME					
1.1 Academic Receipts	9		**889,974,815**		**687,100,090**
MBA Income	9.1	705,802,678		535,354,228	
EMBA Income	9.2	34,137,020		38,872,974	
EFPM Income	9.3	1,946,000		2,474,000	
MDP- Income	9.4	63,439,452		37,469,500	
Consultancy Income	9.5	1,956,166		651,500	
PhD Receipts	9.6	427,500		280,000	
EMBAA Income	9.7	82,265,999		71,997,888	
1.2 Other Income			**74,739,937**		**93,561,973**
Grants & Donations	10	-		-	
Income from Investments	11	63,923,682		80,465,201	
Interest Earned	12	4,454,733		7,678,226	
Other Incomes & Recoveries	13	3,570,327		2,782,882	
Prior Period Income	14	2,791,195		2,635,664	
TOTAL INCOME (A)			**964,714,753**		**780,662,062**
2. EXPENDITURE					
2.1 Staff Payments & Benefits	15		**210,187,386**		**182,265,649**
2.2 Academic Expenses	16		**324,212,052**		**258,134,850**
MBA Expenses	16.1	156,404,683		145,538,248	
EMBA Expenses	16.2	12,051,034		11,977,473	
EFPM Expenses	16.3	223,808		128	
MDP Expenses	16.4	34,507,503		16,629,245	
Consulting Expenses	16.5	1,197,333		456,050	
PhD Expenses	16.6	29,930,389		27,525,482	
Research & Development	16.7	38,630,560		25,096,903	
EMBAA Expenses	16.8	51,266,743		30,911,321	
2.3 Administrative and General Expenses	17		**56,313,945**		**52,798,370**
2.4 Transportation Expenses	18		**2,538,292**		**2,181,262**
2.5 Repairs & Maintenance	19		**25,650,824**		**13,358,841**
2.6 Finance Cost	20		**22,305**		**14,954**
2.7 Depreciation	4		**133,678,288**		**53,454,253**
2.8 Other Expenditure	21		**-**		**-**
2.9 Prior Period Expenditure	22		**8,539,057**		**6,968,521**
TOTAL EXPENDITURE (B)			**761,142,150**		**569,176,700**
Excess of Income over Expenditure		-	**203,572,602**	-	**211,485,363**
Total		-	**964,714,753**	-	**780,662,062**
Significant Accounting Policies	23				
Contingent Liabilities and notes to Accounts	24				

For T. Nagar and Co.
Chartered Accountants

Schedule 1 to 24 form an integral part of Financial Statements.

Place: Kashipur
Date: 16.05.2024

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)	**(CA.Mrinal Sajwan)**	**(Prof. Kulbhushan Balooni)**	**(CA.Deepanshu Agarwal)**
S.A.O. (ACCOUNTS)	**FA-cum-CAO**	**Director**	**Partner**
			M.No. : 410844

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT - KASHIPUR

Escort Farm, Kundeswari, Kashipur, Uttarakhand-244713

Receipts and Payments Account For The Year Ending on 31st March 2024

Receipts	Current Year	Previous Year	Payments	Current Year	Previous Year
I. Opening Balances			I. Expenses		
a) Cash Balances			a) Establishment Expenses	210,187,386	182,265,649
b) Bank Balances			b) Academic Expenses	315,767,053	253,241,379
I. In Current accounts			c) Administrative Expenses	56,313,945	52,798,370
II.In deposit accounts			d) Transportation Expenses	2,538,292	2,181,262
III.Savings accounts	31,838,502	159,781,643	e) Repairs & Maintenance	25,650,824	12,077,952
			f) Finance Cost	22,305	14,954
			g) Prior period Expenses	8,539,057	6,968,521
II. Grants Received			II. Payments against Earmarked/Endowment Funds	6,545,131	2,964,458
a) From Government of India	-	-			
b) From State Government	-	-			
c) From Other Sources (Details)	-	-			
(Grants for capital & revenue exp/to be					
shown separately if available)					
III. Academic Receipts	881,529,815	670,936,179	III. Payments against Sponsored Project/Schemes	98,074,857	64,606,033
IV. Receipts against Earmarked/Endowment Funds	170,893,412	81,616,046	IV. Payments against Sponsored Fellowships/Scholarships	8,445,000	6,174,360
V. Receipts against Sponsored Projects/Schemes/Program	95,903,637	71,166,644	V. Investment and Deposits made		
			a) Out of Earmarked /Endowments Funds	85,296,615	61,212,632
			b) Out of own funds (Investment -Others)	575,103,462	48,200,000
VI. Receipts against Sponsored Fellowships/Scholarships	8,445,000	6,174,360	VI. Term Deposits with Schedules Banks		
VII. Income on Investments from	-	-	VII. Expenditure on Fixed Assets and		
a) Earmarked/Endowment Funds	-	-	Capital Works -in -Progress		
b) Other Investments	63,923,682	80,465,201	a) Fixed Assets	297,227,178	188,478,515
			b) Capital Works -in- Progress	298,369,838	49,373,905
VIII. Interest received on			VIII. Other Payments Including Statutory Payments		
a) Bank Deposits	-	-			
b) Loans and Advances	-	462,529			
c) Savings Bank Accouns & Other	4,454,733	7,215,697			
IX. Investments Encashed	739,944,450	208,880,000	IX. Refunds of Grants	-	-
X. Term Deposits with Scheduled Banks Encashed	-	-	X. Deposits and Advances	136,528,019	365,566,532
XI. Other Income (including Prior Period Income)	6,361,522	15,408,097	XI. Other Payments	-	-
XII. Deposits and Advances	285,066,829	25,856,628	XII. Closing balances		
			a) Cash in Hand	-	-
			b) Bank balances		
			In Current Accounts	-	-
			In Savings Accounts	163,752,621	31,838,502
			In Deposit Accounts	-	-
TOTAL	**2,288,361,582**	**1,327,963,024**	**TOTAL**	**2,288,361,582**	**1,327,963,024**

For T. Nagar and Co.
Chartered Accountants

Place: Kashipur
Date: 16.05.2024

(CA. (Dr.) Madhukar Goyal) S.A.O (Accounts)

(CA Mrinal Sajwan) FA-cum-CAO

(Prof. Kulbhushan Balooni) Director

(CA.Deepanshu Agarwal) Partner M.No. : 410844

Schedule -1 Corpus / Capital Funds

	PARTICULARS	2023-24	2022-23
1	**Corpus Fund**		
	Opening Balance	1,469,595,671	1,495,962,728
	Add: Transferred from I & E Account	203,572,602	211,485,363
	Less: Utilized for Capital Expenditure	595,597,016	237,852,419
	Total (1)	**1,077,571,258**	**1,469,595,671**
2	**Capital Fund**		
	2.1 Building Fund		
	Opening Balance	3,377,336,055	3,200,232,760
	Add: Allocation from Corpus for Capital expenditure	529,692,590	183,758,458
	Less: Transferred to General Assets Funds	506,296,223	-
	Less: Transferred to Depreciation Fund	55,129,569	6,655,163
	Sub Total (2.1)	**3,345,602,853**	**3,377,336,055**
	2.2 General Assets Fund		
	Opening Balance	142,594,492	135,299,620
	Add: Allocation from Corpus for Capital expenditure	65,904,426	54,093,962
	Add: Transferred from Building Fund	506,296,223	-
	Less: Transferred to Depreciation Fund	78,548,719	46,799,090
	Sub Total (2.2)	**636,246,421**	**142,594,492**
	Total (2)	**3,981,849,274**	**3,519,930,547**
	Grand Total (1+2)	**5,059,420,532**	**4,989,526,218**

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

Schedule -2 DESIGNATED/ EARMERKED / ENDOWMENT FUNDS

(Rs.)

PARTICULARS	FUND WISE BREAK UP					TOTAL	
	Staff Welfare Fund	Depreciation Fund	Leave Encashment fund	Group Gratuity Fund	MDP Devlopment Fund	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
A							
a) Opening Balance	**4,454,849**	**280,340,739**	**43,782,633**	**32,599,781**	**10,209,883**	**371,387,885**	**292,736,297**
b) Additions during the year	2,065,793	133,678,287	7,672,233	2,410,029	2,663,358	148,489,700	62,444,971
c) Income from Investments of Funds	-	3,883,394	3,567,058	2,544,313	58,250	10,053,016	8,566,328
d) Accrued Interest on Investments/ Advances	183,950	11,960,059	-		206,687	12,350,696	10,604,747
e) Interest on Savings Bank a/c	-	-	-	-	-	-	-
f) Others Additions (specify nature)	-	-	-	-	-	-	-
TOTAL (A)	**6,704,592**	**429,862,479**	**55,021,924**	**37,554,123**	**13,138,178**	**542,281,297**	**374,352,343**
B							
Utilisation/ Expenditure towards objectives of Funds							
i. Capital Expenditure (Adjustment)	-	777,543	-	-	-	777,543	-
ii. Revenue Expenditure (Adjustment)	1,691,871	-	912,331	1,105,246	2,058,140	4,075,717	1,960,486
TOTAL (B)	**1,691,871**	**777,543**	**912,331**	**1,105,246**	**2,058,140**	**4,853,260**	**1,960,486**
CLOSING BALANCE AT THE YEAR END (A-B)	**5,012,721**	**429,084,936**	**54,109,593**	**36,448,877**	**11,080,038**	**535,736,166**	**371,387,885**
Represented by							
Cash And Bank Balances	-	-	-	-	5,873,351	5,873,351	9,046,471
Investments	**4,450,000**	**283,570,558**	**54,109,593**	**36,448,877**	**5,000,000**	383,579,028	**298,282,413**
Interest Accrued but not due	183,950	11,960,059	-	-	206,687	12,350,696	10,604,747

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

Schedule-2A
ENDOWMENT FUNDS

1. Sl No	2. Name of the Endowment	Opening Balance		Additions during the year		Total		Expenditure on the object during the year	Closing Balance		Total (10+11)
		3.Endowment	4. Accumulated Interest	5.Endowment	6. Interest	7.Endowment (3+5)	8. Accumulated Interest (4+6)	9	10.Endowment	11. Accumulated Interest	
1	Staff Welfare Fund	4,240,478	214,371	2,065,793	183,950	6,306,271	398,321	1,691,871	4,614,400	398,321	**5,012,721**
2	Depreciation Fund	266,646,344	13,694,395	133,678,287	15,843,453	400,324,631	29,537,848	777,543	399,547,088	29,537,848	**429,084,936**
3	Leave Encashment fund	41,130,070	2,652,563	7,672,233	3,567,058	48,802,303	6,219,621	912,331	47,889,972	6,219,621	**54,109,593**
4	Group Gratuity Fund	30,514,149	2,085,632	2,410,029	2,544,313	32,924,178	4,629,945	1,105,246	31,818,932	4,629,945	**36,448,877**
5	MDP Devlopment Fund	9,685,769	524,114	2,663,358	264,937	12,349,127	789,051	2,058,140	10,290,987	789,051	**11,080,038**
Total		**352,216,810**	**19,171,075**	**148,489,700**	**22,403,712**	**500,706,510**	**41,574,787**	**6,545,131**	**494,161,379**	**41,574,787**	**535,736,166**

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

Schedule -3 CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS

PARTICULARS	2023-24	2022-23
A. CURRENT LIABILITIES		
1. Deposits from Staff	444,387	444,387
2. Deposits from Students	25,192,654	23,329,654
3. Sundry Creditors		
a) For Goods & Services	32,522,794	6,445,201
4. Deposits from Others		
a) Securities & EMDs	9,188,269	7,004,990
5. Statutory Liabilities		
a) Statutory Liabilities((TDS, GST, LABOUR CESS, NPS)	5,435,913	7,991,613
6. Other Current Liabilities		
a) Consultancy Projects	3,830,709	1,487,262
b) Management Development Programme	24,052,558	27,505,393
c) Receipts Against Sponsored Fellowships & Scholarships (Sch-3b)	-	-
d) Unutilised Grants (Sch-3C)	-	-
e) Research Projects	1,282,638	1,861,949
f) Other Party receipts	-	-
g) Other Liabilities	4,549,364	1,993,537
h) Against Project	-	-
i) SGS BG Encashment & Others	8,500,000	8,500,000
j) SPCPL	-	-
k) Against EMBA Analytics	6,550,000	8,626,000
l) Against EMBA Fee	4,280,000	4,480,000
TOTAL (A)	**125,829,286**	**99,669,985**
B. PROVISIONS		
a) For Salary	1,594,948	1,227,194
b) Provisions for the Year	75,474,674	63,325,115
TOTAL (B)	**77,069,622**	**64,552,309**
TOTAL (A+B)	**202,898,908**	**164,222,294**

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

SCHEDULE-3(A) SPONSORED PROJECTS & OTHER PROGRAM

1. Sr No	2. Name of the project	Opening Balance as on 01.4.2023		5. Receipts/ Recoveries during the year	6. Total	7.Expenditure during the Year	Closing Balance as on 31.3.2024	
		3. Credit	4. Debit				8. Credit	9. Debit
	Consultancy Projects							
1	2018-19/SRC/T1 Warehouse Design and Management	90,910	-	63,636	154,546	154546	-	-
2	20603K UPHSSP-Consultancy Income	65,205	-	-	65,205	-	65,205	-
3	20603Y-Indo Canadian Collaborative Research Grant	200,809		75,000	275,809	275,809	-	
4	Consultancy FRC	100,000	-		100,000	-	100,000	-
5	Consultancy Goa Institute of Management	150,000	-	105,000	255,000	255,000	-	-
6	Consultancy Project IIM Ahmedabad	40,000			40,000	-	40,000	
7	Mussoorie Dehradun Development Auth. (MDDA)	200,000			200,000		200,000	
8	MIM Programme of Department of Design	20,338		14,237	34,575	34,575	-	
9	Study Related to Climate Change Impacts	500,000		295,000	795,000	795,000	-	
10	Warehouse Design and Management - IIM Ahmedabad	120,000		254,000	374,000	374,000	-	
11	NABARD	-	-	675,000	675,000	109,496	565,504	
12	Developed the Course Material for E4 Subject - Data Science: Conceptual Framework, Tools and Techniques	-	-	2,560,000	2,560,000	-	2,560,000	
13	Ministry of Housing and Urban Affairs: Research Project Fee	-	-	300,000	300,000	-	300,000	
	Funded Research Projects							
14	20603 E World Bank Phase 1-EAI	38,496	1,830,635	-	-1,792,139	-	38,496	1,830,635
15	2018-19-P11 DIC , IIT Roorkee	2,804,306		251,963	3,056,269	829,738	2,226,531	
16	20602B - Financial Inclusion Under MGNREGA (NIRD)	543,033		-	543,033	-	543,033	
17	20603-C Water Conservation & Rejuvenation (NIRD)	246,789		-	246,789	-	246,789	
18	Centre Development Fund DIC	42,480		80,500	122,980	-	122,980	
19	ICSSR - SSY	-	-	1,125,000	1,125,000	1,114,113	10,887	
20	ICSSR- (YoM23)	-	-	900,000	900,000	883,397	16,603	
21	National Commission for Women- DAW	482,521	-	322,299	804,820	914,346		109,526
22	Research Study on Impact of Covid 19 on Uttarakhand Tourism and Solution	17,480		-	17,480	-	17,480	
	TOTAL	**5,662,367**	**1,830,635**	**7,021,635**	**10,853,367**	**5,740,020**	**7,053,508**	**1,940,161**

SCHEDULE-3(b) SPONSORED FELLOWSHIP AND SCHOLARSHIPS

S.N.	2. Name of the Sponsor	Opening Balance as on 01.04.23		Transaction during the year		Closing Balance as on 31.03.24	
		CR	DR	CR	DR	CR	DR
1	Ministry of Tribal Affairs	-	-	6,745,000	6,745,000	-	-
2	Ministry of Social Justice	-	-	-	-	-	-
3	State of Maharashtra	-	-	-	-	-	-
4	State of Kerala	-	-	-	-	-	-
5	Rajshri Sahu Maharaj	-	-	-	-	-	-
6	Other Scholarships	-	-	1,800,000	1,800,000	-	-
TOTAL		**-**	**-**	**8,545,000**	**8,545,000**	**-**	**-**

SCHEDULE-3 (c) UNUTILISED GRANTS FROM GOVERNMENT OF INDIA

PARTICULARS	2023-24	2022-23
Plan Grant from Government of India		
Balance B/F	-	-
Add: receipts during the year		
GIA- Capital creation	-	-
GIA-Salary	-	-
GIA-General	-	-
Total(a)	-	-
Less: Refunds	-	-
Less: Utilized for Revenue Expenditure	-	-
a) Salary	-	-
b) General	-	-
Less: Utilized for Capital Expenditure:	-	-
a) Fixed Assets	-	-
b) WIP	-	-
Total(b)	-	-
UNUTILIZED GRANT (a)-(b)	-	-

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

SCHEDULE 4

Fixed Assets Schedule (IIM KASHIPUR) for 2023-24

S. No	Assets Heads	Gross Block					Depreciation Block				Net Block	
		Rate pa (SLM)	Opening As on 01.04.2023	Additions During the Year	Adj/Written Off (Due to Dep.Method Change)	Closing As on 31.03.24	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Adj/Written Off (Due to Dep.Method Change)	Total Depreciation	As on 31.03.24	As on 31.3.2023
	1	2	3	4	6	7	8	9	10	11	12	13
A	**Tangible Assets**		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
1	Land (Free Hold)	0.00%	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
2	Buildings	2.00%	208,795,647	2,279,431,380	1,111,500	2,487,115,527	11,279,744	51,014,627	-	62,294,372	2,424,821,155	224,045,229
3	Road & Bridges Including Footpath	2.00%	229,821,258	12,470,931	-	242,292,189	13,246,761	4,114,942	-	17,361,703	224,930,486	216,574,497
4	Scientific and Laboratory Equipmer	8.00%	-	411,200	-	411,200	-	32,896		32,896	378,304	-
5	Plant & Machinary	5.00%	27,993,341	268,052,423	-	296,045,764	2,090,602	13,402,621	955,130	16,448,353	279,597,411	-
6	Audio Visual Equipments	7.50%	-	6,199,556	-	6,199,556	-	464,967		464,967	5,734,589	-
7	Electrical Installation & Equipment	5.00%	1,414,400	226,651,542	-	228,065,942	28,288	11,332,577	84,864	11,445,729	216,620,213	-
8	Office Equipment	7.50%	62,499,763	1,403,877	-	63,903,640	27,536,107	4,968,048	-	32,504,155	31,399,485	35,723,181
9	Computer & Peripherals	20.00%	49,227,376	11,763,929	-	60,991,305	33,943,983	8,219,426	-	42,163,409	18,827,896	15,283,393
10	Furniture, Fixture & Fittings	7.50%	88,690,894	37,082,537	-	125,773,431	34,186,050	9,433,007	-	43,619,058	82,154,373	54,504,844
11	Lib. Books & Journals	10.00%	34,728,017	1,030,629	-	35,758,646	26,463,647	2,356,590	-	28,820,237	6,938,409	8,264,370
12	Vehicles	10.00%	7,434,110	544,318	-	7,978,428	1,783,003	797,243	-	2,580,246	5,398,182	5,651,107
13	Small Value Assets	100.00%	969,250	166,444	-	1,135,694	969,250	166,444	-	1,135,694	-	-
	Total (A)		**711,574,057**	**2,845,208,766**	**1,111,500**	**3,555,671,323**	**151,527,436**	**106,303,387**	**1,039,994**	**258,870,819**	**3,296,800,504**	**560,046,621**
B	**Capital Work in Progress**											
11	Construction of Building	0%	2,936,716,330	511,401,508	2,782,967,948	665,149,890	-	-	-	-	665,149,890	2,936,716,330
	Total(B)		**2,936,716,330**	**511,401,508**	**2,782,967,948**	**665,149,890**	**-**	**-**	**-**	**-**	**665,149,890**	**2,936,716,330**
C	**INTANGIBLE ASSETS**	**Rate pa (SLM)**	**Opening As on 01.04.2023**	**Additions During the Year**	**Adj/Written Off (Due to Dep.Method Change)**	**Closing As on 31.03.24**	**Dep Opening Balance**	**Depreciation for the year**	**Adj/Written Off (Due to Dep.Method Change)**	**Total Depreciation**	**As on 31.03.24**	**As on 31.3.2023**
12	Computer Software	40%	6,428,155	153,400	-	6,581,555	4,033,083	1,123,790	-	5,156,873	1,424,682	2,395,072
13	E-Journals/ Web Developments	40%	106,851,482	22,912,790	-	129,764,272	86,078,958	25,211,117	-	111,290,075	18,474,197	20,772,524
	Total (C)		**113,279,637**	**23,066,190**	**-**	**136,345,827**	**90,112,041**	**26,334,906**	**-**	**116,446,948**	**19,898,879**	**23,167,596**
Grand Total (A+B+C)			**3,761,570,024**	**3,379,676,464**	**2,784,079,448**	**4,357,167,040**	**241,639,478**	**132,638,294**	**1,039,994**	**375,317,767**	**3,981,849,273**	**3,519,930,546**

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

SCHEDULE 4a-Plan

Fixed Assets Schedule (IIM KASHIPUR) for 2023-24

S. No	Assets Heads	Gross Block					Depreciation Block				Net Block	
		Rate pa (SLM)	Opening As on 01.04.2023	Additions During the Year	Adj/Written Off (Due to Dep.Method Change)	Closing As on 31.03.24	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Adj/Written Off (Due to Dep.Method Change)	Total Depreciation	As on 31.03.24	As on 31.3.2023
	1	2	3	4	6	7	8	9	10	11	12	13
A	**Tangible Assets**		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
1	Land (Free Hold)	0.00%	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
2	Buildings	2.00%	208,795,647	2,279,431,380	1,111,500	2,487,115,527	11,279,744	51,014,627		62,294,372	2,424,821,155	224,045,229
3	Road & Bridges Including Footpath	2.00%	229,821,258	12,470,931	-	242,292,189	13,246,761	4,114,942	-	17,361,703	224,930,486	216,574,497
4	Scientific and Laboratory Equipmen	8.00%	-	411,200	-	411,200	-	32,896		32,896	378,304	-
5	Plant & Machinary	5.00%	27,993,341	268,052,423	-	296,045,764	2,090,602	13,402,621	955,130	16,448,353	279,597,411	-
6	Audio Visual Equipments	7.50%		6,199,556	-	6,199,556	-	464,967		464,967	5,734,589	-
7	Electrical Installation & Equipment	5.00%	1,414,400	226,651,542	-	228,065,942	28,288	11,332,577	84,864	11,445,729	216,620,213	-
8	Office Equipment	7.50%	62,499,763	1,403,877	-	63,903,640	27,536,107	4,968,048	-	32,504,155	31,399,485	35,723,181
9	Computer & Peripherals	20.00%	49,227,376	11,763,929	-	60,991,305	33,943,983	8,219,426	-	42,163,409	18,827,896	15,283,393
10	Furniture, Fixture & Fittings	7.50%	88,690,894	37,082,537	-	125,773,431	34,186,050	9,433,007	-	43,619,058	82,154,373	54,504,844
11	Lib. Books & Journals	10.00%	34,728,017	1,030,629	-	35,758,646	26,463,647	2,356,590	-	28,820,237	6,938,409	8,264,370
12	Vehicles	10.00%	7,434,110	544,318	-	7,978,428	1,783,003	797,243	-	2,580,246	5,398,182	5,651,107
13	Small Value Assets	100.00%	969,250	166,444	-	1,135,694	969,250	166,444	-	1,135,694	-	-
	Total (A)		**711,574,057**	**2,845,208,766**	**1,111,500**	**3,555,671,323**	**151,527,436**	**106,303,387**	**1,039,994**	**258,870,819**	**3,296,800,504**	**560,046,621**
B	**Capital Work in Progress**											
11	Construction of Building	0%	2,936,716,330	511,401,508	2,782,967,948	665,149,890	-	-	-	-	665,149,890	2,936,716,330
	Total(B)		**2,936,716,330**	**511,401,508**	**2,782,967,948**	**665,149,890**	**-**	**-**	**-**	**-**	**665,149,890**	**2,936,716,330**
C	**INTANGIBLE ASSETS**	**Rate pa (SLM)**	**Opening As on 01.04.2023**	**Additions During the Year**	**Adj/Written Off (Due to Dep.Method Change)**	**Closing As on 31.03.24**	**Dep Opening Balance**	**Depreciation for the year**	**Adj/Written Off (Due to Dep.Method Change)**	**Total Depreciation**	**As on 31.03.24**	**As on 31.3.2023**
12	Computer Software	40%	6,428,155	153,400	-	6,581,555	4,033,083	1,123,790	-	5,156,873	1,424,682	2,395,072
13	E-Journals/ Web Developments	40%	106,851,482	22,912,790	-	129,764,272	86,078,958	25,211,117	-	111,290,075	18,474,197	20,772,524
	Total (C)		**113,279,637**	**23,066,190**	**-**	**136,345,827**	**90,112,041**	**26,334,906**	**-**	**116,446,948**	**19,898,879**	**23,167,596**
Grand Total (A+B+C)			**3,761,570,024**	**3,379,676,464**	**2,784,079,448**	**4,357,167,040**	**241,639,478**	**132,638,294**	**1,039,994**	**375,317,767**	**3,981,849,273**	**3,519,930,546**

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

SCHEDULE 4B- Non- Plan

Fixed Assets Sechedule (IIM KASHIPUR) for 2023-24

S. No	Assets Heads	Gross Block					Depreciation Block				Net Block	
		Rate pa (SLM)	Opening As on 01.04.2023	Additions During the Year	Adj/Written Off (Due to Dep.Method Change)	Closing As on 31.03.24	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Adj/Written Off (Due to Dep.Method Change)	Total Depreciation	As on 31.03.24	As on 31.3.2023
	1	2	3	4	6	7	8	9	10	11	12	13
A	**Tangible Assets**											
1	Land (Free Hold)											
2	Buildings											
3	Road & Bridges Including Footpath etc.											
4	Office Equipment											
5	Computer & Peripherals											
6	Furniture, Fixture & Fittings											
7	Vehicles											
8	Lib. Books & Journals											
9	Small Value Assets											
	Total (A)		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
B	**Capital Work in Progress**		-									-
10	Construction of Building		**NOT APPLICABLE**									
	Total(B)		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
C	**INTANGIBLE ASSETS**		Opening As on 01.04.2023	Additions During the Year	Adj/Written Off (Due to Dep.Method Change)	Closing As on 31.03.24	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Adj/Written Off (Due to Dep.Method Change)	Total Depreciation	As on 31.03.24	As on 31.3.2023
11	Computer Software		NOT APPLICABLE									
12	E-Journals/ Web Developments											
	Total (C)		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
Grand Total (A+B+C)			-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

SCHEDULE 4C

Fixed Assets Sechedule (IIM KASHIPUR) for 2023-24												
S. No	Assets Heads	Gross Block					Depreciation Block				Net Block	
		Rate pa (SLM)	Opening As on 01.04.2023	Additions During the Year	Adj/Written Off (Due to Dep.Method Change)	Closing As on 31.03.24	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Adj/Written Off (Due to Dep.Method Change)	Total Depreciation	As on 31.03.24	As on 31.3.2023
	1	2	3	4	6	7	8	9	10	11	12	13
C	INTANGIBLE ASSETS		Opening As on 01.04.2023	Additions During the Year	Adj/Written Off (Due to Dep.Method Change)	Closing As on 31.03.24	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Adj/Written Off (Due to Dep.Method Change)	Total Depreciation	As on 31.03.24	As on 31.3.2023
1	Computer Software	40%	6,428,155	153,400	-	6,581,555	4,033,083	1,123,790	-	5,156,873	1,424,682	2,395,072
2	E-Journals/ Web Developments	40%	106,851,482	22,912,790	-	129,764,272	86,078,958	25,211,117	-	111,290,075	18,474,197	20,772,524
Total (C)			**113,279,637**	**23,066,190**	**-**	**136,345,827**	**90,112,041**	**26,334,906**	**-**	**116,446,948**	**19,898,879**	**23,167,596**

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

SCHEDULE 4 (c) (i) - PATENTS AND COPYRIGHTS

	Particulars	Op. Balance	Additions	Gross	Amortizations	Net Block 2023-24	Net Block 2022-23
A	**Patents Granted**						
1	Balance as on 31.03.24 of patents obtained in 2020-21	NOT APPLICABLE					
2	Balance as on 31.03.24 of patents obtained in 2021-22						
3	Balance as on 31.03.24 of patents obtained in 2022-23						
4	Patents during the Current Year						
	Total (A)						

	Particulars	Op. Balance	Additions	Gross	Patents granted/ rejected	Net Block 2023-24	Net Block 2022-23
B	**Patents Pending in respect of patents applied for**	NOT APPLICABLE					
1	Expenditure incurred during 2019-20 and 2020-21						
2	Expenditure incurred during 2021-22						
3	Expenditure incurred during 2022-23						
	Total (B)						
	Grand Total (A+B)						

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

SCHEDULE 4 D - OTHERS

S. No	Assets Heads	Gross Block						Depreciation Block				Net Block	
		Rate pa (WDV)	Opening As on 01.04.2023	Additions for more than 180 days	Addition for less than 180 days	Adj/Written Off	Closing as on 31.03.24	Dep Opening balance	Depreciation for the year	Deductions/Adjustment	Total Depreciation	As on 31.03.24	As on 31.3.2023
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1	**Tangible Assets**												
2	Land (Free Hold)												
3	Buildings												
4	Road & Bridges Including Footpath etc.						NOT APPLICABLE						
5	Office Equipment												
6	Computer & Peripherals												
7	Furniture, Fixture & Fittings												
8	Vehicles												
9	Lib. Books & Journals												
10	Small Value Assets												
	Total (A)												
17	**Capital Work in Progress (B)**						NOT APPLICABLE						
Grand Total (A+B)													

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

Schedule -5 - INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS

Funds	2023-24	2022-23
1. Investment Depreciation Fund	283,570,558	216,000,000
2. Investment MDP Development Fund	5,000,000	3,900,000
3. Investment Staff Welfare Fund	4,450,000	2,000,000
4. Investment with LIC (With LIC) (Group Gratutiy Fund)	36,448,877	32,599,781
5. Investment with LIC (With LIC) (Leave Encashment)	54,109,593	43,782,633
Total	**383,579,028**	**298,282,414**

Schedule -5 (A) - INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS (FUND WISE)

FUNDS	2023-24	2022-23
1. Investment Depreciation Fund - Fixed Deposit with Banks	283,570,558	216,000,000
2. Investment MDP Development Fund - Fixed Deposit with Banks	5,000,000	3,900,000
3. Investment Staff Welfare Fund - Fixed Deposit with Banks	4,450,000	2,000,000
4. Group Gratutiy Fund - Investment with LIC	36,448,877	32,599,781
5. Leave Encashment - Investment with LIC	54,109,593	43,782,633
TOTAL	**383,579,028**	**298,282,414**

SCHEDULE-6 - INVESTMENTS OTHERS

	2023-24	2022-23
1. Term Deposits with Banks	1,023,479,002	1,188,220,000
Total	**1,023,479,002**	**1,188,220,000**

Schedule 7 - CURRENT ASSETS

PARTICULARS	2023-24	2022-23
1. Stock in Hand (Stationary & Electrical)		
Stationery, MDP & Electrical items	2,307,135	2,498,670
2. Sundry Debtors	-	-
More than 6 Months	4,474,183	4,792,983
Less Than 6 Months	4,405,057	1,576,292
3. Cash and Bank balances:		
a) Cash In Hand	-	-
b) With Scheduled Banks:	-	-
PNB A/c (4534000100028306)	4,069,248	7,557,290
PNB A/c (4534000100085897)	496	2,797
PNB 4534000100092491(ICSSR Impress 3615)	-	-
PNB 4534000100093027(ICSSR Impress 0877)	1,922,055	86,264
RBL Bank (309006195247)	104,196	99,856
SBI (Including Funds in Flexi Account)	38,097,165	14,670,694
SBI (World Bank Project)	844,055	821,600
HDFC Bank (50100481655862) (Including Funds in Flexi Account)	118,590,253	8,557,217
HDFC Bank (50100493650634) DIC	125,153	42,784
4. Receivables		
Fee Receivable	7,836,098	6,909,750
Other Receivable	87,475	99,990
Total	**182,862,569**	**47,716,187**

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

Schedule 8 - LOANS, ADVANCES & DEPOSITS

PARTICULARS	2023-24	2022-23
1. Advances to Employees: (Non - Interest Bearing)		
a) Salary/Festival/Medical Advances	-	-
b) Others (to employees)	593,433	682,163
2. Long Term Advances to Employees: (Interest Bearing)		
a) Home/Vehicle/Other Loans	-	-
3. Advances and Other Amounts Recoverable in Cash or in Kind or for Value to be Received:		
a) On Capital Account	45,474,484	294,621,030
b) To Contractors (Mobilization & Others)	-	-
c) To Students	-	-
d) Others	-	3,727,139
e) Imprest	-	-
4. Prepaid Expenses		
a) Insurance & Others	14,172,669	8,092,976
b) Others	-	-
5. Deposits		
a) Telephone	16,999	16,999
b) Lease Rent	233,439	233,439
c) Electricity	3,954,778	3,954,778
d) Others (Gas)	49,550	49,550
6.Income Accrued:		
a) On Investments - (Interest)	107,808,234	106,522,832
b) Sweep Interest - Accrued	8,328,312	8,291,500
7. Other Receivable:		
a) Grants Recoverable (from MHRD)	-	-
8. Claims Receivable		
a) TDS Receivable	45,584,442	44,725,450
b) Others	69,395	69,395
TOTAL	**226,285,734**	**470,987,251**

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

Schedule 09 - ACADEMIC RECEIPTS

PARTICULARS	2023-24	2022-23
Schedule 9.1 M B A Programme Fee		
Admission Fees	7,775,000	6,250,000
Course Fees	441,281,774	383,403,037
CAT/CAP Share receipt (Including Prior Period)	11,766,004	9,989,551
MBA Analytics	236,534,900	129,537,280
Total Fee	**697,357,678**	**529,179,868**
Scholarships from Others		
Scholarships from Others (received)	8,445,000	6,174,360
Total (9.1)	**705,802,678**	**535,354,228**
Schedule 9.2 Executive MBA (EMBA)		
Application Fees	-	-
Course Fee	34,137,020	38,872,974
Total (9.2)	**34,137,020**	**38,872,974**
Schedule 9.3 Executive Fellow Programme of Management (EFPM)		
Application Fees	-	-
Tution Fees	1,756,000	2,310,000
Other Fees	190,000	164,000
Total (9.3)	**1,946,000**	**2,474,000**
Schedule 9.4 Management Development Programmes(MDP)		
Open Programmes Fees	-	-
Sponsored Programme Fee	63,439,452	37,469,500
Total (9.4)	**63,439,452**	**37,469,500**
Schedule 9.5 Consulting Income		
Consultancy Income	1,956,166	651,500
Total (9.5)	**1,956,166**	**651,500**
Schedule 9.6 PhD Receipts		
Application/Other Fees	427,500	280,000
Total (9.6)	**427,500**	**280,000**
Schedule 9.7 EMBA Analytics (EMBAA)		
Course Fee	82,265,999	71,997,888
Total (9.7)	**82,265,999**	**71,997,888**
Grand Total (9.1 to 9.7)	**889,974,815**	**687,100,090**

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

Schedule 10 - GRANTS & SUBSIDIES (IRREVOCABLE GRANTS RECEIVED)

(Rs.)

PARTICULARS	Govt. of India	Current Year Total	Previous Year Total
Balance B/F	-	-	-
Add: Sanctioned/Received during The Year	-	-	-
Total	**-**	**-**	**-**
Less: Utilised for Capital Expenditure (A)	-	-	-
Balance	-	-	-
Less: Utilised for Revenue Expenditure (B)	-	-	-
Transfer to Corpus			
Balance C/F (c)	**-**	**-**	**-**

Schedule 11 -INCOME FROM INVESTMENTS

(Rs.)

PARTICULARS	Earmarked / Endowment Funds		Other investments	
	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
Investment from Earmarked/ Endowment Fund				
1) Interest on term deposit of funds	10,053,016	8,566,328	63,923,682	80,465,201
2) Interest on Saving Bank Accounts	-	-	-	-
TOTAL	**10,053,016**	**8,566,328**	**63,923,682**	**80,465,201**
Transferred to Earmarked / Endowment Funds/I/E A/c	10,053,016	8,566,328	63,923,682	80,465,201
Balance	-	-	-	-

Schedule 12 -INTEREST EARNED

(Rs.)

PARTICULARS	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
1. On savings accounts with scheduled banks	4,454,733	7,215,697
2. On debtors and other receivables	-	462,529
TOTAL	**4,454,733**	**7,678,226**

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

Schedule 13 - OTHER INCOME & RECOVERIES

PARTICULARS	2023-24	2022-23
A. Income from Land & Building		
1 Rental	1,294,182	1,269,632
2. Licence Fee	769,200	662,400
3. Staff Car Recoveries	52,100	8,400
4. Hire Charges of Auditorium/ Play Ground/ Convention Centre, Etc.	-	-
Total	**2,115,482**	**1,940,432**
B. Sale of Institute's Publications	**-**	**-**
C. Income from Holding Events	**-**	**-**
Total	**-**	**-**
D. Others		
1.RTI fees	150	-
2. Sale of application from (recruitment)	-	-
3. Misc. Receipts (Tender Processing Fee & disposal items etc.)	39,188	28,780
4. Fine for late deposit of library books	15,890	20,894
5. Misc Income	892,487	244,056
6. Interest on I.T. refund	507,130	548,720
Total	**1,454,845**	**842,450**
GRAND TOTAL (A+B+C+D)	**3,570,327**	**2,782,882**

SCHEDULE-14 PRIOR PERIOD INCOME

Particulars	2023-24	2022-23
1 . CAT Share	826,900	-
2.Other	1,964,295	2,635,664
Total	**2,791,195**	**2,635,664**

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

Schedule 15-STAFF PAYMENTS & BENEFITS (ESTABLISHMENT EXPENSES)

PARTICULARS	2023-24	2022-23
a) Salary and Allowances		
Basic Pay	101,473,121	96,236,859
D.A.	42,846,444	32,086,504
H.R.A.	2,565,354	2,224,567
Transport Allowance	4,187,849	3,507,360
b) Other benefits		
Medical	12,621,380	11,340,833
L.T.A.	10,899,547	9,078,655
Ex-Gratia	2,606,944	1,658,463
Entertainment	108,000	108,000
Telephone	750,660	683,052
Faculty- Other Reimbursement	226,193	428,632
Reimbursement of Tution Fee (Children Education Allowance)	1,711,002	1,552,186
c) Terminal Benefits		-
Contribution to NPS	19,270,973	15,811,043
Gratuity Contribution	2,675,227	2,139,402
Leave Encashment Contribution	7,847,792	5,038,168
Contribution to PF	396,900	371,925
TOTAL	**210,187,386**	**182,265,649**

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

SCHEDULE-15A - EMPLOYEES RETIREMENT AND TERMINAL BENEFITS

	Pension	NPS	Gratuity	Leave Encashment	Total
Opening Balance as on 01.04.2023	-	-	-	-	-
Addition: Capitalised value of contribution received from other Organizations	-	-	-	-	
Total (a)	-	-	-	-	-
Less: Actual Payment During the year (b)	-	-	-	-	-
Balance available on 31.03.24 C=(a-b)	-	-	-	-	-
Provision required on 31.03.24 as per actual valuation (d)	-	-	-	-	-
A. Provision to be made in the current year (d-c)	-	-	2,675,227	7,847,792	10,523,019
B. Contribution to new Pension Scheme	396,900	19,270,973	-	-	19,667,873
C. Medical Reimbursement to retired Employees	-	-	-	-	-
D. Travel to Hometown on Retirement	-	-	-	-	-
E. Deposit Linked Insurance Payments	-	-	-	-	-
Total (A+B+C+D+E)	396,900	19,270,973	2,675,227	7,847,792	30,190,892

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

Schedule 16- ACADEMIC EXPENSES		
PARTICULARS	**2023-24**	**2022-23**
Schedule 16.1 MBA Programme Expenses		
Admission Exp	4,043,723	3,665,092
Visiting Faculty Honorarium	5,302,666	8,333,750
Visiting Faculty TA	1,485,916	1,713,607
Books & Course Material	31,390,843	28,386,368
Induction Exp.	1,692,920	1,085,551
Examination Exp.	1,335,262	2,062,161
Convocation Exp.	6,213,350	6,023,374
Medical Exp.	5,513,624	4,643,301
Hostel Exp.	5,817,989	7,679,171
Teaching Support staff Salary	7,797,165	5,136,873
Contigency & Others Exp.	1,190,510	262,249
Placement Exp.	9,341,580	7,029,356
Student Activity	3,832,287	3,959,162
Faculty Reward Point	29,145,437	32,832,420
MBA Analytics Admission/Misc Exp.	5,553,309	2,671,452
CAP 2024 (Admission Exp.)	2,888,102	-
Total (A)	**122,544,683**	**115,483,888**
MBA Scholarships		
Need-Cum-Merit Based Scholarship	25,415,000	23,880,000
Scholarships from others (Paid)	8,445,000	6,174,360
Total (B)	**33,860,000**	**30,054,360**
Total A+B	**156,404,683**	**145,538,248**
Schedule 16.2 EMBA Expenses		
Admission Advertisement & Publicity & Induction	763,335	598,886
Books & Learing Resource	2,236,314	2,634,002
Hospitality Fooding & Lodging	152,135	155,213
Visiting Faculty Honorarium	909,375	628,125
Office Exp., P&S & Contingency	685,337	703,347
Rent	2,279,000	2,622,600
Visiting Faculty TA/DA Exp.	814,177	933,916
Transportation Exp.	179,068	103,088
Salary Exp.	2,937,857	2,575,236
Security Exp.	1,094,436	1,023,060
Total	**12,051,034**	**11,977,473**
Schedule 16.3 Executive Fellow Programme of Management (EFPM)		
Books & Learning Resources	187	128
Visiting Faculty Honorarium	213,100	-
Visiting Faculty Travel Exp.	10,521	-
Total	**223,808**	**128**

Schedule 16.4 Management Development Programmes (MDP)		
Promotional Expenses	1,496,809	36,288
Revenue Exp.	33,010,694	16,592,957
Total	**34,507,503**	**16,629,245**
Schedule 16.5 Consultancy Expenses		
Consulting Expenses	1,197,333	456,050
Total	**1,197,333**	**456,050**
Schedule 16.6 PhD Expenses		
Books & Learing Resources	292,627	448,702
Admission Exp.	917,656	1,780,716
Contigency/Staff salary Exp.	4,119,909	2,122,331
Scholarship/Stipend Exp.	17,599,014	17,478,408
Contingency Grant	959,555	842,896
Visiting Faculty Exp.	852,394	508,780
Rent Exp.	2,765,157	2,638,165
Equipment Grant	747,653	450,000
Academic Exp.(Conference Grant)	1,676,424	1,255,485
Total	**29,930,389**	**27,525,482**
Schedule 16.7 Research & Development Expenses		
International Conference	1,071,118	197,041
National Conference	108,771	16,002
Faculty Development Programme	1,387,165	1,672,075
AACSB Accreditation	1,045,490	264,243
IRC	148,372	43,882
MPRC	4,952,472	1,117,360
Other Library Resources	18,099,714	11,907,129
Research & Development Expenditure	792,953	85,622
Software Licences	1,655,835	1,417,596
Web Maintenance	2,726,828	3,048,841
Institutional Membership Fee	87,760	87,760
Alumni Expenses	1,764,882	982,515
CPDA	2,411,336	3,002,322
Capacity Building Staff including Staff Training	562,840	-
SDA	1,815,025	1,254,515
Total	**38,630,560**	**25,096,903**
Schedule 16.8 EMBA Analytics Expenses		
Books & Learing Resources	3,420,571	2,888,293
Admission Exp.	315,310	470,005
Contigency/Staff salary Exp.	250,491	118,153
Inaugration Exp.	106,621	103,350
Visiting Faculty Exp.	656,250	375,000
Salary Exp.	119,000	56,520
FeeSharing (TEEL)	46,398,500	26,900,000
Total	**51,266,743**	**30,911,321**
GRAND TOTAL (16.1 TO 16.8)	**324,212,052**	**258,134,850**

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

Schedule 17- ADMINISTRATIVE AND GENERAL EXPENSES

PARTICULARS	2023-24	2022-23
A. Infrastructure		
Electricity and Power & Fuel	5,882,386	8,876,413
B. Communication		
Postage & Courier Exp	31,203	41,009
Telephone , Fax & Internet Charges	29,698	38,013
C. Others		
Printing and Stationery	208,981	495,677
Travelling and Conveyance Expenses	-	6,615
Hospitality (Hospitality & Guest House Exp.)	1,375,899	984,428
Audit Fees and Exp.	525,751	339,392
Security Exp.	8,421,768	6,342,967
Joining and otherTA/DA	881,175	1,188,023
BOG Expenses	1,871,098	2,189,337
Cleaning & Maint. Office/Office Maint.	22,568,204	18,242,328
Legal Expenses	1,319,334	3,049,216
Official Functions	630,594	474,836
Recruitment Expenses	4,877,445	3,458,710
Others Exp.(Professional & Misc Exp.)	666,674	282,257
Staff Welfare	50,000	-
Horticulture-Labour Wages	6,472,644	6,789,148
Horticulture- Other Expenses	501,091	
Contribution to Provident Fund	-	-
TOTAL	**56,313,945**	**52,798,370**

Schedule 18- TRANSPORTATION EXPENSES

PARTICULARS	2023-24	2022-23
1 Vehicles (Owned by institution)		
a) Running expenses	2,216,203	1,640,717
b) Repairs & maintenance	234,298	131,708
c) Insurance expenses	87,791	104,534
2 Vehicle taken on rent/lease	-	-
a) Rent/Lease expenses	-	304,303
Vehicle (Taxi) hiring expenses	-	-
TOTAL	**2,538,292**	**2,181,262**

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

Schedule 19- REPAIRS AND MAINTENANCE

PARTICULARS	2023-24	2022-23
a) Building	16,338,386	9,648,792
b) Office Equipment's	8,221,562	2,302,125
c) Furniture & Others	208,455	127,035
d) IT maintenance (AMC)	882,421	1,280,889
TOTAL	**25,650,824**	**13,358,841**

Schedule 20- FINANCE COST

PARTICULARS	2023-24	2022-23
a) Bank Charges	6,858	4,438
b) Others (NPS maintenance Exp.)	15,447	10,516
TOTAL	**22,305**	**14,954**

Schedule 21- Other Expenses

PARTICULARS	2023-24	2022-23
a) Provisions for Bad & Doubtful Debts/Advances	-	-
TOTAL		-

Schedule 22- PRIOR PERIOD EXPENSES

PARTICULARS	2023-24	2022-23
a) Academic Expenses	-	6,053,804
b) Administrative Expenses	8,439,057	914,717
c) Others Expenses	100,000	-
TOTAL	**8,539,057**	**6,968,521**

(CA.(Dr.) Madhukar Goyal)
S.A.O. (ACCOUNTS)

(CA.Mrinal Sajwan)
FA-cum-CAO

Schedules forming part of annual financial statements of IIM Kashipur for the year 2023-24

SCHEDULE: 23 SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. **BASIS FOR PREPARATION OF ACCOUNTS**

The accounts are prepared under the Historical Cost Convention unless otherwise stated and generally on the Accrual method of accounting.

2. **REVENUE RECOGNITION**

2.1 Fees from Students of various courses, MDP fee, other Incomes including Interest on Savings Bank accounts and sale of forms etc. are accounted for on accrual basis, except income from CAT share which is been shown on actual receipt basis.

2.2 Interest on Investments (FDs) are also accounted on accrual basis only.

3. **FIXED ASSETS AND DEPRECIATION**

3.1 Fixed assets are stated at cost of acquisition including inward freight, duties, taxes, incidental and direct expenses related to acquisition, installation and commissioning.

3.2 Fixed assets are valued at cost less accumulated depreciation. Depreciation on Fixed Assets is provided on **Straight Line Method**, at the following rates:

Tangible Assets:

1.	Buildings	**2%**
2.	Office Equipment	**7.5 %**
3.	Scientific and Laboratory Equipment	**8%**
4.	Computers & Peripherals	**20%**
5.	Furniture, Fixtures & Fittings	**7.5%**
6.	Vehicles	**10%**
7.	Lib. Books & Scientific Journals	**10%**
8.	Audio Visual Equipment	**7.50%**
9.	Plant & Machinery	**5.00%**
10.	Electrical Installation & Equipment	**5.00%**
11.	Small Value Assets	**100%**

Intangible Assets (amortization):

1.	Web Development/E-journal/Computer Softwares	**40%**

3.3 Depreciation is provided for whole of the year, on opening value as well as additions during the year.

3.4 Assets, the individual value of each of which is Rs. 2,000/- or less (except Library Books) are treated as Small Value Assets, 100% depreciation is provided in respect of such assets at the time of their acquisition. However physical accounting and control are continued by the holders of such assets.

4. **INTANGIBLE ASSETS**

Computer Software (including Web Development) and E- Journals are grouped under Intangible Assets.

5. **STOCKS**

Expenditure on purchase of stationary/ printing material and some of electrical maintenance items are accounted for as revenue expenditure and balance of these items in stores as on 31st March is considered as stock in hand, valued at purchase price.

6. **RETIREMENT BENEFITS**

Retirement benefits i.e. gratuity and leave encashment are provided on the basis of contribution every year through group gratuity scheme and leave encashment scheme instituted through LIC (as fund manager) by constituting to independent funds which manages these liabilities of gratuity and leave encashment of all the regular employees of the Institute. Other retirement benefits viz. Contribution to New Pension Scheme is accounted on accrual basis.

7. **INVESTMENTS**

Long term investments are carried at their Book Value.

8. **DESIGNATED/EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS:**

These funds are earmarked for specific purposes. Some of these Funds are Depreciation Fund, Gratuity Fund, Leave Encashment Fund, MDP Development Fund, and Staff Welfare Fund. To keep the accumulations of these funds, separate and safe, the Institute has kept these accumulations in Term Deposits with Banks. The balances in the respective funds are carried forward and shown in the liability side of the Balance Sheet whereas investments of respective funds are shown on the assets side of the Balance Sheet.

9. **GOVERNMENT GRANTS**

Government Grants are accounted on realization basis. However, where a sanction for release of grant pertaining to the financial year is received before 31st March and the grant is actually received in the next financial year, the grant is accounted on accrual basis and an equal amount is shown as recoverable from the Grantor.
To the extent utilized towards capital expenditure, (on accrual basis) government grants are transferred to the Capital Fund. Unutilized grants (including advances paid out of such grants) are carried forward and exhibited as a liability in the Balance Sheet. **Further the Institute has not received any Plan/Revenue grant during the current F.Y. from MOE.**

10. **INVESTMENTS OF EARMARKED FUNDS AND INTEREST INCOME ACCRUED ON SUCH INVESTMENTS**

To the extent not immediately required for expenditure or amount added at the end of the financial year as provision for the year, the amounts available against such funds are invested in fixed term deposits with Banks, leaving the balance in Savings Bank Accounts (wherever applicable). Interest received, interest accrued and due and interest accrued but not due on such investments are added to the respective funds and not treated as income of the Institution.

11. **SPONSORED PROJECTS**

11.1 In respect of ongoing Sponsored Projects (Consulting, MDP & Research), the amounts received from sponsors are credited to the group "Current Liabilities and Provisions". As and when expenditure is

incurred /advances are paid against such projects, or the concerned project account is debited with allocated overhead charges, the liability account is debited. On completion of these projects the receipts and expenditures of the same are being shifted to income and expenditure accounts of the year in which these are closed.

11.2 In respect of sponsored scholarship, amount received from sponsors are credited to "Scholarship others receipts" & on its payment to the students it is debited to "Scholarship other payment account".

12. INCOME TAX

The income of the Institution is exempt from Income Tax under Section 10 (23c) of the Income Tax Act. No Provision for Tax is therefore made in the accounts.

Place: Kashipur
Date: 16.05.2024

For T. Nagar and Co.
Chartered Accountants

CA.(Dr.) Madhukar Goyal
SAO (Accounts)

CA.Mrinal Sajwan
FA-cum-CAO

(Prof. Kulbhushan Balooni)
Director

(CA.Deepanshu Agarwal)
Partner
M.No. : 410844

SCHEDULE: 24 - CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES TO ACCOUNTS

1. **CONTINGENT LIABILITIUES**

   As on 31.03.2024 court cases filed against the Institution, by former/present employees, students, tenants, contractors and arbitration cases with contractors, were pending for decisions. The quantum of claims is approx. Rs. 4.05 crores estimated by works department Rs. 3.47 Crores and by the personnel department Rs. 0.58 Crores.

2. **CAPITAL COMMITMENTS**

   The value of contracts remaining to be executed on Capital account for development of New Campus are not provided for as these will be booked only on presentation of executed work through bills.

3. **FIXED ASSETS**

   Additions in the year to Fixed Assets in Schedule 4 are purchased out of corpus funds and surplus generated by the Institute during the year. The Assets have been set up by credit to Building/General Assets Fund.

4. **PATENTS:**

   There is no patents relating to the Institute.

5. **DEPOSIT LIABILITIES**

   The amount outstanding as Earnest Money Deposit & Security Deposit is of Rs. 91,88269/- shown in Current Liabilities & Provisions.

6. **EXPENDITURE IN FOREIGN CURRENCY:**

   a. Travel -
   b. Foreign Drafts for import of Chemicals etc. _-___
   c. Others. Rs.6,21,60,932/-

7. **CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES AND DEPOSITS**

   In the opinion of the Institute, the Current assets, Loans, Advances and Deposits have a value on realization in the ordinary course, equal to at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

8. Previous year’s figures have been regrouped wherever necessary.

9. Figures in the Final accounts have been rounded off to the nearest rupee.
10. Schedules 1 to 24 are annexed to and form an integral part of the Balance Sheet at 31st March 2024. and the Income & Expenditure account for the year ended on that date.

11. Contributions to New Pension Scheme Rs. Rs. 1,92,70,973/- have been transferred to NPS Account.

12. IIM Kashipur capacity and capabilities:

    i) No. of Students – 1118 (Including Executive and Regular MBA programs)
    ii) No. of Teachers – 51
    iii) Collection on account of building fund and expenditure thereof – Nil
    iv) Collection for sports activities and expenditure thereof – Nil
    v) Collection for co-curricular activities and expenditure thereof – Nil
    vi) Collection on account of development charges and expenditure thereon – Nil
    vii) Collection for medical expenses and expenditure thereon – Nil
    viii) Compliance with statutory dues like EPF and ESI – NPS (as per government rules)
    ix) Salary structure of teachers – Pay matrix attached

Place: Kashipur
Date: 16.05.2024

For T. Nagar and Co.
Chartered Accountants

CA.(Dr.) Madhukar Goyal
SAO (Accounts)

CA.Mrinal Sajwan
FA-cum-CAO

(Prof. Kulbhushan Balooni)
Director

(CA.Deepanshu Agarwal)
Partner
M.No. : 410844

Annexure -I

15-4/2017-TC
Government of India
Ministry of Human Resource Development
Department of Higher Education
***

Pay Matrix Proposed for IITs/IISc/IIM/NITIE/IISER/NIT/IIIT – in 4-tier structure* (All figures are in Rupees)								
Cadre Title	**Asst. Prof. Grade II**		**Asst. Prof. Grade I**		**Associate Prof.**	**Professor**		
6th PC Pay Band	PB3 15600-39100			PB4 37400-67000				67000-79000
Grade Pay – IIT etc.	**6000**	**7000**	**8000**	**9000****	**9500**	**10000**	**10500**	**HAG**
Index of Rationalisation	2.67	2.67	2.67	2.67	2.67	2.72	2.72	2.72
Entry Pay IIT etc.	21600	25790	38000	49200	52300	53000	58500	67000
Cell No. / Pay Level	**10**	**11**	**12**	**13A1**	**13A2**	**14**	**14A**	**15**
1	57700	68900	101500	131400	139600	144200	159100	182200
2	59400	71000	104500	135300	143800	148500	163900	187700
3	61200	73100	107600	139400	148100	153000	168800	193300
4	63000	75300	110800	143600	152500	157600	173900	199100
5	64900	77600	114100	147900	157100	162300	179100	205100
6	66800	79900	117500	152300	161800	167200	184500	211300
7	68800	82300	121000	156900	166700	172200	190000	217600
8	**70900**	84800	124600	161600	171700	177400	195700	224100
9	73000	87300	128300	166400	176900	182700	201600	
10	75200	89900	132100	171400	182200	188200	207600	
11	77500	92600	136100	176500	187700	193800	213800	
12	79800	95400	140200	181800	193300	199600	220200	
13	82200	98300	144400	187300	199100	205600		
14	84700	101200	148700	192900	205100	211800		
15	87200	104200	153200	198700	211300			
16	89800	107300	157800	204700				
17	92500	110500	162500					
18	95300	113800	167400					
19	98200	117200						

G20 University Connect
Engaging Young Minds

IIM KASHIPUR

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट काशीपुर

कुंदेश्वरी, काशीपुर, डिस्ट्रिक्ट-उधम सिंह
नगर, काशीपुर, उत्तराखंड 244713, इंडिया
www.iimkashipur.ac.in